VINTAGE

eBooks

The Dain Curse

DASHIELL HAMMETT

Table of Contents
इस लेखक की अन्य पुस्तकें शीर्षक पेज
कॉपीराइट
समर्पण
अंतर्वस्तु
भाग 1 - डैन्स
अध्याय 1 - आठ हीरे
अध्याय 2 - लंबी नाक
अध्याय 3 - कुछ काला
अध्याय 4 - अस्पष्ट हार्पर्स अध्याय 5 - गैब्रिएल
अध्याय 6 - शैतान के द्वीप का आदमी अध्याय 7 - अभिशाप
अध्याय 8 - परन्तु और यदि
भाग 2 - मंदिर
अध्याय 9 - टैड का अंधा आदमी अध्याय 10 - मुरझाए फूल
अध्याय 11 - ईश्वर
अध्याय 12 - अपवित्र ग्रेल
भाग 3 - क्वेसाडा
अध्याय 13 - चट्टानी सड़क अध्याय 14 - क्षतिग्रस्त क्रिसलर अध्याय 15 - मैंने उसे मार डाला अध्याय 16 - रात्रि शिकार अध्याय 17 - सुस्त बिंदु से नीचे अध्याय 18 - अनानास
अध्याय 19 - पतित
अध्याय 20 - खाड़ी में स्थित घर अध्याय 21 - आरोनिया हाल्डोर्न अध्याय 22 - स्वीकारोक्ति अध्याय 23 - सर्कस

[illegible] [illegible] [illegible]
[illegible] [illegible] [illegible]

[redacted]

[redacted]

[redacted]

[redacted]

[redacted]

[redacted]

[redacted]

[redacted]

[redacted]

[redacted]

[redacted]

DASHIELL HAMMETT

THE DAIN CURSE

VINTAGE CRIME

VINTAGE BOOKS
A DIVISION OF RANDOM HOUSE, INC.
NEW YORK

विंटेज बुक्स एडिशन, जुलाई 1989 कॉपीराइट 1928, 1929 अल्फ्रेड ए. नोपफ, इंक. द्वारा। कॉपीराइट का नवीनीकरण 1957 में डैशियल हैमेट द्वारा किया गया। अंतर्राष्ट्रीय और पैन-अमेरिकन कॉपीराइट कन्वेंशनों के तहत सभी अधिकार सुरक्षित। संयुक्त राज्य अमेरिका में रैंडम हाउस, इंक., न्यूयॉर्क द्वारा और साथ ही कनाडा में रैंडम हाउस ऑफ कनाडा लिमिटेड, टोरंटो द्वारा प्रकाशित।
मूल रूप से अल्फ्रेड ए. नोपफ, इंक. द्वारा 1929 में प्रकाशित।
लाइब्रेरी ऑफ कांग्रेस कैटलॉगिंग इन पब्लिकेशन डेटा हैमेट, डैशिएल, 1894–1961।
डैन अभिशाप।
I. शीर्षक
[PZ3.H1884Dai 16] [PS3515.A4347] 813’.5’2 72-1755 ईआईएसबीएन: 978-0-307-76747-9
v3.1

अल्बर्ट एस. सैमुअल्स को

अंतर्वस्तु

ढकना
इस लेखक की अन्य पुस्तकें
शीर्षक पेज
कॉपीराइट
समर्पण

भाग 1 - द डेन
अध्याय 1 - आठ हीरे
अध्याय 2 - लंबी नाक
अध्याय 3 - कुछ काला
अध्याय 4 - अस्पष्ट हार्पर्स अध्याय 5 - गैब्रिएल
अध्याय 6 - शैतान के द्वीप का आदमी अध्याय 7 - अभिशाप
अध्याय 8 - लेकिन और अगर
भाग 2 - मंदिर
अध्याय 9 - टैड का अंधा आदमी अध्याय 10 - मुरझाए फूल
अध्याय 11 - ईश्वर
अध्याय 12 - अपवित्र ग्रेल
भाग 3 - क्वेसाडा
अध्याय 13 - चट्टानी सड़क अध्याय 14 - क्षतिग्रस्त क्रिसलर अध्याय 15 - मैंने उसे मार डाला है अध्याय 16 - रात्रि शिकार अध्याय 17 - सुस्त बिंदु से नीचे अध्याय 18 - अनानास
अध्याय 19 - पतित
अध्याय 20 - खाड़ी में स्थित घर अध्याय 21 - आरोनिया हाल्डोर्न अध्याय 22 - स्वीकारोक्ति अध्याय 23 - सर्कस
लेखक के बारे में
डैशियल हैमेट की पुस्तकें

□□□

1

■ ■ ■

□

□□□□□

■ ■ ■

1

आठ हीरे

यह वाकई एक हीरा था, जो नीली ईंट की दीवार से लगभग छह फीट की दूरी पर घास में चमक रहा था। यह छोटा था, वजन में एक चौथाई कैरेट से भी कम, और इस पर कोई जड़ा हुआ निशान नहीं था। मैंने इसे अपनी जेब में रख लिया और चारों ओर रेंगने के बजाय जितना हो सके घास में इसकी तलाश करने लगा।
मैंने अभी कुछ वर्ग गज घास ही हटाई थी कि लेगेट परिवार का सामने का दरवाजा खुल गया।
एक महिला चौड़ी पत्थर की सीढ़ी पर बाहर आई और उसने हंसमुख जिज्ञासा के साथ मेरी ओर देखा।
वह लगभग मेरी ही उम्र की, चालीस साल की महिला थी, जिसके बाल हल्के सुनहरे रंग के थे, चेहरा गोल-मटोल और चेहरे पर गुलाबी रंग के गड्ढे थे। उसने लैवेंडर रंग के फूलों वाली सफेद रंग की घरेलू पोशाक पहनी हुई थी।
मैंने घास में हाथ फेरना बंद कर दिया और उसके पास जाकर पूछा: "क्या मिस्टर लेगेट अंदर हैं?"
“हाँ।” उसकी आवाज़ उसके चेहरे की तरह शांत थी। “आप उससे मिलना चाहते हैं?”
मैंने कहा कि मैंने किया।
उसने मेरी तरफ और लॉन की तरफ देखकर मुस्कुराया।
"आप भी एक जासूस हैं, है ना?"
मैंने यह बात स्वीकार की।

वह मुझे दूसरी मंजिल पर हरे, नारंगी और चॉकलेट रंग के एक कमरे में ले गई, मुझे एक जरीदार कुर्सी पर बिठाया और अपने पति को उनकी प्रयोगशाला से बुलाने चली गई। जब तक मैं इंतजार कर रही थी, मैंने कमरे का चारों ओर अवलोकन किया और यह निष्कर्ष निकाला कि मेरे पैरों के नीचे बिछी हल्की नारंगी रंग की कालीन शायद वास्तव में पूर्वी शैली की और प्राचीन थी, अखरोट की लकड़ी का फर्नीचर मशीनों से नहीं बनाया गया था, और दीवार पर लगी जापानी तस्वीरें किसी रूढ़िवादी व्यक्ति द्वारा नहीं चुनी गई थीं।
एडगर लेगेट ने आकर कहा: “आपको इंतज़ार कराने के लिए मुझे खेद है, लेकिन मैं अब तक रुक नहीं सका। क्या आपने कुछ सीखा?”
उनकी आवाज़ अप्रत्याशित रूप से कर्कश और खुरदरी थी, हालाँकि उनका व्यवहार काफी दोस्ताना था। वे गहरे रंग के, सीधे खड़े रहने वाले, लगभग चालीस वर्ष के व्यक्ति थे, जिनका शरीर मांसपेशियों से भरा हुआ और शरीर मध्यम कद का था। अगर उनके भूरे चेहरे पर माथे और नाक के नथुनों से लेकर मुँह के कोनों तक गहरी, कठोर रेखाएँ न होतीं, तो वे आकर्षक होते। उनके लंबे, काले बाल चौड़े, खांचेदार माथे के ऊपर और चारों ओर घुंघराले थे। सींग के फ्रेम वाले चश्मे के पीछे उनकी लाल-भूरी आँखें असामान्य रूप से चमकदार थीं। उनकी नाक लंबी, पतली और ऊँची थी। उनके होंठ पतले, नुकीले और लचीले थे, जो उनकी छोटी, हड्डीदार ठुड्डी पर टिके थे। उनके काले और सफेद कपड़े अच्छी तरह से सिले और साफ-सुथरे थे।
मैंने उसके सवाल के जवाब में कहा, "अभी नहीं। मैं कोई पुलिस जासूस नहीं हूँ—कॉन्टिनेंटल एजेंसी में—बीमा कंपनी के लिए—और मैंने अभी-अभी शुरुआत की है।"
“बीमा कंपनी?” वह आश्चर्यचकित लग रहा था, उसने अपने चश्मे के ऊपर अपनी काली भौहें उठाईं।
“हाँ। क्या ऐसा नहीं था?”
“ज़रूर,” उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा और एक हाथ के हल्के इशारे से मेरी बात काट दी। उनका हाथ लंबा और पतला था, उंगलियों के सिरे थोड़े उभरे हुए थे, जैसे ज़्यादातर प्रशिक्षित हाथ भद्दे होते हैं। “ज़रूर। उनका बीमा हुआ होगा। मैंने इस बारे में सोचा ही नहीं था। वैसे, ये मेरे हीरे नहीं थे; ये तो हैलस्टेड के थे।”

“हैलस्टेड और ब्यूचैम्प? मुझे बीमा कंपनी से कोई जानकारी नहीं मिली। क्या आपने हीरे अनुमोदन के लिए लिए थे?”
“नहीं। मैं इनका प्रयोग प्रायोगिक तौर पर कर रहा था। हैलस्टेड को कांच पर मेरे काम के बारे में पता था—निर्माण के बाद उसे रंगना, दाग लगाना या डाई करना—और उन्हें इस प्रक्रिया को हीरों पर लागू करने की संभावना में दिलचस्पी हुई, खासकर फीके रंग के हीरों को सुधारने, पीले और भूरे रंग के धब्बे हटाने और नीले रंग को उभारने में। उन्होंने मुझसे इसे आज़माने के लिए कहा और पाँच हफ्ते पहले मुझे ये हीरे काम करने के लिए दिए। वे आठ थे, जिनमें से कोई भी खास कीमती नहीं था। सबसे बड़े हीरे का वज़न आधे कैरेट से थोड़ा ही ज़्यादा था, बाकी कुछ का वज़न एक चौथाई था, और दो को छोड़कर बाकी सभी का रंग फीका था। ये वही हीरे हैं जिन्हें चोर ले गया।”
“तो फिर आप सफल नहीं हुए?” मैंने पूछा।
उन्होंने कहा, "सच कहूं तो, मैंने जरा भी प्रगति नहीं की थी। यह कहीं अधिक नाजुक मामला था, और कहीं अधिक जटिल विषय से संबंधित था।" आपने इन्हें कहाँ रखा था?
"आमतौर पर उन्हें खुले में इधर-उधर पड़ा रहने दिया जाता था - हमेशा प्रयोगशाला में ही, बेशक - लेकिन पिछले कई दिनों से उन्हें अलमारी में बंद कर दिया गया था - मेरे पिछले असफल प्रयोग के बाद से।"
“इन प्रयोगों के बारे में किसे पता था?”
"कोई भी, हर कोई—गुप्त रखने की कोई जरूरत नहीं थी।"
“क्या वे अलमारी से चोरी हुए थे?”
“हां। आज सुबह हमने देखा कि हमारा सामने का दरवाजा खुला था, अलमारी का दराज जबरदस्ती खोला गया था और हीरे गायब थे। पुलिस को रसोई के दरवाजे पर निशान मिले हैं। उनका कहना है कि चोर उसी रास्ते से अंदर आया और सामने के दरवाजे से बाहर निकल गया। हमें कल रात कुछ भी सुनाई नहीं दिया। और कुछ भी चोरी नहीं हुआ।”
“आज सुबह जब मैं नीचे आई तो सामने का दरवाजा थोड़ा खुला हुआ था,” श्रीमती लेगेट ने दरवाजे से कहा। “मैं ऊपर गई और एडगर को जगाया, फिर हमने घर की तलाशी ली और हीरे गायब मिले। पुलिस का मानना है कि मैंने जिस आदमी को देखा था वही चोर रहा होगा।”
मैंने उससे उस आदमी के बारे में पूछा जिसे उसने देखा था।

“कल रात, लगभग आधी रात को, सोने से पहले मैंने अपने बेडरूम की खिड़कियाँ खोलीं। मैंने कोने पर एक आदमी को खड़ा देखा। मैं अब भी यह नहीं कह सकती कि उसमें कुछ भी संदिग्ध लग रहा था। वह वहाँ ऐसे खड़ा था जैसे किसी का इंतज़ार कर रहा हो। वह इस तरफ देख रहा था, लेकिन इस तरह नहीं कि मुझे लगे कि वह इस घर पर नज़र रख रहा है। वह चालीस से ज़्यादा उम्र का आदमी था, कद में छोटा और चौड़ा—लगभग तुम्हारे जैसा—लेकिन उसकी भूरी, घनी मूंछें थीं और उसका रंग पीला था। उसने एक मुलायम टोपी और गहरा रंग का ओवरकोट पहना हुआ था—मुझे लगता है कि वे भूरे रंग के थे। पुलिस का मानना है कि यह वही आदमी है जिसे गैब्रिएल ने देखा था।”
"कौन?"
“मेरी बेटी गैब्रिएल,” उसने कहा। “एक रात देर से घर लौटते समय— शनिवार की रात, मुझे लगता है—उसने एक आदमी को देखा और सोचा कि वह हमारे घर की सीढ़ियों से आया है; लेकिन वह निश्चित नहीं थी और चोरी होने तक उसने इस बारे में और कुछ नहीं सोचा।”
मैं उससे बात करना चाहता हूँ। क्या वह घर पर है?
श्रीमती लेगेट उसे लेने बाहर गईं।
मैंने लेगेट से पूछा: "क्या हीरे ढीले थे?"
“वे पत्थर जड़े हुए नहीं थे, और छोटे-छोटे मनीला लिफाफों में रखे हुए थे—हैलस्टेड और ब्यूचैम्प के—प्रत्येक पत्थर अलग-अलग लिफाफों में था, जिन पर पेंसिल से संख्या और पत्थर का वजन लिखा हुआ था। वे लिफाफे भी गायब हैं।”
श्रीमती लेगेट अपनी बेटी के साथ लौटीं, जो बीस वर्ष या उससे कम उम्र की थी और बिना आस्तीन वाली सफेद रेशमी पोशाक पहने थी। मध्यम कद की वह लड़की अपनी वास्तविक लंबाई से कहीं अधिक दुबली-पतली दिखती थी। उसके बाल उसके पिता की तरह घुंघराले थे, लेकिन लंबे नहीं थे, बल्कि हल्के भूरे रंग के थे। उसकी ठुड्डी नुकीली थी और त्वचा अत्यंत सफेद और चिकनी थी। उसके चेहरे की विशेषताओं में केवल उसकी हरी- भूरी आँखें ही बड़ी थीं: माथा, मुँह और दाँत आश्चर्यजनक रूप से छोटे थे। मैं उनसे परिचय कराने के लिए खड़ा हुआ और उनसे उस व्यक्ति के बारे में पूछा जिसे उन्होंने देखा था।

“मुझे पक्का यकीन नहीं है कि वह घर से आया था,” उसने कहा, “या लॉन से भी नहीं।” वह उदास थी, मानो उसे सवाल-जवाब पसंद न हो। “मुझे लगा कि शायद वह आया होगा, लेकिन मैंने उसे सिर्फ सड़क पर चलते हुए देखा।” वह दिखने में कैसा आदमी था?
“मुझे नहीं पता। अंधेरा था। मैं कार में थी, वह सड़क पर चल रहा था। मैंने उसे ध्यान से नहीं देखा। वह लगभग तुम्हारे कद का था। हो सकता है वह तुम ही हो, मुझे क्या पता।”
“नहीं, ऐसा नहीं था। क्या वो शनिवार रात की बात थी?”
"हां—यानी रविवार की सुबह।"
"कितने बजे?"
“ओह, तीन बजे या उसके बाद,” उसने अधीरता से कहा।
"क्या तुम अकेले हो?"
"मुश्किल से।"
मैंने उससे पूछा कि उसके साथ कौन था और आखिरकार मुझे एक नाम पता चला: एरिक कॉलिंसन उसे घर तक छोड़कर आया था। मैंने पूछा कि मैं एरिक कॉलिंसन को कहाँ पा सकता हूँ। उसने भौंहें चढ़ाईं, हिचकिचाई और कहा कि वह स्पीयर, कैंप और डफी नामक स्टॉकब्रोकर कंपनी में काम करता है। उसने यह भी कहा कि उसे भयानक सिरदर्द हो रहा है और उसे उम्मीद है कि मैं अब उसे जाने की अनुमति दे दूँगा, क्योंकि वह जानती थी कि अब मेरे पास उससे पूछने के लिए और कोई सवाल नहीं बचेगा। फिर, मेरे किसी भी जवाब का इंतज़ार किए बिना, वह मुड़ी और कमरे से बाहर चली गई। जब वह मुड़ी तो मैंने देखा कि उसके कानों में लोब नहीं थे और वे ऊपर से अजीब तरह से नुकीले थे।
मैंने श्रीमती लेगेट से पूछा, "आपके नौकर कैसे हैं?"
“हमारे पास सिर्फ एक ही है—मिन्नी हर्शे, एक नीग्रो महिला। वह यहाँ नहीं सोती है, और मुझे यकीन है कि उसका इससे कोई लेना-देना नहीं है। वह लगभग दो साल से हमारे साथ है और मैं उसकी ईमानदारी की गारंटी दे सकता हूँ।”
मैंने कहा कि मैं मिन्नी से बात करना चाहती हूँ, और श्रीमती लेगेट ने उसे अंदर बुलाया। नौकरानी एक छोटी, दुबली-पतली, सांवली लड़की थी जिसके सीधे काले बाल और भारतीय जैसी भूरी रंगत थी। वह बहुत विनम्र थी और इस बात पर अड़ी थी कि हीरे की चोरी से उसका कोई लेना-देना नहीं

है और उसे उस सुबह घर आने तक चोरी के बारे में कुछ भी पता नहीं था। उसने मुझे सैन फ्रांसिस्को के एक सुनसान इलाके में अपना घर का पता दिया।
लेगेट और उनकी पत्नी मुझे प्रयोगशाला में ले गए, जो तीसरी मंजिल के लगभग पाँचवें हिस्से को छोड़कर बाकी पूरी इमारत में फैला हुआ एक बड़ा कमरा था। सफेदी की हुई दीवार पर खिड़कियों के बीच चार्ट टंगे हुए थे। लकड़ी का फर्श खुला हुआ था। एक एक्स-रे मशीन—या इसी तरह की कोई और मशीन—चार-पाँच छोटी मशीनें, एक भट्टी, एक बड़ा सिंक, एक बड़ी जस्ता की मेज, कुछ छोटी चीनी मिट्टी की मेजें, स्टैंड, कांच के बर्तनों के रैक, साइफन के आकार के धातु के टैंक—इस तरह की चीजें कमरे के अधिकांश हिस्से में भरी हुई थीं।
जिस अलमारी से हीरे चुराए गए थे, वह हरे रंग से रंगी हुई स्टील की थी, जिसमें छह दराजें थीं जो आपस में लॉक हो जाती थीं। ऊपर से दूसरी दराज—जिसमें हीरे रखे थे—खुली हुई थी। उसके किनारे पर एक धब्बा था, जहाँ किसी औजार या छेनी को जबरदस्ती फ्रेम के बीच में डाला गया था। बाकी दराजें अभी भी बंद थीं। लेगेट ने बताया कि हीरे वाली दराज को जबरदस्ती खोलने से लॉकिंग सिस्टम जाम हो गया था, इसलिए उन्हें बाकी दराजें खुलवाने के लिए किसी मैकेनिक को बुलाना पड़ेगा।
हम नीचे गए, एक कमरे से गुज़रे जहाँ वह अश्वेत व्यक्ति वैक्यूम क्लीनर के पीछे घूम रहा था, और रसोई में पहुँचे। पीछे का दरवाज़ा और उसका फ्रेम, कैबिनेट की तरह ही, एक ही औज़ार से बनाए गए थे।
जब मैंने दरवाजे को अच्छी तरह से देख लिया, तो मैंने अपनी जेब से हीरा निकाला और लेगेट परिवार को दिखाते हुए पूछा: "क्या यह उनमें से एक है?"
लेगेट ने तर्जनी और अंगूठे से मेरी हथेली से उसे उठाया, रोशनी में देखा, इधर-उधर घुमाया और कहा: "हाँ। इसमें कूल्हे के पास वह धुंधला धब्बा है। यह तुम्हें कहाँ से मिला?"
सामने, घास में।
"अरे, हमारे चोर ने जल्दबाजी में अपना कुछ माल गिरा दिया।"
मैंने कहा कि मुझे इस पर संदेह है।
लेगेट ने अपने चश्मे के पीछे अपनी भौंहें सिकोड़ीं, छोटी आँखों से मेरी ओर देखा और तीखे स्वर में पूछा: "आप क्या सोचते हैं?"

“मुझे लगता है कि इसे वहाँ जानबूझकर रखा गया था। चोर को बहुत कुछ पता था। उसे पता था कि किस दराज में जाना है। उसने किसी और चीज़ पर समय बर्बाद नहीं किया। जासूस हमेशा कहते हैं: ‘यह अंदरूनी मिलीभगत है,’ क्योंकि अगर उन्हें घटनास्थल पर ही पीड़ित मिल जाए तो काम आसान हो जाता है; लेकिन मुझे यहाँ इसके अलावा कुछ और नज़र नहीं आता।” मिन्नी वैक्यूम क्लीनर पकड़े दरवाजे पर आई और रोने लगी कि वह एक ईमानदार लड़की है, किसी को भी उस पर कोई आरोप लगाने का अधिकार नहीं है, वे चाहें तो उसकी और उसके घर की तलाशी ले सकते हैं, और सिर्फ इसलिए कि वह अश्वेत लड़की है, इसका कोई मतलब नहीं है, इत्यादि। उसकी पूरी बात समझ में नहीं आ रही थी, क्योंकि वैक्यूम क्लीनर अभी भी उसके हाथ में चल रहा था और वह बोलते-बोलते सिसक रही थी। उसकी आँखों से आंसू बह रहे थे।
श्रीमती लेगेट उसके पास गईं, उसका कंधा थपथपाया और बोलीं: “चिंता मत करो, मिन्नी। रो मत। मुझे पता है इसमें तुम्हारा कोई हाथ नहीं था, और बाकी सब भी यही जानते हैं। चिंता मत करो।” थोड़ी देर में उन्होंने बच्ची के आंसू पोंछे और उसे ऊपर भेज दिया।
लेगेट रसोई की मेज के एक कोने पर बैठ गया और पूछा: "क्या आपको इस घर में किसी पर शक है?"
"कोई ऐसा व्यक्ति जो इसमें शामिल रहा हो, हाँ।"
"किसको?"
अभी तक कोई नहीं।
“इसका मतलब है”—वह मुस्कुराया, अपने सफेद दांत दिखाते हुए जो लगभग उसकी बेटी के दांतों जितने छोटे थे—“हर कोई—हम सब?”
मैंने सुझाव दिया, "चलिए लॉन पर एक नज़र डालते हैं। अगर हमें और हीरे मिले तो मैं कहूँगा कि शायद अंदरूनी कोण के बारे में मेरी राय गलत थी।"
घर के बीचोंबीच पहुँचकर, जब हम मुख्य द्वार की ओर बढ़े, तो हमारी मुलाकात मिन्नी हर्शे से हुई, जो हल्के भूरे रंग के कोट और बैंगनी टोपी पहने अपनी मालकिन को अलविदा कहने आई थी। उसने रोते हुए कहा कि वह ऐसी किसी भी जगह काम नहीं करेगी जहाँ किसी को शक हो कि उसने कुछ चुराया है। वह भी उतनी ही ईमानदार थी जितनी कोई और, बल्कि कुछ लोगों से ज़्यादा, और सम्मान की उतनी ही हकदार थी, और अगर उसे एक जगह

सम्मान नहीं मिलता तो दूसरी जगह मिल जाता, क्योंकि वह ऐसी जगहें जानती थी जहाँ लोग उस पर चोरी का आरोप नहीं लगाएंगे, जबकि उसने दो साल तक वहाँ बिना कभी रोटी का एक टुकड़ा भी चुराए काम किया था। श्रीमती लेगेट ने उससे विनती की, उसे समझाया, डांटा और आदेश भी दिया, लेकिन कुछ भी कारगर नहीं हुआ। उस सांवली लड़की ने मन बना लिया था और वह चली गई।
श्रीमती लेगेट ने मेरी ओर देखा, अपने सौम्य चेहरे को जितना हो सके उतना गंभीर बनाते हुए, और फटकार भरे लहजे में कहा: "अब देखो तुमने क्या किया है।"
मैंने माफी मांगी, और मैं और उसका पति लॉन की जांच करने के लिए बाहर गए। हमें वहां कोई और हीरा नहीं मिला।

2

लंबी नाक

मैंने श्रीमती और मिस लेगेट द्वारा देखे गए व्यक्ति का पता लगाने के लिए आस-पड़ोस में कुछ घंटे छानबीन की। मुझे उस मामले में कोई सफलता नहीं मिली, लेकिन मुझे एक अन्य व्यक्ति के बारे में जानकारी मिली। श्रीमती प्रीस्टली—एक कमजोर और अर्ध-विकलांग महिला जो लेगेट के घर से तीन दरवाजे नीचे रहती थी—ने मुझे उस व्यक्ति के बारे में पहली जानकारी दी।
श्रीमती प्रीस्टली अक्सर रात में जब उन्हें नींद नहीं आती थी तो घर की खिड़की पर बैठ जाती थीं। ऐसी ही दो रातों में उन्होंने उस आदमी को देखा था। उन्होंने बताया कि वह लंबा-चौड़ा और जवान था, और वह सिर झुकाकर चलता था। सड़क पर रोशनी इतनी कम थी कि वह उसके रंग-रूप और कपड़ों का ठीक से वर्णन नहीं कर पाईं।
उसने उसे पहली बार एक सप्ताह पहले देखा था। वह सड़क के दूसरी ओर पाँच-छह बार, पंद्रह-बीस मिनट के अंतराल पर, इधर-उधर आया-गया था, उसका चेहरा उस ओर मुड़ा हुआ था मानो वह श्रीमती प्रीस्टली और लेगेट परिवार की तरफ कुछ देख रहा हो या कुछ खोज रहा हो। उसे लगा कि उसने उसे उस रात ग्यारह-बारह बजे के बीच पहली बार देखा था, और आखिरी बार लगभग एक बजे। कई रातों बाद—शनिवार को—उसने उसे फिर देखा, इस बार वह चल नहीं रहा था, बल्कि नीचे वाले कोने पर खड़ा था, सड़क की ओर देख रहा था, लगभग आधी रात को। वह आधे घंटे बाद चला गया, और उसने उसे फिर कभी नहीं देखा।

कॉलिंसन को चोरी के बारे में बताया और उससे उस आदमी के बारे में पूछा जिसे उसने और मिस लेगेट ने शनिवार रात देखा था।
“जहाँ तक मैं देख सका, वह एक साधारण सा दिखने वाला आदमी था। अँधेरा था। कद में छोटा और मोटा। तुम्हें क्या लगता है कि उसने उन्हें लिया होगा?”
मैंने पूछा, "क्या वह लेगेट के घर से आया था?"
“कम से कम लॉन से तो ऐसा ही लग रहा था। वो घबराया हुआ सा लग रहा था— इसलिए मुझे लगा कि शायद वो ऐसी जगह ताक-झांक कर रहा था जहाँ उसे नहीं करनी चाहिए थी। मैंने सोचा कि मैं उसके पीछे जाकर उससे पूछूँ कि वो क्या कर रहा है, लेकिन गैबी नहीं मानी। शायद वो उसके पिता का दोस्त हो। क्या तुमने उससे पूछा? उसे तो अजीबोगरीब लोगों में दिलचस्पी है।”
"क्या किसी आगंतुक के जाने के लिए इतना देर नहीं हो गई थी?"
उसने मेरी तरफ से नज़रें फेर लीं, इसलिए मैंने पूछा: "कितने बजे थे?" "शायद आधी रात हो गई होगी।"
"मध्यरात्रि?"
“यही वह शब्द है। वह समय जब कब्रें अपने मृतकों को बाहर निकाल देती हैं, और भूत विचरण करने लगते हैं।”
"मिस लेगेट ने कहा कि तीन बज चुके थे।"
“देखो तो सही!” उसने बेपरवाही से विजयी भाव से कहा, मानो उसने कोई ऐसी बात साबित कर दी हो जिस पर हम बहस कर रहे थे। “वह आधी अंधी है और खूबसूरती खोने के डर से चश्मा नहीं पहनती। वह हमेशा ऐसी ही गलतियाँ करती रहती है। ब्रिज का खेल तो वह बेहद खराब खेलती है—दो को इक्का समझ लेती है। शायद सवा बारह बज रहे थे, और उसने घड़ी देखी और सुइयाँ उलट-पुलट कर दीं।”
मैंने कहा: "यह तो बहुत बुरा हुआ," और "धन्यवाद," और मैं गेरी स्ट्रीट में हैलस्टेड और ब्यूचैम्प के स्टोर की ओर चला गया।
वाट हैलस्टेड एक सौम्य, पीला, गंजा, मोटा आदमी था, जिसकी आँखें थकी हुई थीं और कॉलर बहुत कसा हुआ था। मैंने उसे बताया कि मैं क्या कर रहा हूँ और उससे पूछा कि वह लेगेट को कितना जानता है।
“मैं उन्हें एक अच्छे ग्राहक के रूप में और एक वैज्ञानिक के रूप में उनकी प्रतिष्ठा से जानता हूँ। आप क्यों पूछ रहे हैं?”

"उसकी चोरी की घटना कुछ मामलों में तो संदिग्ध है।"
“ओह, आप गलत समझ रहे हैं। मतलब, अगर आपको लगता है कि उनके जैसे काबिल आदमी ऐसी किसी चीज़ में शामिल होंगे, तो आप गलत हैं। नौकर, बिल्कुल; हाँ, ऐसा मुमकिन है: अक्सर ऐसा होता है, है ना? लेकिन लेगेट नहीं। वे एक जाने-माने वैज्ञानिक हैं—उन्होंने रंग पर कुछ उल्लेखनीय काम किया है—और, अगर हमारे क्रेडिट विभाग को गलत जानकारी नहीं मिली है, तो वे सामान्य से कहीं अधिक संपन्न हैं। मेरा मतलब यह नहीं है कि वे आजकल के ज़माने के हिसाब से बहुत अमीर हैं, बल्कि इस तरह की चीज़ के लिए ज़रूरत से ज़्यादा अमीर हैं। और, मुझे गोपनीय रूप से पता है कि सीमैन नेशनल बैंक में उनका मौजूदा बैलेंस दस हज़ार डॉलर से ज़्यादा है। खैर—आठ हीरों की कीमत एक हज़ार बारह या तेरह सौ डॉलर से ज़्यादा नहीं थी।”
“खुदरा दाम में? तो फिर इनकी कीमत आपको पांच या छह सौ पड़ी?” “अच्छा,” मुस्कुराते हुए उन्होंने कहा, “सात सौ पचास ज्यादा करीब होगा।”
"तुमने उसे हीरे कैसे दिए?"
“जैसा कि मैंने आपको बताया है, वह हमारे ग्राहक हैं, और जब मुझे पता चला कि उन्होंने कांच के साथ क्या कमाल किया है, तो मैंने सोचा कि अगर यही तरीका हीरों पर भी लागू किया जा सके तो कितना अद्भुत होगा। फिट्ज़स्टेफ़न—जिनके माध्यम से ही मुझे लेगेट के कांच पर किए गए काम के बारे में पता चला—संदेह में थे, लेकिन मुझे लगा कि कोशिश करना उचित होगा—और अब भी ऐसा ही लगता है—और मैंने लेगेट को कोशिश करने के लिए मना लिया।”
फिट्ज़स्टेफ़न एक जाना-पहचाना नाम था। मैंने पूछा: "वह कौन सा फिट्ज़स्टेफ़न था?"
“ओवेन, लेखक। आप उन्हें जानते हैं?”
“हाँ, लेकिन मुझे नहीं पता था कि वह समुद्र तट पर रहता है। हम एक ही बोतल से पीते थे। क्या आपको उसका पता पता है?”
हैलस्टेड ने मेरे लिए टेलीफोन बुक में नोब हिल का एक अपार्टमेंट ढूंढ निकाला।

उन्हें नंबर याद नहीं था, लेकिन उन्हें वह ब्लॉक पता था—वैन नेस एवेन्यू के ऊपर वाला। मैंने उन्हें धन्यवाद दिया और वहां चला गया। निर्धारित ब्लॉक में मुझे एक छोटे से अपार्टमेंट भवन के दरवाजे पर वर्दीधारी पुलिसकर्मी खड़ा मिला। मैंने उससे पूछा कि क्या ओ'गार वहाँ है।
उन्होंने कहा, "तीन सौ दस मिनट में ऊपर।"
मैं एक खस्ताहाल लिफ्ट में ऊपर गया। जब मैं तीसरी मंजिल पर उतरा, तो मेरी मुलाकात श्रीमती लेगेट और उनकी बेटी से हुई, जो वहां से जा रही थीं।
"अब मुझे उम्मीद है कि आप इस बात से संतुष्ट हो गए होंगे कि मिन्नी का इससे कोई लेना-देना नहीं था," श्रीमती लेगेट ने फटकार लगाते हुए कहा।
“क्या पुलिस को तुम्हारा आदमी मिल गया?”
"हाँ।"
मैंने गैब्रिएल लेगेट से कहा: "एरिक कॉलिंसन का कहना है कि शनिवार रात को आप आधी रात या उसके कुछ मिनट बाद ही घर पहुंची थीं।"
“एरिक,” उसने चिड़चिड़ाते हुए कहा और लिफ्ट में प्रवेश करने के लिए मेरे पास से गुज़रते हुए बोली, “एक बेवकूफ है।”
उसकी मां, जो उसके पीछे-पीछे लिफ्ट में आई थी, ने उसे प्यार से डांटते हुए कहा: "अब, प्यारी।"
मैं गलियारे से चलकर एक दरवाजे तक पहुंचा जहां पैट रेड्डी कुछ पत्रकारों से बात कर रहे थे, मैंने उन्हें नमस्कार किया, उनके बीच से निकलकर एक छोटे से गलियारे में घुस गया और वहां से होते हुए एक जर्जर ढंग से सजाए गए कमरे में पहुंचा जहां एक मृत व्यक्ति दीवार से लगे पलंग पर पड़ा था।
पुलिस पहचान ब्यूरो के फेल्स ने अपनी आवर्धक लेंस से नज़रें उठाकर मेरी ओर सिर हिलाया और फिर मिशन टेबल के किनारे की अपनी जांच जारी रखी।
ओ'गार ने खिड़की से अपना सिर और कंधे अंदर खींचे और गुर्राते हुए कहा: "तो हमें फिर से तुम्हें बर्दाश्त करना पड़ेगा?"
ओ'गार पचास साल का एक हट्टा-कट्टा, गंभीर स्वभाव का आदमी था, जो फिल्मों में दिखने वाले शेरिफ की तरह चौड़ी किनारी वाली काली टोपी

पहनता था। उसके सख्त दिमाग में बहुत समझदारी थी और उसके साथ काम करना आसान था।
मैंने शव को देखा—लगभग चालीस वर्ष का एक व्यक्ति, भारी, पीला चेहरा, छोटे बाल जिनमें सफ़ेद बाल आ रहे थे, घनी काली मूंछें और गठीले हाथ-पैर। उसकी नाभि के ठीक ऊपर एक गोली का निशान था, और दूसरा उसकी छाती के बाईं ओर ऊपर की तरफ था।
जब मैंने दोबारा उसके ऊपर कंबल डाला तो ओ'गार ने कहा, "यह एक आदमी है। वह मर चुका है।"
मैंने पूछा, "किसी ने तुम्हें और क्या बताया?"
“लगता है वो और एक दूसरा आदमी बर्फ पर कुछ चुरा रहे थे, और फिर दूसरा आदमी वहाँ से निकल गया। लिफाफे तो यहाँ हैं”—ओ'गार ने उन्हें अपनी जेब से निकाला और अंगूठे से उन्हें पलटा—“लेकिन हीरे नहीं हैं। वो दूसरे आदमी के साथ थोड़ी देर पहले आग से बचने वाली सीढ़ी से नीचे चले गए। लोगों ने उसे चुपके से जाते हुए देखा था, लेकिन गली से निकलते समय वो उन्हें देख नहीं पाया। लंबा आदमी, लंबी नाक वाला। ये वाला”—उसने बिस्तर की ओर इशारा करते हुए लिफाफों को दिखाया —“यहाँ एक हफ्ते से है। नाम लुई अप्टन है, न्यूयॉर्क के लेबल लगे हैं। हम उसे नहीं जानते। कूड़े के ढेर में कोई भी ये नहीं कहेगा कि उन्होंने उसे कभी किसी और के साथ देखा है। कोई भी ये नहीं कहेगा कि वो लंबी नाक वाले को जानता है।”
पैट रेड्डी अंदर आए। वह एक लंबे-चौड़े, हंसमुख नौजवान थे, जिनमें अनुभव की कमी को लगभग पूरा करने के लिए पर्याप्त बुद्धि थी। मैंने उन्हें और ओ'गार को बताया कि मुझे अब तक काम में क्या-क्या जानकारी मिली है।
"क्या लॉन्ग-नोज और यह पक्षी बारी-बारी से लेगेट की रखवाली कर रहे हैं?" रेड्डी ने सुझाव दिया।
“शायद,” मैंने कहा, “लेकिन इसमें एक अंदरूनी पहलू भी है। ओ'गार, तुम्हारे पास कितने लिफाफे हैं?”
"सात।"
"तो फिर रोपित हीरे वाला एक हीरा गायब है।"
“पीली लड़की के बारे में क्या ख्याल है?” रेड्डी ने पूछा।

मैंने कहा, "मैं आज रात उसके बॉयफ्रेंड को देखने जा रहा हूँ। क्या तुम लोग इस अप्टन पर न्यूयॉर्क वाला तरीका आज़मा रहे हो?"
“हम्म,” ओ’गार ने कहा।

3

कुछ काला

नोब हिल के उस पते पर जो हैलस्टेड ने मुझे दिया था, मैंने स्विचबोर्ड पर बैठे लड़के को अपना नाम बताया और उससे कहा कि वह इसे फिट्ज़स्टेफ़न तक पहुंचा दे। मुझे फिट्ज़स्टेफ़न एक लंबे, दुबले- पतले, भूरे बालों वाले बत्तीस वर्षीय व्यक्ति के रूप में याद था, जिसकी आंखें नींद से भरी हुई और भूरी थीं, मुंह चौड़ा और विनोदी था, और कपड़े लापरवाही से पहने हुए थे; एक ऐसा व्यक्ति जो अपनी असलियत से कहीं ज्यादा आलसी होने का दिखावा करता था, किसी भी काम से ज्यादा बातें करना पसंद करता था, और किसी भी विषय पर, जो थोड़ा हटकर हो, उसके पास सटीक जानकारी और मौलिक विचार होते थे।
मेरी मुलाकात उनसे पांच साल पहले न्यूयॉर्क में हुई थी, जहां मैं नकली तांत्रिकों के एक गिरोह का पर्दाफाश कर रहा था, जिन्होंने कोयला और बर्फ के व्यापारी की विधवा से एक लाख डॉलर ठग लिए थे। फिट्ज़स्टेफ़न भी साहित्यिक सामग्री के लिए इसी क्षेत्र में काम कर रहे थे। हमारी जान-पहचान हुई और हमने मिलकर काम करना शुरू किया। मुझे उनसे ज़्यादा फ़ायदा हुआ, क्योंकि वे तांत्रिकों के इस धंधे की पूरी जानकारी रखते थे; और उनकी मदद से मैंने कुछ ही हफ्तों में अपना काम निपटा लिया। उसके बाद एक-दो महीने तक हम काफी अच्छे दोस्त रहे, जब तक कि मैंने न्यूयॉर्क नहीं छोड़ दिया।
“मिस्टर फिट्ज़स्टेफ़न ने कहा है कि आप तुरंत ऊपर आ जाइए,” स्विचबोर्ड वाले लड़के ने कहा।

उनका अपार्टमेंट छठी मंजिल पर था। जब मैं लिफ्ट से बाहर निकला तो वह उसके दरवाजे पर खड़े थे।
“भगवान की कसम,” उसने अपना पतला हाथ आगे बढ़ाते हुए कहा, “यह तुम हो!” "और कोई नहीं।"
उनमें कोई बदलाव नहीं आया था। हम एक ऐसे कमरे में गए जहाँ आधा दर्जन किताबों की अलमारियाँ और चार मेजें थीं, जिससे बाकी चीजों के लिए बहुत कम जगह बची थी। विभिन्न भाषाओं की पत्रिकाएँ और किताबें, कागज़, अखबार की कतरनें, प्रूफ शीटें, सब कुछ बिखरा पड़ा था— बिल्कुल वैसा ही जैसा उनके न्यूयॉर्क वाले कमरों में हुआ करता था। हम बैठ गए, मेज के पैरों के बीच अपने पैर रखने की जगह ढूंढी और पिछली बार मिलने के बाद से अपने जीवन के बारे में संक्षेप में बात की। वह एक साल से थोड़ा ज़्यादा समय से सैन फ्रांसिस्को में था—सिवाय सप्ताहांतों के, और दो महीने ग्रामीण इलाके में एक उपन्यास पूरा करने के। मैं वहाँ लगभग पाँच साल से था। उसने कहा कि उसे सैन फ्रांसिस्को पसंद है, लेकिन पश्चिम को वापस भारतीयों को सौंपने के किसी भी आंदोलन का वह विरोध नहीं करेगा।
मैंने पूछा, "साहित्यिक धोखाधड़ी का धंधा कैसा चल रहा है?" उन्होंने मेरी ओर तीखी नजरों से देखते हुए पूछा, "क्या तुम मुझे पढ़ नहीं रहे हो?"
नहीं। तुम्हें यह अजीबोगरीब विचार कहाँ से आया?
“तुम्हारे लहजे में कुछ खास था, कुछ अपनापन सा, जैसे किसी ने कुछ डॉलर में किसी लेखक की किताब खरीद ली हो। मैंने इसे अक्सर नहीं सुना है, इसलिए इसकी आदत नहीं पड़ी है। हे भगवान! याद है एक बार मैंने तुम्हें अपनी किताबों का एक सेट तोहफे में दिया था?” उसे हमेशा से इसी तरह बात करना पसंद था।
“हाँ। लेकिन मैंने तुम्हें कभी दोष नहीं दिया। तुम नशे में थे।” “शेरी की बात हो रही है—एल्सा डोने की शेरी। एल्सा याद है? उसने हमें अपनी एक पेंटिंग दिखाई थी जो उसने अभी-अभी पूरी की थी, और तुमने कहा था कि वह सुंदर है। हे भगवान, वह कितनी गुस्से में थी! तुमने यह बात इतनी बेजान और ईमानदारी से कही थी जैसे तुम्हें पूरा यकीन हो कि उसे तुम्हारी बात पसंद आएगी। याद है? उसने हमें बाहर निकाल दिया था, लेकिन हम दोनों उसकी शेरी पीकर पहले ही नशे में चूर

हो चुके थे। लेकिन तुममें इतनी कंजूसी नहीं थी कि हिसाब-किताब रख सको।”
मैंने समझाया, "मुझे डर था कि मैं उन्हें पढ़ लूंगा और समझ लूंगा, और फिर आपको अपमानित महसूस होगा।"
एक चीनी लड़के ने हमें ठंडी सफेद शराब लाकर दी।
फिट्ज़स्टेफ़न ने कहा: "मुझे लगता है कि आप अभी भी उस दुर्भाग्यपूर्ण अपराधी का पीछा कर रहे हैं?"
“हाँ। इसी तरह मुझे आपके बारे में पता चला। हैलस्टेड ने मुझे बताया कि आप एडगर लेगेट को जानते हैं।”
उनकी धूसर आँखों में नींद की एक चमक दिखाई दी, और वे अपनी कुर्सी पर थोड़ा उठकर बैठ गए और पूछा: "क्या लेगेट कुछ कर रहा है?"
"आप क्यों कहते हो कि?"
“मैंने ये कहा नहीं, मैंने ये पूछा है।” वो कुर्सी पर फिर से ढीले- ढाले अंदाज़ में बैठ गया, लेकिन उसकी आँखों की चमक ज़रा भी नहीं मिटी। “सच बताओ। मेरे बेटे, मुझसे चालाकी करने की कोशिश मत करो; ये तुम्हारा तरीका नहीं है। कोशिश की तो गया काम से। सीधे-सीधे बताओ: लेगेट क्या कर रहा है?”
“हम ऐसा नहीं करते,” मैंने कहा। “तुम एक कहानीकार हो। मैं तुम पर भरोसा नहीं कर सकता कि तुम मेरी बातों को बढ़ा-चढ़ाकर नहीं बताओगे। मैं अपनी बात तुम्हारे बोलने के बाद कहूँगा, ताकि तुम्हारी बात को मेरी बात के हिसाब से न मोड़ा जाए। तुम उसे कब से जानते हो?”
“यहाँ आने के कुछ समय बाद से ही। वह हमेशा से मुझे आकर्षित करता रहा है। उसमें कुछ रहस्यमय है, कुछ गहरा और लुभावना। उदाहरण के लिए, वह शारीरिक रूप से संयमी है—न धूम्रपान करता है, न शराब पीता है, कम खाता है, और मुझे बताया गया है कि वह रात में केवल तीन या चार घंटे सोता है—लेकिन मानसिक या आध्यात्मिक रूप से, वह कामुक है—क्या इसका आपके लिए कोई अर्थ है?—पतन की हद तक। आप सोचते थे कि मुझे कल्पनाओं के प्रति असामान्य रुचि है। आपको उसे जानना चाहिए। उसके मित्र—नहीं, उसके कोई मित्र नहीं हैं—उसके चुने हुए साथी वे हैं जिनके पास सबसे विचित्र विचार होते हैं: मार्क्वार्ड और उसकी पागल आकृतियाँ जो आकृतियाँ नहीं हैं, बल्कि अंतरिक्ष में क्षेत्रों की

सीमाएँ हैं जो आकृतियाँ हैं; डेनबार कर्ट और उसका बीजगणितवाद; हाल्डोर्न और उनका होली ग्रेल संप्रदाय; पागल लौरा जॉइन्स; फर्नहैम—”
मैंने बीच में कहा, "और तुम, अपनी उन व्याख्याओं और वर्णनों से जो कुछ भी स्पष्ट या वर्णित नहीं करते। मुझे उम्मीद है कि तुम यह नहीं सोचते कि तुमने जो कुछ भी कहा है उसका मेरे लिए कोई मतलब है।" “मुझे अब याद आया: तुम हमेशा से ऐसे ही थे।” उसने मुस्कुराते हुए अपने भूरे बालों में पतली उंगलियां फिराईं। “बताओ क्या बात है, मैं तुम्हारे लिए एक शब्द ढूंढने की कोशिश करता हूँ।”
मैंने उससे पूछा कि क्या वह एरिक कॉलिंसन को जानता है। उसने कहा कि वह जानता है; उसके बारे में जानने लायक कुछ खास नहीं था सिवाय इसके कि उसकी सगाई गैब्रिएल लेगेट से हुई थी, उसके पिता लकड़ी के व्यापारी कॉलिंसन थे, और एरिक प्रिंसटन का छात्र था, उसे स्टॉक और बॉन्ड पसंद थे, और उसे हैंडबॉल खेलना पसंद था, वह एक अच्छा लड़का था।
मैंने कहा, "शायद, लेकिन उसने मुझसे झूठ बोला।"
“क्या ये किसी जासूस की तरह नहीं है?” फिट्ज़स्टेफ़ान ने मुस्कुराते हुए सिर हिलाया। “तुमने शायद गलत आदमी को पकड़ लिया है —कोई उसका रूप धारण करके बैठा है। शेवेलियर बेयार्ड झूठ नहीं बोलता, और वैसे भी, झूठ बोलने के लिए कल्पना की ज़रूरत होती है। या रुको! क्या तुम्हारे सवाल में कोई औरत शामिल थी?”
मेंने सिर हिलाया।
“तो आप सही हैं,” फिट्ज़स्टेफ़ान ने मुझे आश्वस्त किया। “मैं माफ़ी चाहता हूँ। शेवेलियर बेयार्ड हमेशा झूठ बोलता है जब कोई महिला शामिल होती है, भले ही यह अनावश्यक हो और इससे महिला को बहुत परेशानी हो। यह बेयार्डवाद की परंपराओं में से एक है, जिसका संबंध महिला के सम्मान की रक्षा या इसी तरह की किसी बात से है। वह महिला कौन थी?”
“गैब्रिएल लेगेट,” मैंने कहा और लेगेट परिवार, हीरों और गोल्डन गेट एवेन्यू में मृत व्यक्ति के बारे में जो कुछ भी मुझे पता था, सब कुछ उसे बता दिया। मेरी बातें सुनते-सुनते उसके चेहरे पर निराशा और गहरी होती चली गई।

जब मैंने अपनी बात खत्म की तो उन्होंने शिकायत करते हुए कहा, “ये तो मामूली और उबाऊ है। मैं लेगेट के बारे में डुमास के नज़रिए से सोच रहा था, और तुम मेरे लिए ओ. हेनरी की कोई घटिया चीज़ लेकर आए हो। तुमने मुझे निराश किया है, तुम और तुम्हारे ये घटिया हीरे। लेकिन”—उनकी आँखें फिर चमक उठीं—“इससे कुछ अच्छा नतीजा निकल सकता है। लेगेट अपराधी हो भी सकता है और नहीं भी, लेकिन उसमें मामूली बीमा धोखाधड़ी से कहीं ज़्यादा कुछ है।”
मैंने पूछा, “तुम्हारा मतलब है कि वह इन शातिर लोगों में से एक है? तो तुम अखबार पढ़ते हो? तुम्हें क्या लगता है वह क्या है? शराब तस्करों का सरगना? किसी अंतरराष्ट्रीय अपराध गिरोह का मुखिया? श्वेत दासों का व्यापारी? किसी ड्रग रैकेट का सरगना? या फिर नकली नोट बनाने वालों की भेस बदलकर आई रानी?”
“बेवकूफ मत बनो,” उसने कहा। “परन्तु उसके पास अक्ल है, और उसके अंदर कुछ कालापन है। कुछ ऐसा है जिसके बारे में वह सोचना नहीं चाहता, पर भूल भी नहीं सकता। मैंने तुम्हें बताया है कि वह विचारों की हर उस चीज़ के लिए प्यासा है जो सबसे ज़्यादा उलझी हुई है, फिर भी वह मछली की तरह ठंडा है, लेकिन एक कड़वी-सूखी ठंडक के साथ। वह एक विक्षिप्त व्यक्ति है जो अपने शरीर को चुस्त, संवेदनशील और तैयार रखता है— किसलिए?—जबकि वह अपने दिमाग को पागलपन से मदहोश रखता है। फिर भी वह ठंडा और समझदार है। अगर किसी आदमी का कोई अतीत है जिसे वह भूलना चाहता है, तो वह सबसे आसानी से अपने शरीर के ज़रिए, कामुकता से, अगर नशीले पदार्थों से नहीं, तो अपनी याददाश्त को मिटा सकता है। लेकिन मान लो कि अतीत मरा नहीं है, और इस आदमी को खुद को उससे निपटने के लिए तैयार रखना होगा अगर वह वर्तमान में आ जाए। तो फिर उसके लिए सबसे बुद्धिमानी यही होगी कि वह सीधे अपने दिमाग को सुन्न कर दे, अपने शरीर को मजबूत और तैयार रहने दे।”
और यह अतीत?
फिट्ज़स्टेफ़ान ने सिर हिलाते हुए कहा, "अगर मुझे नहीं पता—और मुझे सच में नहीं पता—तो इसमें मेरी कोई गलती नहीं है। जब तक आप बात पूरी करेंगे, आपको पता चल जाएगा कि उस परिवार से जानकारी निकलवाना कितना मुश्किल है।"
"तुमने कोशिश की?"

“मैं बेशक एक उपन्यासकार हूँ। मेरा काम आत्माओं और उनमें चल रही बातों से जुड़ा है। उसका एक उपन्यास मुझे आकर्षित करता है, और मुझे हमेशा से लगता रहा है कि उसके द्वारा मेरे लिए खुलकर अपनी भावनाओं को व्यक्त न करने से मेरे साथ अन्याय हुआ है। आप जानते हैं, मुझे शक है कि उसका असली नाम लेगेट है। वह फ्रांसीसी है। उसने एक बार मुझे बताया था कि वह अटलांटा से आया है, लेकिन वह सोच में, मानसिकता में, हर चीज में फ्रांसीसी है, सिवाय स्वीकारोक्ति के।”
“बाकी परिवार का क्या?” मैंने पूछा। “गैब्रिएल तो बिल्कुल पागल है, है ना?”
“मुझे आश्चर्य हो रहा है।” फिट्ज़स्टेफ़न ने उत्सुकता से मेरी ओर देखा। “क्या आप यह बात लापरवाही से कह रहे हैं, या आपको सच में लगता है कि वह ठीक नहीं है?”
“मुझे नहीं पता। वो अजीब है, एक असहज किस्म की इंसान है। और फिर, उसके कान जानवरों जैसे हैं, माथा नाममात्र का है; और उसकी आँखें हरे से भूरे और फिर वापस हरे रंग में बदलती रहती हैं, कभी एक रंग पर टिकती नहीं। तुमने अपनी छानबीन में उसके कितने अफेयर्स का पता लगाया है?”
"क्या आप—जो जासूसी करके अपना जीवन यापन करते हैं—लोगों के बारे में मेरी जिज्ञासा और उसे संतुष्ट करने के मेरे प्रयासों का उपहास उड़ा रहे हैं?"
मैंने कहा, "हम अलग हैं। मैं लोगों को जेल भेजने के उद्देश्य से अपना काम करता हूं, और इसके लिए मुझे पैसे भी मिलते हैं, हालांकि उतने नहीं जितने मिलने चाहिए।"
उन्होंने कहा, "इसमें कोई फर्क नहीं है। मैं लोगों को किताबों में जगह देने के उद्देश्य से ये काम करता हूं, और इसके लिए मुझे पैसे भी मिलते हैं, हालांकि उतने नहीं जितने मिलने चाहिए।"
"हाँ, लेकिन इससे क्या फायदा होगा?"
“भगवान ही जाने। उन्हें जेल में डालने से क्या फायदा होगा?”
मैंने कहा, “इससे भीड़भाड़ कम होती है। अगर काफी लोगों को जेल में डाल दिया जाए, तो शहरों में यातायात की समस्या नहीं रहेगी। गैब्रिएल, तुम इसके बारे में क्या जानती हो?”
वह अपने पिता से नफरत करती है। वह उसकी पूजा करता है।

“यह नफरत क्यों?”
मुझे नहीं पता; शायद इसलिए क्योंकि वह उसकी पूजा करता है। मैंने शिकायत करते हुए कहा, "इसका कोई मतलब नहीं है। आप बस साहित्यिक बातें कर रहे हैं। श्रीमती लेगेट के बारे में क्या?" “मुझे लगता है कि आपने कभी उनके हाथ का बना खाना नहीं खाया होगा? अगर खाया होता तो आपको कोई शक नहीं होता। ऐसा खाना बनाना तो शांत और समझदार इंसान ही कर सकता है। मैं अक्सर सोचती हूँ कि वह अपने पति और बेटी जैसे अजीब जीवों के बारे में क्या सोचती होंगी, हालाँकि मुझे लगता है कि वह उनकी विचित्रता को जाने बिना ही उन्हें वैसे ही स्वीकार कर लेती होंगी।”
मैंने कहा, "यह सब अपने तरीके से ठीक है, लेकिन आपने अभी तक मुझे कुछ भी निश्चित नहीं बताया है।"
“नहीं, मैंने नहीं किया,” उसने जवाब दिया, “और बस, मेरे बेटे, यही बात है। मैंने तुम्हें वह सब बता दिया है जो मैं जानता हूँ और जो मैं कल्पना करता हूँ, और इनमें से कुछ भी निश्चित नहीं है। यही तो असली बात है—एक साल की कोशिशों के बाद भी मुझे लेगेट के बारे में कुछ भी पक्का पता नहीं चला। क्या यह—मेरी जिज्ञासा और उसे शांत करने की मेरी हमेशा की कुशलता को याद करते हुए—तुम्हें यह यकीन दिलाने के लिए काफी नहीं है कि वह आदमी कुछ छुपा रहा है और जानता है कि उसे कैसे छुपाना है?”
“क्या सच में? मुझे नहीं पता। लेकिन मुझे इतना पता है कि मैंने कुछ भी न सीखने में इतना समय बर्बाद कर दिया है कि इसके लिए किसी को जेल हो सकती है। कल रात का खाना? या परसों?”
“अगले दिन। लगभग सात बजे?”
मैंने उससे कहा कि मैं उसके लिए रुक जाऊँगा और बाहर चला गया। तब पाँच बज चुके थे। दोपहर का भोजन न करने के कारण मैं ब्लैंको के यहाँ खाना खाने गया और फिर राइनो टिंगली को देखने के लिए डार्कटाउन चला गया।
मैंने उसे बिग-फुट गेर्बर की सिगार की दुकान में पाया, वह अपने मुंह में एक मोटी सिगार घुमा रहा था और वहां मौजूद अन्य चार अश्वेतों से कुछ कह रहा था।

“…मैंने उससे कहा: ‘नीग्रो, तुम अपनी ही खाल उधेड़ रहे हो,’ और मैंने उसकी ओर हाथ बढ़ाया, और, भगवान की कसम, वहाँ उसका कोई निशान नहीं था सिवाय सीमेंट के फुटपाथ पर उसके पैरों के निशान के, जो आठ फीट की दूरी पर थे और घर की ओर जा रहे थे।”
सिगरेट का एक पैकेट खरीदते समय, मैंने उससे बात करते हुए उसका वजन नापा। वह तीस साल से कम उम्र का, सांवला सा आदमी था, लगभग छह फीट लंबा और दो सौ पाउंड से अधिक वजनी, बड़ी-बड़ी पीली पुतलियों जैसी आँखों वाला, चौड़ी नाक वाला, नीले होंठों और नीले मसूड़ों वाला बड़ा मुँह और उसके निचले होंठ से लेकर नीले और सफेद धारीदार कॉलर के पीछे तक फैला एक काला निशान। उसके कपड़े इतने नए थे कि नए ही दिखते थे, और उसने उन्हें बड़े ही सलीके से पहना था। उसकी आवाज़ भारी और भारी थी, जिससे हँसते समय शोकेस के शीशे हिल जाते थे।
जब वे हंस रहे थे, मैं दुकान से बाहर निकला, मेरे पीछे हंसी अचानक रुक गई, मैंने पीछे मुड़कर देखने की इच्छा को रोका और उस इमारत की ओर सड़क पर आगे बढ़ा जहां वह और मिन्नी रहते थे। जब मैं फ्लैट से आधा ब्लॉक दूर था, तब वह मेरे बराबर आ गया।
जब हम साथ-साथ सात कदम चले तो मैंने कुछ नहीं कहा।
फिर उसने कहा: "क्या तुम वही आदमी हो जो मेरे बारे में पूछताछ कर रहे थे?"
इतालवी शराब की खट्टी गंध इतनी तेज थी कि उसे देखा जा सकता था। मैंने विचार किया और कहा: "हाँ।"
"तुम्हें मुझसे क्या लेना-देना है?" उसने पूछा, न तो नाराज़गी से, बल्कि मानो वह जानना चाहता हो।
सड़क के उस पार, भूरे रंग का कोट और भूरी-पीली टोपी पहने गैब्रिएल लेगेट मिन्नी की इमारत से बाहर निकली और दक्षिण की ओर चलने लगी, उसने हमारी ओर मुंह नहीं किया। वह तेज़ी से चल रही थी और उसका निचला होंठ उसके दांतों के बीच दबा हुआ था।
मैंने उस नीग्रो की तरफ देखा। वह मेरी तरफ देख रहा था। उसके चेहरे पर ऐसा कुछ भी नहीं था जिससे पता चले कि उसने गैब्रिएल लेगेट को देखा था, या उसे देखकर उसे कोई फर्क पड़ा था।
मैंने कहा: "तुम्हारे पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है, है ना? तुम्हें क्या फर्क पड़ता है कि तुम्हारे बारे में कौन पूछता है?"

फिर भी, अगर आप मेरे बारे में जानना चाहते हैं, तो मेरे पास आइए। क्या आप वही आदमी हैं जिसने मिन्नी को नौकरी से निकलवाया था?
“उसे नौकरी से नहीं निकाला गया था। उसने खुद इस्तीफा दिया था।” “मिन्नी को किसी की ज़ुबान सहने की ज़रूरत नहीं है। वह—”
“चलो, उससे बात करते हैं,” मैंने सुझाव दिया और सड़क पार करते हुए आगे-आगे चलने लगा। मुख्य द्वार पर पहुँचकर वह आगे बढ़ा, सीढ़ियों से ऊपर चढ़ा, एक अंधेरे गलियारे से होते हुए उस दरवाजे तक पहुँचा जिसे उसने अपने गुच्छे में मौजूद बीस से अधिक चाबियों में से एक से खोला।
गुलाबी किमोनो पहने मिन्नी हर्शे, जिस पर पीले शुतुरमुर्ग के पंख लगे थे जो छोटे सूखे फर्न जैसे दिख रहे थे, बेडरूम से निकलकर लिविंग रूम में हमसे मिलने आई। मुझे देखते ही उसकी आँखें बड़ी हो गईं। राइनो ने कहा: "मिन्नी, तुम इस सज्जन को जानती हो।"
मिन्नी ने कहा: "जी-जी।"
मैंने कहा: “तुम्हें लेगेट के घर को उस हालत में नहीं छोड़ना चाहिए था। किसी को नहीं लगता कि हीरों से तुम्हारा कोई लेना-देना था। मिस लेगेट यहाँ क्या चाहती थीं?”
“यहां कोई मिस लेगेट नहीं थीं,” उन्होंने मुझसे कहा। “मुझे नहीं पता कि आप किस बारे में बात कर रहे हैं।”
"जब हम अंदर आ रहे थे तभी वह बाहर आ गई।"
“ओह! मिस लेगेट। मुझे लगा आपने श्रीमती लेगेट कहा। क्षमा कीजिए। जी हाँ। मिस गैब्रिएल यहाँ थीं। वह जानना चाहती थीं कि क्या मैं वापस वहाँ नहीं आऊँगी। मिस गैब्रिएल मुझे बहुत मानती हैं।”
मैंने कहा, "तुम्हें यही करना चाहिए। इस तरह चले जाना मूर्खता थी।" राइनो ने अपने मुंह से सिगार निकाला और उसका लाल सिरा लड़की की ओर कर दिया।
“तुम उनसे दूर रहो,” वह गरजते हुए बोला, “और उनसे दूर ही रहो। तुम्हें किसी से कुछ लेने की ज़रूरत नहीं है।” उसने अपनी पैंट की जेब में हाथ डाला, कागज़ी नोटों का एक मोटा बंडल निकाला, उसे मेज पर पटका और गरजते हुए बोला, “किसलिए काम करना है लोगों के लिए?” वह लड़की से बात कर रहा था, लेकिन मेरी तरफ देख रहा था, मुस्कुरा रहा था, उसके बैंगनी रंग के होंठों पर सोने के दांत चमक रहे थे। लड़की

ने उसे तिरस्कार भरी निगाहों से देखा और कहा: "इसे घुमाओ, यार," और फिर मेरी तरफ मुड़ी, उसका भूरा चेहरा तनावग्रस्त था, मानो वह अपनी बात मनवाना चाहती हो, और गंभीरता से बोली: "गेंद गधों के जुए में ये पैसे जीते हैं, साहब। अगर उसने ये पैसे नहीं जीते तो मैं मर जाऊं।" राइनो ने कहा: “मुझे पैसे कहाँ से मिले, इससे किसी को कोई लेना-देना नहीं है। मुझे मिल गए। मुझे मिल गए—” उसने अपनी सिगार मेज के किनारे पर रखी, पैसे उठाए, एड़ी जितने बड़े अंगूठे को चटाई जैसी मुलायम जीभ पर गीला किया और नोटों का बंडल एक-एक करके मेज पर गिनने लगा। “बीस सौ तीस—अस्सी—एक सौ—एक सौ दस—दो सौ दस—तीन सौ दस—तीन सौ तीस—तीन सौ पैंतीस—चार सौ पैंतीस—पाँच सौ पैंतीस—पाँच सौ पचासी—छह सौ पाँच—छह सौ दस—छह सौ बीस—सात सौ बीस—सात सौ सत्तर— आठ सौ अट्ठाईस सौ तीस—आठ सौ चालीस—नौ सौ चालीस—नौ सौ उनचास सौ साठ—नौ सौ उनहत्तर—नौ सौ पचहत्तर—दस सौ पंद्रह—दस सौ बीस— ग्यारह सौ बीस—ग्यारह सौ सत्तर। अगर कोई जानना चाहता है कि मेरे पास क्या है, तो यही है—ग्यारह सौ सत्तर डॉलर। अगर कोई जानना चाहता है कि मुझे ये कहाँ से मिले, तो शायद मैं बताऊँ, शायद न बताऊँ। ये तो बस इस बात पर निर्भर करता है कि मुझे कैसा लगता है।”
मिन्नी ने कहा: “उसने इसे जुए के खेल में जीता है, साहब, हैप्पी डे सोशल क्लब में। अगर उसने नहीं जीता तो मैं मर जाऊं।”
“शायद मैंने किया हो,” राइनो ने मेरी तरफ देखकर मुस्कुराते हुए कहा। “लेकिन मान लो कि मैंने नहीं किया?”
“मुझे पहेलियाँ सुलझाने में कोई महारत नहीं है,” मैंने कहा और मिन्नी को फिर से लेगेट परिवार के पास लौटने की सलाह देकर फ्लैट से निकल गया। मिन्नी ने मेरे पीछे दरवाजा बंद कर दिया। जैसे ही मैं गलियारे से नीचे गया, मुझे उसकी डांटने वाली आवाज और राइनो की भारी, कर्कश हंसी सुनाई दी।
शहर के बीचोंबीच स्थित आउल ड्रग-स्टोर में मैंने टेलीफोन डायरेक्टरी का बर्कले वाला सेक्शन खोला, उसमें केवल एक फ्रीमैंडर का नाम दर्ज था, और मैंने उस नंबर पर कॉल किया। श्रीमती बेग वहाँ थीं और उन्होंने मुझसे मिलने की सहमति दी, बशर्ते मैं अगली फेरी से आ जाऊं।

फ्रीमैंडर का घर एक ऐसी सड़क से थोड़ी दूर पर स्थित था जो कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय की ओर पहाड़ी पर ऊपर की ओर जाती थी। श्रीमती बेग दुबली-पतली, मजबूत हड्डियों वाली महिला थीं, जिनके सिर पर घने भूरे बाल थे, उनकी आँखें कठोर भूरी थीं और उनके हाथ मजबूत और सक्षम थे। वह चिड़चिड़ी और सख्त स्वभाव की थीं, लेकिन इतनी स्पष्टवादी थीं कि उन्होंने हमें बिना ज्यादा भूमिका बनाए खुलकर बात करने दी।
मैंने उसे चोरी के बारे में बताया और यह भी बताया कि मुझे विश्वास है कि चोर को कम से कम जानकारी देकर किसी ऐसे व्यक्ति ने मदद की थी जो लेगेट परिवार को जानता था, और अंत में मैंने कहा: "श्रीमती प्रीस्टली ने मुझे बताया कि आप लेगेट की हाउसकीपर थीं, और उन्हें लगा कि आप मेरी मदद कर सकती हैं।"
श्रीमती बेग ने कहा कि उन्हें संदेह है कि क्या वह मुझे कुछ ऐसा बता पाएंगी जिससे शहर से आने के मेरे खर्च की भरपाई हो सके, लेकिन एक ईमानदार महिला होने के नाते और किसी से कुछ भी छिपाने की ज़रूरत न होने के कारण वह अपनी तरफ से पूरी कोशिश करेंगी। एक बार शुरू करने पर, उन्होंने मुझे बहुत कुछ बताया, लगभग बोलते-बोलते मेरा कान बहरा कर दिया। जो बातें मुझे रुचिकर नहीं लगीं, उन्हें छोड़कर, मुझे यह जानकारी मिली:
श्रीमती बेग को लेगेट ने 1921 की वसंत ऋतु में एक रोजगार एजेंसी के माध्यम से गृहस्वामी के रूप में काम पर रखा था। पहले तो उनकी मदद के लिए एक लड़की थी, लेकिन दो लड़कियों के लिए पर्याप्त काम नहीं था, इसलिए श्रीमती बेग के सुझाव पर उसे निकाल दिया गया। लेगेट सादगी पसंद व्यक्ति थे और अपना लगभग सारा समय ऊपरी मंजिल पर बिताते थे, जहाँ उनकी प्रयोगशाला और एक छोटा सा कमरा था। वे घर के बाकी हिस्सों का इस्तेमाल बहुत कम करते थे, सिवाय तब जब उनके कुछ दोस्त शाम को मिलने आते थे। श्रीमती बेग को उनके दोस्त पसंद नहीं थे, हालाँकि वे उनके बारे में कुछ कह नहीं सकती थीं, सिवाय इसके कि उनके बात करने का तरीका शर्मनाक और अपमानजनक था। उन्होंने कहा कि एडगर लेगेट एक बहुत ही अच्छे इंसान थे, बस इतने रहस्यमय थे कि उनसे घबराहट होती थी। उन्हें कभी भी तीसरी मंजिल पर जाने की अनुमति नहीं थी, और प्रयोगशाला का दरवाजा हमेशा बंद रहता था। महीने में एक

बार एक जापानी व्यक्ति लेगेट की देखरेख में उसकी सफाई करने आता था। खैर, उसे लगता था कि उसके पास कई वैज्ञानिक रहस्य और शायद खतरनाक रसायन भी होंगे, जिनमें वह लोगों की दखलअंदाजी नहीं चाहता होगा, लेकिन फिर भी यह बात किसी को भी असहज कर देती थी। वह अपने मालिक के निजी या पारिवारिक मामलों के बारे में कुछ नहीं जानती थी और अपनी स्थिति को भली-भांति जानती थी, इसलिए उसने उससे कोई सवाल नहीं पूछा।
अगस्त 1923 में—वह एक बरसात की सुबह थी, उन्हें याद है—एक महिला और पंद्रह साल की एक लड़की, बहुत सारे सूटकेस लेकर घर आई थीं। उन्होंने उन्हें अंदर आने दिया और महिला ने श्री लेगेट के बारे में पूछा। श्रीमती बेग प्रयोगशाला के दरवाजे तक गईं और उन्हें बताया, और वे नीचे आ गए। उन्होंने अपने पूरे जीवन में कभी किसी को इतना हैरान नहीं देखा था जितना कि उन्हें देखकर वे हुए। उनका चेहरा एकदम सफेद पड़ गया, और उन्हें लगा कि वे गिर पड़ेंगे, वे इतनी बुरी तरह कांप रहे थे। श्रीमती बेग नहीं जानतीं कि उस सुबह लेगेट, महिला और लड़की ने आपस में क्या कहा, क्योंकि वे किसी विदेशी भाषा में बड़बड़ा रही थीं, हालांकि वे सभी अंग्रेजी अच्छी तरह बोल सकती थीं, और ज्यादातर लोगों से बेहतर, खासकर गैब्रिएल जब गाली देने लगती थी। श्रीमती बेग उन्हें छोड़कर अपने काम में लग गईं। थोड़ी देर बाद लेगेट रसोई में आए और उन्हें बताया कि उनके मेहमान श्रीमती डैन, उनकी भाभी, और उनकी बेटी हैं, जिनसे वे दस साल से नहीं मिले थे; और वे उनके साथ यहीं रहने वाली हैं। बाद में श्रीमती डैन ने श्रीमती बेग को बताया कि वे अंग्रेज़ थीं, लेकिन कई सालों से न्यूयॉर्क में रह रही थीं। श्रीमती बेग ने कहा कि उन्हें श्रीमती डैन पसंद थीं, जो एक समझदार महिला और एक बेहतरीन गृहिणी थीं, लेकिन गैब्रिएल एक रूढ़िवादी महिला थी। श्रीमती बेग हमेशा उस लड़की को "वही गैब्रिएल" कहकर पुकारती थीं।
डेन परिवार के वहाँ रहने और श्रीमती डेन की कुशल गृहणी होने के कारण श्रीमती बेग के लिए अब कोई जगह नहीं बची थी। उन्होंने बताया कि वे बहुत उदार थे, उन्होंने उन्हें नया घर ढूंढने में मदद की और उनके जाने पर अच्छा-खासा बोनस भी दिया। उसके बाद से उनकी उनसे कोई मुलाकात नहीं हुई थी, लेकिन सुबह के अखबारों में शादी, मृत्यु और

जन्म की खबरों पर नियमित रूप से नज़र रखने की वजह से उन्हें अपने जाने के एक हफ्ते बाद पता चला कि एडगर लेगेट और एलिस डेन को शादी का लाइसेंस मिल गया है।

4

द वेग हार्पर्स

अगली सुबह जब मैं नौ बजे एजेंसी पहुंचा, तो एरिक कॉलिंसन रिसेप्शन रूम में बैठे थे। धूप से झुलसा हुआ उनका चेहरा गुलाबीपन से रहित, फीका लग रहा था, और वे अपने बालों में क्रीम लगाना भूल गए थे। “क्या आपको मिस लेगेट के बारे में कुछ पता है?” वह उछलकर दरवाजे पर मुझसे मिलते हुए बोला। “वह कल रात घर पर नहीं थीं, और अभी तक नहीं आई हैं। उनके पिता ने यह तो नहीं कहा कि उन्हें नहीं पता कि वह कहाँ हैं, लेकिन मुझे यकीन है कि उन्हें पता है। उन्होंने मुझसे कहा कि चिंता न करूं, लेकिन मैं चिंता करना कैसे बंद कर सकता हूँ? क्या आपको इसके बारे में कुछ पता है?”
मैंने कहा कि मैंने नहीं देखा और उसे बताया कि मैंने उसे पिछली शाम मिन्नी हर्शे के यहाँ से निकलते हुए देखा था। मैंने उसे उस सांवली महिला का पता दिया और सुझाव दिया कि वह उससे पूछे। उसने अपनी टोपी सिर पर ठूँसी और जल्दी से चला गया।
मैंने ओ'गार को फोन पर लेकर उनसे पूछा कि क्या उन्हें न्यूयॉर्क से कोई खबर मिली है।
“हम्म,” उसने कहा। “अप्टन—यही उसका असली नाम है—कभी आप जैसे ही प्राइवेट जासूसों में से एक था—उसकी अपनी एक एजेंसी थी—1923 तक, जब उसे और हैरी रूपर्ट नाम के एक आदमी को जूरी को प्रभावित करने की कोशिश करने के आरोप में जेल भेज दिया गया। तुम्हारा क्या हाल रहा?” “मुझे नहीं पता। ये राइनो टिंगली ग्यारह सौ केसों का एक रोल लेकर घूम रहा है। मिन्नी कहती है कि उसे ये चूहों और गिलहरियों के साथ

मिला। शायद मिला ही हो: ये तो लेगेट का सामान बेचकर मिलने वाली कीमत से दुगनी है। क्या आप इसकी जाँच करवा सकते हैं? कहा जाता है कि उसे ये हैप्पी डे सोशल क्लब से मिला था।”
ओ'गार ने अपनी तरफ से पूरी कोशिश करने का वादा किया और फोन काट दिया।
मैंने अप्टन और रुपर्ट के बारे में और जानकारी मांगने के लिए न्यूयॉर्क शाखा को एक तार भेजा, और फिर नगरपालिका भवन में काउंटी क्लर्क के कार्यालय गया, जहाँ मैंने अगस्त और सितंबर 1923 के विवाह लाइसेंस की फाइल खंगाली। मुझे जिस आवेदन की आवश्यकता थी, वह 26 अगस्त का था और उसमें एडगर लेगेट का बयान था कि उनका जन्म 6 मार्च, 1883 को अटलांटा, जॉर्जिया में हुआ था और यह उनका दूसरा विवाह था; और एलिस डेन का बयान था कि उनका जन्म 22 अक्टूबर, 1888 को लंदन, इंग्लैंड में हुआ था और उनका पहले विवाह नहीं हुआ था।
जब मैं एजेंसी लौटा, तो एरिक कॉलिंसन, जिसके पीले बाल और भी ज्यादा बिखरे हुए थे, एक बार फिर मेरा इंतजार कर रहा था।
“मैंने मिन्नी को देखा,” उसने उत्साह से कहा, “और वह मुझे कुछ भी नहीं बता सकी। उसने कहा कि गैबी कल रात उससे काम पर वापस आने के लिए कहने आई थी, लेकिन उसे उसके बारे में बस इतना ही पता था। लेकिन उसने एक पन्ना की अंगूठी पहनी हुई है, और मुझे पूरा यकीन है कि वह गैबी की है।”
"क्या आपने उससे इस बारे में पूछा?"
“कौन? मिन्नी? नहीं। मैं ऐसा कैसे कर सकता था? यह तो—तुम्हें पता है।”
“बिल्कुल सही,” मैंने फिट्ज़स्टेफ़न के शेवेलियर बेयार्ड के बारे में सोचते हुए सहमति जताई, “हमें हमेशा विनम्र रहना चाहिए। तुमने पिछली रात मिस लेगेट के घर लौटने के समय के बारे में मुझसे झूठ क्यों बोला?”
शर्मिंदगी ने उसके चेहरे को और अधिक आकर्षक बना दिया, लेकिन उसकी बुद्धिमत्ता को कम कर दिया।
“यह मेरी मूर्खता थी,” वह हकलाते हुए बोला, “लेकिन मैंने—आप जानते हैं—मैंने सोचा था कि आप—मैं डर गया था—”

उसकी बात में कोई दम नहीं था। मैंने सुझाव दिया: "क्या आपको लगा कि काफी देर हो चुकी है और आप नहीं चाहते थे कि मैं उसके बारे में गलत धारणा बनाऊं?"
"हाँ येही बात है।"
मैंने उसे बाहर निकाल दिया और ऑपरेटिव्स के कमरे में चला गया, जहाँ मिकी लाइनहान—लंबा, ढीला-ढाला, लाल चेहरे वाला—और अल मेसन—पतला, सांवला, चुस्त-दुरुस्त—अपने ऊपर हुई गोलीबारी की घटनाओं के बारे में झूठ बोल रहे थे, और दोनों यह जताने की कोशिश कर रहे थे कि कौन दूसरे से ज़्यादा डरा हुआ था। मैंने उन्हें लेगेट के मामले में कौन क्या था और क्या हो रहा था, इसके बारे में बताया—जितना मुझे पता था, और जब मैंने इसे शब्दों में बताया तो वह ज़्यादा कुछ नहीं था—और अल को लेगेट के घर पर नज़र रखने के लिए और मिकी को मिन्नी और राइनो के व्यवहार पर नज़र रखने के लिए भेज दिया।
श्रीमती लेगेट, जिनके चेहरे पर उदासी छाई हुई थी, ने एक घंटे बाद घंटी बजाने पर दरवाजा खोला। हम हरे, नारंगी और चॉकलेट रंग के कमरे में गए, जहाँ उनके पति भी हमारे साथ आ गए। मैंने उन्हें अप्टन के बारे में वह जानकारी दी जो ओ'गार को न्यूयॉर्क से मिली थी और बताया कि मैंने रुपर्ट के बारे में और जानकारी के लिए तार भेजा है। मैंने कहा, “आपके कुछ पड़ोसियों ने एक ऐसे व्यक्ति को इधर-उधर घूमते देखा जो अप्टन नहीं था, और एक ऐसा व्यक्ति जो अप्टन के हुलिए से मिलता-जुलता है, उस कमरे से आग से बचने वाली सीढ़ी से नीचे भागा जहाँ अप्टन की हत्या हुई थी। हम देखेंगे कि रुपर्ट कैसा दिखता है।” मैं लेगेट के चेहरे को देख रहा था। उसमें कोई बदलाव नहीं आया। उसकी बेहद चमकीली लाल-भूरी आँखों में दिलचस्पी झलक रही थी, और कुछ नहीं। मैंने पूछा: "क्या मिस लेगेट अंदर हैं?"
वह बोला, नहीं।"
वह कब आएगी?
"शायद कुछ दिनों तक नहीं। वह शहर से बाहर गई है।"
मैंने श्रीमती लेगेट की ओर मुड़कर पूछा, "मैं उन्हें कहाँ पा सकती हूँ? मुझे उनसे कुछ सवाल पूछने हैं।"
श्रीमती लेगेट ने मेरी नजरों से बचते हुए अपने पति की ओर देखा।

उनकी कठोर आवाज़ ने मेरे सवाल का जवाब दिया: "हमें ठीक-ठीक नहीं पता। उनके दोस्त, श्रीमान और श्रीमती हार्पर, लॉस एंजिल्स से गाड़ी चलाकर आए और उन्हें पहाड़ों की यात्रा पर साथ चलने के लिए कहा। मुझे नहीं पता कि वे किस रास्ते से जाने वाले थे, और मुझे संदेह है कि उनका कोई निश्चित गंतव्य भी था।"
मैंने हार्पर परिवार के बारे में सवाल पूछे। लेगेट ने माना कि वह उनके बारे में बहुत कम जानता है। उसने बताया कि श्रीमती हार्पर का पहला नाम कार्मेल था और सब लोग उनके पति को बड कहते थे, लेकिन लेगेट को पक्का नहीं पता था कि उनका नाम फ्रैंक था या वाल्टर। उसे हार्पर परिवार का लॉस एंजिल्स का पता भी नहीं था। उसे लगता था कि उनका पासाडेना में कहीं घर है, लेकिन वह निश्चित नहीं था, क्योंकि उसने सुना था कि वे घर बेच रहे हैं, या शायद बेचने का इरादा रखते हैं। जब वह मुझे ये सब बेतुकी बातें बता रहा था, उसकी पत्नी फर्श को घूरती बैठी थी और अपनी नीली आँखों से दो बार जल्दी से अपने पति की ओर विनती भरी निगाहों से देख रही थी।
मैंने उससे पूछा: "क्या तुम उनके बारे में इससे ज्यादा कुछ नहीं जानती?"
"नहीं," उसने कमजोर स्वर में कहा, अपने पति के चेहरे पर एक और नजर डालते हुए, जबकि वह उसकी ओर ध्यान न देते हुए, सीधे मेरी ओर घूर रहा था।
मैंने पूछा, "वे कब गए?"
लेगेट ने कहा, "आज सुबह-सुबह, वे किसी होटल में ठहरे हुए थे—मुझे नहीं पता कौन सा होटल—और गैब्रिएल ने उनके साथ रात बिताई ताकि वे जल्दी निकल सकें।"
मुझे हार्पर परिवार से बहुत तंग आ गया था। मैंने पूछा: "क्या आप दोनों में से किसी को भी अप्टन के बारे में कुछ पता था—क्या इस घटना से पहले आप दोनों का उससे किसी भी तरह का कोई संबंध था?" लेगेट ने कहा: "नहीं।"
मेरे मन में और भी सवाल थे, लेकिन मुझे जो जवाब मिल रहे थे उनसे कोई मतलब नहीं था, इसलिए मैं उठकर जाने लगा। मेरा मन कर रहा था कि मैं उसे अपने विचार बता दूं, लेकिन उससे कोई फायदा नहीं था।

वह भी उठ खड़ा हुआ, विनम्रता से मुस्कुराते हुए बोला, “मुझे खेद है कि मेरी लापरवाही के कारण बीमा कंपनी को इतनी परेशानी उठानी पड़ी। मैं आपकी राय जानना चाहता हूँ: क्या आपको सच में लगता है कि मुझे हीरों के नुकसान की ज़िम्मेदारी लेनी चाहिए और हर्जाना देना चाहिए?”
मैंने कहा, "जिस तरह की स्थिति है, मुझे लगता है कि आपको ऐसा करना चाहिए; लेकिन इससे जांच नहीं रुकेगी।"
श्रीमती लेगेट ने जल्दी से अपना रूमाल अपने मुंह पर रख लिया। लेगेट ने कहा, "धन्यवाद।" उनकी आवाज़ में सहज विनम्रता थी। "मुझे इस बारे में सोचना पड़ेगा।"
एजेंसी लौटते समय मैं आधे घंटे के लिए फिट्ज़स्टेफ़ान से मिला। उन्होंने बताया कि वे साइकोपैथोलॉजिकल रिव्यू के लिए एक लेख लिख रहे थे—शायद यह गलत है, लेकिन कुछ इसी तरह का था—जिसमें वे अचेतन या अवचेतन मन की परिकल्पना को एक जाल और भ्रम, भोले-भाले लोगों के लिए एक फंदा और धोखेबाजों के लिए एक झूठा आवरण, मनोविज्ञान की छत में एक ऐसी दरार बता रहे थे, जिसके कारण किसी भी विद्वान के लिए मनोविश्लेषक और व्यवहारवादी जैसे सनकी लोगों को बेनकाब करना लगभग असंभव हो जाता है, या इसी तरह के कुछ शब्द। वे दस मिनट या उससे अधिक समय तक इसी तरह बोलते रहे, और अंत में अमेरिका लौटते हुए बोले: "लेकिन मायावी हीरों की समस्या से आप कैसे निपट रहे हैं?"
मैंने कहा, "इस तरफ और उस तरफ," और उसे बताया कि मैंने अब तक क्या सीखा और क्या किया है।
जब मैंने अपनी बात खत्म की तो उन्होंने मुझे बधाई देते हुए कहा, "आपने निश्चित रूप से इसे जितना संभव हो उतना उलझा हुआ और भ्रमित कर दिया है।"
मैंने भविष्यवाणी की, "हालात सुधरने से पहले और भी बदतर होंगे। मैं श्रीमती लेगेट से दस मिनट अकेले में बात करना चाहता हूँ। उनके पति से दूर, मुझे लगता है उनसे कुछ बातचीत हो सकती है। क्या आप उनसे कुछ पता लगा सकते हैं? मैं जानना चाहता हूँ कि गैब्रिएल क्यों चली गई है, भले ही मुझे पता न चले कि वह कहाँ गई है।"
“मैं कोशिश करूँगा,” फ़िट्ज़स्टेफ़ान ने उत्साह से कहा। “मान लीजिए कि मैं कल दोपहर वहाँ जाऊँ—एक किताब उधार लेने के लिए। वेट

की रोज़ी क्रॉस ठीक रहेगी। उन्हें पता है कि मुझे इस तरह की चीज़ों में दिलचस्पी है। वह प्रयोगशाला में काम कर रहे होंगे, और मैं उन्हें परेशान नहीं करूँगा। मुझे अनौपचारिक तरीके से ही सही, लेकिन शायद मैं उनसे कुछ जानकारी निकाल सकूँ।”
मैंने कहा, "धन्यवाद। कल रात मिलते हैं।"
मैंने दोपहर का अधिकांश समय अपनी खोजों और अनुमानों को कागज़ पर उतारने और उन्हें किसी क्रम में व्यवस्थित करने में बिताया। एरिक कॉलिंसन ने दो बार फोन करके पूछा कि क्या मुझे उनकी गैब्रिएल के बारे में कोई खबर मिली है। मिकी लाइनहान और अल मेसन दोनों ने ही कोई सूचना नहीं दी। शाम छह बजे मैंने काम बंद कर दिया।

5

[redacted]

[redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [redacted]

[redacted] [redacted]-[redacted] [redacted] [redacted] [redacted] [

आधे घंटे बाद जासूस सार्जेंट ने मुझे ज्वैलर्स की दुकान से फिर फोन किया और बताया कि हैलस्टेड ने दो वस्तुओं - मोतियों की एक माला और एक पुखराज ब्रोच - की पहचान कर ली है, जिन्हें लेगेट ने अपनी बेटी के लिए वहीं से खरीदा था।
“वाह, बढ़िया,” मैंने कहा। “अब ये करोगे? राइनो के फ्लैट पर जाओ और उसकी औरत, मिन्नी हर्शे को परेशान करो। पूरे फ्लैट की तलाशी लो, उसे खूब डराओ; जितना ज़्यादा डराओगे, उतना अच्छा। हो सकता है उसने पन्ना की अंगूठी पहनी हो। अगर उसने पहनी है, या अगर वो—या लेगेट परिवार का कोई और गहना—वहाँ मिले, तो उसे अपने साथ ले जाओ; लेकिन ज़्यादा देर मत रुकना और बाद में उसे परेशान मत करना। मैंने उसका इंतज़ाम कर लिया है। बस उसे थोड़ा परेशान करो और निकल जाओ।”
“मैं उसे सफेद कर दूंगा,” ओ’गार ने वादा किया।
डिक फोली ऑपरेशन रूम में था और उस गोदाम की डकैती पर अपनी रिपोर्ट लिख रहा था, जिसके कारण वह पूरी रात जागता रहा था। मैं उसके पीछे- पीछे मिकी की मदद करने के लिए बाहर गया, उस अश्वेत व्यक्ति के साथ। मैंने कहा, "अगर पुलिस के जाने के बाद वह अपने ठिकाने से बाहर निकलती है, तो तुम दोनों उसका पीछा करना, और जैसे ही तुम उसे कहीं भी देख पाओ, तुममें से कोई एक फोन उठाकर मुझे बता देना।"
मैं अपने दफ्तर वापस गया और सिगरेट जलाने लगा। तीसरी सिगरेट खत्म करते ही एरिक कॉलिंसन का फोन आया और उन्होंने पूछा कि क्या मुझे उनकी गैब्रिएल मिल गई है।
"बिल्कुल नहीं, लेकिन मेरे पास संभावनाएं हैं। अगर आप व्यस्त नहीं हैं, तो आप मेरे साथ आ सकते हैं और चल सकते हैं - अगर ऐसा हुआ कि मुझे कहीं जाने की जगह मिल गई।"
उन्होंने बड़ी उत्सुकता से कहा कि वे ऐसा करेंगे।
कुछ मिनट बाद मिकी लाइनहान ने फोन किया: "हाई येलो घूमने गया है," और मुझे पैसिफिक एवेन्यू का पता दिया।
इससे पहले कि मैं फोन को अपने हाथ से निकाल पाता, वह फिर बज उठा। “मैं वाट हैलस्टेड हूँ,” एक आवाज़ आई। “क्या आप एक-दो मिनट के लिए मुझसे मिलने आ सकते हैं?”
“अभी नहीं। क्या बात है?”

“यह एडगर लेगेट के बारे में है, और यह काफी पेचीदा है। पुलिस आज सुबह कुछ गहने लेकर आई और पूछा कि क्या हम जानते हैं कि ये किसके हैं। मैंने मोतियों की एक माला और एक ब्रोच पहचान लिया जो एडगर लेगेट ने पिछले साल अपनी बेटी के लिए हमसे खरीदा था—ब्रोच वसंत में और मोती क्रिसमस पर। पुलिस के जाने के बाद, मैंने स्वाभाविक रूप से लेगेट को फोन किया; और उनका रवैया बहुत अजीब था। उन्होंने तब तक इंतजार किया जब तक मैंने उन्हें इसके बारे में नहीं बताया, फिर कहा: 'मेरे मामलों में दखल देने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद,' और फोन काट दिया। आपको क्या लगता है कि उन्हें क्या हुआ है?”
भगवान जाने। धन्यवाद। मुझे अब जाना होगा, लेकिन मौका मिलते ही मैं आपसे मिलने आऊंगा।
मैंने ओवेन फिट्जस्टेफन का नंबर ढूंढा, उसे कॉल किया और उसकी धीमी आवाज में "हैलो" सुना।
मैंने कहा, "अगर आपको इससे कोई फायदा उठाना है तो बेहतर होगा कि आप किताबें उधार लेने में जुट जाएं।"
“क्यों? क्या कुछ हो रहा है?”
हालात ऐसे ही हैं।
“जैसे कि?” उसने पूछा।
"ये सब ठीक है, लेकिन जो लोग लेगेट के रहस्यों में दखल देना चाहते हैं, उनके लिए अचेतन मन के बारे में लेख लिखकर समय बर्बाद करने का यह सही समय नहीं है।"
“ठीक है,” उसने कहा, “मैं अब मोर्चे पर जा रहा हूँ।”
जब मैं उपन्यासकार से बात कर रहा था, तभी एरिक कॉलिंसन अंदर आ गए। “चलो,” मैंने कहा और लिफ्ट की ओर आगे बढ़ने लगा। “हो सकता है यह झूठी खबर न हो।”
“हम कहाँ जा रहे हैं?” उसने अधीरता से पूछा। “क्या तुमने उसे ढूंढ लिया? क्या वह ठीक है?”
मैंने उसके एक ही सवाल का जवाब दिया जिसका उत्तर मुझे पता था, और उसे पैसिफिक एवेन्यू का वह पता बताया जो मिकी ने मुझे दिया था। कॉलिंसन के लिए इसका कुछ मतलब था। उसने कहा: "यह जोसेफ का घर है।" हम लिफ्ट में आधे दर्जन अन्य लोगों के साथ थे। मैंने अपनी प्रतिक्रिया को दबाकर "हाँ?" तक सीमित रखा।

उसके पास कोने में एक क्रिसलर रोडस्टर खड़ी थी। हम उसमें बैठ गए और ट्रैफिक और ट्रैफिक सिग्नल को दरकिनार करते हुए पैसिफिक एवेन्यू की ओर चल पड़े।
मैंने पूछा: "जोसेफ कौन है?"
“एक और पंथ। वो उसका मुखिया है। वो अपनी जगह को 'पवित्र ग्रेल का मंदिर' कहता है। आजकल ये बहुत चलन में है। आप जानते ही हैं कि कैलिफ़ोर्निया में ऐसे पंथ आते-जाते रहते हैं। मुझे गैब्रिएल का वहाँ होना पसंद नहीं है, अगर वो वहाँ है तो—हालांकि—मुझे नहीं पता—हो सकता है वो ठीक ही हो। वो मिस्टर लेगेट के समलैंगिक दोस्तों में से एक है। क्या आपको पता है कि वो वहाँ है?”
"शायद। क्या वह उस पंथ की सदस्य है?"
“हाँ, वह वहाँ जाती है। मैं उसके साथ वहाँ गया हूँ।”
इसका लेआउट किस प्रकार का है?
“ओह, लगता है सब ठीक है,” उसने कुछ हिचकिचाहट के साथ कहा। “अच्छे लोग हैं: मिसेज़ पेसन लॉरेंस, राल्फ कोलमैन, मिसेज़ लिविंगस्टन रोडमैन, ऐसे ही लोग। और हल्डोर्न—यानी जोसेफ और उनकी पत्नी आरोनिया—भी ठीक-ठाक लगते हैं, लेकिन—लेकिन मुझे गैब्रिएल का इस तरह वहाँ जाना पसंद नहीं आ रहा है।” क्रिसलर के दाहिने पहिये से वह केबल कार के आखिरी हिस्से से चूक गया। “मुझे नहीं लगता कि उनके प्रभाव में ज़्यादा आना उसके लिए अच्छा होगा।”
मैंने पूछा, "आप वहां जा चुके हैं; वे किस तरह का जादू-टोना करते हैं?"
“यह कोई जादू-टोना नहीं है,” उसने माथे पर शिकन डालते हुए जवाब दिया। “मुझे उनके धर्म या ऐसी किसी भी चीज़ के बारे में ज़्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन मैं गैब्रिएल के साथ उनकी प्रार्थना सभाओं में गया हूँ, और वे उतनी ही गरिमामय और सुंदर हैं जितनी कि एपिस्कोपलियन या कैथोलिक प्रार्थना सभाएँ। आपको यह नहीं सोचना चाहिए कि यह कोई धार्मिक उन्माद या धार्मिक परंपरा है। ऐसा बिल्कुल नहीं है। जो भी हो, यह बहुत ही उत्कृष्ट है। हाल्डोर्न परिवार मुझसे कहीं ज़्यादा सभ्य और सुसंस्कृत है।”
तो फिर उनमें क्या समस्या है?

उसने उदास होकर सिर हिलाया। “सच कहूँ तो मुझे नहीं पता कि कुछ भी है भी या नहीं। मुझे यह पसंद नहीं है। मुझे यह बिल्कुल पसंद नहीं कि गैब्रिएल बिना किसी को बताए ऐसे चली जाए। क्या आपको लगता है कि उसके माता-पिता को पता था कि वह कहाँ गई है?”
"नहीं।"
उन्होंने कहा, "मुझे भी ऐसा नहीं लगता।"
सड़क से देखने पर होली ग्रेल का मंदिर बिल्कुल वैसा ही दिखता था जैसा वह पहले था - एक छह मंजिला पीली ईंटों की इमारत। उसके बाहरी हिस्से में ऐसा कुछ भी नहीं था जिससे पता चले कि वह अब भी वैसा नहीं है। मैंने कॉलिंसन को गाड़ी आगे ले जाकर उस कोने तक पहुँचाया जहाँ मिकी लाइनहान अपना भारी-भरकम शरीर एक पत्थर की दीवार से टिकाए खड़ा था। जैसे ही गाड़ी फुटपाथ पर रुकी, वह मेरे पास आया।
“वह सांवली लड़की दस मिनट पहले चली गई,” उसने बताया, “उसके पीछे डिक था। आपके द्वारा सूचीबद्ध किसी भी व्यक्ति से मिलता-जुलता कोई और व्यक्ति बाहर नहीं आया है।”
मैंने उससे कहा, “कार में यहीं डेरा डालो और दरवाजे पर नज़र रखो।” मैंने कॉलिंसन से कहा, “हम अंदर जा रहे हैं। मुझे ज़्यादातर बातें करने दो।”
जब हम मंदिर के द्वार पर पहुँचे तो मुझे उसे सावधान करना पड़ा: "इतनी ज़ोर से साँस मत लो। सब कुछ शायद ठीक हो जाएगा।"
मैंने घंटी बजाई। तुरंत ही दरवाज़ा एक चौड़े कंधों वाली, तगड़ी महिला ने खोला, जिसकी उम्र लगभग पचास के करीब थी। वह मेरी पाँच फुट छह इंच की लंबाई से तीन इंच लंबी थी। उसके चेहरे पर हल्के भूरे बाल लटके हुए थे, लेकिन उसकी आँखों और होंठों में न तो कोमलता थी और न ही सहजता। उसके लंबे ऊपरी होंठ को शेव किया हुआ था। उसने काले रंग के कपड़े पहने थे जो उसकी ठुड्डी और कान के निचले हिस्से से लेकर ज़मीन से एक इंच से भी कम दूरी तक ढके हुए थे।
मैंने कहा, "हम मिस लेगेट से मिलना चाहते हैं।"
उसने ऐसा दिखाया जैसे उसे मेरी बात समझ ही नहीं आई हो।
मैंने दोहराया, “हम मिस लेगेट से मिलना चाहते हैं, मिस गैब्रिएल लेगेट से।”
“मुझे नहीं पता।” उसकी आवाज़ भारी थी। “लेकिन अंदर आ जाओ।”

वह हमें बड़े ही अनिच्छुक ढंग से लॉबी के एक तरफ स्थित एक छोटे, मंद रोशनी वाले स्वागत कक्ष में ले गई, हमें वहां इंतजार करने के लिए कहा और चली गई।
मैंने कॉलिंसन से पूछा, "गांव का लोहार कौन है?"
उसने कहा कि वह उसे नहीं जानता। वह कमरे में बेचैनी से इधर-उधर घूम रहा था। मैं बैठ गई। खिड़कियों पर लगे पर्दों से इतनी कम रोशनी आ रही थी कि मुझे कमरे का ज़्यादा कुछ दिखाई नहीं दे रहा था, लेकिन कालीन नरम और मोटा था, और फर्नीचर का जो हिस्सा मुझे दिखाई दे रहा था, वह सादगी की बजाय विलासिता की ओर इशारा कर रहा था।
कॉलिंसन की बेचैनी के अलावा, इमारत में कहीं से कोई आवाज़ नहीं आ रही थी। मैंने खुले दरवाजे की तरफ देखा और पाया कि हमारी जाँच की जा रही थी। बारह या तेरह साल का एक छोटा लड़का वहाँ खड़ा था और अपनी बड़ी-बड़ी काली आँखों से हमें घूर रहा था, मानो अर्ध-अंधेरे में उनकी अपनी ही रोशनी हो।
मैंने कहा: "नमस्कार, बेटे।"
मेरी आवाज सुनकर कॉलिंसन उछल पड़ा।
लड़के ने कुछ नहीं कहा। वह कम से कम एक मिनट तक मुझे खाली, बिना पलक झपकाए, शर्मिंदगी भरी निगाहों से देखता रहा, जैसी निगाहें सिर्फ बच्चे ही रख सकते हैं, फिर उसने मेरी तरफ पीठ फेर ली और चला गया, जाते समय भी उतनी ही खामोशी से चला गया जितनी खामोशी से वह आया था। मैंने कॉलिंसन से पूछा, "वह कौन है?"
“यह हल्दोर्न परिवार का बेटा मैनुअल ही होगा। मैंने उसे पहले कभी नहीं देखा।”
कॉलिंसन इधर-उधर टहल रहा था। मैं बैठा दरवाजे को देखता रहा। तभी एक महिला मोटे कालीन पर चुपचाप चलती हुई प्रकट हुई और स्वागत कक्ष में आ गई। वह लंबी और आकर्षक थी; और उसकी गहरी आँखों में लड़के की तरह ही एक अलग ही चमक थी। उस समय मैं बस इतना ही स्पष्ट रूप से देख पाया।
मैं खड़ा हो गया।
उन्होंने कॉलिंसन से पूछा: “आप कैसे हैं? मैं मिस्टर कॉलिंसन हूँ, है ना?” उनकी आवाज़ इतनी मधुर थी जितनी मैंने पहले कभी नहीं सुनी थी।

वह हिचकिचाई, बोली: "ठीक है, मैं देखूंगी," फिर उसने माफी मांगी और हमसे चली गई।
मैंने कॉलिंसन से कहा, "मुझे खुद भी यहां रहने में कोई आपत्ति नहीं होगी।"
उसे मेरी बात समझ नहीं आई। उसका चेहरा लाल हो गया था और वह उत्साहित था।
उन्होंने कहा, "गैब्रिएल को शायद हमारा इस तरह यहां आना पसंद न आए।" मैंने कहा कि यह बहुत बुरा होगा।
आरोनिया हाल्डोर्न हमारे पास लौट आई हैं।
दरवाजे पर खड़ी होकर, विनम्रता से मुस्कुराते हुए उसने कहा, "मुझे वास्तव में बहुत खेद है, लेकिन मिस लेगेट आपसे मिलना नहीं चाहतीं।" मैंने कहा, "मुझे खेद है कि वह नहीं आती, लेकिन हमें उससे मिलना होगा।"
वह सीधी होकर बैठ गई और उसकी मुस्कान गायब हो गई।
“माफ़ कीजिए?” उसने कहा।
मैंने अपनी आवाज को सौम्य रखते हुए दोहराया, "हमें उससे मिलना ही होगा। जैसा कि मैंने आपको बताया, यह महत्वपूर्ण है।"
“मुझे खेद है।” उसकी आवाज़ में आई कठोरता भी उसकी सुंदरता को कम नहीं कर सकी। “आप उसे नहीं देख सकते।”
मैंने कहा: “जैसा कि आप शायद जानते हैं, मिस लेगेट एक डकैती और हत्या के मामले में एक महत्वपूर्ण गवाह हैं। खैर, हमें उनसे मिलना ही होगा। अगर आपको ठीक लगे तो मैं आधे घंटे तक इंतजार करने को तैयार हूं, जब तक कि हम यहां एक पुलिसकर्मी को आपकी अनुमति से न बुला लें। हम उनसे मिलने जा रहे हैं।”
कॉलिंसन ने कुछ अस्पष्ट बात कही, हालांकि उसकी बातों में माफी मांगने का भाव था।
आरोनिया हाल्डोर्न ने बहुत ही हल्का सा झुककर अभिवादन किया।
“आप जो चाहें कर सकते हैं,” उसने ठंडे स्वर में कहा। “मैं मिस लेगेट को उनकी इच्छा के विरुद्ध परेशान करने को स्वीकार नहीं करती, और जहाँ तक मेरी अनुमति का सवाल है, मैं इसकी अनुमति नहीं देती। यदि आप ज़िद करते हैं, तो मैं आपको रोक नहीं सकती।”
“धन्यवाद। वह कहाँ है?”

"उसका कमरा पांचवीं मंजिल पर है, सीढ़ियों के ठीक आगे, बाईं ओर।" उसने एक बार फिर अपना सिर थोड़ा झुकाया और चली गई।
कॉलिंसन ने मेरा हाथ पकड़ते हुए बुदबुदाया: "मुझे नहीं पता कि मुझे —हमें यह करना चाहिए या नहीं। गैब्रिएल को यह पसंद नहीं आएगा। वह

—"

“जैसी तुम्हारी मर्जी,” मैंने गुस्से से कहा, “लेकिन मैं तो ऊपर जा रहा हूँ। शायद उसे पसंद न आए, लेकिन मुझे भी ये पसंद नहीं कि जब मैं चोरी हुए हीरों के बारे में पूछना चाहूँ तो लोग भागकर छिप जाएँ।” वह भौंहें चढ़ाए, होंठ चबाए और असहज चेहरे बनाए, लेकिन फिर भी मेरे साथ चल दिए। हमें एक स्वचालित लिफ्ट मिली, हम पाँचवीं मंजिल तक गए और बैंगनी रंग के कालीन वाले गलियारे से होते हुए सीढ़ियों के ठीक आगे बाईं ओर स्थित दरवाजे तक पहुँचे।
मैंने अपने हाथ के पिछले हिस्से से दरवाजे पर थपथपाया। अंदर से कोई जवाब नहीं आया। मैंने फिर से थपथपाया, इस बार और ज़ोर से। कमरे के अंदर से एक आवाज़ आई। यह किसी की भी आवाज़ हो सकती थी, हालांकि संभवतः एक महिला की। आवाज़ इतनी धीमी थी कि हम समझ नहीं पाए कि क्या कहा गया और इतनी अस्पष्ट थी कि हम यह भी नहीं जान पाए कि कौन बोल रहा था।
मैंने कोलिंसन को कोहनी से धक्का दिया और आदेश दिया: "उसे बुलाओ।" उसने अपनी तर्जनी उंगली से अपने कॉलर को खींचा और कर्कश आवाज में पुकारा: "गैबी, मैं एरिक हूँ।"
इससे कोई जवाब नहीं मिला।
मैंने लकड़ी पर फिर से थपथपाया और पुकारा: "दरवाजा खोलो।"
अंदर से एक आवाज़ आई जिसका मुझे कोई मतलब समझ नहीं आया। मैंने फिर से दरवाज़ा पीटना और पुकारना शुरू कर दिया। गलियारे में एक दरवाज़ा खुला और एक पीले रंग के, पतले बालों वाले बूढ़े आदमी ने अपना सिर बाहर निकाला और पूछा: "क्या बात है?" मैंने कहा: "तुम्हारे काम की बात नहीं है," और फिर से दरवाज़ा पीट दिया।
अंदर से आती आवाज़ अब इतनी तेज़ हो गई थी कि हमें पता चल गया कि वह शिकायत कर रही है, हालाँकि अभी तक कोई शब्द समझ में नहीं आ रहे थे। मैंने दरवाज़े का हैंडल हिलाया और पाया कि दरवाज़ा खुला हुआ था।
हैंडल को थोड़ा और हिलाकर मैंने दरवाज़ा लगभग एक इंच खोला। फिर

मैंने कहा कि मैं हूँ। वह अगले पाँच ब्लॉक तक चुप रहा और फिर उसने अपना सवाल दोहराया, साथ ही अस्पताल के बारे में कुछ और जोड़ा। मैंने व्यंग्य करते हुए कहा, "अखबार का दफ्तर क्यों नहीं?"
तीन मिनट की खामोशी के बाद, उसने फिर बोलना शुरू किया: "मैं एक डॉक्टर को जानता हूँ जो—"
मैंने कहा, “मुझे काम करना है; और मिस लेगेट, जो अब घर पर हैं, अपनी मौजूदा हालत में, मेरा काम पूरा करने में मेरी मदद करेंगी। इसलिए वह घर जा रही हैं।”
उसने गुस्से से मेरी ओर घूरते हुए आरोप लगाया: "तुम उसे अपमानित करोगे, उसे बदनाम करोगे, उसकी जान को खतरे में डालोगे, सिर्फ इसलिए कि..."
“उसकी जान को उतना ही खतरा है जितना तुम्हें या मुझे। बस उसके अंदर कुछ ज्यादा ही बोझ है जिसे वह संभाल नहीं सकती। और यह बोझ उसने खुद उठाया है। मैंने उसे यह बोझ नहीं दिया।”
जिस लड़की के बारे में हम बात कर रहे थे, वह हमारे बीच जीवित थी और सांस ले रही थी—यहां तक कि आंखें खोलकर बैठी भी थी—लेकिन उसे इस बात की उतनी ही जानकारी थी जितनी कि अगर वह फिनलैंड में होती तो होती।
हमें अगले मोड़ पर दाईं ओर मुड़ जाना चाहिए था। कॉलिंसन ने कार को सीधा रखा और गति बढ़ाकर पैंतालीस मील प्रति घंटा कर दी, वह सामने घूर रहा था, उसका चेहरा कठोर और उभरा हुआ था।
मैंने आदेश दिया, "अगली बारी लो।"
“नहीं,” उसने कहा, और फिर भी नहीं रुका। स्पीडोमीटर पर 50 की स्पीड दिख रही थी, और जैसे ही हम तेज़ी से आगे बढ़े, फुटपाथ पर खड़े लोग हमें देखने लगे।
“तो?” मैंने लड़की के बगल से अपना हाथ छुड़ाते हुए पूछा।
उन्होंने दृढ़ता से कहा, "हम प्रायद्वीप की ओर जा रहे हैं। वह इस हालत में घर नहीं जा सकती।"
मैंने धीमी आवाज़ में कहा, "हाँ?" और अपना खाली हाथ कंट्रोल की तरफ बढ़ाया। उसने मेरा हाथ झटक दिया, एक हाथ से स्टीयरिंग व्हील पकड़े हुए था और दूसरे हाथ से मुझे रोकने की कोशिश कर रहा था अगर मैंने दोबारा कोशिश की।

“ऐसा मत करो,” उसने मुझे चेतावनी देते हुए कहा और हमारी गति को और छह मील बढ़ा दिया। “तुम जानते हो कि अगर तुमने ऐसा किया तो हम सबका क्या होगा—”
मैंने उसे बहुत बुरी तरह, पूरी तरह से और दिल से कोसा। उसका चेहरा गुस्से से भर उठा, मानो वह न्यायपूर्ण आक्रोश से भरा हो, क्योंकि शायद मैंने जो भाषा इस्तेमाल की थी, वह किसी महिला के सामने इस्तेमाल करने लायक नहीं थी।
और इसी वजह से यह सब हुआ।
हमारे वहाँ पहुँचने से ठीक एक पल पहले, एक नीली सेडान कार चौराहे से निकली। कॉलिंसन की नज़र और ध्यान समय रहते वापस ड्राइविंग पर आ गया और उसने रोडस्टर को सेडान से दूर मोड़ लिया, लेकिन इतनी जल्दी नहीं कि वह इसे सफलतापूर्वक कर सके। हम सेडान से कुछ इंच से बच गए, लेकिन जैसे ही हम उसके पीछे से गुज़रे, हमारे पिछले पहिये फिसलने लगे। कॉलिंसन ने अपनी पूरी कोशिश की, रोडस्टर को फिसलने से बचाने के लिए उसे सीधा चलाया, लेकिन कोने का फुटपाथ साथ नहीं दे रहा था। वह अपनी जगह पर अकड़ा हुआ था। हम उससे तिरछे टकराए और उसके पीछे लगे लैंपपोस्ट पर जा गिरे। लैंपपोस्ट टूटकर फुटपाथ पर गिर पड़ा। रोडस्टर, जो एक तरफ पलटी हुई थी, हमें लैंपपोस्ट के चारों ओर बिखेर दिया। टूटे हुए खंभे से पेट्रोल हमारे पैरों के पास उछला। कॉलिंसन, जिसके चेहरे के एक तरफ की लगभग पूरी त्वचा छिल गई थी, हाथों और घुटनों के बल रेंगते हुए वापस आया और कार का इंजन बंद कर दिया। मैं उठ बैठा और अपनी छाती पर लेटी बच्ची को भी अपने साथ उठा लिया। मेरा दाहिना कंधा और बांह बुरी तरह सुन्न हो गए थे। बच्ची अपनी छाती में सिसकियाँ भर रही थी, लेकिन मुझे उसके शरीर पर एक गाल पर हल्की खरोंच के अलावा कोई निशान नहीं दिख रहा था। मैं उसका सहारा बना था, मैंने उसके लिए झटका सहा था। मेरी छाती, पेट और पीठ का दर्द, मेरे कंधे और बांह की बेजानता, ये सब बता रहे थे कि मैंने उसे कितना बचाया था।
लोगों ने हमें उठने में मदद की। कॉलिंसन लड़की को बाहों में लिए खड़ा था, उससे विनती कर रहा था कि वह कहे कि वह मरी नहीं है, वगैरह। टक्कर से वह अर्ध-चेतना में चली गई थी, लेकिन उसे अभी भी पता नहीं था कि दुर्घटना हुई थी या क्या। मैं पास गया और कॉलिंसन को उसे सहारा

देने में मदद की—हालांकि हम दोनों को किसी मदद की ज़रूरत नहीं थी— और वहाँ जमा भीड़ से गंभीरता से कहा: “हमें उसे घर ले जाना है। कौन मदद कर सकता है—?”
प्लस फोर पैंट पहने एक मोटे आदमी ने अपनी सेवाएं देने की पेशकश की। कॉलिंसन और मैं लड़की को लेकर उसकी कार की पिछली सीट पर बैठ गए, और मैंने उस मोटे आदमी को लड़की का पता दे दिया। उसने अस्पताल के बारे में कुछ कहा, लेकिन मैंने ज़ोर देकर कहा कि उसके लिए घर ही सबसे सही जगह है। कॉलिंसन इतनी परेशान थी कि कुछ कह नहीं पाई। बीस मिनट बाद हमने लड़की को उसके घर के सामने कार से उतारा। मैंने उस मोटे आदमी को दिल से धन्यवाद दिया और उसे हमारे पीछे घर के अंदर आने का कोई मौका नहीं दिया।

6

शैतान के द्वीप का आदमी

कुछ देर बाद—मुझे दो बार घंटी बजानी पड़ी—लेगेट के घर का दरवाजा ओवेन फिट्ज़स्टेफ़न ने खोला। उनकी आँखों में नींद का कोई निशान नहीं था: वे चमकीली और उमंग भरी थीं, जैसी तब होती हैं जब उन्हें जीवन में रुचि होती है। उनकी रुचियों को जानते हुए, मुझे आश्चर्य हुआ कि आखिर क्या हुआ होगा।
"तुम लोग क्या कर रहे थे?" उसने हमारे कपड़ों को देखते हुए, कॉलिंसन के खून से लथपथ चेहरे को देखते हुए और लड़की के खरोंच लगे गाल को देखते हुए पूछा।
मैंने कहा, "गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया है। कुछ खास गंभीर नहीं है। सब लोग कहाँ हैं?"
उन्होंने शब्द पर विशेष जोर देते हुए कहा, "सब लोग प्रयोगशाला में हैं;" और फिर मुझसे कहा: "इधर आओ।"
मैं उसके पीछे-पीछे रिसेप्शन हॉल से होते हुए सीढ़ियों के नीचे तक गया, कॉलिंसन और उस लड़की को सड़क के दरवाजे के ठीक अंदर खड़ा छोड़कर। फिट्ज़स्टेफ़ान ने अपना मुँह मेरे कान के पास लाकर फुसफुसाया:
लेगेट ने आत्महत्या कर ली।
मुझे आश्चर्य से ज़्यादा गुस्सा आया। मैंने पूछा: "वह कहाँ है?" “प्रयोगशाला में। श्रीमती लेगेट और पुलिस वहीं ऊपर हैं। यह घटना महज आधे घंटे पहले हुई।”
मैंने कहा, "हम सब ऊपर जाएंगे।"

उन्होंने पूछा, "क्या गैब्रिएल को वहां ले जाना अनावश्यक नहीं है?" मैंने चिड़चिड़ाते हुए कहा, "उसके लिए थोड़ा मुश्किल हो सकता है, लेकिन ज़रूरी तो है ही। वैसे भी, वह कोकीन के असर में है और बाद में जब कोकीन का असर खत्म होने लगेगा, तब की तुलना में इस झटके को बेहतर तरीके से झेल पाएगी।" मैंने कोलिंसन की ओर मुड़कर कहा, "चलो, हम प्रयोगशाला चलते हैं।"
मैंने आगे बढ़कर फिट्ज़स्टेफ़ान को उस लड़की के मामले में कॉलिंसन की मदद करने दिया। प्रयोगशाला में छह लोग थे: वर्दीधारी एक पुलिसवाला—लाल मूंछों वाला एक लंबा-चौड़ा आदमी—दरवाजे के पास खड़ा था; श्रीमती लेगेट कमरे के दूसरे छोर पर एक लकड़ी की कुर्सी पर बैठी थीं, उनका शरीर आगे की ओर झुका हुआ था, उनके हाथों में रुमाल था और वे धीरे-धीरे सिसक रही थीं; ओ'गार और रेड्डी एक खिड़की के पास खड़े थे, एक-दूसरे के करीब, उनके सिर कागजों के एक बंडल पर रगड़ रहे थे जिसे जासूस सार्जेंट ने अपनी मोटी मुट्ठियों में पकड़ रखा था; काले कपड़ों में एक सजे-धजे, सांवले चेहरे वाला आदमी जस्ता की मेज के पास खड़ा था, अपने हाथ में काले रिबन पर चश्मा घुमा रहा था; और एडगर लेगेट मेज पर एक कुर्सी पर बैठा था, उसका सिर और ऊपरी शरीर मेज पर टिका हुआ था, उसकी बाहें फैली हुई थीं। जब मैं अंदर आया तो ओ'गार और रेड्डी ने अपनी पढ़ाई से नज़रें ऊपर उठाईं। खिड़की पर उनके पास जाने के लिए मेज के पास से गुजरते हुए, मैंने खून देखा, लेगेट के एक हाथ के पास एक छोटी काली स्वचालित पिस्तौल पड़ी थी, और उसके सिर के पास सात बिना जड़े हीरे एक साथ रखे थे।
ओ'गार ने कहा, "एक नज़र डालो," और मुझे अपने कागज़ों के गट्ठे का एक हिस्सा पकड़ा दिया—चार कड़े सफेद पन्ने जिन पर काली स्याही से बहुत छोटे, साफ और नियमित अक्षरों में लिखा हुआ था। मैं उस पर लिखी बातों में दिलचस्पी लेने लगा था कि तभी फिट्ज़स्टेफ़न और कॉलिंसन गैब्रिएल लेगेट के साथ अंदर आ गए।
कॉलिंसन ने मेज पर पड़े मृत व्यक्ति को देखा। कॉलिंसन का चेहरा पीला पड़ गया। उसने अपना भारी शरीर लड़की और उसके पिता के बीच खड़ा कर दिया।
मैंने कहा, "अंदर आ जाओ।"

“यह जगह अब मिस लेगेट के लिए ठीक नहीं है,” उसने गुस्से से कहा और उसे अपने साथ ले जाने के लिए मुड़ गया।
“हमें सबको यहाँ बुलाना चाहिए,” मैंने ओ’गार से कहा। उसने पुलिसवाले की ओर सिर हिलाकर इशारा किया। पुलिसवाले ने कॉलिंसन के कंधे पर हाथ रखा और कहा: “तुम दोनों को अंदर आना होगा।” फ़िट्ज़स्टेफ़ान ने लड़की के लिए एक कोने वाली खिड़की के पास एक कुर्सी रख दी। वह बैठ गई और कमरे में चारों ओर देखने लगी—मृत व्यक्ति को, श्रीमती लेगेट को, हम सभी को—उसकी आँखें बेजान थीं, लेकिन अब पूरी तरह से खाली नहीं थीं। कॉलिंसन उसके बगल में खड़ी थी और मुझे घूर रही थी। श्रीमती लेगेट ने अपने रूमाल से नज़रें नहीं हटाई थीं।
मैंने ओ'गार से इतनी स्पष्टता से बात की कि बाकी लोग भी सुन सकें: "चलो पत्र को जोर से पढ़ते हैं।"
उसने आंखें सिकोड़ीं, झिझका, फिर अपनी बाकी की गड्डी मेरी तरफ बढ़ाते हुए कहा: "ठीक है। तुम इसे पढ़ लो।"
मैंने पढ़ा है:
"पुलिस को:-
मेरा नाम मौरिस पियरे डी मेयेन है। मेरा जन्म 6 मार्च, 1883 को फ्रांस के सीन-इन्फेरियर प्रांत के फेकैम्प में हुआ था, लेकिन मेरी मुख्य शिक्षा इंग्लैंड में हुई। 1903 में मैं चित्रकला का अध्ययन करने के लिए पेरिस गया, और वहाँ, चार साल बाद, मेरी मुलाकात एलिस और लिली डैन से हुई, जो एक ब्रिटिश नौसेना अधिकारी की अनाथ बेटियाँ थीं। मैंने अगले वर्ष लिली से विवाह किया, और 1909 में हमारी बेटी गैब्रिएल का जन्म हुआ।
शादी के कुछ समय बाद ही मुझे एहसास हुआ कि मैंने एक बहुत बड़ी गलती कर दी है, कि मैं अपनी पत्नी लिली से नहीं बल्कि ऐलिस से सच्चा प्यार करता था। मैंने इस बात को तब तक अपने तक ही सीमित रखा जब तक बच्ची अपने सबसे मुश्किल बचपन के दौर से नहीं गुज़र गई; यानी जब तक वह लगभग पाँच साल की नहीं हो गई, और फिर मैंने अपनी पत्नी को बताया और उससे तलाक मांगा ताकि मैं ऐलिस से शादी कर सकूँ। उसने इनकार कर दिया।

6 जून, 1913 को मैंने लिली की हत्या कर दी और एलिस और गैब्रिएल के साथ लंदन भाग गया, जहाँ मुझे जल्द ही गिरफ्तार कर लिया गया और वापस पेरिस भेज दिया गया, जहाँ मुझ पर मुकदमा चला, मुझे दोषी पाया गया और इल्स डू सैलुट द्वीप पर आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई। एलिस, जिसका हत्या में कोई हाथ नहीं था, उसे हत्या होने के बाद ही इसकी जानकारी हुई थी, और जो गैब्रिएल के प्रति अपने प्रेम के कारण ही हमारे साथ लंदन आई थी, उस पर भी मुकदमा चला, लेकिन उसे न्यायसंगत रूप से बरी कर दिया गया। यह सब पेरिस में दर्ज है।
1918 में मैं जैक्स लाबाउड नाम के एक साथी कैदी के साथ एक कमजोर से बेड़े पर सवार होकर द्वीपों से भाग निकला। मुझे नहीं पता—हम दोनों को कभी पता नहीं चला—कि हम कितने समय तक समुद्र में भटकते रहे, और न ही अंत में, कितने समय तक बिना भोजन और पानी के रहे। फिर लाबाउड और सहन नहीं कर सका और मर गया। उसकी मृत्यु भूख और ठंड से हुई। मैंने उसे नहीं मारा। कोई भी जीवित प्राणी इतना कमजोर नहीं हो सकता था कि मैं उसे मार डालूँ, चाहे मेरी कितनी भी इच्छा क्यों न हो। लेकिन जब लाबाउड की मृत्यु हुई, तब तक एक व्यक्ति के लिए पर्याप्त भोजन था, और मैं गोल्फो ट्रिस्टे के तट पर बहकर आ पहुँचा। "वाल्टर मार्टिन नाम से मैंने अरोआ में एक ब्रिटिश तांबा खनन कंपनी में नौकरी हासिल कर ली और कुछ ही महीनों में मैं वहां के निवासी प्रबंधक फिलिप हॉवार्ट का निजी सचिव बन गया। इस पदोन्नति के कुछ ही समय बाद जॉन एज नाम के एक कॉकनी (इंग्लैंड के मूल निवासी) ने मुझसे संपर्क किया और मुझे एक योजना बताई जिसके द्वारा हम कंपनी को हर महीने लगभग सौ पाउंड की धोखाधड़ी कर सकते थे। जब मैंने इस धोखाधड़ी में शामिल होने से इनकार कर दिया, तो एज ने मेरी पहचान उजागर कर दी और धमकी दी कि अगर मैंने उसकी मदद नहीं की तो वह मेरी पहचान उजागर कर देगा। एज ने कहा कि वेनेजुएला का फ्रांस के साथ कोई प्रत्यर्पण संधि न होने से शायद मुझे द्वीपों पर वापस भेजे जाने से बचाया जा सके; लेकिन यह मेरा मुख्य खतरा नहीं था: लाबाउड का शव किनारे पर पड़ा था, जो इतना अविघटित था कि उसके साथ क्या हुआ था, यह स्पष्ट था, और मुझे, एक भागे हुए हत्यारे को, वेनेजुएला की अदालत में यह साबित करना होगा कि मैंने भूख से बचने के लिए वेनेजुएला के जलक्षेत्र में लाबाउड की हत्या नहीं की थी।"

मैंने एज के धोखे में शामिल होने से इनकार कर दिया और जाने की तैयारी करने लगा। लेकिन जब मैं तैयारी कर रहा था, उसने हॉवार्ट की हत्या कर दी और कंपनी की तिजोरी लूट ली। उसने मुझे अपने साथ भागने के लिए उकसाया, यह कहते हुए कि अगर वह मुझे बेनकाब भी नहीं करेगा, तो भी मैं पुलिस जांच का सामना नहीं कर पाऊंगा। यह बात सच थी: मैं उसके साथ चला गया। दो महीने बाद, मेक्सिको सिटी में, मुझे पता चला कि एज मेरी संगति के लिए इतना उत्सुक क्यों था। मेरी पहचान के बारे में उसकी जानकारी और मेरी क्षमताओं के बारे में उसके अत्यधिक - अनुचित
- अनुमान के कारण, उसने मुझ पर अपना पूरा नियंत्रण स्थापित कर लिया था; और वह मेरा इस्तेमाल ऐसे अपराध करने के लिए करना चाहता था जो उसकी पहुंच से बाहर थे। मैंने ठान लिया था, चाहे कुछ भी हो जाए, चाहे कुछ भी करना पड़े, मैं कभी भी इल्स डू सैलुट वापस नहीं लौटूंगा; लेकिन मैं पेशेवर अपराधी भी नहीं बनना चाहता था। मैंने मेक्सिको सिटी में एज से भागने की कोशिश की; उसने मुझे ढूंढ लिया, हमारी लड़ाई हुई; और मैंने उसे मार डाला। मैंने आत्मरक्षा में उसे मारा: उसने मुझ पर पहले हमला किया था।
1920 में मैं संयुक्त राज्य अमेरिका के सैन फ्रांसिस्को आया, अपना नाम एक बार फिर बदलकर एडगर लेगेट रख लिया और दुनिया में अपनी एक नई जगह बनाने लगा, रंगों के साथ उन प्रयोगों को विकसित करने लगा जो मैंने पेरिस में एक युवा कलाकार के रूप में किए थे। 1923 में, यह मानते हुए कि एडगर लेगेट का अब मौरिस डी मेयेन से कोई संबंध नहीं हो सकता, मैंने एलिस और गैब्रिएल को बुलवाया, जो उस समय न्यूयॉर्क में रह रही थीं, और एलिस और मैंने शादी कर ली। लेकिन अतीत मरा नहीं था, और लेगेट और मेयेन के बीच कोई ऐसी खाई नहीं थी जिसे पाटा न जा सके। मेरे भाग जाने के बाद एलिस को मुझसे कोई खबर नहीं मिली, उसे पता नहीं था कि मेरे साथ क्या हुआ है, इसलिए उसने मुझे ढूंढने के लिए एक निजी जासूस, लुई अप्टन को नियुक्त किया। अप्टन ने रूपर्ट नाम के एक व्यक्ति को दक्षिण अमेरिका भेजा, और रूपर्ट ने गोल्फो ट्रिस्ट में मेरे उतरने से लेकर एज की मृत्यु के बाद मेक्सिको सिटी से मेरे प्रस्थान तक, कदम-दर-कदम मेरा पता लगाने में सफलता प्राप्त की। ऐसा करने में, रूपर्ट को निश्चित रूप से लाबाउड, हॉवार्ट और एज की मृत्यु के बारे में पता चला; जिनमें से तीन की मृत्यु मैं निर्दोष

था, लेकिन जिन अपराधों के लिए—या कम से कम एक या अधिक अपराधों के लिए—मेरा आपराधिक रिकॉर्ड देखते हुए, यदि मुझ पर मुकदमा चलाया जाता तो मुझे निश्चित रूप से दोषी ठहराया जाता।
मुझे नहीं पता कि अप्टन ने मुझे सैन फ्रांसिस्को में कैसे ढूंढा। शायद उसने ऐलिस और गैब्रिएल का पता लगाकर मुझे ढूंढा होगा। पिछले शनिवार की देर रात वह मेरे पास आया और चुप रहने के बदले पैसे मांगने लगा। उस समय मेरे पास पैसे नहीं थे, इसलिए मैंने उसे मंगलवार तक टाल दिया, जब मैंने उसे आंशिक भुगतान के रूप में हीरे दे दिए। लेकिन मैं हताश था। मैं जानता था कि अप्टन की दया पर रहने का क्या मतलब होगा, क्योंकि एज के साथ भी मैंने यही अनुभव किया था। मैंने उसे जान से मारने का निश्चय कर लिया। मैंने तय किया कि मैं हीरे चोरी होने का नाटक करूंगा और पुलिस को यही सूचना दूंगा। मुझे पूरा भरोसा था कि अप्टन तुरंत मुझसे संपर्क करेगा। मैं उससे मिलने का समय तय करूंगा और उसे बेरहमी से गोली मार दूंगा, मुझे पूरा विश्वास था कि मुझे एक ऐसी कहानी गढ़ने में कोई कठिनाई नहीं होगी जिससे यह लगे कि इस कुख्यात चोर को मारना जायज था, जिसके पास निस्संदेह चोरी हुए हीरे मिलेंगे।
“मुझे लगता है कि योजना सफल हो जाती। लेकिन रूपर्ट—अप्टन से अपने निजी प्रतिशोध के चलते—ने मुझे अप्टन की हत्या करने से खुद बचा लिया। रूपर्ट, जिसने डेविल्स आइलैंड से मेक्सिको सिटी तक मेरे रास्ते का पता लगाया था, ने अप्टन से या उस पर जासूसी करके यह भी जान लिया था कि मेयेन ही लेगेट है, और अप्टन की हत्या के लिए पुलिस के पीछे पड़ने पर वह यहाँ आया और मुझसे उसे शरण देने, हीरे लौटाने और उनके बदले पैसे मांगने लगा।”
“मैंने उसे मार डाला। उसका शव तहखाने में है। सामने एक जासूस मेरे घर पर नज़र रख रहा है। अन्य जासूस मेरे मामलों की जाँच-पड़ताल में व्यस्त हैं। मैं अपने कुछ कार्यों की संतोषजनक व्याख्या नहीं कर पाया हूँ, न ही विरोधाभासों से बच पाया हूँ, और अब जब मुझ पर ही संदेह हो रहा है, तो अतीत को गुप्त रखने की संभावना बहुत कम है। मुझे हमेशा से पता था—और तब भी जब मैं इसे स्वयं स्वीकार नहीं करता था—कि एक दिन ऐसा होगा। मैं शैतान के द्वीप पर वापस नहीं जा रहा

[redacted] [redacted] [redacted] [

7

अभिशाप

मेरे पढ़ने के बाद कुछ मिनटों तक किसी ने कुछ नहीं कहा। श्रीमती लेगेट ने अपने चेहरे से रुमाल हटाकर मेरी बात सुनी और बीच-बीच में धीरे-धीरे सिसकियाँ भर रही थीं। गैब्रिएल कमरे में इधर-उधर देख रही थी, उसकी आँखों में धुंधलापन छाया हुआ था और होंठ फड़फड़ा रहे थे, मानो वह कुछ कहना चाह रही हो लेकिन कह नहीं पा रही हो।
मैं मेज के पास गया, मृत व्यक्ति के ऊपर झुका और उसकी जेबों पर हाथ फेरा। कोट की अंदरूनी जेब फूली हुई थी। मैंने उसकी बांह के नीचे हाथ डालकर कोट के बटन खोले और जेब से एक भूरा बटुआ निकाला। बटुआ कागज़ी नोटों से भरा हुआ था—बाद में गिनने पर पता चला कि उसमें पंद्रह हज़ार डॉलर थे।
मैंने बटुए की सामग्री दूसरों को दिखाते हुए पूछा:
"क्या उसने मेरे द्वारा पढ़े गए संदेश के अलावा कोई और संदेश छोड़ा था?"
“ऐसा कुछ नहीं मिला,” ओ’गार ने कहा। “क्यों?”
“क्या आपको किसी के बारे में पता है, श्रीमती लेगेट?” मैंने पूछा। उसने अपना सिर हिलाया।
“क्यों?” ओ’गार ने फिर पूछा।
मैंने कहा, “उसने आत्महत्या नहीं की। उसकी हत्या की गई थी।” गैब्रिएल लेगेट चीख पड़ी और अपनी कुर्सी से उछलकर खड़ी हो गई, उसने अपनी नुकीली नाखूनों वाली सफेद उंगली श्रीमती लेगेट की ओर इशारा करते हुए दिखाई।

“उसने उसे मार डाला,” लड़की चीखी। “उसने कहा, ‘वापस आओ’ और एक हाथ से रसोई का दरवाजा खुला रखा, दूसरे हाथ से नाली के तख्ते से चाकू उठाया, और जब वह उसके पास से गुजरा तो उसने चाकू उसकी पीठ में घोंप दिया। मैंने उसे ऐसा करते देखा। उसने उसे मार डाला। मैंने कपड़े नहीं पहने थे, और जब मैंने उनके आने की आवाज सुनी तो मैं पेंट्री में छिप गई, और मैंने उसे ऐसा करते देखा।”
श्रीमती लेगेट उठ खड़ी हुईं। वह लड़खड़ा गईं और अगर फिट्ज़स्टेफ़ान ने उन्हें सहारा न दिया होता तो वह गिर ही जातीं। उनके सूजे हुए चेहरे से दुख का भाव पूरी तरह गायब हो गया, मानो विस्मय से भर गया हो।
मेज के पास खड़े भूरे चेहरे वाले, सजे-धजे व्यक्ति—डॉक्टर रीज़, जैसा कि मुझे बाद में पता चला—ने ठंडी, कठोर आवाज़ में कहा:
“चाकू से वार का कोई घाव नहीं है। उसे इस पिस्तौल से चलाई गई गोली कनपटी पर लगी है, जिसे पास से निशाना बनाकर ऊपर की ओर तिरछा दागा गया था। स्पष्ट रूप से यह आत्महत्या है, मैं यही कहूंगा।” कॉलिंसन ने गैब्रिएल को वापस उसकी कुर्सी पर बिठा दिया और उसे शांत करने की कोशिश की। वह अपने हाथों को आपस में रगड़ रही थी और कराह रही थी।
मैं डॉक्टर के आखिरी बयान से असहमत था, और ऐसा कहते हुए मैं अपने मन में किसी और बात पर विचार कर रहा था।
“हत्या। उसकी जेब में ये पैसे थे। वो जा रहा था। उसने पुलिस को चिट्ठी लिखकर अपनी पत्नी और बेटी को बेगुनाह साबित करने की कोशिश की, ताकि उन्हें उसके अपराधों में मिलीभगत के लिए सज़ा न मिले। क्या,” मैंने ओ'गार से पूछा, “यह आपको उस आदमी का मरते समय का बयान लगता है जो अपनी प्यारी पत्नी और बेटी को छोड़कर जा रहा था? उनके लिए कोई संदेश नहीं, कोई शब्द नहीं—सब कुछ पुलिस के लिए।”
“शायद तुम सही हो,” गोल सिर वाले आदमी ने कहा; “लेकिन मान लो कि वह जा रहा था, फिर भी उसने उनके लिए कुछ नहीं छोड़ा—”
“अगर वो काफी समय तक जीवित रहते, तो जाने से पहले उन्होंने उन्हें कुछ न कुछ जरूर बताया होता—चाहे लिखकर या बोलकर। वो अपने सारे काम निपटा रहे थे, जाने की तैयारी कर रहे थे, और—शायद वो आत्महत्या करने वाले थे, हालांकि पैसे और चिट्ठी के लहजे से मुझे शक है; लेकिन

था; उसने और रुपर्ट ने तुम्हारे लिए लेगेट का पता लगाया, न केवल मेक्सिको सिटी तक, बल्कि यहाँ तक। अगर उन्हें किसी और काम के लिए सिंग सिंग जेल न भेजा गया होता, तो वे तुम्हें इससे पहले ही हड़प लेते। जब वे वहाँ से निकले, तो अपटन यहाँ आया और उसने अपना दांव खेला। तुमने चोरी का झूठा आरोप लगाया; तुमने अपटन को हीरे दे दिए; और तुमने अपने पति को इसके बारे में कुछ नहीं बताया। तुम्हारे पति को लगा कि चोरी जायज़ थी। वरना, क्या वह—जिसका आपराधिक रिकॉर्ड था —पुलिस को इसकी सूचना देने का जोखिम उठाता?”
“तुमने उसे अप्टन के बारे में क्यों नहीं बताया? क्या तुम नहीं चाहते थे कि उसे पता चले कि तुमने डेविल्स आइलैंड से सैन फ्रांसिस्को तक उसका एक-एक कदम पता लगाया था? क्यों? अगर ज़रूरत पड़ती तो उसका दक्षिणी रिकॉर्ड उसके खिलाफ़ एक अच्छा अतिरिक्त सबूत हो सकता था? क्या तुम नहीं चाहते थे कि उसे पता चले कि तुम्हें लाबाउड, हॉवार्ट और एज के बारे में पता था?”
मैंने उसे इनमें से किसी भी प्रश्न का उत्तर देने का मौका नहीं दिया, बल्कि आगे बढ़ते हुए अपनी आवाज को बेकाबू कर दिया:
“हो सकता है कि रुपर्ट, अप्टन का पीछा करते हुए यहाँ आया हो और उसने आपसे संपर्क किया हो, और आपने उसे अप्टन की हत्या करने के लिए कहा हो, जो काम वह अपने दम पर करने को तैयार था। शायद, क्योंकि उसने उसकी हत्या कर दी और बाद में वह आपके पास आया, और आपने रसोई में उसे चाकू मारना ज़रूरी समझा। आपको नहीं पता था कि पेंट्री में छिपी लड़की ने आपको देख लिया था; लेकिन आप जानती थीं कि आप अपनी हद से बाहर जा रही हैं। आप जानती थीं कि रुपर्ट की हत्या से बच निकलने की आपकी संभावना बहुत कम थी। आपका घर सबकी नज़रों में था। इसलिए आपने अपना एकमात्र रास्ता अपनाया। आप अपने पति के पास पूरी कहानी लेकर गईं— या जितना उसे समझाने के लिए बताया जा सकता था—और उसे अपने ऊपर बोझ उठाने के लिए मना लिया। और फिर आपने उसे यह दिया—यहाँ मेज़ पर।” “उसने तुम्हें बचाया। उसने हमेशा तुम्हें बचाया था। तुमने,” मैं गरजते हुए बोला, मेरी आवाज़ अब पूरे जोश में थी, “अपनी बहन लिली, उसकी पहली पत्नी, की हत्या की और उसे अपने ऊपर फँसाने दिया। उसके बाद तुम उसके साथ लंदन चली गईं। अगर तुम निर्दोष होतीं, तो क्या तुम अपनी बहन के हत्यारे के साथ जातीं? तुमने उसका पता लगाया, उसके

पीछे यहाँ आईं और उससे शादी कर ली। तुमने ही तय किया था कि उसने गलत बहन से शादी की है और तुमने ही उसकी हत्या की।”
“उसने किया! उसने किया!” गैब्रिएल लेगेट चिल्लाई, और उस कुर्सी से उठने की कोशिश करने लगी जिस पर कॉलिंसन ने उसे पकड़ रखा था। “उसने

—”

श्रीमती लेगेट सीधी खड़ी हुईं और मुस्कुराईं, उनके पीले दांत एक दूसरे से सटे हुए दिखाई दिए। उन्होंने कमरे के बीचोंबीच दो कदम बढ़ाए। एक हाथ कमर पर था, दूसरा हाथ बगल में ढीला लटका हुआ था। वह गृहिणी—फिट्ज़स्टेफ़न की शांत, समझदार छवि—अचानक गायब हो गई। अब वह एक सुनहरे बालों वाली महिला थीं, जिनका शरीर सुडौल था, लेकिन संतुष्ट, अच्छी तरह से देखभाल की गई अधेड़ उम्र की महिलाओं के मोटेपन से नहीं, बल्कि जंगल हो या गली, शिकार करने वाली बिल्लियों की तरह गठीले, कोमल मांसपेशियों से भरा हुआ था।
मैंने मेज से पिस्तौल उठाई और उसे अपनी जेब में रख लिया।
"आप जानना चाहते हैं कि मेरी बहन को किसने मारा?" श्रीमती लेगेट ने मुझसे धीरे से पूछा, शब्दों के बीच उनके दांत आपस में टकरा रहे थे, उनके होंठों पर मुस्कान थी और उनकी आँखों में गुस्सा झलक रहा था। "उस नशेड़ी गैब्रिएल ने अपनी माँ को मार डाला। उसी को उसने पनाह दी थी।"
लड़की ने कुछ अस्पष्ट सी आवाज निकाली।
मैंने कहा, "बकवास। वह तो बच्ची थी।"
“अरे, ये तो बकवास नहीं है,” उस औरत ने कहा। “वो लगभग पाँच साल की थी, एक बच्ची जो अपनी माँ के सोते समय दराज से निकाली हुई पिस्तौल से खेल रही थी। पिस्तौल चल गई और लिली की मौत हो गई। बेशक, ये एक हादसा था, लेकिन मौरिस इतना संवेदनशील था कि वो ये सोच भी नहीं सकता था कि उसकी बेटी ये जानकर बड़ी होगी कि उसने अपनी माँ को मार डाला है। इसके अलावा, ये भी मुमकिन था कि मौरिस को किसी भी हालत में सज़ा मिल जाती। ये सबको पता था कि हम दोनों के बीच करीबी रिश्ता था, कि वो लिली से छुटकारा पाना चाहता था; और जब गोली चली, तब वो लिली के कमरे के दरवाज़े पर ही था। लेकिन ये उसके लिए कोई बड़ी बात नहीं थी: उसकी बस एक ही इच्छा थी कि बच्ची को उसके किए की याद न आए, ताकि ये जानकर

उसकी ज़िंदगी कलंकित न हो जाए कि उसने, चाहे अनजाने में ही सही, अपनी माँ को मार डाला था।”
इस सबमें सबसे अप्रिय बात यह थी कि महिला बात करते समय बड़ी विनम्रता से मुस्कुरा रही थी और अपने शब्दों का चयन बड़े सलीके से कर रही थी, मानो वह उन्हें नज़ाकत से बोल रही हो। उसने आगे कहा: “गैब्रिएल, नशे की लत लगने से पहले भी, एक तरह से सीमित मानसिकता वाली बच्ची थी; और इसलिए, जब तक लंदन पुलिस ने हमें ढूंढा, तब तक हम उसके दिमाग से इस विशेष घटना से जुड़ी आखिरी याद को भी पूरी तरह मिटा चुके थे। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ, यही पूरी सच्चाई है। उसने अपनी माँ की हत्या की; और उसके पिता ने, जैसा कि आपने कहा, उसकी गलती का इल्जाम अपने ऊपर ले लिया।”
“काफी हद तक तर्कसंगत लगता है,” मैंने स्वीकार किया, “लेकिन यह सब ठीक से मेल नहीं खाता। हो सकता है कि आपने लेगेट को यह विश्वास दिलाया हो, लेकिन मुझे इस पर संदेह है। मुझे लगता है कि आप अपनी सौतेली बेटी को नुकसान पहुँचाने की कोशिश कर रहे हैं क्योंकि उसने हमें बताया है कि उसने आपको नीचे रुपर्ट पर चाकू से हमला करते देखा था।”
उसने अपने होंठ दांतों से पीछे खींचे और मेरी ओर तेज़ी से कदम बढ़ाया, उसकी आँखें चौड़ी और चारों ओर सफेद घेरे वाली थीं; फिर उसने खुद को संभाला, ज़ोर से हँसी, और उसकी आँखों से वह चमक गायब हो गई—या शायद वापस आँखों में सुलगने लगी। उसने अपने हाथ कमर पर रखे और चंचल, हल्के-फुल्के अंदाज़ में मेरी ओर मुस्कुराई और मुझसे चंचल लहजे में बातें कीं, जबकि उसकी आँखों, मुस्कान और आवाज़ में भयंकर नफ़रत की आग धधक रही थी।
“क्या मैं हूँ? तो मुझे आपको यह बताना होगा, जो मैं आपको तब तक नहीं बताती जब तक यह सच न होता। मैंने उसे अपनी माँ को मारना सिखाया। क्या आप समझते हैं? मैंने उसे सिखाया, प्रशिक्षित किया, अभ्यास कराया, उसे बार-बार सिखाया। क्या आप यह समझते हैं? लिली और मैं सच्ची बहनें थीं, अविभाज्य, एक-दूसरे से ज़हरीली नफ़रत करती हुई। मौरिस, वह हम दोनों में से किसी से भी शादी नहीं करना चाहता था—वह क्यों करता?—हालाँकि वह हम दोनों के साथ काफ़ी करीबी रिश्ता रखता था। आपको इसे अक्षरशः समझने की कोशिश करनी है। लेकिन हम गरीबी से

ग्रस्त थे और वह नहीं था, और क्योंकि हम थे और वह नहीं था, लिली उससे शादी करना चाहती थी। और मैं, मैं उससे शादी करना चाहती थी क्योंकि वह चाहती थी। हम सच्ची बहनें थीं, हर बात में एक जैसी। लेकिन लिली ने उसे पहले पा लिया—उसे फंसा लिया—यह कहना थोड़ा अटपटा है लेकिन सटीक है—शादी के बंधन में।
“गैब्रिएल का जन्म छह या सात महीने बाद हुआ। हम कितने खुशहाल छोटे परिवार थे। मैं उनके साथ रहती थी—क्या लिली और मैं एक-दूसरे से अलग नहीं हो सकती थीं?—और शुरू से ही गैब्रिएल को अपनी माँ से ज़्यादा मुझसे प्यार था। मैंने इसका पूरा ध्यान रखा: उसकी चाची ऐलिस अपनी प्यारी भतीजी के लिए कुछ भी करने को तैयार रहती थीं; क्योंकि उनका मुझे ज़्यादा पसंद करना लिली को बहुत गुस्सा दिलाता था, ऐसा नहीं था कि लिली खुद बच्ची से बहुत प्यार करती थी, बल्कि इसलिए कि हम बहनें थीं; और एक जो चाहती थी, दूसरी भी वही चाहती थी, साझा करने के लिए नहीं, बल्कि सिर्फ़ उसी के लिए।”
“गैब्रिएल के जन्म के तुरंत बाद ही मैंने यह योजना बनाना शुरू कर दिया था कि मैं एक दिन क्या करूँगी; और जब वह लगभग पाँच साल की हुई, तो मैंने वह कर दिखाया। मौरिस की पिस्तौल, एक छोटी सी, अलमारी के ऊँचे दराज में ताला लगाकर रखी थी। मैंने दराज का ताला खोला, पिस्तौल से गोलियां निकालीं और गैब्रिएल को एक मज़ेदार खेल सिखाया। मैं लिली के बिस्तर पर लेट जाती, सोने का नाटक करती। बच्ची अलमारी के पास एक कुर्सी खिसकाती, उस पर चढ़ती, दराज से पिस्तौल निकालती, बिस्तर तक रेंगकर आती, पिस्तौल का मुंह मेरे सिर पर रखती और ट्रिगर दबा देती। जब वह इसे ठीक से कर लेती, बिना ज़्यादा आवाज़ किए, पिस्तौल को अपने छोटे हाथों में सही से पकड़े हुए, तो मैं उसे मिठाई देती और उसे चेतावनी देती कि वह इस खेल के बारे में अपनी माँ या किसी और को कुछ न बताए, क्योंकि हम उसकी माँ को इससे सरप्राइज़ देने वाले थे।
“हमने किया। एक दोपहर हमने उसे पूरी तरह से चौंका दिया, जब सिरदर्द के लिए एस्पिरिन लेने के बाद लिली अपने बिस्तर पर सो रही थी। उस समय मैंने दराज का ताला खोला, लेकिन पिस्तौल खाली नहीं की। फिर मैंने बच्ची से कहा कि वह अपनी माँ के साथ खेल खेल सकती है; और मैं नीचे वाले तल पर अपने दोस्तों से मिलने चला गया, ताकि किसी को यह न लगे कि

और सुन रहे थे, उस क्षण के लिए अपनी पहचान खो बैठे थे: हम उसके लिए जीवित थे, लेकिन एक-दूसरे के लिए नहीं, और न ही उसके अलावा किसी और चीज़ के लिए।
वह मेरी तरफ से मुड़ी और कमरे के दूसरी तरफ खड़ी लड़की की ओर हाथ बढ़ाया; और अब उसकी आवाज भारी, जोशीली और क्रूर विजय से भरी हुई थी; और उसके शब्द छोटे-छोटे विरामों से अलग-अलग समूहों में बँटे हुए थे, जिससे ऐसा लग रहा था मानो वह उन्हें मंत्र की तरह गा रही हो। “तुम उसकी बेटी हो,” वह रोते हुए बोली; “और तुम उसी काली आत्मा और सड़े हुए खून से शापित हो जो मुझमें, उसमें और सभी डैन परिवार में था; और तुम बचपन से ही अपनी माँ के खून से सने हाथों से शापित हो; और उस विकृत मानसिकता और नशे की लत से जो मैंने तुम्हें उपहार में दी है; और तुम्हारा जीवन तुम्हारी और मेरी माँ के काले जीवन की तरह काला होगा; और जिन लोगों को तुम छूओगी उनका जीवन मौरिस के काले जीवन की तरह काला होगा; और तुम्हारा—”
“रुको!” एरिक कोलिंसन हांफते हुए बोला। “उसे रोको।”
गैब्रिएल लेगेट ने अपने दोनों हाथों से अपने कानों को ढक लिया, उसका चेहरा दहशत से विकृत हो गया, उसने एक बार भयानक चीख मारी और अपनी कुर्सी से आगे की ओर गिर पड़ी।
पैट रेड्डी को अपराधियों को पकड़ने का अनुभव तो था, लेकिन ओ'गार और मुझे श्रीमती लेगेट पर से नज़रें एक पल के लिए भी नहीं हटानी चाहिए थीं, चाहे लड़की की चीख और गिरने ने हमारा ध्यान कितनी ही तेज़ी से अपनी ओर खींचा हो। लेकिन हमने लड़की को देखा—भले ही आधे सेकंड से भी कम समय के लिए—और उतना ही काफी था। जब हमने दोबारा श्रीमती लेगेट को देखा, तो उनके हाथ में बंदूक थी और वह दरवाजे की ओर अपना पहला कदम बढ़ा चुकी थीं।
उसके और दरवाजे के बीच कोई नहीं था: वर्दीधारी पुलिसवाला गैब्रिएल लेगेट के मामले में कॉलिंसन की मदद करने चला गया था। उसके पीछे भी कोई नहीं था: उसकी पीठ दरवाजे की तरफ थी और मुड़ने से फिट्ज़स्टेफ़न उसकी नज़र में आ गया था। उसने काली बंदूक के ऊपर से घूरते हुए, जलती हुई निगाहों से हममें से एक-एक को देखा, एक कदम पीछे हटते हुए गुर्राई: "हिलो मत।"

मैंने डॉक्टर से कहा: “श्रीमती लेगेट को देख लीजिए। वो सीढ़ियों पर हैं। मुझे लगता है कि वो मर चुकी हैं, लेकिन फिर भी आपको एक बार देख लेना चाहिए।”
डॉक्टर बाहर चला गया। कोलिंसन, बेहोश लड़की के हाथों को रगड़ते हुए, मेरी तरफ ऐसे देखने लगा जैसे मैं कोई ऐसी चीज हूँ जिसके खिलाफ कानून होना चाहिए, और बोला:
मुझे उम्मीद है कि आप अपने काम के पूरा होने के तरीके से संतुष्ट हैं।
मैंने कहा, "यह हो गया।"

लेकिन और अगर

उस शाम फिट्ज़स्टेफ़ान और मैंने श्रीमती शिंडलर के कम छत वाले तहखाने में उनका स्वादिष्ट भोजन किया और उनके पति की बढ़िया बियर पी। फिट्ज़स्टेफ़ान के भीतर का उपन्यासकार श्रीमती लेगेट के मनोवैज्ञानिक आधार को खोजने में व्यस्त था।
“उसकी बहन की हत्या तो स्पष्ट है, क्योंकि अब हम उसके चरित्र को अच्छी तरह जानते हैं,” उन्होंने कहा, “और उसके पति की हत्या, उसकी भतीजी का भेद खुलने पर उसकी जिंदगी बर्बाद करने की कोशिश, और यहाँ तक कि पकड़े जाने से बचने के लिए सीढ़ियों पर आत्महत्या करने का उसका दृढ़ निश्चय भी स्पष्ट है। लेकिन बीच के वे शांत वर्ष—उनका क्या महत्व है?”
मैंने तर्क दिया, "लेगेट की हत्या ही इस मामले में बेमेल है।" बाकी सब एक ही कड़ी है। वह उसे चाहती थी। उसने अपनी बहन को मार डाला—या मरवा दिया—ताकि उसे अपने साथ बांध सके; लेकिन कानून ने उन्हें अलग कर दिया। वह इसके बारे में कुछ नहीं कर सकती थी, सिवाय इंतज़ार करने और उस उम्मीद के जो हमेशा बनी रहती थी, कि वह किसी दिन आज़ाद हो जाएगा। हमें नहीं पता कि उस समय वह और क्या चाहती थी। वह चुप क्यों रहती, गैब्रिएल को बंधक बनाकर उस उम्मीद पर टिकी रहती, और निस्संदेह उसके पैसों पर आराम से जीवन बिताती? जब उसे उसके भागने की खबर मिली, तो वह अमेरिका आई और उसे ढूंढने निकल पड़ी। जब उसके जासूस ने उसे यहाँ ढूंढ लिया, तो वह उसके पास गई। वह उससे शादी करने को तैयार था। उसे जो चाहिए था, वह मिल गया। वह चुप क्यों रहती? वह मजे के लिए उपद्रव करने वाली नहीं थी—उन लोगों में से नहीं जो सिर्फ शरारत के लिए ऐसा करते हैं। वह बस एक ऐसी औरत थी जो अपनी इच्छा पूरी करना चाहती थी और उसे पाने के लिए किसी भी हद तक जाने को तैयार थी। देखो उसने कितने धैर्य से, और कितने सालों तक, उस लड़की से अपनी नफरत छिपाए रखी। और उसकी इच्छाएँ भी बहुत बड़ी नहीं थीं। उसकी जटिलताओं में उसकी सच्चाई नहीं मिलेगी। वह एक जानवर की तरह सरल थी, जिसमें सही-गलत की जानवरों जैसी अज्ञानता, बाधाओं से नफरत और फँसने पर द्वेष की भावना थी।

फिट्ज़स्टेफ़न ने बीयर पीते हुए पूछा:
तो क्या आप डैन के अभिशाप को रक्त में मौजूद एक आदिम प्रवृत्ति तक सीमित कर देंगे?
"उससे भी कम, एक क्रोधित महिला के मुख से निकले शब्दों के बराबर।" “तुम्हारे जैसे लोग ही तो जीवन से रंग छीन लेते हैं।” सिगरेट के धुएँ के बीच उसने आह भरी। “क्या गैब्रिएल को उसकी माँ की हत्या का हथियार बनाए जाने से तुम्हें अभिशाप की आवश्यकता—कम से कम काव्यात्मक आवश्यकता—का एहसास नहीं होता?”
“भले ही वो मोहरा ही क्यों न हो, और इस पर तो मैं शर्त नहीं लगा सकता। जाहिर तौर पर लेगेट को इस पर कोई शक नहीं था। उसने अपने पत्र में उन पुरानी बातों को भरकर उसे बचाने की कोशिश की। लेकिन हमारे पास सिर्फ श्रीमती लेगेट का बयान है कि उसने बच्ची को अपनी माँ की हत्या करते देखा था। दूसरी तरफ, श्रीमती लेगेट ने गैब्रिएल के सामने कहा कि गैब्रिएल को बचपन से यही सिखाया गया था कि उसका पिता हत्यारा है—तो हम इस बात पर यकीन कर सकते हैं। और यह मुमकिन नहीं है—हालाँकि हो सकता है—कि वो इतना आगे जाता, सिवाय उसे उसके गुनाह के सच से बचाने के। लेकिन, उस बिंदु से आगे, सच्चाई का एक अनुमान दूसरे अनुमान जितना ही सही है। श्रीमती लेगेट उसे चाहती थीं और उन्हें वो मिल गया। तो फिर उसने उसे क्यों मार डाला?”
"तुम इधर-उधर की बातें कर रहे हो," फिट्ज़स्टेफ़न ने शिकायत की। "तुमने प्रयोगशाला में इसका जवाब दिया था। अपने जवाब पर कायम क्यों नहीं रहते? तुमने कहा था कि उसने उसे इसलिए मार डाला क्योंकि पत्र आत्महत्या से पहले के बयान जैसा लग रहा था और उसे लगा कि इससे और उसकी मौत से उसकी सुरक्षा सुनिश्चित हो जाएगी।"
मैंने स्वीकार किया, “तब तो इतना कहना काफी था; लेकिन अब, ठंडे दिमाग से, और भी तथ्यों को ध्यान में रखते हुए, यह काफी नहीं है। उसने उसे पाने के लिए सालों मेहनत की थी और इंतजार किया था। उसका उसके लिए कुछ तो महत्व रहा होगा।”
लेकिन वह उससे प्यार नहीं करती थी, या ऐसा मानने का कोई कारण नहीं है। उसके लिए उसका कोई खास महत्व नहीं था। वह उसके लिए शिकार की ट्रॉफी से ज्यादा कुछ नहीं था; और यह एक ऐसा मूल्य है जिस पर मृत्यु

का कोई असर नहीं पड़ता - मृत्यु के बाद तो सिर को संरक्षित करके दीवार पर टांग दिया जाता है।
“तो फिर उसने अप्टन को उससे दूर क्यों रखा? उसने रुपर्ट को क्यों मारा? उसे वहाँ उसके लिए यह बोझ क्यों उठाना पड़ा? खतरा तो उसका था। अगर उसकी उसके लिए कोई अहमियत नहीं थी, तो उसने इसे अपने ऊपर क्यों लिया? उसने यह सब जोखिम क्यों उठाया ताकि उसे यह पता न चले कि अतीत फिर से लौट आया है?”
“मुझे लगता है मैं समझ गया कि आप क्या कहना चाह रहे हैं,” फिट्ज़स्टेफ़ान ने धीरे से कहा। “आप सोचते हैं—”
“रुको—एक और बात है। मैंने लेगेट और उसकी पत्नी से एक साथ कई बार बात की। दोनों में से किसी ने भी एक-दूसरे से एक शब्द भी नहीं कहा, हालांकि उस महिला ने बहुत ही नाटकीय ढंग से मुझे यह विश्वास दिलाने की कोशिश की कि अगर वह वहाँ न होता तो वह अपनी बेटी के लापता होने के बारे में मुझे कुछ न कुछ जरूर बताती।”
“तुम्हें गैब्रिएल कहाँ मिली?”
रुपर्ट की हत्या देखने के बाद, वह अपने पास मौजूद पैसों और गहनों के साथ हल्दोर्न के घर भाग गई और गहने मिन्नी हर्शे को पैसे जुटाने के लिए दे दिए। मिन्नी ने अपने लिए कुछ गहने खरीद लिए—उसके आदमी ने एक-दो रात पहले जुए में काफी पैसे जीते थे: पुलिस ने इसकी जाँच की— और बाकी गहने बेचने के लिए उसे भेज दिया। उसे एक गिरवी की दुकान से, सामान्य संदेह के आधार पर ही पकड़ लिया गया।
“क्या गैब्रिएल हमेशा के लिए घर छोड़ रही है?” उसने पूछा।
“आप उसे दोष नहीं दे सकते—अपने पिता को हत्यारा समझना, और अब अपनी सौतेली माँ को रंगे हाथों पकड़ना। भला ऐसे घर में कौन रहना चाहेगा?”
“और आपको लगता है कि लेगेट और उनकी पत्नी के बीच संबंध खराब थे? ऐसा हो सकता है: मैंने हाल ही में उनसे ज्यादा मुलाकात नहीं की थी, और मैं उनसे इतना घनिष्ठ नहीं था कि अगर ऐसा कोई संबंध था भी तो मुझे उस तरह की शर्त पर अंदर आने दिया जाता। क्या आपको लगता है कि शायद उन्हें कुछ पता चला हो—उनकी पत्नी के बारे में कुछ सच्चाई?” “शायद, लेकिन इतना काफी नहीं कि वह रुपर्ट की हत्या के लिए उसे दोषी ठहराए जाने से रोक सके; और उसने जो कुछ सीखा था उसका इस हालिया

मामले से कोई संबंध नहीं था, क्योंकि जब मैंने उसे पहली बार देखा था तो वह वास्तव में चोरी पर विश्वास करता था। लेकिन फिर—”
“अरे, चुप रहो! जब तक हर बात में दो लेकिन और एक अगर न लगा दो, तब तक तुम्हें तसल्ली नहीं होती। मुझे श्रीमती लेगेट की कहानी पर शक करने का कोई कारण नहीं दिखता। उन्होंने तो हमें पूरी बात बिना किसी स्वार्थ के बता दी। हम ऐसा क्यों सोचें कि वो खुद को फंसाने के लिए झूठ बोलेंगी?”
“तुम्हारा मतलब उसकी बहन की हत्या से है? उसे उस मामले में बरी कर दिया गया था, और मुझे लगता है कि फ्रांसीसी व्यवस्था हमारी तरह ही है कि उस पर दोबारा मुकदमा नहीं चलाया जा सकता, चाहे वह कुछ भी कबूल कर ले। उसने कुछ भी नहीं बताया, भाई।”
“हमेशा नीचा दिखाने वाले,” उसने कहा। “अपनी आत्मा को विस्तार देने के लिए आपको और बीयर पीने की ज़रूरत है।”
लेगेट-रुपर्ट की पूछताछ के दौरान मैंने गैब्रिएल लेगेट को फिर से देखा, लेकिन मुझे यकीन नहीं था कि उन्होंने मुझे पहचाना भी था या नहीं। वह मैडिसन एंड्रयूज के साथ थीं, जो लेगेट के वकील थे और अब उनकी संपत्ति के कार्यकारी थे। एरिक कॉलिंसन भी वहां मौजूद थे, लेकिन अजीब बात यह थी कि वे गैब्रिएल के साथ नहीं थे। उन्होंने मुझे सिर्फ सिर हिलाकर अभिवादन किया और कुछ नहीं कहा।
श्रीमती लेगेट ने 1913 में पेरिस में जो कुछ बताया था, वह अखबारों को पता चल गया और उन्होंने दो दिन तक इस पर खूब हंगामा मचाया। हैलस्टेड और ब्यूचैम्प के हीरों की बरामदगी ने कॉन्टिनेंटल डिटेक्टिव एजेंसी को राहत दी: हमने लेगेट के रिकॉर्ड के नीचे 'बंद' लिख दिया। मैं पहाड़ों में एक सोने की खान के मालिक की तलाश में गया, जिसे लगता था कि उसके कर्मचारी उसे धोखा दे रहे हैं।
मुझे उम्मीद थी कि मैं कम से कम एक महीने पहाड़ों में रहूंगा: इस तरह के आंतरिक कामों में समय लगता है। वहां मेरे दसवें दिन की शाम को मुझे मेरे बॉस, यानी बूढ़े आदमी का लंबी दूरी का फोन आया। उन्होंने कहा, “मैं फोली को आपकी जगह भेज रहा हूँ। उसका इंतज़ार मत करना। आज रात की ट्रेन पकड़कर वापस आ जाना। लेगेट का मामला फिर से सक्रिय हो गया है।”

□□□

2

■ ■ ■

□

□□□□□

■ ■ ■

9

टैड का अंधा आदमी

मैडिसन एंड्रयूज साठ वर्ष का एक लंबा, दुबला-पतला आदमी था, जिसके बाल, भौंहें और मूंछें बिखरी हुई सफेद थीं, जो उसके हड्डीदार, मजबूत मांसपेशियों वाले चेहरे की लालिमा को और बढ़ा देती थीं। वह ढीले कपड़े पहनता था, तंबाकू चबाता था, और पिछले दस वर्षों में दो बार तलाक के मुकदमों में सार्वजनिक रूप से सह-प्रतिवादी के रूप में नामित किया गया था।
उन्होंने कहा, "मुझे पूरा यकीन है कि युवा कॉलिंसन ने आपसे तरह-तरह की बेतुकी बातें की होंगी। उसे लगता है कि मैं अपने दूसरे बचपन में जी रहा हूँ, मानो उसने मुझे यह बात बता ही दी हो।"
मैंने कहा, "मैंने उसे नहीं देखा है। मैं शहर में वापस आए हुए बस कुछ ही घंटे हुए हैं, ऑफिस जाने और फिर यहां आने के लिए बस इतना ही समय काफी था।"
“खैर,” उन्होंने कहा, “वह उसका मंगेतर है, लेकिन मैं उसका ज़िम्मेदार हूँ, और मैंने डॉक्टर रीज़ की सलाह मानना बेहतर समझा। वह उसका चिकित्सक है। उसने कहा कि उसे कुछ समय के लिए मंदिर जाने देना, उसके मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने में किसी भी अन्य उपाय से ज़्यादा कारगर होगा। मैं उसकी सलाह को नज़रअंदाज़ नहीं कर सकता था। हाल्डोर्न परिवार शायद धोखेबाज़ हो, लेकिन जोसेफ हाल्डोर्न ही एकमात्र ऐसा व्यक्ति है जिससे गैब्रिएल ने अपने माता-पिता की मृत्यु के बाद स्वेच्छा से बात की है, और जिसकी संगति में वह शांत प्रतीत हुई है। डॉक्टर रीज़ ने कहा कि मंदिर जाने की उसकी इच्छा

में बाधा डालना, उसके मानसिक स्वास्थ्य को और भी खराब कर देगा। क्या मैं उसकी राय को इसलिए खारिज कर सकता हूँ क्योंकि युवा कॉलिंसन को वह पसंद नहीं आई?”
मैंने कहा: "नहीं।"
“मुझे उस पंथ के बारे में कोई भ्रम नहीं है,” उन्होंने अपना बचाव करते हुए कहा। “यह शायद अन्य पंथों की तरह ही अंधविश्वासों से भरा हुआ है। लेकिन हमें इसके धार्मिक पहलू से कोई लेना-देना नहीं है। हम इसमें चिकित्सा के रूप में, गैब्रिएल के मानसिक स्वास्थ्य के इलाज के रूप में रुचि रखते हैं। भले ही इसके सदस्यों का चरित्र ऐसा न होता कि मैं गैब्रिएल की सुरक्षा के बारे में पूरी तरह आश्वस्त हो सकूँ, फिर भी मैं उसे जाने देने के लिए प्रेरित होता। मेरी राय में, उसका स्वस्थ होना ही हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए, और किसी भी अन्य चीज़ को इसमें बाधा नहीं डालनी चाहिए।”
वह चिंतित था। मैंने सिर हिलाया और चुप रहा, यह जानने के लिए कि उसे क्या परेशान कर रहा है। जैसे-जैसे वह गोलमोल बातें करता रहा, मुझे धीरे-धीरे समझ आने लगा।
डॉक्टर रीज़ की सलाह पर और कॉलिंसन के विरोध के बावजूद, उन्होंने गैब्रिएल लेगेट को होली ग्रेल मंदिर में कुछ समय के लिए रहने की अनुमति दे दी थी। वह जाना चाहती थी, क्योंकि श्रीमती लिविंगस्टन रोडमैन जैसी प्रतिष्ठित महिला भी उस समय वहाँ रह रही थीं, और हाल्डोर्न परिवार एडगर लेगेट का मित्र था: एंड्रयूज ने उसे जाने दिया। यह छह दिन पहले की बात है। वह अपने साथ नौकरानी के रूप में मुलेटो (मिश्रित नस्ल की महिला) मिन्नी हर्शे को ले गई थी। डॉक्टर रीज़ रोज़ाना उससे मिलने जाते थे। चार दिन तक उन्होंने उसकी हालत में सुधार पाया। पाँचवें दिन उसकी हालत ने उन्हें चिंतित कर दिया। उसका दिमाग पहले से कहीं ज़्यादा सुन्न हो गया था, और उसमें किसी सदमे के लक्षण दिखाई दे रहे थे। वह उससे कुछ भी पता नहीं लगा पा रहे थे। मिन्नी से भी कुछ नहीं पता चल पा रहा था। हाल्डोर्न परिवार से भी कुछ नहीं पता चल पा रहा था। उन्हें यह जानने का कोई तरीका नहीं था कि क्या हुआ था, या कुछ हुआ भी था या नहीं।
एरिक कॉलिंसन गैब्रिएल के बारे में रोज़ाना रिपोर्ट लेने के लिए रीज़ को रोके हुए था। रीज़ ने उसे अपनी पिछली मुलाक़ात के बारे में

उसकी। आपको मुझे कोई निर्देश देने की आवश्यकता नहीं है। यह केवल हर संभव सावधानी बरतने की बात है।”
"क्या मिस लेगेट को पता है कि मैं आ रहा हूँ?"
नहीं, और मुझे नहीं लगता कि हमें इस बारे में उससे कुछ कहने की ज़रूरत है। आप उस पर नज़र यथासंभव चुपचाप रखेंगे, और मुझे संदेह है कि वह अपनी वर्तमान मानसिक स्थिति में आपकी उपस्थिति पर इतना ध्यान देगी कि उसे बुरा लगे। अगर ऐसा होता है तो, हम देखेंगे। एंड्रयूज ने मुझे आरोनिया हाल्डोर्न के लिए एक नोट दिया।
डेढ़ घंटे बाद मैं मंदिर के स्वागत कक्ष में उनके सामने बैठा था, जब वह इसे पढ़ रही थीं। उन्होंने इसे एक तरफ रख दिया और मुझे एक सफेद जेड के डिब्बे में लंबी रूसी सिगरेट दीं। मैंने अपनी फातिमाओं पर अड़े रहने के लिए माफी मांगी और उनके द्वारा हमारे बीच रखे गए सिगरेट स्टैंड पर लाइटर जलाया। जब हमारी सिगरेट जलने लगीं, तो उन्होंने कहा:
हम आपको यथासंभव आराम देने का प्रयास करेंगे। हम न तो बर्बर हैं और न ही कट्टरपंथी। मैं यह इसलिए स्पष्ट कर रहा हूँ क्योंकि बहुत से लोग हमें ऐसा न पाकर आश्चर्यचकित होते हैं। यह एक मंदिर है, लेकिन हममें से कोई भी यह नहीं मानता कि सुख, आराम या सभ्य जीवन की कोई भी सामान्य बात इसे अपवित्र कर देगी। आप हमारे जैसे नहीं हैं। शायद— मुझे आशा है—आप हमारे जैसे बन जाएँगे। हालाँकि—चिंता न करें— मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि आपको कोई आपत्ति नहीं होगी। आप चाहें तो हमारी सेवाओं में शामिल हो सकते हैं या नहीं, और आप अपनी इच्छानुसार आ-जा सकते हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि आप हमारे प्रति वही सम्मान दिखाएँगे जो हम आपके प्रति दिखाते हैं, और मुझे यह भी पूरा विश्वास है कि आप जो कुछ भी देखेंगे—चाहे वह आपको कितना भी विचित्र क्यों न लगे—उसमें किसी भी तरह से हस्तक्षेप नहीं करेंगे, जब तक कि वह आपके रोगी को प्रभावित न करे।
“बिल्कुल नहीं,” मैंने वादा किया।
उसने मुस्कुराते हुए मानो मुझे धन्यवाद दिया हो, सिगरेट के बचे हुए हिस्से को ऐशट्रे में रगड़ा और उठकर बोली: "मैं आपको आपका कमरा दिखा दूंगी।"

मेरी पिछली यात्रा के बारे में हम दोनों में से किसी ने भी एक शब्द नहीं कहा था।
अपनी टोपी और ग्लैडस्टोन बैग लिए मैं उसके पीछे-पीछे लिफ्ट तक गई। हम पाँचवीं मंजिल पर उतरे।
“यह मिस लेगेट का कमरा है,” आरोनिया हाल्डोर्न ने कहा, और उस दरवाजे की ओर इशारा किया जिस पर कोलिंसन और मैंने कुछ हफ़्ते पहले बारी- बारी से दस्तक दी थी। “और यह आपका है।” उसने गलियारे के उस पार गैब्रिएल के कमरे के सामने वाला दरवाजा खोला।
मेरा कमरा बिल्कुल उसके कमरे जैसा था, बस फर्क इतना था कि उसमें ड्रेसिंग रूम नहीं था। मेरे दरवाजे पर भी, उसके कमरे की तरह, ताला नहीं था।
मैंने पूछा, "उसकी नौकरानी कहाँ सोती है?"
“ऊपरी मंजिल पर नौकरों के कमरों में से एक में। मुझे लगता है कि डॉक्टर रीसे इस समय मिस लेगेट के साथ हैं। मैं उन्हें बता दूंगा कि आप आ गए हैं।”
मैंने उसे धन्यवाद दिया। वह मेरे कमरे से बाहर चली गई और दरवाजा बंद कर दिया।
पंद्रह मिनट बाद डॉक्टर रीसे ने दरवाजा खटखटाया और अंदर आ गए। “मुझे खुशी है कि आप यहाँ हैं,” उन्होंने हाथ मिलाते हुए कहा। उनके शब्दों का उच्चारण स्पष्ट और सटीक था, कभी-कभी वे अपने हाथ में पकड़े काले रिबन वाले चश्मे से इशारा करके अपनी बात पर ज़ोर देते थे। मैंने उनके नाक पर चश्मा कभी नहीं देखा। “मुझे उम्मीद है कि हमें आपकी पेशेवर कुशलता की ज़रूरत नहीं पड़ेगी, लेकिन मुझे खुशी है कि आप यहाँ हैं।”
मैंने "क्या हुआ?" यह पूछते समय ऐसा स्वर चुना जिससे यह लगे कि वह मुझसे अपने दिल की बात कहेगा।
उन्होंने मेरी ओर तीखी नजरों से देखा, अपने चश्मे को अपने बाएं अंगूठे के नाखून पर थपथपाया और कहा:
“जहाँ तक मुझे पता है, जो कुछ गलत है, वह पूरी तरह से मेरे दायरे में आता है। मुझे इसके अलावा और कुछ गलत नहीं पता।” उन्होंने मुझसे दोबारा हाथ मिलाया। “मुझे उम्मीद है कि आपको अपना हिस्सा काफी उबाऊ लगेगा।”

“लेकिन तुम्हारा तो नहीं है?” मैंने पूछा।
वह दरवाजे की ओर मुड़ने से रुक गया, भौंहें चढ़ाईं, अपने चश्मे को फिर से अपने अंगूठे के नाखून से थपथपाया और कहा:
“नहीं, ऐसा नहीं है।” वह हिचकिचाया, मानो कुछ और कहने का फैसला कर रहा हो, फिर उसने न कहने का फैसला किया और दरवाजे की ओर बढ़ गया। मैंने कहा, "मुझे यह जानने का पूरा अधिकार है कि आप इसके बारे में ईमानदारी से क्या सोचते हैं।"
उन्होंने फिर मेरी ओर तीखी नज़र से देखा। “मुझे सच में नहीं पता कि मैं इसके बारे में क्या सोचता हूँ।” एक पल का विराम। “मैं संतुष्ट नहीं हूँ।” वे संतुष्ट नहीं लग रहे थे। “मैं आज शाम फिर आऊँगा।”
वह बाहर गया और दरवाजा बंद कर दिया। आधे मिनट बाद उसने दरवाजा खोला, कहा, "मिस लेगेट बहुत बीमार हैं," फिर दरवाजा बंद किया और चला गया। मैंने मन ही मन बुदबुदाते हुए कहा, "यह तो बहुत मजेदार होने वाला है," फिर मैं खिड़की के पास बैठ गया और एक सिगरेट पी ली।
काले-सफेद कपड़ों में एक नौकरानी ने दरवाज़ा खटखटाया और मुझसे पूछा कि मैं दोपहर के खाने में क्या खाना चाहता हूँ। वह गुलाबी रंग की, गोल-मटोल, लगभग पच्चीस साल की, हंसमुख महिला थी, जिसकी नीली आँखें उत्सुकता से मेरी ओर देख रही थीं और उनमें शरारत झलक रही थी। मैंने अपने बैग में रखी बोतल से स्कॉच का एक शॉट लिया, नौकरानी द्वारा लाया गया दोपहर का खाना खाया और दोपहर अपने कमरे में बिताई।
कान खुले रखने की वजह से मैं मिन्नी को लगभग चार बजे अपनी मालकिन के कमरे से बाहर आते हुए पकड़ने में कामयाब रहा। मुझे दरवाजे पर खड़ा देखकर उस सांवली लड़की की आँखें चौड़ी हो गईं।
मैंने कहा, "अंदर आइए। क्या डॉक्टर रीसे ने आपको नहीं बताया कि मैं यहाँ हूँ?"
“नहीं, महोदय। क्या—क्या आप—? आप मिस गैब्रिएल से कुछ नहीं चाहते?”
मैं बस उसकी देखभाल कर रहा हूँ, यह देख रहा हूँ कि उसे कुछ न हो। और अगर आप मुझे उसकी बातों और हरकतों के बारे में, और दूसरों की बातों और हरकतों के बारे में जानकारी देते रहेंगे, तो आप मेरी और उसकी

दोनों की मदद करेंगे; क्योंकि तब मुझे उसे परेशान नहीं करना पड़ेगा।
उस सांवली महिला ने बड़ी आसानी से "हां, हां" कह दिया, लेकिन उसके सांवले चेहरे से जितना मैं समझ पाई, मेरी सहयोग करने की बात उसे ठीक से समझ नहीं आ रही थी।
मैंने पूछा, "आज दोपहर वह कैसी है?"
“आज दोपहर वो बहुत खुशमिजाज लग रही है, महोदय। उसे ये जगह पसंद आ रही है।”
उसने दोपहर कैसे बिताई?
“वह—मुझे नहीं पता, महोदय। उसने बस चुपचाप समय बिता दिया।”
इसमें कोई खास खबर नहीं है। मैंने कहा:
"डॉक्टर रीसे को लगता है कि मेरे यहां होने के बारे में न जानना ही उनके लिए बेहतर होगा, इसलिए आपको मेरे बारे में उनसे कुछ भी कहने की जरूरत नहीं है।"
"नहीं, महोदय, मैं ऐसा बिल्कुल नहीं करूंगी," उसने वादा किया, लेकिन यह वादा ईमानदारी से ज्यादा विनम्रतापूर्ण लग रहा था।
शाम होते-होते, आरोनिया हाल्डोर्न अंदर आईं और मुझे रात के खाने पर आमंत्रित किया। भोजन कक्ष में गहरे अखरोट की लकड़ी की पैनलिंग और फर्नीचर लगे हुए थे। मेज पर हम दस लोग बैठे थे।
जोसेफ हाल्डोर्न लंबे, प्रतिमा जैसे सुगठित शरीर वाले थे और उन्होंने काले रेशमी वस्त्र पहन रखे थे। उनके बाल घने, लंबे, सफेद और चमकदार थे। उनकी घनी दाढ़ी, जो गोल आकार में कटी हुई थी, सफेद और चमकदार थी। आरोनिया हाल्डोर्न ने मेरा उनसे परिचय कराया और उन्हें "जोसेफ" कहकर पुकारा, मानो उनका कोई उपनाम ही न हो। बाकी सभी लोग भी उन्हें इसी तरह संबोधित करते थे। उन्होंने मुझे अपने दांतों वाली सफेद मुस्कान और गर्मजोशी से भरा मजबूत हाथ दिया। उनका चेहरा स्वस्थ गुलाबी रंग का था और उस पर कोई रेखा या झुर्री नहीं थी। उनका चेहरा शांत था, खासकर उनकी साफ भूरी आंखें, जो किसी तरह आपको दुनिया के साथ शांति का एहसास कराती थीं। उनकी भारी आवाज में भी वही सुकून था।
उन्होंने कहा, "हमें आपको यहां पाकर खुशी हो रही है।"

“श्रीमान, मिस गैब्रिएल ठीक हैं। आप उन्हें अकेला छोड़ दीजिए,” उसने धीमी आवाज़ में कहा।
“वह ठीक नहीं है। वह अब क्या कर रही है?”
वह सो रही है।
"कोकीन का सेवन किया?"
उसने गुस्से से लाल रंग की आंखें उठाईं और फिर उन्हें नीचे झुका लिया, कुछ नहीं कहा।
“क्या उसने तुम्हें ड्रग्स लाने भेजा था?” मैंने उसकी कलाई पर अपनी पकड़ और कसते हुए पूछा।
"उसने मुझे कुछ दवा लाने के लिए भेजा था—जी जनाब।"
“और कुछ लेकर सो गए?”
जी जी, महोदय।
मैंने कहा, "हम वापस जाकर उसे देखेंगे।"
उस सांवली महिला ने अपनी कलाई छुड़ाने की कोशिश की। मैंने उसे पकड़ रखा था। उसने कहा:
"मुझे अकेला छोड़ दो, महोदय, वरना मैं चिल्ला दूंगी।"
“शायद देखने के बाद मैं तुम्हें अकेला छोड़ दूँगी,” मैंने उसके कंधे पर दूसरे हाथ से उसे घुमाते हुए कहा। “तो अगर तुम्हें चिल्लाना ही है तो अभी शुरू कर दो।”
वह अपनी मालकिन के कमरे में वापस जाने को तैयार नहीं थी, लेकिन उसने मुझे उसे घसीटकर ले जाने के लिए मजबूर नहीं किया। गैब्रिएल लेगेट बिस्तर पर करवट लेकर शांति से सो रही थी, उसकी साँसों से चादरें धीरे-धीरे हिल रही थीं। आराम की मुद्रा में उसका छोटा सा गोरा चेहरा, जिस पर भूरे घुंघराले बाल बिखरे हुए थे, किसी बीमार बच्चे के चेहरे जैसा लग रहा था।
मैंने मिन्नी को खुला छोड़ दिया और अपने कमरे में वापस चली गई। अंधेरे में बैठे-बैठे मुझे समझ आया कि लोग अपने नाखून क्यों चबाते हैं। मैं वहाँ एक घंटे से ज़्यादा बैठी रही, और फिर, खुद को बुढ़ापे की वजह से कोसते हुए, मैंने अपने जूते उतारे, सबसे आरामदायक कुर्सी चुनी, अपने पैर दूसरी कुर्सी पर रखे, अपने ऊपर एक कंबल ओढ़ाया, और अपने खुले दरवाजे से गैब्रिएल लेगेट के दरवाजे की ओर मुंह करके सो गई।

10

मरे हुए फूल

मैंने नींद से भरी आंखें खोलीं, सोचा कि मैं बस एक पल के लिए सो गया था, फिर आंखें बंद कर लीं, दोबारा नींद में डूब गया, और फिर धीरे- धीरे जाग उठा। कुछ तो गड़बड़ थी।
मैंने जबरदस्ती अपनी आँखें खोलीं, फिर बंद कीं और फिर खोलीं। जो भी गड़बड़ थी, उसका संबंध इसी से था। आँखें खुली हों या बंद, अंधेरा छाया हुआ था। यह बात तर्कसंगत होनी चाहिए थी: रात काफ़ी अंधेरी थी और मेरी खिड़कियाँ स्ट्रीट लाइट की रोशनी से दूर थीं। यह बात तर्कसंगत होनी चाहिए थी, लेकिन नहीं थी: मुझे याद आया कि मैंने अपना दरवाज़ा खुला छोड़ दिया था और गलियारे की बत्तियाँ जल रही थीं। मेरे सामने कोई हल्की रोशनी की आयताकार पट्टी नहीं थी, जो मेरे दरवाज़े से घिरी हो और जिसमें से गैब्रिएल का दरवाज़ा दिखाई दे रहा हो।
अब तक मैं इतना जाग चुका था कि अचानक उठ खड़ा नहीं हो सकता था। मैंने अपनी सांस रोक ली और ध्यान से सुना, घड़ी की टिक-टिक के अलावा कुछ सुनाई नहीं दिया। सावधानी से हाथ हिलाते हुए मैंने चमकते हुए डायल पर नज़र डाली—3:17 बज रहे थे। मैं जितना सोचा था उससे कहीं ज़्यादा देर सो चुका था, और गलियारे की बत्ती बुझ चुकी थी। मेरा सिर सुन्न था, शरीर अकड़ा हुआ और भारी था, और मुँह का स्वाद खराब था। मैं कंबल के नीचे से और अपनी कुर्सी से लड़खड़ाते हुए उठा, मेरी मांसपेशियां अकड़ रही थीं। मैं मोजे पहने पैरों से दरवाजे तक रेंगता हुआ गया और दरवाजे से टकरा गया। दरवाजा बंद था। जब मैंने

डॉक्टर से उसकी बात नहीं हो पाई। उसने आज सुबह दो बजे तक फ़ोन किया। उसे बताया गया कि डॉक्टर रीज़ घर पर नहीं हैं, और घर में किसी को नहीं पता कि वह कहाँ हैं या क्यों नहीं हैं। दो बजे फ़ोन करने के बाद, कॉलिंसन टेंपल के पड़ोस में आया, इस उम्मीद में कि शायद वह मुझे देख ले और लड़की के बारे में कुछ पता कर ले। उसने कहा कि उसका इरादा दरवाज़े तक आने का नहीं था, जब तक कि उसने मुझे बाहर देखते हुए नहीं देखा।
मैंने पूछा, "जब तक तुमने क्या नहीं किया?"
"तुम्हें देखा था।"
"कब?"
"एक मिनट पहले, जब आपने बाहर देखा था।"
मैंने कहा, "तुमने मुझे नहीं देखा। तुमने क्या देखा?"
“कोई झाँक रहा था, देख रहा था। मुझे लगा कि तुम हो, इसलिए मैं उस कोने से ऊपर आया जहाँ मैं कार में बैठा था। क्या गैब्रिएल ठीक है?” “ज़रूर,” मैंने कहा। उसे यह बताने का कोई फ़ायदा नहीं था कि मैं उसे ढूंढ रहा हूँ, और फिर वो मुझ पर भड़क उठे। “इतनी ज़ोर से मत बोलो। रीज़ के लोगों को पता नहीं है कि वो कहाँ है?”
“नहीं—वे चिंतित लग रहे हैं। लेकिन अगर गैब्रिएल ठीक है तो कोई बात नहीं।” उन्होंने मेरे ऊपरी बांह पर हाथ रखा। “क्या—क्या मैं उससे मिल सकता हूँ? बस एक पल के लिए? मैं कुछ नहीं कहूँगा। उसे यह भी पता नहीं चलना चाहिए कि मैंने उसे देखा है। मेरा मतलब अभी नहीं है— लेकिन क्या आप इसका इंतज़ाम कर सकते हैं?”
यह पक्षी जवान, लंबा, ताकतवर था और गैब्रिएल लेगेट के लिए खुद को टुकड़े-टुकड़े करवाने को पूरी तरह तैयार था। मुझे पता था कि कुछ गड़बड़ है। मुझे नहीं पता था कि क्या। मुझे नहीं पता था कि इसे ठीक करने के लिए मुझे क्या करना होगा और कितनी मदद की ज़रूरत होगी। मैं उसे ठुकरा नहीं सकता था। दूसरी ओर, मैं उसे इस धंधे के बारे में सब कुछ नहीं बता सकता था—इससे वह बेकाबू हो जाता। मैंने कहा:
“अंदर आ जाओ। मैं निरीक्षण के लिए निकला हूँ। अगर तुम चुप रहोगे तो मेरे साथ चल सकते हो, और बाद में हम देखेंगे कि हम क्या कर सकते हैं।”

वह अंदर आया, उसका हावभाव और व्यवहार ऐसा था मानो मैं संत पीटर हूँ और उसे स्वर्ग में प्रवेश दे रहा हूँ। मैंने दरवाजा बंद किया और उसे लॉबी से होते हुए मुख्य गलियारे में ले गया। जहाँ तक हमारी नज़र जा रही थी, ऐसा लग रहा था जैसे हम दोनों ही हों। और फिर अचानक ऐसा नहीं रहा।
गैब्रिएल लेगेट हमसे कुछ आगे एक मोड़ से मुड़ी। वह नंगे पैर थी। उसके शरीर पर केवल एक पीली रेशमी नाइटगाउन थी जिस पर गहरे दाग लगे थे। चलते समय उसने अपने दोनों हाथों को आगे की ओर फैला रखा था, जिसमें एक बड़ा खंजर था, जो लगभग तलवार जैसा लग रहा था। वह लाल और गीला था। उसके हाथ और नंगी बाहें भी लाल और गीली थीं। उसके एक गाल पर खून का एक धब्बा था। उसकी आँखें साफ, चमकदार और शांत थीं। उसका छोटा माथा चिकना था, और उसके होंठ और ठोड़ी दृढ़ता से बंद थे।
वह मेरे पास आई, उसकी शांत निगाहें मेरी शायद परेशान निगाहों से मिलीं, और उसने शांत स्वर में कहा, मानो उसे उम्मीद थी कि मैं वहाँ मिलूंगा, मानो वह मुझे ढूंढने ही आई हो:
“इसे ले लो। यह सबूत है। मैंने उसे मारा है।”
मैंने कहा: "हूँ?"
मेरी आंखों में सीधे देखते हुए उसने कहा:
“तुम एक जासूस हो। मुझे वहाँ ले चलो जहाँ मुझे फाँसी दी जाएगी।” मेरे लिए अपनी जीभ से ज़्यादा हाथ चलाना आसान था। मैंने उससे खून से सना खंजर छीन लिया। वह चौड़ा, मोटा और दोधारी हथियार था, जिसका पीतल का हैंडल क्रॉस के आकार का था।
एरिक कॉलिंसन मुझे धक्का देते हुए आगे बढ़ा, कुछ ऐसे शब्द बुदबुदा रहा था जो किसी को समझ नहीं आ रहे थे, और कांपते हाथों से उस लड़की की ओर बढ़ा। वह डर के मारे दीवार से सटकर उससे दूर हट गई, उसके चेहरे पर भय साफ दिख रहा था।
“उसे मुझे छूने मत दो,” उसने विनती की।
“गैब्रिएल,” वह चिल्लाया और उसकी ओर बढ़ा।
“नहीं, नहीं,” वह हांफते हुए बोली।
मैं उसकी बाहों में चली गई, मेरा शरीर उसके और उसके बीच में था, मैं उसकी ओर मुंह करके खड़ी थी, मैंने एक हाथ से उसकी छाती पर दबाव डालते हुए उस पर गुर्राते हुए कहा: "शांत रहो, तुम।"

उसका चेहरा शांत था, मानो वह सो रहा हो। उसकी बाहें बगल में सीधी लटकी हुई थीं। उसके कपड़े अस्त-व्यस्त नहीं थे, हालांकि उसका कोट और बनियान खुले हुए थे। उसकी कमीज़ पूरी तरह खून से लथपथ थी। उसकी कमीज़ के सामने चार छेद थे, सभी एक जैसे, सभी उसी आकार और आकृति के जैसे उस हथियार से बने होंगे जो उस लड़की ने मुझे दिया था। अब उसके घावों से खून नहीं निकल रहा था, लेकिन जब मैंने उसके माथे पर हाथ रखा तो वह पूरी तरह ठंडा नहीं था। वेदी की सीढ़ियों पर और नीचे फर्श पर खून था, जहाँ उसका चश्मा, बिना टूटे, अपने काले रिबन के सिरे पर पड़ा था।
मैं सीधा खड़ा हुआ और अपनी टॉर्च की रोशनी लड़की के चेहरे पर डाली। उसने पलकें झपकाईं और आंखें सिकोड़ीं, लेकिन उसके चेहरे पर शारीरिक बेचैनी के अलावा कुछ भी नहीं दिखा।
“क्या तुमने उसे मार डाला?” मैंने पूछा।
युवा कॉलिंसन अपनी तंद्रा से बाहर आकर चिल्लाया: "नहीं।"
“चुप रहो,” मैंने उससे कहा और लड़की के और करीब चली गई ताकि वह हमारे बीच न आ सके। “क्या तुमने ऐसा किया?” मैंने उससे फिर पूछा।
“क्या आपको आश्चर्य हुआ?” उसने धीमी आवाज़ में पूछा। “आप तब मौजूद थे जब मेरी सौतेली माँ ने मुझे मेरे अंदर मौजूद शापित डैन रक्त के बारे में बताया था, और यह भी कि इसने मेरे साथ और मुझे छूने वालों के साथ क्या किया है और क्या करेगा। क्या यह,” उसने मृत व्यक्ति की ओर इशारा करते हुए पूछा, “ऐसा कुछ है जिसकी आपको उम्मीद नहीं करनी चाहिए थी?”
“मज़ाक मत करो,” मैंने कहा और उसकी शांति को समझने की कोशिश की। मैंने उसे पहले भी नशे में चूर देखा था, पर यह वैसा नहीं था। मुझे समझ नहीं आ रहा था कि यह क्या है। “तुमने उसे क्यों मारा?”
कॉलिंसन ने मेरा हाथ पकड़ा और मुझे घुमाकर अपने सामने कर लिया। वह बेहद गुस्से में था।
“हम यहाँ खड़े होकर बातें नहीं कर सकते,” वह रोते हुए बोला। “हमें उसे यहाँ से निकालना होगा, इस सब से दूर ले जाना होगा। हमें लाश को छुपाना होगा, या उसे किसी ऐसी जगह रखना होगा जहाँ उन्हें लगे कि किसी और ने यह काम किया है। तुम जानते हो ये सब कैसे किया जाता है। मैं उसे घर ले जाऊँगा। तुम बाकी का इंतज़ाम करो।”

“हाँ?” मैंने पूछा। “मैं क्या करूँ? क्या मैं किसी फिलीपीनी लड़के पर आरोप लगा दूँ, ताकि उसे फाँसी दी जाए, न कि उसे?”
“हाँ, बस यही है। आपको पता है कैसे—”
मैंने कहा, "बिल्कुल नहीं। तुम्हारे विचार तो अच्छे हैं।"
उसका चेहरा और लाल हो गया। वह हकलाते हुए बोला: “मेरा मतलब यह नहीं था कि वे किसी को फांसी दे देंगे। मैं नहीं चाहता कि आप ऐसा करें। लेकिन क्या उसके भागने का कोई उपाय नहीं हो सकता? मैं उसे कुछ अच्छा इनाम दूंगा। वह भाग सकता है—”
मैंने गुर्राते हुए कहा, "इसे बंद करो। तुम हमारा समय बर्बाद कर रहे हो।"
“लेकिन आपको ऐसा करना ही होगा,” उन्होंने जोर देकर कहा। “आप यहां यह सुनिश्चित करने आए हैं कि गैब्रिएल को कुछ न हो और आपको यह काम पूरा करना ही होगा।”
“हाँ? तुम तो बड़े होशियार लड़के हो।”
मुझे पता है यह बहुत बड़ी मांग है, लेकिन मैं भुगतान कर दूंगा—” “बस करो।” मैंने अपना हाथ उसके हाथों से छुड़ाया और फिर से उस लड़की की ओर मुड़कर पूछा: “जब यह सब हुआ तब यहाँ और कौन-कौन था?”
"किसी को भी नहीं।"
मैंने अपनी रोशनी चारों ओर घुमाई, शव और वेदी पर, फर्श पर, दीवारों पर, और मुझे कुछ भी ऐसा नहीं दिखा जो मैंने पहले न देखा हो। दीवारें सफेद, चिकनी और अक्षुण्ण थीं, सिवाय उस दरवाजे के जिससे हम अंदर आए थे और ठीक उसी तरह का एक और दरवाजा दूसरी तरफ था। ये चार सीधी सफेदी की हुई दीवारें, बिना किसी सजावट के, छह मंजिला ऊँचाई तक आसमान तक जाती थीं।
मैंने रीज़ के शरीर के पास खंजर रख दिया, लाइट बंद कर दी और कॉलिंसन से कहा: "हम मिस लेगेट को उनके कमरे में ले जाएंगे।"
"भगवान के लिए, इसे यहाँ से बाहर निकालो—इस घर से बाहर—अभी, जब तक समय है!"
मैंने कहा कि अगर वह नंगे पैर और खून से सनी हुई नाइटी के अलावा कुछ भी पहने बिना सड़कों पर दौड़ती हुई दिखेगी तो वह बहुत अच्छी लगेगी।

मैंने दोबारा लाइट जला दी जब मैंने उसे कुछ आवाज़ें निकालते सुना। वह अपने ओवरकोट से अपनी बाहें झटक रहा था। उसने कहा: "गाड़ी कोने पर खड़ी है, मैं उसे वहाँ तक ले जा सकता हूँ," और ओवरकोट आगे बढ़ाते हुए उसकी ओर बढ़ने लगा।
वह दौड़कर मेरे दूसरी तरफ आ गई और कराहते हुए बोली: "ओह, उसे मुझे छूने मत दो।"
मैंने उसे रोकने के लिए अपना हाथ बढ़ाया। लेकिन वह काफी मजबूत नहीं था। लड़की मेरे पीछे आ गई। कॉलिंसन ने उसका पीछा किया और वह मेरे सामने आ गई। मुझे ऐसा लगा जैसे मैं किसी झूले के बीच में फंसी हूँ, और मुझे यह बिल्कुल अच्छा नहीं लग रहा था। जब कॉलिंसन मेरे सामने आया, तो मैंने अपना कंधा उसकी कमर में मारा, जिससे वह लड़खड़ाकर वेदी के किनारे जा गिरा। उसके पीछे-पीछे, मैं उस बड़े आदमी के सामने खड़ी हो गई और गुस्से में बोली: “बस करो। अगर तुम हमारे साथ खेलना चाहते हो तो तुम्हें ये सब करना बंद करना होगा, जो कहा जाए वो करना होगा, और उसे अकेला छोड़ देना होगा। हाँ या ना?” उसने अपने पैरों को सीधा किया और कहने लगा: "लेकिन यार, तुम ऐसा नहीं कर सकते—"
मैंने कहा, “उसे अकेला छोड़ दो। मुझे भी अकेला छोड़ दो। अगली बार अगर तुमने कोई हरकत की तो मैं बंदूक की सपाट सतह से तुम्हारा जबड़ा तोड़ दूँगा। अगर अभी चाहिए तो बोल दो। क्या तुम तमीज़ से पेश आओगे?”
उसने बुदबुदाते हुए कहा: "ठीक है।"
मैंने पीछे मुड़कर देखा तो वो लड़की, एक धुंधली परछाई की तरह, खुले दरवाजे की तरफ दौड़ रही थी, उसके नंगे पैर टाइलों पर हल्की-सी आवाज कर रहे थे। उसके पीछे भागते हुए मेरे जूतों से भयानक शोर मच रहा था। दरवाजे के ठीक अंदर पहुँचकर मैंने उसकी कमर में हाथ डालकर उसे पकड़ लिया। अगले ही पल मेरा हाथ झटक कर छूट गया और मैं एक तरफ गिर पड़ा, दीवार से जा टकराया और एक घुटने के बल फिसल गया। अंधेरे में आठ फुट लंबा दिखने वाला कॉलिंसन मेरे पास खड़ा था, मुझ पर गुस्से से बरस रहा था, लेकिन उसके कई शब्दों में से मैं सिर्फ इतना ही समझ पाया, "तुम्हें धिक्कार है।"

जब मैं घुटनों के बल बैठी थी, तब मेरा मूड बहुत अच्छा था। एक पागल लड़की की देखभाल करना ही काफी नहीं था: मुझे उसके बॉयफ्रेंड के हाथों धक्के भी खाने पड़े। मैंने अपने लहजे में सारा पाखंड भरते हुए लापरवाही से उससे कहा, "तुम्हें ऐसा नहीं करना चाहिए," और उस लड़की के पास चली गई जो दरवाजे के पास खड़ी थी।
मैंने उससे कहा, "अब हम तुम्हारे कमरे में चलते हैं।"
“एरिक नहीं,” उसने विरोध किया।
“वह आपको परेशान नहीं करेगा,” मैंने फिर से आश्वासन दिया, इस उम्मीद में कि इस बार मेरी बात में सच्चाई होगी। “आगे बढ़िए।”
वह हिचकिचाई, फिर दरवाजे से अंदर चली गई। कॉलिंसन, जो कुछ शर्मिंदा, कुछ उग्र और पूरी तरह असंतुष्ट लग रही थी, मेरे पीछे- पीछे अंदर आ गई। मैंने दरवाजा बंद कर दिया और लड़की से पूछा कि क्या उसके पास चाबी है। "नहीं," उसने कहा, मानो उसे पता ही न हो कि चाबी भी होती है।
हम लिफ्ट में ऊपर गए, लड़की मुझे अपने और अपने मंगेतर के बीच में रखती थी, अगर वह अब भी उसका मंगेतर था तो। वह कहीं टकटकी लगाए देख रहा था। मैं उसके चेहरे को गौर से देख रहा था, उसे समझने की कोशिश कर रहा था, यह तय करने की कोशिश कर रहा था कि क्या वह सदमे से वापस होश में आ गई है या और भी ज़्यादा बेसुध हो गई है। उसे देखकर, पहला अनुमान सही लग रहा था, लेकिन मुझे एक आभास था कि ऐसा नहीं है। वेदी और उसके कमरे के बीच हमें कोई नहीं दिखा। मैंने उसकी लाइट जला दी और हम अंदर चले गए। मैंने दरवाज़ा बंद किया और पीठ टिकाकर खड़ा हो गया। कॉलिंसन ने अपना ओवरकोट और टोपी एक कुर्सी पर रख दी और उनके बगल में खड़ा हो गया, बाहें मोड़े हुए गैब्रिएल को देख रहा था। वह बिस्तर के किनारे पर बैठी थी और मेरे पैरों को देख रही थी।
मैंने आदेश दिया, "हमें पूरी बात जल्दी बताओ।"
उसने मेरी तरफ देखते हुए कहा, "मैं अब सोना चाहती हूँ।"
इससे मेरी नज़र में उसकी मानसिक स्थिति का सवाल हल हो गया: उसमें कोई मानसिक संतुलन नहीं था। लेकिन अब एक और बात मुझे परेशान कर रही थी। यह कमरा पहले जैसा बिल्कुल नहीं था। कुछ मिनट पहले जब मैं यहाँ आया था, तब से इसमें कुछ बदलाव आ गया था। मैंने अपनी आँखें बंद कर

लीं, उस समय की तस्वीर याद करने की कोशिश की; फिर आँखें खोलीं और अब उसे देखने लगा।
“क्या मैं नहीं कर सकती?” उसने पूछा।
मैंने उसके सवाल का जवाब कुछ देर के लिए टाल दिया और कमरे में हर चीज़ को जितना हो सके बारीकी से देखा। मुझे बस एक ही बदलाव नज़र आया, वो था कुर्सी पर रखा कॉलिंसन का कोट और टोपी। उनकी मौजूदगी में कोई रहस्य नहीं था; और मैंने तय किया कि कुर्सी ही वो चीज़ थी जिसने मुझे परेशान कर रखा था। और अब भी कर रही थी। मैं कुर्सी के पास गया और उसका कोट उठाया। उसके नीचे कुछ नहीं था। यही तो गड़बड़ थी: एक हरे रंग का ड्रेसिंग गाउन या उसी तरह की कोई चीज़ पहले वहाँ थी, और अब नहीं थी। मुझे वो कमरे में कहीं और नहीं दिखी, और मुझे इतना यकीन भी नहीं था कि वो वहाँ होगी, इसलिए मैंने उसे ढूंढने की कोशिश नहीं की। हरे रंग के जूते बिस्तर के नीचे थे।
मैंने उस लड़की से कहा:
“अभी नहीं। बाथरूम में जाओ और खून धो लो, फिर कपड़े पहन लो। अपने कपड़े भी साथ ले जाओ। कपड़े पहनने के बाद अपना नाइटगाउन कॉलिंसन को दे देना।” मैं उसकी तरफ मुड़ी। “इसे अपनी जेब में रख लो और वहीं रखना। मेरे वापस आने तक कमरे से बाहर मत जाना, और किसी को भी अंदर मत आने देना। मैं ज्यादा देर नहीं रुकूंगी। क्या तुम्हारे पास बंदूक है?”
“नहीं,” उसने कहा, “लेकिन मैं—”
लड़की बिस्तर से उठी, मेरे सामने आकर खड़ी हो गई और उसे बीच में ही रोक दिया।
“तुम मुझे उसके साथ यहाँ नहीं छोड़ सकते,” उसने गंभीरता से कहा। “मैं ऐसा बर्दाश्त नहीं करूँगी। क्या आज रात मैंने एक आदमी को मार डाला है, यह काफी नहीं है? मुझे एक और को मारने पर मजबूर मत करो।” वह गंभीर थी, लेकिन उत्तेजित नहीं थी, मानो उसकी बातें बिल्कुल तर्कसंगत हों।
मैंने कहा, “मुझे थोड़ी देर के लिए बाहर जाना है। और तुम अकेले नहीं रह सकते। मैं जो कहूँ वही करो।”
“क्या तुम्हें पता है कि तुम क्या कर रही हो?” उसने पतली, थकी हुई आवाज़ में पूछा। “तुम्हें पता नहीं हो सकता, वरना तुम ऐसा नहीं

करती।” उसकी पीठ कॉलिंसन की तरफ थी। उसने अपना चेहरा ऊपर उठाया ताकि मैं उसके होंठों से निकले लगभग खामोश शब्दों को सुन सकूँ, न कि देख सकूँ: “एरिक नहीं। उसे जाने दो।”
उसने मुझे मदहोश कर दिया था: अगर थोड़ा और होता तो मैं उसके बगल वाली कोठरी में जाने के लिए तैयार हो जाती: सच कहूँ तो मेरा मन कर रहा था कि मैं उसे अपनी मनमानी करने दूँ। मैंने अंगूठा बाथरूम की ओर इशारा करते हुए कहा: "अगर तुम चाहो तो मेरे लौटने तक तुम अंदर रह सकती हो, लेकिन उसे यहीं रहना होगा।"
उसने हताशा से सिर हिलाया और कपड़े बदलने वाले कमरे में चली गई। जब वह वहाँ से बाथरूम की ओर कपड़ों को हाथों में लिए हुए जा रही थी, तो उसकी दोनों आँखों के नीचे एक-एक आँसू चमक रहा था।
मैंने अपनी बंदूक कॉलिंसन को दे दी। जिस हाथ में उसने बंदूक ली, वह जकड़ा हुआ और कांप रहा था। वह सांस लेते हुए बहुत शोर कर रहा था। मैंने कहा: “अब बेवकूफ मत बनो। एक बार तो मुसीबत खड़ी करने की बजाय मेरी मदद करो। कोई अंदर या बाहर नहीं जा सकता: अगर गोली चलानी पड़े, तो चला दो।”
उसने कुछ कहने की कोशिश की, पर बोल नहीं पाया, मेरा पास वाला हाथ पकड़ लिया और उसे रोकने की पूरी कोशिश की। मैंने उसका हाथ छुड़ाया और डॉक्टर रीज़ की हत्या वाली जगह पर चला गया। वहाँ पहुँचने में मुझे थोड़ी मुश्किल हुई। जिस लोहे के दरवाजे से हम कुछ मिनट पहले गुजरे थे, वह अब बंद था। ताला देखने में तो आसान लग रहा था। मैंने अपनी जेब में लगे चाकू के खास औजारों से उसे खोलने की कोशिश की और देखते ही देखते दरवाजा खुल गया।
मुझे अंदर हरा गाउन नहीं मिला। मुझे वेदी की सीढ़ियों पर रीज़ का शव नहीं मिला। वह कहीं नज़र नहीं आ रहा था। खंजर गायब था। सफेद फर्श पर खून के धब्बे के हल्के पीले निशान को छोड़कर, खून का हर निशान मिट गया था। किसी ने सफाई की थी।

11

भगवान

मैं लॉबी में वापस गया, उस कोने में जहाँ मैंने एक टेलीफोन देखा था। फोन वहीं था, पर खराब था। मैंने उसे नीचे रख दिया और छठी मंजिल पर मिन्नी हर्शे के कमरे की ओर चल पड़ा। अब तक मैं उस सांवली लड़की से कुछ खास नहीं कर पाया था, लेकिन वह अपनी मालकिन के प्रति समर्पित लग रही थी, और टेलीफोन खराब होने के कारण मुझे एक संदेशवाहक की ज़रूरत थी।
मैंने उस सांवली लड़की का दरवाज़ा खोला—बाकी दरवाज़ों की तरह उसमें भी ताला नहीं था—और अंदर जाकर दरवाज़ा बंद कर लिया। टॉर्च के लेंस पर हाथ रखकर मैंने उसे जलाया। मेरी उंगलियों से छनकर इतनी रोशनी आई कि मुझे बिस्तर पर सो रही सांवली लड़की दिखाई दी। खिड़कियाँ बंद थीं, वातावरण भारी था, हल्की घुटन थी जो जानी-पहचानी सी थी, ऐसी गंध जैसे कोई मुरझाए हुए फूल हों।
मैंने बिस्तर पर लेटी लड़की को देखा। वह पीठ के बल लेटी थी, मुँह खोलकर साँस ले रही थी, नींद की वजह से उसका चेहरा पहले से कहीं ज़्यादा किसी भारतीय जैसा लग रहा था। उसे देखकर मुझे भी नींद आने लगी। उसे जगाना ठीक नहीं लग रहा था। शायद वह सपने देख रही हो—मैंने अपना सिर हिलाया, दिमाग में चल रही उलझन को दूर करने की कोशिश की। लिली ऑफ़ द वैली, मूनफ्लावर—मुरझाए हुए फूल—क्या हनीसकल भी उनमें से एक था? यह सवाल ज़रूरी लग रहा था। टॉर्च मेरे हाथ में भारी थी, बहुत भारी। छोड़ो इसे: मैंने इसे गिरा दिया। यह मेरे पैर से टकराई, मुझे उलझन में डाल दिया: मेरे पैर को किसने छुआ था? गैब्रिएल

लेगेट, एरिक कॉलिंसन से बचने की गुहार लगा रही थी? यह बात समझ में नहीं आ रही थी, या आ रही थी? मैंने फिर से अपना सिर हिलाने की कोशिश की, पूरी कोशिश की। यह एक टन भारी था, और मुश्किल से अगल-बगल हिल रहा था। मैंने खुद को डगमगाते हुए महसूस किया; खुद को संभालने के लिए एक पैर आगे बढ़ाया। पैर और टांग कमज़ोर, लचीली, बेजान थीं। मुझे एक और कदम बढ़ाना था वरना मैं गिर जाता, मैंने कदम बढ़ाया, अपना सिर ऊपर उठाया और आंखें खोलीं, गिरने के लिए जगह ढूंढ रहा था, और देखा कि खिड़की मेरे चेहरे से छह इंच दूर थी।
मैं आगे की ओर लड़खड़ा गई, यहाँ तक कि खिड़की की चौखट ने मेरी जांघों को जकड़ लिया और मुझे सहारा दिया। मेरे हाथ चौखट पर थे। मैंने खिड़की के निचले हिस्से पर हैंडल ढूंढने की कोशिश की, मुझे यकीन नहीं था कि मैंने उन्हें ढूंढ लिया है, लेकिन मैंने अपनी पूरी ताकत लगाकर ऊपर की ओर धक्का दिया। खिड़की टस से मस नहीं हुई। मेरे हाथ जैसे जकड़े हुए थे। मुझे लगता है कि मैं तब रो पड़ी थी; और अपने दाहिने हाथ से चौखट को पकड़े हुए, मैंने अपने खुले बाएं हाथ से शीशे के बीचोंबीच प्रहार किया।
अमोनिया जैसी तीखी हवा खिड़की के छेद से अंदर आ रही थी। मैंने अपना चेहरा खिड़की से सटा लिया, दोनों हाथों से चौखट को पकड़ लिया, मुंह, नाक, आंखों, कानों और रोमछिद्रों से हवा अंदर खींचती रही, हंसती रही, और मेरी जलती आंखों से पानी टपककर मुंह में जा रहा था। मैं तब तक हवा पीती रही जब तक मुझे अपने पैरों पर खड़े होने और अपनी दृष्टि पर फिर से भरोसा नहीं हो गया, जब तक मुझे यह एहसास नहीं हो गया कि मैं फिर से सोच और हिल-डुल सकती हूं, हालांकि न तो तेजी से और न ही निश्चित रूप से। मैं और इंतजार नहीं कर सकती थी। मैंने अपने मुंह और नाक पर रुमाल रख लिया और खिड़की से मुंह फेर लिया।
तीन फीट से अधिक दूरी पर नहीं, उस अंधेरे कमरे में, शरीर जैसी दिखने वाली एक पीली चमकदार वस्तु, लेकिन मांस जैसी नहीं, मेरे सामने तड़प रही थी।
वह लंबा था, फिर भी उतना लंबा नहीं जितना दिखता था, क्योंकि वह ज़मीन पर खड़ा नहीं था, बल्कि अपने पैरों को ज़मीन से एक फुट या उससे अधिक ऊपर हवा में लटकाए हुए था। उसके पैर—उसके पैर तो थे, लेकिन मुझे नहीं पता कि उनका आकार कैसा था। उनका कोई आकार नहीं था,

ठीक वैसे ही जैसे उस जीव के पैर, धड़, हाथ, सिर और चेहरा, किसी आकार या निश्चित रूप के नहीं थे। वे मरोड़ते, फूलते और सिकुड़ते, फैलते और सिकुड़ते रहे, ज़्यादा नहीं, लेकिन लगातार। एक हाथ शरीर में समा गया, शरीर ने उसे निगल लिया, फिर ऐसे बाहर आया जैसे उंडेल दिया गया हो। नाक खुले हुए आकारहीन मुँह पर नीचे की ओर फैली, फिर चेहरे में वापस ऊपर की ओर सिकुड़ गई जब तक कि वह गूदेदार गालों से सट नहीं गई, फिर से बाहर निकल आई। आँखें फैलती गईं जब तक कि वे एक विशाल आँख नहीं बन गईं जिसने पूरे ऊपरी चेहरे को ढक लिया, फिर सिकुड़ती गईं जब तक कि आँख गायब नहीं हो गई, और फिर अपनी जगह पर खुल गईं। पैर अब एक पैर की तरह एक मुड़ते हुए, जीवित चबूतरे की तरह थे, फिर तीन, और फिर दो। शरीर का कोई भी अंग इतना हिलना-डुलना, कांपना और मरोड़ना बंद नहीं करता था कि उसकी सामान्य आकृति, उसका सही आकार दिखाई दे सके। वह वस्तु किसी ऐसे मनुष्य के समान थी जो ज़मीन से ऊपर तैर रहा हो, जिसका चेहरा भयानक, हरा-भरा और पीला मांस था जो मांस नहीं था, जो अंधेरे में भी दिखाई देता था, और जो ज्वार के पानी की तरह तरल, अशांत और पारदर्शी था।
मुझे तब पता चल गया था कि मुरझाए फूलों की गंध से मेरा संतुलन बिगड़ गया है, लेकिन मैं कोशिश करने के बावजूद भी खुद को यह नहीं समझा पा रही थी कि मैंने वह चीज़ नहीं देखी। वह वहीं थी। अगर मैं कांपते हुए, छटपटाते हुए आगे झुकती, तो वह मेरे और दरवाजे के बीच, मेरे हाथ की पहुँच में थी। मैं अलौकिक चीज़ों में विश्वास नहीं करती थी— लेकिन उससे क्या फर्क पड़ता है? वह चीज़ वहीं थी। वह वहीं थी और मैं जानती थी कि वह चमकदार पेंट का कोई छल नहीं था, न ही चादर ओढ़े कोई आदमी था। मैंने हार मान ली। मैं अपने रुमाल को नाक और मुंह पर दबाए वहीं खड़ी रही, न हिली, न सांस ली, शायद अपने शरीर में खून भी नहीं बहने दिया। मैं वहीं थी, और वह चीज़ भी वहीं थी, और मैं वहीं पड़ी रही।
उस वस्तु ने बात की, हालांकि मैं यह नहीं कह सकता कि मैंने वास्तव में शब्द सुने थे: ऐसा लगा जैसे मैं अपने पूरे शरीर के माध्यम से उन शब्दों के प्रति सचेत हो गया था।
“हे प्रभु परमेश्वर के शत्रु, नीचे झुक जाओ; अपने घुटनों के बल नीचे झुक जाओ।”

तब मैंने करवट बदली और अपनी जीभ से अपने होंठों को चाटा, जो पहले से कहीं ज्यादा सूखी थी।
"हे प्रभु परमेश्वर के शापित लोगो, प्रहार होने से पहले ही नीचे झुक जाओ।"
बहस एक ऐसी चीज थी जिसे मैं समझता था। मैंने अपना रुमाल हिलाकर कहा: "भाड़ में जाओ।" यह एक मूर्खतापूर्ण ध्वनि थी, खासकर मेरी कर्कश आवाज में।
उस वस्तु का शरीर ऐंठन के साथ मुड़ा, डगमगाया और मेरी ओर झुक गया। मैंने अपना रुमाल गिरा दिया और दोनों हाथों से उस चीज़ को पकड़ने के लिए बढ़ा। मैंने उस चीज़ को पकड़ा भी, और नहीं भी। मेरे हाथ उस पर थे, कलाई तक उसके अंदर, उसके केंद्र तक, और उस पर जकड़े हुए थे। और मेरे हाथों में तापमान के बिना नमी के सिवा कुछ नहीं था, न गर्म न ठंडा।
वही नमी मेरे चेहरे पर तब आई जब उस चीज़ का चेहरा मेरे चेहरे के सामने आ गया। मैंने उसके चेहरे को काटा—हाँ—और मेरे दाँत किसी चीज़ पर नहीं लगे, हालाँकि मैं देख और महसूस कर सकता था कि मेरा चेहरा उसके चेहरे में था। और मेरे हाथों में, मेरी बाहों पर, मेरे शरीर से लगकर, वह चीज़ छटपटाती, मरोड़ती, काँपती और थरथराती रही, अब बेतहाशा घूमती रही, टूटती रही, फिर काली हवा में पागलों की तरह फिर से जुड़ती रही।
उस पारदर्शी मांस के आर-पार मैं अपने हाथों को उसके नम शरीर के केंद्र में जकड़ा हुआ देख सकता था। मैंने अपने हाथ खोले, अपनी कठोर, टेढ़ी उंगलियों से उसके अंदर ऊपर-नीचे प्रहार किया, उसे चीर-फाड़ कर खोलने की कोशिश की; और मैं उसे फटते हुए देख सकता था, मेरी नुकीली उंगलियों के गुजरने के बाद उसे फिर से जुड़ते हुए देख सकता था; लेकिन मैं केवल उसकी नमी ही महसूस कर पा रहा था।
अब एक और अनुभूति मुझ पर हावी हो गई, जो शुरू होते ही तेज़ी से बढ़ने लगी—एक असहनीय, घुटन भरे भार का एहसास जो मुझे दबा रहा था। इस चीज़ में कोई ठोसपन नहीं था, फिर भी इसका भार था, ऐसा भार जो मुझे नीचे दबा रहा था, मेरा दम घोंट रहा था। मेरे घुटने कांपने लगे थे। मैंने उसके चेहरे को अपने मुंह से थूक दिया, अपना दाहिना हाथ उसके शरीर से

फिर से सुनाई दी। मूठ मेरे हाथ में घूम गई। मैं दरवाज़े के साथ कमरे में घुस गया और जितना हो सके कम आवाज़ करते हुए, लगभग न के बराबर, दरवाज़ा बंद कर दिया।
मेरे पीछे कमरे में एक आवाज ने बहुत धीमी, लेकिन बहुत ही गंभीरता से कहा:
"यहाँ से तुरंत निकल जाओ वरना मैं तुम्हें गोली मार दूंगा।"
यह मोटी, सुनहरे बालों वाली नौकरानी की डरी हुई आवाज़ थी। मैं मुड़ा और झुक गया, कहीं वह गोली न चला दे। कमरे में आती हुई धुंधली सुबह की रोशनी इतनी फैल गई कि बिस्तर पर बैठी एक परछाई दिखाई दी, जिसने एक हाथ में कोई छोटी सी काली चीज़ पकड़ रखी थी।
मैंने फुसफुसाते हुए कहा, "यह मैं हूँ।"
"ओह, तुम!" उसने अपने हाथ में पकड़ी हुई चीज़ को नीचे नहीं किया। "क्या तुम भी इस धंधे में शामिल हो?" मैंने बिस्तर की ओर धीरे से कदम बढ़ाते हुए पूछा।
"मैं वही करता हूं जो मुझे कहा जाता है और मैं चुप रहता हूं, लेकिन मैं जबरदस्ती का काम नहीं करने वाला, खासकर उस पैसे के लिए जो वे मुझे दे रहे हैं।"
“वाह!” मैंने बिस्तर की ओर तेज़ी से कदम बढ़ाते हुए कहा। “अगर मैं कुछ चादरें एक साथ बाँध दूँ तो क्या मैं इस खिड़की से नीचे वाले तल पर जा सकता हूँ?”
मुझे नहीं पता—आह! रुको!
मेरे दाहिने हाथ में उसकी बंदूक—एक.32 स्वचालित—थी, बाएं हाथ में उसकी कलाई थी, और मैं उन्हें मरोड़ रहा था। "छोड़ दो," मैंने आदेश दिया, और उसने छोड़ दिया। उसका हाथ छोड़ते हुए, मैं पीछे हट गया, और बिस्तर के निचले हिस्से में गिरा हुआ खंजर उठा लिया।
मैं दबे पांव दरवाजे तक गया और कान लगाकर सुना। मुझे कुछ सुनाई नहीं दिया। मैंने धीरे से दरवाजा खोला, फिर भी कुछ सुनाई नहीं दिया, दरवाजे के अंदर धुंधली सी रोशनी में कुछ दिखाई नहीं दिया। मिन्नी हर्शे का दरवाजा खुला था, जैसा मैंने बाहर निकलते समय छोड़ा था। जिस चीज से मैं लड़ रहा था, वह वहां नहीं थी। मैं मिन्नी के कमरे में गया और बत्ती जला दी। वह पहले की तरह ही गहरी नींद में

सो रही थी। मैंने अपनी बंदूक जेब में रखी, चादर हटाई, मिन्नी को उठाया और नौकरानी के कमरे में ले गया।
मैंने नौकरानी से कहा, "देखो, क्या तुम उसे फिर से जीवित कर सकती हो?" और उस अश्वेत महिला को उसके बगल में बिस्तर पर पटक दिया।
"वह थोड़ी देर में ठीक हो जाएगी: वे अक्सर ठीक हो जाती हैं।"
मैंने कहा, "हाँ?" और बाहर निकलकर पाँचवीं मंजिल पर गैब्रिएल लेगेट के कमरे में चला गया।
गैब्रिएल का कमरा खाली था। कॉलिंसन की टोपी और ओवरकोट गायब थे; बाथरूम में ले जाए गए कपड़े भी गायब थे; और खून से सना हुआ नाइटगाउन भी गायब था।
मैंने उन दोनों को कोसते हुए, किसी के प्रति पक्षपात न दिखाने की कोशिश की, लेकिन शायद सबसे ज़्यादा गुस्सा कॉलिंसन पर था; बत्तियाँ बुझाईं और सामने की सीढ़ियों से नीचे भागा। मैं जितना हिंसक दिख रहा था, उतना ही हिंसक महसूस कर रहा था, बुरी तरह घायल, ज़ख्मी और चोटिल, एक हाथ में लाल खंजर और दूसरे में बंदूक लिए। चार मंज़िल नीचे उतरने तक मुझे कुछ सुनाई नहीं दिया, लेकिन जब मैं दूसरी मंज़िल पर पहुँचा तो नीचे से हल्की गड़गड़ाहट जैसी आवाज़ सुनाई दी। बची हुई मंज़िल से तेज़ी से नीचे भागा, तो मुझे पता चला कि कोई सामने के दरवाज़े पर दस्तक दे रहा है। मुझे उम्मीद थी कि वह व्यक्ति वर्दी में होगा। मैं दरवाज़े पर गया, ताला खोला और उसे खींचकर खोल दिया।
एरिक कॉलिंसन वहां मौजूद थे, उनकी आंखें बेकाबू थीं, चेहरा पीला पड़ गया था और वे बहुत घबराए हुए थे।
“गैबी कहाँ है?” उसने हांफते हुए पूछा।
मैंने कहा, "तुम नरक में जाओ," और बंदूक से उसके चेहरे पर वार किया।
वह लड़खड़ाकर आगे की ओर झुक गया, फिर उसने अपने हाथों से प्रवेश कक्ष की विपरीत दीवारों को पकड़कर खुद को संभाला, कुछ पल वहीं लटका रहा और धीरे-धीरे फिर से सीधा खड़ा हो गया। उसके मुंह के एक कोने से खून रिस रहा था।
“गैबी कहाँ है?” उसने दृढ़ता से दोहराया।
“तुमने उसे कहाँ छोड़ा?”

“यहाँ। मैं उसे ले जा रहा था। उसने मुझे ऐसा करने के लिए कहा था। उसने पहले मुझे बाहर जाकर देखने को भेजा कि सड़क पर कोई है या नहीं। फिर दरवाजा बंद हो गया।”
“तुम तो बड़े होशियार हो,” मैंने बड़बड़ाते हुए कहा। “उसने तुम्हें धोखा दिया, फिर भी तुम्हें उस भयानक श्राप से बचाने की कोशिश कर रही थी। आखिर तुमने मेरी बात क्यों नहीं मानी? खैर, चलो; हमें उसे ढूंढना ही होगा।”
वह लॉबी से सटे किसी भी स्वागत कक्ष में नहीं थी। हमने उन कमरों की बत्तियाँ जलाकर छोड़ दीं और मुख्य गलियारे से तेज़ी से आगे बढ़े। सफेद पजामा पहने एक छोटी सी आकृति दरवाजे से निकली और मुझसे लिपट गई, मेरे पैरों में उलझ गई, जिससे मैं लगभग गिर ही गई। उसके मुंह से अस्पष्ट शब्द निकले। मैंने उसे अपने से छुड़ाया और देखा कि वह लड़का मैनुअल था। आँसुओं से उसका घबराया हुआ चेहरा भीगा हुआ था और रोने से उसके सारे शब्द लड़खड़ा रहे थे।
“शांत रहो बेटे,” मैंने कहा। “मुझे तुम्हारी एक भी बात समझ नहीं आ रही है।”
मुझे समझ आ गया, "उसे उसे मारने मत दो।"
मैंने पूछा, "किसने किसको मारा?" "और आराम से पूछो।"
उन्होंने ज्यादा समय नहीं लिया, लेकिन मैं "पिताजी" और "माताजी" सुनने में कामयाब रहा।
"क्या तुम्हारे पिता तुम्हारी माँ को मारना चाहते हैं?" मैंने पूछा, क्योंकि यही सबसे संभावित संयोजन प्रतीत हो रहा था।
उसका सिर ऊपर-नीचे हिल रहा था।
मैंने पूछा, “कहाँ?”
उसने सामने लोहे के दरवाजे की ओर हाथ हिलाया। मैं उसकी ओर बढ़ा और फिर रुक गया।
“सुनो बेटे,” मैंने सौदेबाजी करते हुए कहा। “मैं तुम्हारी माँ की मदद करना चाहता हूँ, लेकिन पहले मुझे यह जानना होगा कि मिस लेगेट कहाँ हैं। क्या तुम्हें पता है कि वह कहाँ हैं?”
“उनके साथ अंदर जाओ,” वह चिल्लाया। “अरे, जल्दी करो, जल्दी करो!” “ठीक है। चलो, कॉलिंसन,” और हम लोहे के दरवाजे की ओर दौड़ पड़े।

दरवाजा बंद था, पर ताला नहीं लगा था। मैंने उसे झटके से खोला। छत के एक किनारे से तिरछी होकर आती नीली-सफेद रोशनी की एक विशाल किरण में वेदी चमकदार सफेद, क्रिस्टल और चांदी जैसी दिख रही थी।
वेदी के एक छोर पर गैब्रिएल बैठी थी, उसका चेहरा प्रकाश की किरण की ओर था। तेज रोशनी में उसका चेहरा भयानक रूप से सफेद और भावहीन दिख रहा था। आरोनिया हाल्डोर्न वेदी की सीढ़ी पर लेटी थी जहाँ रीज़ लेटी थी। उसके माथे पर एक गहरा निशान था। उसके हाथ और पैर चौड़े सफेद कपड़े की पट्टियों से बंधे थे, उसकी बाहें उसके शरीर से बंधी थीं। उसके अधिकांश कपड़े फटे हुए थे।
सफेद वस्त्र पहने यूसुफ वेदी और अपनी पत्नी के सामने खड़े थे। वे दोनों भुजाएँ ऊपर उठाकर फैलाए खड़े थे, उनकी पीठ और गर्दन झुकी हुई थी जिससे उनका दाढ़ी वाला चेहरा आकाश की ओर उठा हुआ था। उनके दाहिने हाथ में सींग के हैंडल वाला एक साधारण नक्काशीदार चाकू था, जिसका ब्लेड लंबा और घुमावदार था। वे आकाश की ओर देख रहे थे, लेकिन उनकी पीठ हमारी ओर थी, इसलिए हम उनके शब्द नहीं सुन पा रहे थे। जैसे ही हम दरवाजे से अंदर आए, उन्होंने अपनी भुजाएँ नीचे कर लीं और अपनी पत्नी की ओर झुक गए। हम अभी भी उनसे लगभग तीस फीट दूर थे। मैंने जोर से पुकारा:
“जोसेफ!”
वह फिर से सीधा हुआ और मुड़ा, और जब चाकू मेरी नजर में आया तो मैंने देखा कि वह अभी भी साफ और चमकदार था।
“जोसेफ नाम से कौन पुकारता है, जो अब अस्तित्व में नहीं है?” उन्होंने पूछा, और अगर मैं यह न कहूँ कि वहाँ खड़े होकर—क्योंकि मैं उनसे दस फीट की दूरी पर रुक गया था, मेरे बगल में कॉलिंसन थे— उन्हें देखते हुए, उनकी आवाज़ सुनते हुए, मुझे यह महसूस होने लगा था कि शायद, आखिरकार, कुछ बहुत भयानक होने वाला नहीं था, तो मैं झूठा कहलाऊँगा। “कोई जोसेफ नहीं है,” उन्होंने अपने प्रश्न का उत्तर सुने बिना कहा। “अब आप जान सकते हैं, जैसा कि दुनिया जल्द ही जान जाएगी, कि जो आपके बीच जोसेफ बनकर गया था, वह जोसेफ नहीं, बल्कि स्वयं ईश्वर थे। अब जब आप जान चुके हैं, तो जाइए।”
मुझे "बकवास" कहकर उस पर झपट पड़ना चाहिए था। किसी और आदमी के साथ तो मैं ऐसा ही करती। लेकिन इसके साथ नहीं। मैंने कहा: "मुझे मिस

12

अपवित्र ग्रेल

उस शाम ओवेन फिट्ज़स्टेफ़ान और मैंने श्रीमती शिंडलर का एक और स्वादिष्ट भोजन किया, हालाँकि मेरा खाना बातचीत के बीच में चुभते हुए निवालों जैसा था। उनकी जिज्ञासा सवालों, किसी बात को स्पष्ट करने के अनुरोधों और जब भी मैं साँस लेने या खाना खाने के लिए रुकता, तो मुझे बोलते रहने के आदेशों से मुझे परेशान करती रही। “तुम मुझे भी इसमें शामिल कर सकते थे,” सूप आने से पहले ही उसने शिकायत की। “मैं हाल्डोर्न परिवार को जानता था, या कम से कम लेगेट के यहाँ उनसे एक-दो बार मिला था। तुम इसका बहाना बनाकर मुझे भी इस मामले में शामिल कर सकते थे, ताकि मुझे खुद पता होता कि क्या हुआ था और क्यों; बजाय इसके कि मुझे तुमसे मिली जानकारी और अखबारों में छपी खबरों पर निर्भर रहना पड़े, जो उनके पाठकों को लगता है कि हुआ होगा।”
मैंने कहा, "मुझे उस एक व्यक्ति से काफी परेशानी हो चुकी थी जिसे मैंने इस बारे में बताया था - एरिक कोलिंसन।"
“उससे जो भी परेशानी हुई, वह तुम्हारी अपनी गलती थी, क्योंकि तुमने गलत सहायक को चुना, जबकि उससे कहीं बेहतर सहायक उपलब्ध था। लेकिन आओ, मेरे बेटे, मैं सुन रहा हूँ। पूरी बात सुनो, फिर मैं तुम्हें बताऊँगा कि तुमने कहाँ गलती की।”
“ज़रूर,” मैंने सहमति जताते हुए कहा, “आप ऐसा कर पाएँगी। वैसे, हाल्डोर्न परिवार मूल रूप से अभिनेता थे। मैं आपको जो कुछ भी बता सकती हूँ, वह ज़्यादातर उन्हीं से पता चला है, इसलिए कई जगहों पर

शायद पर भरोसा करना पड़ेगा। फिंक बिल्कुल बात नहीं करता; और बाकी नौकरानियाँ—नौकरानियाँ, फिलिपिनो लड़के, चीनी रसोइया, वगैरह—भी कुछ खास नहीं जानते। लगता है उनमें से किसी को भी इन तरकीबों के बारे में नहीं बताया गया है।”
“अभिनेता के तौर पर, आरोनिया हाल्डोर्न कहती हैं, वह और जोसेफ बस ठीक-ठाक थे, लेकिन उनकी आपस में उतनी अच्छी बनती नहीं थी जितनी वे चाहते थे। करीब एक साल पहले उनकी मुलाकात एक पुराने परिचित से हुई —जो कभी एक कलाकार थे—जिन्होंने मंच छोड़कर धर्मोपदेश देना शुरू कर दिया था और उसमें सफल हो गए थे, अब वे दिन की गाड़ियों की जगह पैकर्ड कारों में सफर करते थे। इससे उन्हें कुछ सोचने का मौका मिला। इस दिशा में सोचने का मतलब था, जल्द ही एमी, बुचमैन, जेड्डू (उनका नाम याद नहीं आ रहा) और अन्य प्रमुख कलाकारों के बारे में सोचना। और अंत में उनका विचार इस नतीजे पर पहुँचा कि क्यों न हम भी ऐसा करें? उन्होंने—या उसने: जोसेफ एक साधारण कलाकार थे—एक ऐसा पंथ खड़ा किया जो एक पुराने गेलिक चर्च के पुनरुद्धार का दिखावा करता था, जो राजा आर्थर के समय का था, या कुछ इसी तरह की बात।” “हां,” फिट्ज़स्टेफ़न ने कहा; “आर्थर मैचेन की। लेकिन आगे बढ़िए।” “वे अपने पंथ को कैलिफोर्निया ले आए क्योंकि हर कोई ऐसा करता है, और उन्होंने सैन फ्रांसिस्को को चुना क्योंकि वहां लॉस एंजिल्स की तुलना में कम प्रतिस्पर्धा थी। वे अपने साथ टॉम फिंक नाम के एक छोटे कद के व्यक्ति को लाए, जो कभी न कभी अधिकांश प्रसिद्ध मंच जादूगरों और भ्रम कलाकारों के करतबों के यांत्रिक पक्ष का प्रभारी रहा था; और फिंक की पत्नी, एक बड़ी कद-काठी की महिला, जो गांव की लोहार थी।”
“वे बहुत सारे लोगों को अपने अनुयायी नहीं बनाना चाहते थे: वे चाहते थे कि कुछ ही लोग हों, लेकिन धनी हों। यह धंधा धीरे-धीरे शुरू हुआ—जब तक कि उन्हें श्रीमती रोडमैन नहीं मिल गईं। वह खूब फंसीं। उन्होंने उन्हें उनके एक अपार्टमेंट भवन के लिए राजी किया, और उन्होंने ही नवीनीकरण का बिल भी चुकाया। स्टेज मैकेनिक फिंक को नवीनीकरण का जिम्मा सौंपा गया था, और उसने बढ़िया काम किया। उन्हें इमारत में जगह-जगह बिखरी हुई रसोई की ज़रूरत नहीं थी, और फिंक जानता था कि उस बिखरी हुई रसोई की जगह का इस्तेमाल गुप्त

कमरों और अलमारियों के लिए कैसे किया जाए; और वह गैस और पानी के पाइपों और बिजली के तारों को अपने तरकीबों के अनुसार ढालना भी जानता था।”
“मैं अभी आपको तकनीकी विवरण नहीं दे सकता; जब तक हम जोड़ को खोलकर नहीं देख लेते, तब तक नहीं। यह दिलचस्प होगा। मैंने उनका कुछ काम देखा—बिल्कुल उसी के बीच—एक भूत जो एक गद्देदार पाइप से उठती भाप पर रोशनी डालकर बनाया गया था। उस पाइप को एक अंधेरे कमरे में बिस्तर के नीचे की दीवार में छिपे एक छेद से धकेल कर अंदर डाला गया था। भाप का जो हिस्सा रोशन नहीं था, वह अंधेरे में अदृश्य था, केवल एक मानव आकृति दिखाई दे रही थी जो कांप रही थी और मरोड़ रही थी, और जो छूने पर नम और वास्तविक लग रही थी, उसमें कोई ठोसपन नहीं था। आप मेरी बात मानिए, यह एक अजीबोगरीब करतब था, खासकर तब जब आप उस पदार्थ से भर चुके हों जो उन्होंने उस भूत को आप पर छोड़ने से पहले कमरे में डाला था। मुझे नहीं पता कि उन्होंने ईथर या क्लोरोफॉर्म का इस्तेमाल किया था या क्या: उसकी गंध को किसी तरह के फूलों के इत्र से अच्छी तरह छिपाया गया था। इस भूत से—मैंने आमने-सामने लड़ाई की, और मुझे लगा कि मैंने उसे घायल कर दिया है, मुझे पता नहीं था कि हवा अंदर आने देने के लिए खिड़की तोड़ते समय मेरा हाथ कट गया था।” यह बहुत ही शानदार था: इसने मुझे कुछ मिनटों को कई घंटों जैसा महसूस कराया।
"आखिरी समय तक, जब तक हाल्डोर्न बेकाबू नहीं हो गया, उनके काम में कोई क्रूरता नहीं थी। उन्होंने सभी सार्वजनिक अनुष्ठानों को यथासंभव गरिमापूर्ण, व्यवस्थित और संयमित रखा। जादू-टोना पीड़ित के शयनकक्ष की गोपनीयता में किया जाता था। पहले सुगंधित गैस छोड़ी जाती थी। फिर उस पर रोशनी वाला भाप का यंत्र छोड़ा जाता था, और उसी पाइप से एक आवाज आती थी—या शायद इसके लिए कोई और व्यवस्था थी—जो उसे आदेश देती थी, या जो भी देना होता था। गैस उसे ज्यादा सतर्क और शंकालु होने से रोकती थी, और उसकी इच्छाशक्ति को भी कमजोर करती थी, ताकि वह कही गई बात मानने के लिए अधिक प्रवृत्त हो। यह काफी चालाकी भरा तरीका था; और मुझे लगता है कि उन्होंने इस तरह से काफी पैसा कमा लिया होगा।"

पीड़ित के कमरे में, जब वह अकेला था, तब घटित होने वाले इन दर्शनों का बहुत महत्व था, और हाल्डोर्न दंपति ने इनके प्रति अपने रवैये से इन्हें और भी अधिक बल दिया। इन दर्शनों पर चर्चा करना पूर्णतः निषिद्ध नहीं था, लेकिन हतोत्साहित किया जाता था। ऐसा माना जाता था कि ये आध्यात्मिक अनुभव पीड़ित और उसके ईश्वर के बीच गोपनीय थे, इतने पवित्र थे कि इनके बारे में डींग मारना उचित नहीं था। इनका उल्लेख करना, यहाँ तक कि यूसुफ से भी, जब तक कि कोई विशेष कारण न हो, अशोभनीय और असभ्य माना जाता था। देखिए यह कितना अजीब लग रहा है! ऐसा प्रतीत होता था कि हाल्डोर्न दंपति इन आध्यात्मिक अनुभवों का लाभ उठाने की कोशिश नहीं कर रहे थे, ऐसा लगता था कि उन्हें पता ही नहीं था कि उनमें क्या घटित हुआ था, और इसलिए उन्हें इस बात में कोई दिलचस्पी नहीं थी कि पीड़ित ने अपने आध्यात्मिक निर्देशों का पालन किया या नहीं। उनका मानना था कि यह केवल और केवल पीड़ित और उसके ईश्वर का मामला है।
“यह बहुत अच्छा है,” फिट्ज़स्टेफ़ान ने प्रसन्नता से मुस्कुराते हुए कहा, “यह आम पंथों—या यूँ कहें कि आम संप्रदायों—के उस रवैये का एक सटीक उलटफेर है जिसमें वे स्वीकारोक्ति, सार्वजनिक गवाही या रहस्यों के प्रचार के किसी अन्य रूप पर ज़ोर देते हैं। आगे बढ़िए।” मैंने खाने की कोशिश की। उसने कहा:
“सदस्यों, ग्राहकों का क्या? उन्हें अब अपना पंथ कैसा लग रहा है? आपने उनमें से कुछ से बात की होगी, है ना?”
“हाँ,” मैंने कहा; “लेकिन ऐसे लोगों का क्या करें? उनमें से आधे तो अब भी आरोनिया हाल्डोर्न के साथ बहलाने को तैयार हैं। मैंने श्रीमती रोडमैन को वो पाइप दिखाया जिनसे भूत निकलते थे। जब उन्होंने एक बार गहरी साँस ली और दो बार घूँट भरा, तो उन्होंने हमें गिरजाघर ले जाने और यह दिखाने की पेशकश की कि वहाँ की मूर्तियाँ, जिनमें क्रॉस पर बनी मूर्ति भी शामिल है, भाप से भी कहीं अधिक ठोस और सांसारिक पदार्थों से बनी हैं; और हमसे पूछा कि क्या हम इस बात के सबूत पर बिशप को गिरफ्तार कर लेंगे कि पवित्र पात्र में कोई असली मांस और खून—चाहे वह दिव्य हो या नहीं—नहीं है। मुझे लगा कि ओ'गार, जो एक पक्के कैथोलिक हैं, उन्हें ब्लैकजैक कर लेंगे।” “कोलमैन परिवार वहाँ नहीं था, है ना? राल्फ कोलमैन परिवार?”

"नहीं।"
“बहुत बुरा हुआ,” उसने मुस्कुराते हुए कहा। “मुझे राल्फ को ढूंढकर उससे पूछताछ करनी होगी। ज़ाहिर है, वह अब तक कहीं छिप गया होगा, लेकिन उसे ढूंढना तो बनता है। वह हमेशा सबसे बेवकूफी भरे काम करने के लिए सबसे तर्कसंगत और विश्वसनीय कारण बताता है। वह”—जैसे कि इससे सब कुछ स्पष्ट हो जाता—“एक विज्ञापन वाला आदमी है।” फिट्ज़स्टेफ़ान ने मुझे दोबारा खाते हुए देखकर भौंहें चढ़ाईं और अधीरता से कहा: “बोलिए, मेरे बच्चे, बोलिए।”
मैंने कहा, "आप हल्डोर्न से मिल चुके हैं। आपको वह कैसा लगा?" “मैंने उसे शायद दो बार देखा था। वह निस्संदेह प्रभावशाली था।” “हाँ, वो था,” मैंने सहमति जताते हुए कहा। “उसके पास वो सब कुछ था जिसकी उसे ज़रूरत थी। क्या तुमने कभी उससे बात की है?”
नहीं; मतलब, ‘आपसे मिलकर खुशी हुई’ के शिष्ट समकक्षों का आदान-प्रदान करने के अलावा और कुछ नहीं।
“खैर, उसने तुम्हारी ओर देखा और तुमसे बात की, और तुम्हारे अंदर कुछ हलचल हुई। मुझे यकीन है कि मैं दुनिया का सबसे आसानी से प्रभावित होने वाला व्यक्ति नहीं हूँ; लेकिन उसने मुझे पूरी तरह से मोहित कर लिया था। अंत में तो मैं लगभग यह मानने ही वाला था कि वह भगवान है। वह काफी जवान था—लगभग तीस साल का: उसके बालों और दाढ़ी का रंग— पिगमेंट—हटा दिया गया था ताकि उसे फादर जोसेफ जैसा रूप दिया जा सके। उसकी पत्नी कहती है कि वह उसे काम पर जाने से पहले सम्मोहित करती थी, और सम्मोहित हुए बिना वह लोगों पर उतना असरदार नहीं होता था। बाद में वह इतना सक्षम हो गया कि वह बिना उसकी मदद के खुद को सम्मोहित कर सकता था, और अंत में यह उसकी एक स्थायी आदत बन गई।” “उसे तब तक पता नहीं चला कि उसके पति को गैब्रिएल से प्यार हो गया है, जब तक कि वह लड़की मंदिर में रहने नहीं आ गई। तब तक वह सोचती थी कि गैब्रिएल उसके लिए, और उसके लिए भी, बस एक और ग्राहक थी—एक ऐसी ग्राहक जिसकी हाल की परेशानियों ने उसे एक संभावित साथी बना दिया था। लेकिन जोसेफ को उससे प्यार हो गया था, और वह उसे चाहता था। मुझे नहीं पता कि उसने उस पर कितना असर डाला था, और न ही यह कि उसने उस पर कैसे असर डाला था, लेकिन मुझे लगता है कि वह डैन के श्राप के डर को दूर करने के लिए अपने जादू-टोने का इस्तेमाल कर रहा था। खैर,

डॉक्टर रीज़ को आखिरकार पता चला कि उसके साथ सब कुछ ठीक नहीं चल रहा था। कल सुबह उसने मुझे बताया कि वह उस शाम उससे मिलने वापस आ रहा है, और वह आया भी, लेकिन उसने उसे नहीं देखा; और मैंने भी उसे नहीं देखा —उस समय नहीं।”
“लड़की के कमरे में जाने से पहले वह यूसुफ से मिलने वापस गया और उसने गलती से यूसुफ को फिंक्स को निर्देश देते हुए सुन लिया। यह ठीक होना चाहिए था, लेकिन नहीं हुआ। रीज़ इतना मूर्ख था कि उसने यूसुफ को बता दिया कि उसने उसकी बातें सुन ली हैं। यूसुफ ने रीज़ को कैद कर लिया—एक कैदी की तरह।”
“उन्होंने शुरू से ही मिन्नी को अपने जाल में फंसा लिया था। वह एक मिश्रित नस्ल की महिला थी, इसलिए इस तरह के खेल में आसानी से फंस जाती थी, और वह गैब्रिएल लेगेट के प्रति समर्पित थी। उन्होंने बेचारी लड़की पर इतने दृश्य और आवाजें फेंकीं कि वह चक्कर खाने लगी। अब उन्होंने उसे रीसे को मारने के लिए मजबूर करने का फैसला किया। उन्होंने उसे नशीली दवा दी और उसे वेदी पर रख दिया। उन्होंने मिन्नी के मन में यह विचार पैदा कर दिया कि वह शैतान है— यह गंभीर बात है: उन्होंने ऐसा किया—नरक से आकर गैब्रिएल को नीचे गिराने और उसे संत बनने से रोकने की कोशिश की। मिन्नी इसके लिए पूरी तरह तैयार थी—बेचारी—और जब आत्मा ने उसे बताया कि उसे अपनी मालकिन को बचाने के लिए चुना गया है, कि उसे पवित्र हथियार उसकी मेज पर मिलेगा, तो उसने आत्मा के निर्देशों का पालन किया। वह बिस्तर से उठी, अपनी मेज पर रखे खंजर को उठाया, वेदी पर गई और रीसे को मार डाला।”
"सुरक्षा के लिहाज़ से, उन्होंने मेरे कमरे में थोड़ी गैस भर दी, ताकि मिन्नी के काम पर रहने के दौरान मैं सोता रहूँ। लेकिन मैं घबराया हुआ था, बेचैन था और गैस पाइप के पास बिस्तर पर सोने के बजाय कमरे के बीच में एक कुर्सी पर सो रहा था; इसलिए रात पूरी होने से पहले ही मैं नशे से बाहर आ गया।"
“इस समय तक, आरोनिया हाल्डोर्न ने दो बातें जान ली थीं: पहली, कि लड़की में उसके पति की दिलचस्पी पूरी तरह से आर्थिक नहीं थी; और दूसरी, कि वह अपना मानसिक संतुलन खो चुका था, एक खतरनाक पागल बन गया था। हर समय सम्मोहन में रहने के कारण, उसकी बुद्धि (जो वैसे भी बहुत

“उन्हें खंजर फिर से ड्रेसिंग गाउन में मिल गया, जहाँ अरोनिया ने उसे छिपाया था; और यूसुफ को शक होने लगा कि उसकी पत्नी उसे धोखा दे रही है। जब उसने उसे मिन्नी के कमरे में सूखे फूलों का ऐसा तेज़ घोल जलाते हुए पकड़ा कि मिन्नी पूरी तरह बेहोश हो गई—इतनी गहरी नींद में कि एक दर्जन भूत भी उसे जगा नहीं सकते थे—तो उसे उसकी धोखेबाजी का पूरा यकीन हो गया; और अब वह पूरी तरह फंस चुका था, इसलिए उसने उसे जान से मारने का फैसला कर लिया।”
“उनकी पत्नी?” फिट्ज़स्टेफ़ान ने पूछा।
“हाँ, लेकिन इससे क्या फर्क पड़ता है? यह सब बेतुका लगता है, मानो कोई और भी हो सकता था। मुझे उम्मीद है कि तुम इस बेतुकी बात को अपने दिमाग में बिठाने की कोशिश नहीं कर रहे हो। तुम अच्छी तरह जानते हो कि यह सब हुआ ही नहीं।”
“तो फिर क्या हुआ?” उसने हैरानी से पूछा।
“मुझे नहीं पता। मुझे नहीं लगता कि कोई जानता है। मैं आपको वही बता रहा हूँ जो मैंने देखा, साथ ही आरोनिया हाल्डोर्न ने मुझे जो बताया उसका वो हिस्सा भी जो मेरे देखे हुए से मेल खाता है। मेरे देखे हुए से मेल खाने के लिए, ज़्यादातर चीज़ें लगभग वैसे ही घटी होंगी जैसा मैंने आपको बताया है। अगर आप इस पर विश्वास करना चाहते हैं, तो ठीक है। मैं नहीं करता। मैं तो यह मानना ज़्यादा पसंद करूँगा कि मैंने ऐसी चीज़ें देखीं जो थीं ही नहीं।”
“अभी नहीं,” उसने विनती की। “बाद में, जब आप कहानी पूरी कर लेंगी, तो आप इसमें अपनी इच्छानुसार कुछ भी जोड़ सकती हैं, इसे तोड़-मरोड़ सकती हैं, इसे जितना चाहे उतना अस्पष्ट, उलझा हुआ और निराशाजनक बना सकती हैं। लेकिन पहले कृपया इसे पूरा कर लें, ताकि सुधार शुरू करने से पहले मैं इसे कम से कम एक बार इसके मूल रूप में देख सकूँ।” मैंने पूछा, "क्या आप वाकई मेरी बताई हुई बातों पर विश्वास करते हैं?"
उसने मुस्कुराते हुए सिर हिलाया और कहा कि वह न केवल इस पर विश्वास करता है बल्कि इसे पसंद भी करता है।
“तुम्हारा दिमाग कितना बचकाना है,” मैंने कहा। “चलो मैं तुम्हें उस भेड़िये की कहानी सुनाता हूँ जो उस छोटी लड़की की दादी के घर गया और

—”

मुझे वो कहानी भी हमेशा से पसंद थी; लेकिन अब इसे खत्म करो। यूसुफ ने अपनी पत्नी को मारने का फैसला कर लिया था।
“ठीक है। ज़्यादा कुछ नहीं है। जब मिन्नी का इलाज चल रहा था, मैं उसके कमरे में गया, उसे जगाने और मदद के लिए भेजने के इरादे से। उसे जगाने से पहले ही मुझे खुद कुछ चाहिए था: मैंने गैस के कुछ घूंट भर लिए। लगता है फिंक्स ने ही भूत को मुझ पर छोड़ दिया था, क्योंकि शायद उस समय जोसेफ अपनी पत्नी के साथ नीचे आ रहा था। उसे अपने दैवीय कवच पर इतना भरोसा था, या शायद वो इतना पागल था कि उसने उसे नीचे ले जाकर वेदी पर बांध दिया, फिर उसका कत्ल किया। या शायद उसने इस हरकत को अपनी योजना में शामिल करने का कोई तरीका निकाला था, या शायद उसे खूनी तमाशों का शौक था। खैर, शायद वो उसे नीचे ले गया होगा, जबकि मैं मिन्नी के कमरे में भूत से जूझ रहा था।”
“उस भूत ने मुझे पसीने से तर कर दिया था, और जब मैं आखिरकार उससे पीछा छुड़ाकर लड़खड़ाते हुए गलियारे में निकला, तो फिंक्स ने मुझ पर हमला कर दिया। मैं कहता हूँ कि उन्होंने किया, और मुझे पता है; लेकिन अंधेरा इतना था कि मैं उन्हें देख नहीं पाया। मैंने उन्हें भगाया, एक बंदूक ली और नीचे चला गया। कॉलिंसन और गैब्रिएल वहाँ से गायब थे जहाँ मैंने उन्हें छोड़ा था। मैंने कॉलिंसन को पाया: गैब्रिएल ने उसे बाहर खड़ा कर दिया था और दरवाज़ा बंद कर दिया था। हाल्डोर्न का बेटा—लगभग तेरह साल का—हमारे पास यह खबर लेकर आया कि पापा मम्मी को मारने वाले हैं, और गैब्रिएल उनके साथ है। मैंने हाल्डोर्न को मार डाला, लेकिन लगभग नहीं मार पाया। मैंने उसे सात गोलियाँ मारीं। हार्ड कोटेड.32 गोलियाँ बिना ज़्यादा आवाज़ किए आसानी से अंदर चली जाती हैं, यह सच है; लेकिन मैंने उसके चेहरे और शरीर में सात गोलियाँ मारीं—बिल्कुल पास खड़े होकर और एकदम सीधी गोली चलाई—और उसे पता भी नहीं चला। वह इतना सम्मोहित हो चुका था। आखिरकार मैंने खंजर उसकी गर्दन में घोंपकर उसे मार गिराया।”
मैं रुक गया। फिट्ज़स्टेफ़न ने पूछा: "तो?"
"अच्छी तरह से क्या?"
उसके बाद क्या हुआ?
मैंने कहा, "कुछ नहीं। यह तो बस एक बेबुनियाद कहानी है। मैंने तुम्हें पहले ही चेतावनी दी थी कि इसमें कोई मतलब नहीं है।"

"लेकिन गैब्रिएल वहां क्या कर रही थी?"
"वेदी के बगल में दुबककर, ऊपर सुंदर रोशनी की ओर देख रही थी।" लेकिन वह वहाँ क्यों थी? वहाँ होने का उसका क्या कारण था? क्या उसे वहाँ फिर से बुलाया गया था? या वह अपनी मर्ज़ी से वहाँ थी? वह वहाँ कैसे पहुँची? वह वहाँ किसलिए थी?
मुझे नहीं पता। उसे भी नहीं पता था। मैंने उससे पूछा। उसे पता ही नहीं था कि वह वहाँ थी।
"लेकिन आप दूसरों से कुछ तो सीख ही सकते हैं, है ना?"
“हां,” मैंने कहा; मैंने आपको जो कुछ बताया है, वह मुख्य रूप से आरोनिया हाल्डोर्न से पता चला है। वह और उसका पति एक पंथ चलाते थे, और उसका पति पागल हो गया और लोगों की हत्या करने लगा, और वह इसमें क्या कर सकती थी? फिंक कुछ नहीं बोलेगा। वह एक मैकेनिक है, हाँ; और उसने हाल्डोर्न परिवार के लिए अपनी खास मशीनें लगाईं और उन्हें चलाया; लेकिन उसे नहीं पता कि पिछली रात क्या हुआ। उसने बहुत सी आवाज़ें सुनीं, लेकिन यह उसका काम नहीं था कि वह जाकर देखे कि क्या हो रहा है: उसे तब पता चला कि कुछ गड़बड़ है जब कुछ पुलिस वाले आए और उसे खूब खरी-खोटी सुनाने लगे। श्रीमती फिंक अब नहीं हैं। बाकी कर्मचारियों को शायद कुछ पता नहीं है, हालाँकि मुझे लगता है कि वे कुछ अच्छे अनुमान लगा सकते हैं। छोटा लड़का मैनुअल इतना डरा हुआ है कि बोल नहीं पा रहा है—और जब उसका डर शांत होगा तो उसे कुछ भी पता नहीं चलेगा। हमारे सामने यह स्थिति है: अगर जोसेफ पागल हो गया और उसने अपनी मर्जी से कुछ हत्याएं कीं, तो बाकी लोग, भले ही उन्होंने अनजाने में उसकी मदद की हो, बेगुनाह हैं। उनमें से किसी पर भी ज़्यादा से ज़्यादा हल्की-फुल्की सज़ा हो सकती है। पंथ से जुड़े घोटाले में भाग लेने के लिए सजा सुनाई गई है। लेकिन अगर उनमें से कोई भी कुछ भी जानने की बात कबूल करता है, तो वह हत्या में सह-अपराधी के रूप में मुसीबत में पड़ जाएगा। ऐसा कोई भी करने की संभावना नहीं है।
“मैं समझ गया,” फिट्ज़स्टेफ़ान ने धीरे से कहा। “जोसेफ मर चुका है, इसलिए जोसेफ ने ही सब कुछ किया। आप इस समस्या का समाधान कैसे करेंगे?”

मैंने कहा, "मैं ऐसा नहीं करूंगा; हालांकि पुलिस कम से कम कोशिश तो करेगी। मेरा अंत हो चुका है, जैसा कि मैडिसन एंड्रयूज ने मुझे कुछ घंटे पहले बताया था।"
लेकिन अगर, जैसा कि आप कहते हैं, आप इस बात से संतुष्ट नहीं हैं कि आपको मामले की पूरी सच्चाई पता चल गई है, तो मुझे लगता है कि आप—” “यह मैं नहीं हूँ,” मैंने कहा। “अभी बहुत कुछ करना बाकी है, लेकिन इस बार मुझे एंड्रयूज ने मंदिर में रहते हुए उसकी सुरक्षा के लिए नियुक्त किया था। वह अब वहाँ नहीं है, और एंड्रयूज को नहीं लगता कि वहाँ जो कुछ हुआ उसके बारे में और कुछ पता लगाया जा सकता है। और जहाँ तक उसकी सुरक्षा की बात है, तो उसका पति यह काम कर सकता है।” “उसकी क्या?”
"पति।"
फिट्ज़स्टेफ़न ने अपना बीयर का गिलास इतनी ज़ोर से मेज पर पटका कि बीयर किनारों से छलक गई।
“अब देखो,” उसने आरोप लगाते हुए कहा। “तुमने मुझे इसके बारे में कुछ नहीं बताया। भगवान ही जाने कि और कितनी बातें हैं जो तुमने मुझे नहीं बताई हैं।”
“कॉलिंसन ने इस गड़बड़ी का फायदा उठाकर उसे रेनो ले गया, जहाँ उन्हें कैलिफ़ोर्नियाई लाइसेंस के लिए तीन दिन तक इंतज़ार नहीं करना पड़ेगा। मुझे तब तक पता नहीं चला कि वे चले गए हैं, जब तक कि एंड्रयूज ने तीन-चार घंटे बाद मुझ पर हमला नहीं कर दिया। उसका व्यवहार कुछ अप्रिय था, और इसी वजह से हमारा ग्राहक और एजेंट का रिश्ता टूट गया।”
मुझे नहीं पता था कि वह कोलिंसन को उसके पति के रूप में स्वीकार करने के खिलाफ थे।
"मुझे नहीं पता कि वह ऐसा है या नहीं, लेकिन उसने नहीं सोचा कि यह उनकी शादी के लिए सही समय है, न ही वह तरीका है।"
“मैं समझ सकता हूँ,” उसने मेज से उठते हुए कहा। “एंड्रयूज को ज्यादातर मामलों में अपनी मनमानी करना पसंद है।”

भाग

3

■ ■ ■

क्वेसाडा

■ ■ ■

13

द क्लिफ रोड

एरिक कॉलिंसन ने मुझे क्वेसाडा से तार भेजा:
तुरंत आओ! रुको! तुम्हारी ज़रूरत है! रुको! मुसीबत है! खतरा है! रुको! मुझसे सनसेट होटल में मिलो! रुको! संपर्क मत करो! रुको! गैब्रिएल को पता नहीं चलना चाहिए! रुको! जल्दी करो! एरिक कार्टर

एजेंसी को शुक्रवार सुबह टेलीग्राम प्राप्त हुआ।
मैं उस सुबह सैन फ्रांसिस्को में नहीं था। मैं मार्टिनेज़ में फिल लीच की तलाकशुदा पत्नी से बातचीत कर रहा था, जिसके कई उपनाम थे। हमें उसे उत्तर-पश्चिम में बड़ी मात्रा में अनाथ कागज़ बाँटने के लिए चाहिए था, और हमें उसकी सख्त ज़रूरत थी। इस पूर्व पत्नी—एक प्यारी सी दिखने वाली गोरी टेलीफोन ऑपरेटर—के पास फिल की हाल ही की एक तस्वीर थी, और वह उसे बेचने को तैयार थी।
“उसने मेरे बारे में कभी इतना नहीं सोचा कि मुझे कुछ दिलाने के लिए फर्जी चेक पास करने का जोखिम उठाए,” उसने शिकायत की। “मुझे भी अपना हिस्सा खुद कमाना पड़ता था। तो अब मैं उससे कुछ क्यों न वसूलूं, जब मुझे लगता है कि कोई आवारा औरत खूब पैसा कमा रही है? अब इसके लिए तुम कितना दोगे?”
बेशक, उसे इस बात का कुछ ज़्यादा ही अंदाज़ा था कि तस्वीर हमारे लिए कितनी कीमती है, लेकिन आखिरकार मैंने उससे सौदा कर लिया। लेकिन जब मैं शहर लौटा तो छह बज चुके थे, उस रात मुझे क्वेसाडा पहुँचाने वाली ट्रेन छूट गई थी। मैंने अपना बैग पैक किया, गैरेज से अपनी कार निकाली और निकल पड़ा।

सैन फ्रांसिस्को से लगभग अस्सी मील दूर प्रशांत महासागर में ढलान वाली एक युवा पहाड़ी की पथरीली ढलान पर बसा क्वेसाडा एक छोटा सा होटल वाला कस्बा था। क्वेसाडा का समुद्र तट नहाने के लिए बहुत ऊबड़-खाबड़, कठोर और पथरीला था, इसलिए इसे कभी भी ग्रीष्मकालीन रिसॉर्ट के रूप में ज्यादा कमाई नहीं मिली। कुछ समय तक यह शराब की तस्करी का एक व्यस्त बंदरगाह था, लेकिन अब वह धंधा ठप हो चुका था: शराब तस्करों ने जान लिया था कि आयातित शराब की तुलना में घरेलू शराब की तस्करी में अधिक मुनाफा और कम चिंता होती है। क्वेसाडा एक बार फिर शांत हो गया था।
मैं उस रात ग्यारह बजे के आसपास वहाँ पहुँचा, अपनी कार गैराज में खड़ी की और सड़क पार करके सनसेट होटल चला गया। वह एक नीची, फैली हुई, पीली इमारत थी। लॉबी में रात का क्लर्क अकेला था, एक छोटा, स्त्री जैसा दिखने वाला, साठ साल से अधिक उम्र का आदमी, जिसने मुझे यह दिखाने के लिए काफी मशक्कत की कि उसके नाखून गुलाबी और चमकदार थे। जब उन्होंने रजिस्टर में मेरा नाम पढ़ा तो उन्होंने मुझे एक सीलबंद लिफाफा दिया—होटल का स्टेशनरी का सामान—जिस पर एरिक कॉलिंसन की लिखावट में मेरा पता लिखा था। मैंने उसे फाड़कर खोला और पढ़ा:
जब तक मैं आपसे मिल न लूँ, होटल मत छोड़ना। ई.सी.

मैंने पूछा, "यह यहाँ कब से है?"
"लगभग आठ बजे से। श्री कार्टर ने एक घंटे से अधिक समय तक आपका इंतजार किया, जब तक कि रेलवे से आखिरी स्टेजकोच नहीं आ गया।"
“वह यहाँ नहीं रुक रहा है?”
"अरे नहीं, ऐसा नहीं है। उसने और उसकी दुल्हन ने खाड़ी में स्थित टूकर की जगह ले ली है।"
कॉलिंसन ऐसे व्यक्ति नहीं थे जिनके निर्देशों पर मैं बहुत ध्यान देता। मैंने पूछा:
"तुम्हें वहां कैसे मिलता है?"
क्लर्क ने मुझे आश्वस्त करते हुए कहा, "रात में तो आप इसे कभी नहीं ढूंढ पाएंगे, जब तक कि आप पूर्वी सड़क से पूरा चक्कर न लगा लें, और मुझे यकीन है कि तब भी नहीं, जब तक कि आप उस इलाके से अच्छी तरह वाकिफ न हों।"
“हाँ? आप दिन के समय वहाँ कैसे पहुँचते हैं?”

“आप इस गली के अंत तक जाइए, समुद्र की ओर जाने वाली सड़क के मोड़ पर मुड़िए और चट्टान के किनारे-किनारे ऊपर की ओर बढ़ते जाइए। यह वास्तव में कोई सड़क नहीं है, बल्कि एक पगडंडी है। घर तक लगभग तीन मील का रास्ता है, एक भूरा घर, पूरी तरह से शिंगल से ढका हुआ, एक छोटी पहाड़ी पर। दिन के समय इसे आसानी से ढूंढा जा सकता है यदि आप सीधे समुद्र की ओर, दाईं ओर चलते रहें। लेकिन आप इसे कभी भी, दुनिया में कभी भी नहीं ढूंढ पाएंगे—”
मैंने कहा, "धन्यवाद," क्योंकि मैं पूरी कहानी दोबारा नहीं सुनना चाहता था।
वह मुझे एक कमरे में ले गया, पांच बजे फोन करने का वादा किया, और मैं आधी रात तक सो गया था।
सुबह का मौसम सुस्त, बदसूरत, धुंध भरा और ठंडा था जब मैं बिस्तर से उठकर फोन पर "ठीक है, धन्यवाद" कहने गया। कपड़े पहनकर नीचे जाने तक भी मौसम में कोई खास सुधार नहीं हुआ था। क्लर्क ने कहा कि क्वेसाडा में सात बजे से पहले कुछ भी खाने को मिलने की कोई उम्मीद नहीं है। मैं होटल से बाहर निकला, सड़क पर चलता रहा जब तक कि वह कच्ची सड़क नहीं बन गई। फिर मैं उसी कच्ची सड़क पर चलता रहा जब तक कि वह दो भागों में नहीं बंट गई और समुद्र की ओर मुड़ने वाली एक शाखा में मुड़ गई। यह शाखा शुरू से ही वास्तव में सड़क नहीं थी, और जल्द ही एक पथरीले किनारे पर चढ़ता हुआ एक पथरीला रास्ता मात्र रह गई जो पानी के किनारे की ओर बढ़ता जा रहा था। चट्टान का किनारा और भी ढलानदार होता गया, यहाँ तक कि रास्ता एक चट्टान के किनारे पर एक अनियमित शेल्फ जैसा बन गया—कहीं आठ या दस फीट चौड़ा, तो कहीं चार या पाँच फीट से अधिक नहीं। रास्ते के ऊपर और पीछे, चट्टान साठ या सत्तर फीट ऊंची थी; नीचे और सामने, यह सौ फीट या उससे अधिक नीचे समुद्र में जाकर मिल जाती थी। चीन की दिशा से आती हुई एक हवा चट्टान के ऊपर से कोहरे को धकेल रही थी, जिससे तल पर समुद्र के पानी में शोरगुल वाला झाग बन रहा था।
एक मोड़ पर मुड़ते हुए, जहाँ चट्टान सबसे खड़ी थी—वास्तव में, लगभग सौ गज तक, वह सीधी ऊपर-नीचे थी—मैं रास्ते के बाहरी किनारे पर बने एक छोटे से खुरदुरे गड्ढे को देखने के लिए रुक गया। गड्ढा शायद छह इंच चौड़ा था, जिसके एक तरफ ताज़ी ढीली मिट्टी का एक छोटा सा

मील लंबे घुमावदार हिस्से में समुद्र के किनारे पर बने एक ऊंचे टीले पर स्थित थी। घर का मुख पानी की ओर था। मैं उसके पीछे था। आसपास कोई दिखाई नहीं दे रहा था। भूतल की खिड़कियाँ बंद थीं और उन पर पर्दे लगे थे। दूसरी मंजिल की खिड़कियाँ खुली थीं। एक तरफ कुछ छोटे-छोटे कृषि भवन थे।
मैं घर के सामने वाले हिस्से में गया। जालीदार बरामदे में बेंत की कुर्सियाँ और एक मेज रखी थी। जालीदार बरामदे का दरवाजा अंदर से बंद था। मैंने उसे जोर से हिलाया। मैंने कम से कम पाँच मिनट तक उसे लगातार हिलाया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। मैं फिर पीछे वाले हिस्से में गया और पिछले दरवाजे पर दस्तक दी। मेरी उंगलियों के पोर से दरवाजा आधा फुट खुल गया। अंदर एक अँधेरी रसोई और सन्नाटा था। मैंने दरवाजा और चौड़ा खोला और फिर जोर से दस्तक दी। फिर सन्नाटा।
मैंने पुकारा: "श्रीमती कॉलिंसन।"
जब कोई जवाब नहीं आया तो मैं रसोई और एक अंधेरे भोजन कक्ष से होते हुए गया, सीढ़ियों का एक रास्ता मिला, उन पर चढ़ा और कमरों में झाँकना शुरू कर दिया।
घर में कोई नहीं था।
एक शयनकक्ष में, फर्श के बीचोंबीच एक.38 कैलिबर की स्वचालित पिस्तौल पड़ी थी। उसके पास ही एक खाली कारतूस था, दूसरा कमरे के दूसरी ओर एक कुर्सी के नीचे था, और हवा में जले हुए बारूद की हल्की सी गंध फैली हुई थी। छत के एक कोने में एक छेद था जो.38 कैलिबर की गोली से बना हो सकता था, और उसके नीचे फर्श पर प्लास्टर के कुछ टुकड़े बिखरे हुए थे। बिस्तर की चादरें एकदम चिकनी और व्यवस्थित थीं। अलमारी में रखे कपड़े, मेज और दराज में रखी चीजें देखकर मुझे पता चला कि यह एरिक कोलिंसन का शयनकक्ष था।
इसी तरह के सबूतों के आधार पर, उसके बगल में गैब्रिएल का शयनकक्ष था। उसके बिस्तर पर कोई सोया नहीं था, और सोने के बाद उसे ठीक से बिछाया भी नहीं गया था। उसकी अलमारी के फर्श पर मुझे एक काली साटन की पोशाक, एक कभी सफेद रहा रूमाल और काले चमड़े की चप्पलें मिलीं, सभी गीली और कीचड़ से सनी हुई थीं—रूमाल खून से भीगा हुआ था। उसके बाथरूम में—टब में—एक नहाने का तौलिया और एक चेहरे का तौलिया था,

दोनों कीचड़ और खून से सने हुए और अभी भी नम थे। उसकी ड्रेसिंग टेबल पर मोटे सफेद कागज का एक छोटा सा टुकड़ा था जिसे मोड़ा गया था। एक मोड़ पर सफेद पाउडर चिपका हुआ था। मैंने उसे अपनी जीभ से छुआ— मॉर्फिन।
मैं क्वेसाडा वापस गया, अपने जूते और मोजे बदले, नाश्ता किया और कुछ सूखी सिगरेटें लीं, और वहां के क्लर्क से पूछा - वह लड़का काफी सलीकेदार था - कि वहां कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी किसकी है। “मार्शल का नाम डिक कॉटन है,” उसने मुझे बताया; “लेकिन वह कल रात शहर गया था। बेन रॉली का डिप्टी शेरिफ। आप उसे शायद उसके पिता के दफ्तर में पा सकते हैं।”
"वह कहां है?"
"गैरेज के बगल में।"
मुझे वह मिल गया, एक मंजिला लाल ईंटों की इमारत जिसमें चौड़ी कांच की खिड़कियां थीं जिन पर जे. किंग रॉली, रियल एस्टेट, मॉर्टगेज, लोन, स्टॉक और बॉन्ड, बीमा, नोट्स, रोजगार एजेंसी, नोटरी पब्लिक, मूविंग और स्टोरेज, और भी बहुत कुछ लिखा था जो मैं भूल गया हूँ।
अंदर दो आदमी बैठे थे, टूटे-फूटे काउंटर के पीछे एक जर्जर मेज पर पैर रखे हुए। उनमें से एक पचास साल का था—जिसके बाल, आंखें और त्वचा धुंधले से रंगे हुए थे—वह मिलनसार, लक्ष्यहीन सा दिखने वाला, फटे-पुराने कपड़े पहने हुए आदमी था। दूसरा उससे बीस साल छोटा था और बीस साल बाद बिल्कुल उसी की तरह दिखेगा।
मैंने कहा, "मैं डिप्टी शेरिफ की तलाश कर रहा हूँ।"
“मैं,” छोटे आदमी ने कहा और अपने पैर डेस्क से उठाकर ज़मीन पर रख दिए। वह उठा नहीं। इसके बजाय, उसने एक पैर आगे बढ़ाया, कुर्सी को उसके डंडों से पकड़ा, उसे दीवार से खींचा और अपने पैर वापस डेस्क पर रख दिए। “बैठ जाओ। ये पापा हैं,” उसने अंगूठा हिलाते हुए दूसरे आदमी से कहा। “तुम्हें इनकी परवाह करने की ज़रूरत नहीं है।” मैंने पूछा, "क्या आप एरिक कार्टर को जानते हैं?"
“वह आदमी जो हनीमून मनाने टूकर के घर जा रहा है? मुझे नहीं पता था कि उसका पहला नाम एरिक है।”
“एरिक कार्टर,” बड़े रॉली ने कहा; “मैंने उसके लिए किराए की रसीद इसी तरह बनाई थी।”

मैंने उनसे कहा, "उसकी मौत हो गई है। वह कल रात या आज सुबह पहाड़ी रास्ते से गिर गया। यह एक दुर्घटना हो सकती है।"
पिता ने गोल-गोल भूरी आँखों से बेटे की ओर देखा। बेटे ने प्रश्नवाचक भूरी आँखों से मेरी ओर देखा और कहा: "छी, छी, छी।" मैंने उसे एक कार्ड दिया। उसने उसे ध्यान से पढ़ा, पलटकर देखा कि उसके पीछे कुछ भी नहीं लिखा था, और फिर उसे अपने पिता को दे दिया। मैंने सुझाव दिया, "जाकर नीचे जाकर उसे देख लो?"
“मुझे लगता है मुझे ऐसा करना चाहिए,” डिप्टी शेरिफ ने अपनी कुर्सी से उठते हुए सहमति जताई। वह मेरी अपेक्षा से कहीं अधिक हट्टा- कट्टा था—मृत कॉलिंसन लड़के जितना ही बड़ा—और अपने सुस्त शरीर के बावजूद, उसका शरीर सुगठित और गठीला था।
मैं उसके पीछे-पीछे ऑफिस के सामने खड़ी एक धूल भरी कार तक गया। रॉली सीनियर हमारे साथ नहीं गए।
जब हम गाड़ी में सवार थे, तब डिप्टी शेरिफ ने पूछा, "क्या किसी ने आपको इसके बारे में बताया था?"
“मैं उससे अचानक मिल गया। क्या आप जानते हैं कि कार्टर कौन हैं?” "कोई खास व्यक्ति?"
"क्या आपने सैन फ्रांसिस्को मंदिर में हुए रीज़ हत्याकांड के बारे में सुना है?"
"हां, मैंने अखबार पढ़े हैं।"
"मिसेज कार्टर वही गैब्रिएल लेगेट थीं जो उस मामले में शामिल थीं, और कार्टर वही एरिक कॉलिंसन थे।"
“छी, छी, छी,” उसने कहा।
और उससे कुछ हफ्ते पहले उसके पिता और सौतेली माँ की हत्या कर दी गई थी।
“छी, छी, छी,” उसने कहा। “इन्हें क्या हो गया है?”
“परिवार का अभिशाप।”
"यकीन से?"
मुझे नहीं पता था कि वह सवाल कितनी गंभीरता से पूछ रहा था, हालांकि वह काफी गंभीर लग रहा था। मैंने अभी तक उसे ठीक से समझा नहीं था। खैर, चाहे वह मजाकिया हो या नहीं, वह क्वेसाडा में तैनात डिप्टी शेरिफ था, और यह उसकी पार्टी थी। उसे तथ्यों को जानने का पूरा

अधिकार था। मैंने उसे सारी जानकारी दी, जैसे ही हम उबड़-खाबड़ सड़क पर उछलते-कूदते आगे बढ़े, मैंने उसे 1913 के पेरिस से लेकर कुछ घंटे पहले की उस पहाड़ी सड़क तक की सारी बातें बता दीं।
“जब वे रेनो में शादी करके लौटे, तो कॉलिंसन मुझसे मिलने आया। उन्हें हाल्डोर्न परिवार के मुकदमे के लिए वहीं रुकना पड़ा, और वह लड़की को कहीं शांत जगह पर रखना चाहता था: वह अभी भी सदमे में थी। आप ओवेन फिट्ज़स्टेफ़न को जानते हैं ना?”
“वह लेखक जो पिछले साल कुछ समय के लिए यहाँ आया था? हाँ।”
"खैर, उन्होंने ही इस जगह का सुझाव दिया था।"
“मुझे पता है। बूढ़े आदमी ने इसका जिक्र किया था। लेकिन उन्होंने ये छद्म नाम किसलिए रखे?”
"चर्चा से बचने के लिए, और कुछ हद तक, इस तरह की किसी चीज से बचने की कोशिश करने के लिए।"
उसने अस्पष्ट रूप से भौंहें चढ़ाकर पूछा:
"क्या आपका मतलब है कि उन्हें ऐसी किसी चीज़ की उम्मीद थी?"
“खैर, घटनाएँ घटित होने के बाद यह कहना आसान है, ‘मैंने तो पहले ही कहा था’, लेकिन मुझे कभी नहीं लगा कि हमारे पास उन दोनों गड़बड़ियों का जवाब है जिनमें वह फँसी थी। और जवाब न होने पर—आप कैसे बता सकते हैं कि आगे क्या होगा? मुझे उनके इस तरह एकांत में चले जाने पर ज़्यादा हैरानी नहीं हुई, जबकि जो भी उसके ऊपर मंडरा रहा था—अगर कुछ था भी—वह अभी भी मंडरा रहा था, लेकिन कॉलिंसन इसके पक्ष में था। मैंने उससे वादा लिया था कि अगर उसे कुछ भी गड़बड़ लगे तो वह मुझे तार भेजेगा। और उसने भेजा भी।”
रोली ने तीन-चार बार सिर हिलाया, फिर पूछा:
आपको ऐसा क्यों लगता है कि वह चट्टान से नहीं गिरा?
“उन्होंने मुझे बुलवाया। कुछ गड़बड़ थी। इसके अलावा, उनकी पत्नी के आसपास इतनी सारी घटनाएं घटी हैं कि मुझे दुर्घटनाओं पर विश्वास करना मुश्किल लगता है।”
"लेकिन अभिशाप तो है ही," उन्होंने कहा।
“हाँ,” मैंने सहमति जताते हुए उसके अनिश्चित चेहरे को गौर से देखा, अभी भी उसे समझने की कोशिश कर रहा था। “लेकिन दिक्कत ये है कि ये

बहुत अच्छे से, बहुत नियमित रूप से काम कर रहा है। ये पहला ऐसा मामला है जो मैंने देखा है।”
मेरी राय पर उन्होंने कुछ मिनट तक भौंहें चढ़ाईं, फिर गाड़ी रोक दी। “हमें यहीं उतरना होगा: बाकी का रास्ता इतना अच्छा नहीं है।” सच में, रास्ता बिल्कुल भी अच्छा नहीं था। “फिर भी, ऐसे मामले तो सुनने में आते ही हैं। कुछ ऐसी घटनाएं होती हैं जिनसे इंसान को लगता है कि दुनिया में—जीवन में—ऐसी बहुत सी चीजें हैं जिनके बारे में उसे ज्यादा जानकारी नहीं है।” जैसे ही हम पैदल चलने लगे, उन्होंने फिर से भौंहें चढ़ाईं और उन्हें एक शब्द पसंद आया। “यह समझ से परे है,” उन्होंने अपनी बात खत्म की।
मैंने उस बात को वहीं छोड़ दिया।
वह चट्टानी रास्ते पर आगे बढ़ा और जहाँ झाड़ियाँ उखड़ी हुई थीं, वहाँ अपनी मर्जी से रुक गया, एक ऐसी बात जिसका मैंने ज़िक्र नहीं किया था। मैंने कुछ नहीं कहा जबकि वह कोलिंसन के शव को नीचे घूरता रहा, चट्टान के ऊपर-नीचे ध्यान से देखता रहा, और फिर झुककर, अपनी सांवली आँखों से ज़मीन को टकटकी लगाए, रास्ते पर ऊपर-नीचे चलता रहा।
वह दस मिनट या उससे अधिक समय तक इधर-उधर भटकता रहा, फिर सीधा खड़ा हुआ और बोला: "मुझे यहाँ कुछ नहीं मिल रहा है। चलो नीचे चलते हैं।" मैं खाई की ओर वापस जाने लगा, लेकिन उसने कहा कि आगे एक बेहतर रास्ता है। और सच में था। हम उसी रास्ते से नीचे उतरकर मृत व्यक्ति के पास पहुँचे।
रॉली ने लाश से ऊपर रास्ते के किनारे की ओर देखा और शिकायत की: "मुझे समझ नहीं आ रहा कि वह ठीक उस तरह कैसे गिर सकता था।"
“उसने नहीं किया। मैंने उसे पानी से बाहर निकाला,” मैंने कहा और डिप्टी को ठीक वही जगह दिखाई जहाँ मुझे शव मिला था।
“यह ज़्यादा बेहतर रहेगा,” उसने फैसला किया।
मैं एक चट्टान पर बैठकर सिगरेट पी रहा था, जबकि वह चट्टानों, कंकड़ों और रेत को छूकर, हिलाकर और जाँच कर रहा था। उसे कोई सफलता नहीं मिल रही थी।

14

द क्रम्पल्ड क्रिसलर

हम फिर से रास्ते पर चढ़े और कॉलिंसन के घर की ओर चल पड़े। मैंने रोइली को दाग लगे तौलिए, रूमाल, कपड़े और चप्पलें दिखाईं; वह कागज़ जिसमें मॉर्फिन रखी थी; कॉलिंसन के फर्श पर पड़ी बंदूक, छत में छेद और फर्श पर पड़े खाली कारतूस दिखाए।
मैंने कहा, "कुर्सी के नीचे पड़ा वह गोला वहीं था; लेकिन दूसरा - कोने में पड़ा हुआ - जब मैंने उसे पहले देखा था, तब वह यहीं, बंदूक के पास था।"
"क्या आपका मतलब है कि जब आप यहां थे तब से इसे स्थानांतरित कर दिया गया है?"
"हाँ।"
“लेकिन इससे किसी का क्या भला होगा?” उसने आपत्ति जताई।
"मेरी जानकारी में तो ऐसा कुछ नहीं है, लेकिन इसे स्थानांतरित कर दिया गया है।"
उसकी रुचि खत्म हो गई थी। वह छत की ओर देख रहा था। उसने कहा:
“दो शॉट और एक होल। मुझे आश्चर्य हो रहा है। शायद दूसरा शॉट खिड़की से बाहर चला गया।”
वह गैब्रिएल कॉलिंसन के बेडरूम में वापस गया और काले मखमली गाउन की जांच की। उसमें नीचे की तरफ कुछ जगह फटी हुई थी, लेकिन कोई गोली का निशान नहीं था। उसने गाउन नीचे रखा और ड्रेसिंग टेबल से मॉर्फिन का कागज़ उठाया।
“तुम्हें क्या लगता है कि यह यहाँ क्या कर रहा है?” उसने पूछा।

“वह इसका इस्तेमाल करती है। यह उन चीजों में से एक है जो उसकी सौतेली माँ ने उसे सिखाई हैं।”
“छी, छी, छी। ऐसा लग रहा है जैसे उसने ही किया हो।”
"हाँ?"
“तुम जानते हो कि ऐसा ही है। वो नशेड़ी है, है ना? उनके बीच कुछ कहा- सुनी हुई थी, और उसने तुम्हें बुलवाया, और—” वो रुक गया, होंठ सिकोड़े, फिर पूछा: “तुम्हें क्या लगता है कि उसकी हत्या किस समय हुई थी?”
मुझे नहीं पता। शायद कल रात, मेरा इंतजार करते हुए घर लौटते समय। "क्या तुम पूरी रात होटल में ही थे?"
“आज सुबह ग्यारह बजे से लेकर पांच बजे तक। बेशक, मैं इन घंटों के बीच चुपके से निकलकर हत्या को अंजाम देने के लिए काफी समय निकाल सकता था।”
“मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं था,” उन्होंने कहा। “मैं बस सोच रहा था। ये श्रीमती कॉलिंसन-कार्टर दिखने में कैसी महिला हैं? मैंने उन्हें कभी नहीं देखा।”
“वह लगभग बीस साल की है; पाँच फुट चार या पाँच इंच लंबी; दिखने में जितनी पतली लगती है, असल में उतनी नहीं है; हल्के भूरे रंग के छोटे और घुंघराले बाल; बड़ी-बड़ी आँखें जो कभी भूरी तो कभी हरी होती हैं; गोरी त्वचा; माथा नाममात्र का; छोटा मुँह और दाँत; नुकीली ठुड्डी; कानों में लोब नहीं हैं और ऊपर से नुकीले हैं; कुछ महीनों से बीमार है और दिखने में भी ऐसा ही लगता है।”
“उसे उठाना मुश्किल नहीं होना चाहिए,” उसने कहा और दराजों, अलमारियों, संदूकों आदि में झाँकने लगा। मैंने भी अपनी पहली यात्रा में इनमें झाँका था, और मुझे भी कुछ दिलचस्प नहीं मिला था। “लगता नहीं इसने कुछ सामान पैक किया है या अपने साथ कुछ खास ले गई है,” ड्रेसिंग टेबल के पास बैठे मेरे पास वापस आकर उसने कहा। उसने मेज पर रखे मोनोग्राम वाले चांदी के टॉयलेट सेट की ओर अपनी मोटी उंगली से इशारा करते हुए पूछा, “जी.डी.एल. किस लिए है?”
"शादी से पहले उनका नाम गैब्रिएल समथिंग लेगेट था।"
“ओह, हाँ। मुझे लगता है वो कार में चली गई। हैं?”
मैंने पूछा, "क्या यहाँ भी एक था?"

“जब वह चल नहीं पाता था, तब वह क्रिसलर रोडस्टर में शहर आता था। वह उसे केवल पूर्वी सड़क से ही बाहर ले जा सकती थी। हम उस तरफ जाकर देखेंगे।”
बाहर, मैं इंतज़ार करता रहा जबकि वह घर के चारों ओर चक्कर लगाता रहा, लेकिन उसे कुछ नहीं मिला। एक शेड के सामने, जहाँ स्पष्ट रूप से एक कार रखी गई थी, उसने कुछ पटरियों की ओर इशारा किया और कहा, "आज सुबह गाड़ी चली गई।" मैंने उसकी बात पर विश्वास कर लिया।
हम एक कच्ची सड़क से चलकर एक बजरी वाली सड़क पर पहुँचे, और उस पर लगभग एक मील चलकर लाल रंग की कृषि इमारतों के समूह में स्थित एक भूरे रंग के मकान तक पहुँचे। एक दुबला-पतला, ऊँचे कंधों वाला आदमी, जो थोड़ा लंगड़ाकर चलता था, मकान के पीछे एक पंप में तेल भर रहा था। रॉली उसे देब्रो कहकर पुकारता था।
“हाँ, बेन,” उसने रॉली के सवाल का जवाब दिया। “वह आज सुबह करीब सात बजे यहाँ से गुजरी थी, एकदम तेज रफ्तार से। कार में और कोई नहीं था।”
मैंने पूछा, "उसने क्या पहना था?"
"उसने कोई टोपी नहीं पहनी थी और उसने भूरे रंग का कोट पहना हुआ था।" मैंने उनसे पूछा कि वे कार्टर परिवार के बारे में क्या जानते हैं: वे उनके सबसे करीबी पड़ोसी थे। उन्हें उनके बारे में कुछ भी नहीं पता था। उन्होंने कार्टर से दो-तीन बार बात की थी और उन्हें एक मिलनसार नौजवान समझा था। एक बार वे उनकी पत्नी को श्रीमती कार्टर से मिलने ले गए थे, लेकिन कार्टर ने बताया कि वे लेटी हुई हैं और उनकी तबीयत ठीक नहीं है। देब्रो परिवार में से किसी ने भी उन्हें दूर से ही देखा था, सिवाय उनके पति के साथ चलते या सवारी करते हुए। उन्होंने अपनी बात समाप्त करते हुए कहा, "मुझे नहीं लगता कि यहाँ आस-पास कोई ऐसा है जिसने उससे बात की हो, सिवाय मैरी नुनेज़ के।" “क्या मैरी उनके लिए काम करती है?” डिप्टी ने पूछा।
“हाँ। क्या बात है, बेन? क्या वहाँ कुछ गड़बड़ है?”
"वह कल रात चट्टान से गिर गया, और वह किसी को कुछ बताए बिना चली गई।" देब्रो ने सीटी बजाई।
रॉली, शेरिफ को सूचना देने के लिए डेब्रो का फोन इस्तेमाल करने घर के अंदर गया। मैं डेब्रो के साथ बाहर ही रुका रहा, उससे और जानकारी

लेने की कोशिश करता रहा—कम से कम उसकी राय तो जान ही सकता था। मुझे बस हैरानी भरे भाव ही मिले।
फोन पर बात करने के बाद डिप्टी ने कहा, "हम जाकर मैरी को देखते हैं।" फिर, जब हम देब्रो से निकलकर सड़क पार कर चुके थे और पेड़ों के झुंड की ओर एक खेत से होते हुए चल रहे थे, तब उन्होंने कहा, "अजीब बात है कि वह वहाँ नहीं थी।"
"वह कॉन हे?"
“एक मैक्सिकन महिला बाकी लोगों के साथ घाटी में रहती है। उसका प्रेमी, पेड्रो नुनेज़, दो-तीन साल पहले एक अपहरण की घटना में डन नाम के एक शराब तस्कर की हत्या करने के जुर्म में फोल्सम जेल में उम्रकैद की सजा काट रहा है।”
“स्थानीय हत्या?”
"हाँ। यह घटना टूकर के घर के सामने खाड़ी में हुई थी।"
हम पेड़ों के बीच से होते हुए ढलान से नीचे उतरे, जहाँ एक नाले के किनारे मालगाड़ियों जैसी दिखने वाली आधी दर्जन झोपड़ियाँ कतार में बनी हुई थीं, जिनके पीछे सब्जियों के बगीचे फैले हुए थे। गुलाबी चेक वाली पोशाक पहने एक दुबली-पतली मैक्सिकन महिला एक खाली डिब्बाबंद सूप के डिब्बे पर बैठी मक्के के भुट्टे का पाइप पी रही थी और एक भूरे रंग के बच्चे को सहला रही थी। फटे-पुराने कपड़े पहने गंदे बच्चे इमारतों के बीच खेल रहे थे, और उनके साथ गंदे-मैले कुत्ते शोर मचा रहे थे। एक बगीचे में नीले रंग के ओवरऑल पहने एक भूरा आदमी बड़ी मुश्किल से कुदाल चला रहा था।
बच्चे खेलना बंद करके मुझे और रॉली को सुविधाजनक रूप से रखे पत्थरों पर से नदी पार करते हुए देखने लगे। कुत्ते भौंकते हुए हमारी ओर आए, हमारे चारों ओर गुर्राते और झपटते रहे, जब तक कि एक लड़के ने उन्हें भगा नहीं दिया। हम बच्चे वाली महिला के सामने रुक गए। डिप्टी ने बच्चे की ओर देखकर मुस्कुराते हुए कहा:
"वाह वाह, ये तो बिल्कुल तगड़ा आदमी बनता जा रहा है!"
महिला ने शिकायत करने के लिए कुछ देर के लिए अपने मुंह से पाइप निकाला:
"हर समय पेट में दर्द रहता है।"
“छी, छी, छी। मैरी नुनेज़ कहाँ है?”

पाइप का सिरा अगली झोपड़ी की ओर इशारा कर रहा था।
उन्होंने कहा, "मुझे लगा कि वह टूकर के यहाँ उन लोगों के लिए काम कर रही थी।"
"कभी-कभी," महिला ने उदासीनता से उत्तर दिया।
हम अगली झोपड़ी में गए। एक बूढ़ी औरत, जिसने भूरे रंग का दुपट्टा ओढ़ा हुआ था, दरवाजे पर आई और पीले कटोरे में कुछ चलाते हुए हमें देखने लगी।
“मैरी कहाँ है?” डिप्टी ने पूछा।
उसने झोपड़ी के अंदर की ओर कंधे के ऊपर से बात की और एक तरफ हट गई ताकि दूसरी महिला दरवाजे पर उसकी जगह ले सके। यह दूसरी महिला कद में छोटी और मजबूत कद-काठी की थी, लगभग तीस वर्ष की, चौड़े और सपाट चेहरे पर गहरी, समझदार आँखें थीं। उसने अपने गले पर एक गहरा कंबल कसकर पकड़ रखा था। कंबल उसके चारों ओर फर्श तक लटका हुआ था। “नमस्ते मैरी,” रॉली ने उसका अभिवादन किया। “तुम कार्टर के घर क्यों नहीं गई?”
“मैं बीमार हूँ, श्रीमान रॉली।” उसने बिना किसी लहजे के कहा। “ठंड लग रही है—इसलिए मैं आज घर पर ही रही।”
“अरे बाप रे! ये तो बहुत बुरा हुआ। क्या आपने डॉक्टर को दिखाया?” उसने कहा कि उसने डॉक्टर को नहीं दिखाया है। रॉली ने कहा कि उसे दिखाना चाहिए। उसने कहा कि उसे डॉक्टर की ज़रूरत नहीं है: उसे अक्सर ठंड लगती है। रॉली ने कहा कि ऐसा हो सकता है, लेकिन यही तो उसे डॉक्टर के पास रखने का सबसे अच्छा कारण है: सावधानी बरतना और ऐसी चीज़ों का ध्यान रखना सबसे अच्छा है। उसने कहा हाँ, लेकिन डॉक्टर बहुत पैसे लेते हैं, और बीमार होना वैसे भी काफी बुरा है, ऊपर से इसके लिए पैसे खर्च करना और भी बुरा है। उसने कहा कि लंबे समय में, डॉक्टर न रखने की तुलना में डॉक्टर रखना लोगों के लिए ज़्यादा महंगा पड़ सकता है। मुझे लगने लगा था कि वे दिन भर यही बहस करते रहेंगे, तभी रॉली ने आखिरकार फिर से कार्टर परिवार की ओर बात मोड़ी और उस महिला से उसके काम के बारे में पूछा।
उसने हमें बताया कि उसे दो हफ्ते पहले काम पर रखा गया था, जब उन्होंने वह घर लिया था। वह हर सुबह नौ बजे वहाँ जाती थी—वे लोग दस बजे से पहले कभी नहीं उठते थे—खाना बनाती थी, घर का काम करती थी और

“कौन सी बात किस बात का निपटारा करती है?”
"उसकी पत्नी ने उसकी हत्या की।"
"क्या तुम्हें लगता है कि उसने ऐसा किया?"
"तो क्या आप।"
मैंने कहा: "नहीं।"
रोइली चलना बंद करके मेरी ओर अस्पष्ट, चिंतित आँखों से देखने लगा। “अब तुम ऐसा कैसे कह सकते हो?” उसने विरोध करते हुए कहा। “क्या वह नशेड़ी नहीं थी? और तुम्हारे कहने के अनुसार तो वह पागल भी थी? क्या वह भाग नहीं गई थी? क्या जो चीजें वह पीछे छोड़ गई थीं, वे फटी, गंदी और खून से सनी नहीं थीं? क्या उसने उसे जान से मारने की इतनी धमकी नहीं दी थी कि वह डर गया और तुम्हें बुलवाया?”
मैंने कहा, “मैरी ने धमकियाँ नहीं सुनीं। वे चेतावनी थीं—श्राप के बारे में। गैब्रिएल कॉलिंसन को उस पर पूरा विश्वास था, और वह उस पर इतना भरोसा करती थी कि उसे उससे बचाने की कोशिश की। मैं पहले भी उसके साथ इस स्थिति से गुज़र चुकी हूँ। इसीलिए अगर वह उसे उस समय अगवा न कर लेता जब वह इतनी घबराई हुई थी कि उसे कुछ समझ नहीं आ रहा था, तो वह उससे शादी नहीं करती। और इसी वजह से वह बाद में डर गई थी।” लेकिन कौन यकीन करेगा—?
“मैं किसी से कुछ भी मानने को नहीं कह रहा,” मैं गुर्राते हुए आगे बढ़ा। “मैं आपको वही बता रहा हूँ जो मैं मानता हूँ। और इसी के साथ मैं आपको यह भी बता दूँ कि मुझे लगता है कि मैरी नुनेज़ झूठ बोल रही है जब वह कहती है कि वह आज सुबह घर नहीं गई थी। हो सकता है कि कॉलिंसन की मौत से उसका कोई लेना-देना न हो। हो सकता है कि वह बस वहाँ गई हो, कॉलिंसन को वहाँ न पाया हो, खून से लथपथ चीज़ें और बंदूक देखी हो—अनजाने में उस खाली कारतूस को ज़मीन पर लात मार दी हो—और फिर अपनी झोपड़ी में वापस भाग गई हो, और खुद को बचाने के लिए डर का बहाना बना लिया हो; क्योंकि उसके पति को भेजे जाने के बाद से ही उसे इस तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ा था। हो सकता है ऐसा न हो। खैर, उसकी जगह पर उसकी जैसी दस में से नौ औरतें ऐसा ही करतीं; और मुझे और सबूत चाहिए इससे पहले कि मैं मान लूँ कि आज सुबह उसे बस यूँ ही डर लग गया था।”

“अच्छा,” डिप्टी शेरिफ ने पूछा; “अगर उसका इससे कोई लेना-देना नहीं था, तो फिर इन सब बातों से क्या फर्क पड़ता है?”
उस समय तक मैंने जो भी जवाब सोचे थे, वे अश्लील और अपमानजनक थे। मैंने उन्हें अपने तक ही सीमित रखा।
डेब्रो के यहाँ फिर से, हमने कम से कम तीन अलग-अलग कंपनियों की एक खस्ताहाल टूरिंग कार उधार ली और क्रिसलर वाली लड़की को ढूँढ़ने की कोशिश में पूर्वी सड़क पर चल पड़े। हमारा पहला पड़ाव क्लाउड बेकर नाम के एक आदमी के घर पर था। वह दुबला-पतला, पीला पड़ा हुआ, नुकीला चेहरा लिए हुए था, मानो उसने तीन-चार दिन पहले ही शेव की हो। उसकी पत्नी शायद उससे छोटी थी, लेकिन उम्र में बड़ी दिखती थी—एक थकी हुई और मुरझाई हुई पतली औरत, जो कभी खूबसूरत रही होगी। उनके छह बच्चों में सबसे बड़ी दस साल की एक टेढ़े पैरों वाली, झाइयों वाली लड़की थी; सबसे छोटा एक मोटा और शोर मचाने वाला बच्चा था, जो अभी एक साल का ही था। बीच के कुछ बच्चे लड़के थे और कुछ लड़कियाँ, लेकिन सभी को सर्दी-ज़ुकाम था। पूरा बेकर परिवार हमें लेने के लिए बरामदे में आ गया। उन्होंने कहा कि उन्होंने उसे नहीं देखा था: वे कभी भी सुबह सात बजे नहीं उठते थे। वे कार्टर परिवार को जानते तो थे, लेकिन उनके बारे में कुछ नहीं जानते थे। उन्होंने रॉली और मुझसे ज़्यादा सवाल पूछे।
बेकर के घर से कुछ ही आगे सड़क बजरी से डामर में बदल गई। क्रिसलर के पैरों के निशानों से ऐसा लग रहा था कि सड़क पर आखिरी कार वही थी। बेकर के घर से दो मील दूर हम गुलाब की झाड़ियों से घिरे एक छोटे से चमकीले हरे घर के सामने रुके। रॉली जोर-जोर से रोने लगा:
“हैरो! अरे, हैरो!”
लगभग पैंतीस साल का एक हट्टा-कट्टा आदमी दरवाजे पर आया, बोला, "हैलो, बेन," और गुलाब की झाड़ियों के बीच से चलकर हमारी कार तक आ गया। उसकी आवाज़ और चेहरे पर भारीपन साफ झलक रहा था, और वह सोच-समझकर चलता और बोलता था। उसका उपनाम व्हिडन था। रॉली ने उससे पूछा कि क्या उसने क्रिसलर कार देखी है।
“हां, बेन, मैंने उन्हें देखा,” उसने कहा। “वे आज सुबह करीब सवा सात बजे यहाँ से गुज़रे, कुछ पी रहे थे।”
“वे?” मैंने पूछा, तभी रॉली ने पूछा: “वे?”

“उसमें एक पुरुष और एक महिला—या एक लड़की—थी। मैंने उन्हें ठीक से नहीं देखा—बस उन्हें तेज़ी से गुज़रते हुए देखा। वह गाड़ी चला रही थी, यहाँ से देखने पर वह एक छोटी कद की महिला लग रही थी, उसके बाल भूरे थे।”
वह आदमी कैसा दिखता था?
"ओह, वह शायद चालीस साल का होगा, और देखने में भी बहुत बड़ा नहीं लग रहा था। उसका चेहरा गुलाबी था, और उसने ग्रे रंग का कोट और टोपी पहन रखी थी।"
मैंने पूछा, "क्या आपने कभी श्रीमती कार्टर को देखा है?"
“क्या वो दुल्हन खाड़ी के किनारे रहती है? नहीं। मैंने उसे देखा था, लेकिन उसे नहीं। क्या वो वही थी?”
मैंने कहा कि हमें ऐसा ही लगा था।
उन्होंने कहा, "वह आदमी वह नहीं था। वह कोई ऐसा व्यक्ति था जिसे मैंने पहले कभी नहीं देखा था।"
"अगर आप उसे दोबारा देखें तो क्या आप उसे पहचान पाएंगे?"
"मुझे लगता है कि मैं भी ऐसा ही करता—अगर मैं उसे उस तरह से गुजरते हुए देखता।"
व्हिडन के घर से चार मील आगे हमें क्रिसलर कार मिली। वह सड़क से एक-दो फुट दूर, बाईं ओर खड़ी थी, उसका रेडिएटर एक यूकेलिप्टस के पेड़ में फंसा हुआ था। उसका सारा शीशा चकनाचूर हो चुका था, और आगे का एक तिहाई हिस्सा बुरी तरह से क्षतिग्रस्त था। कार खाली थी। उसमें खून का कोई निशान नहीं था। ऐसा लग रहा था कि डिप्टी शेरिफ और मैं ही आस-पास मौजूद थे।
हम इधर-उधर चक्कर लगाते रहे, ज़मीन पर नज़र गड़ाए रहे, और जब सब ठीक हुआ तो हमें वही पता चला जो शुरू में पता था—क्राइस्लर एक यूकेलिप्टस के पेड़ से टकरा गई थी। सड़क पर टायर के निशान थे, और कार के पैरों के निशान जैसे दिख रहे थे; लेकिन इस तरह के निशान उस सड़क पर या किसी भी दूसरी सड़क पर सौ जगहों पर मिल सकते थे। हम अपनी उधार ली हुई कार में फिर से बैठे और आगे बढ़ गए, जहाँ भी कोई सवाल करने को मिलता, पूछते जाते; और सभी जवाब एक ही थे: नहीं, हमने उसे या उन्हें नहीं देखा।

“उस बेकर के बारे में क्या?” मैंने रोली से पूछा जब हम वापस जाने के लिए मुड़े। “डेब्रो ने उसे अकेले देखा था। जब वह व्हिडन के यहाँ से गुज़री तो उसके साथ एक आदमी था। बेकर्स ने कुछ नहीं देखा, और यह उनके इलाके में ही हुआ होगा कि वह आदमी उसके साथ शामिल हो गया।” “खैर,” उसने तर्कपूर्ण लहजे में कहा, “ऐसा हो भी सकता था, है ना?” "हां, लेकिन उनसे थोड़ी और बातचीत करना अच्छा विचार हो सकता है।" “अगर आप चाहें तो,” उन्होंने बिना उत्साह दिखाए सहमति जताई। “लेकिन मुझे उनके साथ किसी भी बहस में मत घसीटना। वह मेरी पत्नी का भाई है।”
इससे फर्क पड़ा। मैंने पूछा:
वह किस तरह का आदमी है?
"क्लॉड थोड़ा लापरवाह टाइप का है, ठीक है। जैसा कि बूढ़े आदमी ने कहा, वह अपने उस खेत में बच्चों के अलावा और कुछ खास पाल-पोस नहीं पाता, लेकिन मैंने कभी नहीं सुना कि उसने किसी को कोई नुकसान पहुंचाया हो।"
मैंने झूठ बोला, "अगर आप कहते हैं कि वह ठीक है, तो मेरे लिए इतना ही काफी है। हम उसे परेशान नहीं करेंगे।"

मैंने उसे मार डाला है

शेरिफ फीनी, जो मोटे, लाल चेहरे वाले और घनी भूरी मूंछों वाले थे, और जिला अटॉर्नी वर्नोन, जो तीखे नैन-नक्श वाले, आक्रामक और प्रसिद्धि के भूखे थे, काउंटी मुख्यालय से आए। उन्होंने हमारी कहानियां सुनीं, मामले की छानबीन की और रॉली की बात से सहमत हुए कि गैब्रिएल कॉलिंसन ने अपने पति की हत्या की थी। जब मार्शल डिक कॉटन —चालीस वर्ष की आयु का एक अभिमानी, बुद्धिहीन व्यक्ति—सैन फ्रांसिस्को से लौटा, तो उसने भी अपना मत दूसरों के मत में मिला दिया। कोरोनर और उनकी जूरी भी इसी निष्कर्ष पर पहुंचे, हालांकि आधिकारिक तौर पर उन्होंने खुद को सामान्य "अज्ञात व्यक्ति या व्यक्तियों" तक ही सीमित रखा, और लड़की से संबंधित सिफारिशें दीं। कॉलिंसन की मृत्यु शुक्रवार रात आठ से नौ बजे के बीच हुई थी। उनके शरीर पर गिरने के अलावा कोई और चोट के निशान नहीं मिले थे। उनके कमरे से मिली पिस्तौल उन्हीं की थी। उस पर कोई उंगलियों के निशान नहीं थे। मुझे लगा कि काउंटी के कुछ अधिकारियों को मुझ पर शक था कि मैंने ही यह सब किया है, हालांकि किसी ने इस बारे में कुछ नहीं कहा। मैरी नुनेज़ ठंड लगने के कारण घर में रहने की अपनी कहानी पर अड़ी रहीं। उनके पास कई मैक्सिकन गवाह थे जो उनकी बात का समर्थन करते थे। मुझे कोई ऐसा गवाह नहीं मिला जो उनकी कहानी में कोई कमी निकाल सके। व्हिडन ने जिस आदमी को देखा था, उसका हमें कोई सुराग नहीं मिला। मैंने बेकर्स से फिर संपर्क करने की कोशिश की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। मार्शल की पत्नी, एक दुबली-पतली जवान महिला, जिसका चेहरा नाजुक और सुंदर था और व्यवहार शर्मीला था, जो टेलीग्राफ कार्यालय में काम करती थी, ने बताया कि कॉलिंसन ने शुक्रवार सुबह जल्दी मुझे अपना तार भेजा था। उन्होंने कहा कि वह पीला और कांप रहा था, उसकी आंखें लाल और काली थीं। उन्होंने अनुमान लगाया कि वह नशे में था, हालांकि उन्होंने उसकी सांसों से शराब की गंध नहीं ली थी। कॉलिंसन के पिता और भाई सैन फ्रांसिस्को से आए थे। पिता ह्यूबर्ट कॉलिंसन एक बड़े, शांत स्वभाव के व्यक्ति थे, जो प्रशांत तट की लकड़ी से जितना चाहें उतना और लाखों कमा सकते थे। लॉरेंस कॉलिंसन

अपने मृत भाई से एक-दो साल बड़े थे और दिखने में काफी हद तक उन्हीं की तरह थे। दोनों कॉलिंसन इस बात का पूरा ध्यान रख रहे थे कि वे कुछ भी ऐसा न कहें जिससे यह लगे कि वे गैब्रिएल को एरिक की मौत के लिए जिम्मेदार मानते हैं, लेकिन इसमें कोई संदेह नहीं था कि वे ऐसा ही सोचते थे।
ह्यूबर्ट कॉलिंसन ने मुझसे धीरे से कहा, "आगे बढ़ो; इसकी तह तक जाओ;" और इस तरह वह चौथा ग्राहक बन गया जिसके लिए एजेंसी गैब्रिएल के मामलों से चिंतित थी।
मैडिसन एंड्रयूज सैन फ्रांसिस्को से आए थे। उन्होंने और मैंने मेरे होटल के कमरे में बातचीत की। वे खिड़की के पास एक कुर्सी पर बैठे, पीले रंग के एक पैकेट से तंबाकू का एक टुकड़ा काटा, उसे अपने मुंह में डाला और यह निष्कर्ष निकाला कि कोलिंसन ने आत्महत्या कर ली थी।
मैं पलंग के किनारे बैठ गया, एक फातिमा को आग लगा दी और उसका खंडन किया:
"अगर वह स्वेच्छा से गया होता तो उसने झाड़ियों को नहीं खोदा होता।"
“फिर यह एक दुर्घटना थी। अंधेरे में उस सड़क पर चलना खतरनाक था।” मैंने कहा, "मैंने दुर्घटनाओं पर विश्वास करना छोड़ दिया है। उसने मुझे SOS संदेश भेजा था। और उसके कमरे में गोली चलने की घटना हुई थी।"
वह अपनी कुर्सी पर आगे की ओर झुक गया। उसकी आँखें कठोर और चौकस थीं। वह एक वकील था जो गवाह से जिरह कर रहा था।
"क्या आपको लगता है कि गैब्रिएल इसके लिए जिम्मेदार थी?"
मैं इतनी दूर तक नहीं जाऊंगा। मैंने कहा:
“उसकी हत्या कर दी गई थी। उसकी हत्या—मैंने तुम्हें दो हफ्ते पहले ही बताया था कि हम उस शापित अभिशाप से अभी पूरी तरह मुक्त नहीं हुए हैं, और इससे छुटकारा पाने का एकमात्र तरीका मंदिर के मामले की तह तक छानबीन करना है।”
“हाँ, मुझे याद है,” उसने बिना व्यंग्य किए कहा। “आपने यह सिद्धांत पेश किया था कि उसके माता-पिता की मृत्यु और हाल्डोर्न परिवार में उसे झेलनी पड़ी परेशानियों के बीच कोई संबंध था; लेकिन, जहाँ तक

मुझे याद है, आपको इस बात का कोई अंदाजा नहीं था कि वह संबंध क्या हो सकता है। क्या आपको नहीं लगता कि इस कमी के कारण आपका सिद्धांत थोड़ा—कहें—बेकार हो जाता है?”
“क्या सच में? उसके पिता, सौतेली माँ, डॉक्टर और पति, एक के बाद एक, दो महीने से भी कम समय में मारे गए; और उसकी नौकरानी को हत्या के आरोप में जेल हो गई। उसके सभी करीबी लोग। क्या यह किसी साजिश जैसा नहीं लगता? और”—मैंने मुस्कुराते हुए उससे कहा—“क्या तुम्हें यकीन है कि यह मामला और आगे नहीं बढ़ेगा? और अगर बढ़ता है, तो क्या तुम उसके सबसे करीबी लोगों में से एक नहीं हो?”
“बेतुका!” अब वह बहुत नाराज़ था। “हम उसके माता-पिता की मौत के बारे में जानते हैं, और रीज़ की मौत के बारे में भी, और यह भी कि इन दोनों के बीच कोई संबंध नहीं था। हम जानते हैं कि रीज़ की हत्या के लिए ज़िम्मेदार लोग या तो मर चुके हैं या जेल में हैं। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता। इन अपराधों के बीच कोई संबंध न होने के बावजूद, इन्हें आपस में जोड़ना सरासर बेतुका है।”
मैंने जोर देकर कहा, “हमें इस बारे में कुछ भी पता नहीं है। हम सिर्फ इतना जानते हैं कि हमें कोई कड़ी नहीं मिली है। जो कुछ हुआ है उससे किसे फायदा हो रहा है—या होने की उम्मीद कौन कर सकता है?” "जहां तक मुझे पता है, अभी तक एक भी व्यक्ति नहीं।"
“मान लीजिए कि उसकी मृत्यु हो गई? तो संपत्ति किसे मिलेगी?”
मुझे नहीं पता। शायद इंग्लैंड या फ्रांस में उनके दूर के रिश्तेदार हों।
“इससे हमें कुछ खास फायदा नहीं होगा,” मैंने गुस्से से कहा। “वैसे भी, किसी ने उसे जान से मारने की कोशिश नहीं की है। नकली सामान तो उसके दोस्तों को मिलता है।”
वकील ने मुझे कड़वे लहजे में याद दिलाया कि जब तक हम उसे ढूंढ नहीं लेते, तब तक हम यह नहीं कह सकते कि किसी ने उसे मारने की कोशिश नहीं की थी—या उसमें सफल नहीं हुए थे। मैं उससे इस बारे में बहस नहीं कर सकता था। उसका सुराग वहीं खत्म होता था जहाँ यूकेलिप्टस के पेड़ ने क्रिसलर कार को रोका था।
मैंने उसके जाने से पहले उसे एक सलाह दी:

उसे यह न बताया होता कि मैं तुम्हारे आने की उम्मीद कर रहा हूँ, तो वह तुम्हें ढूंढने के लिए क्वेसाडा चला जाता।”
मैंने फिट्जस्टेफन के नंबर पर कॉल किया।
“ऊपर आओ,” उसने कहा। “मेरे पास कुछ है। मुझे नहीं पता कि यह कोई नई पहेली है या किसी पहेली की कुंजी; लेकिन यह कुछ तो है।”
मैं केबल कार से नोब हिल तक गया और पंद्रह मिनट के भीतर उसके अपार्टमेंट में पहुँच गया।
“ठीक है, शुरू करो,” मैंने कहा जब हम उसके कागजों, पत्रिकाओं और किताबों से भरे बैठक कक्ष में बैठ गए।
“गैब्रिएल का कोई सुराग मिला क्या?” उसने पूछा।
नहीं। लेकिन पहेली को धीरे-धीरे सुलझाओ। मेरे साथ साहित्यिक तरीके से पेश मत आओ, चरमोत्कर्ष तक पहुंचने की कोशिश मत करो। मैं इसके लिए बहुत भद्दा हूँ—इससे तो मेरा पेट दर्द हो जाएगा। बस इसे धीरे-धीरे बताओ।
“तुम हमेशा वही रहोगे जो तुम हो,” उसने निराश और नाराज़ दिखने की कोशिश करते हुए कहा, लेकिन सफल नहीं हो पाया क्योंकि वह अंदर ही अंदर किसी बात को लेकर बहुत उत्साहित था। “शनिवार की सुबह डेढ़ बजे किसी ने मुझे फोन किया। उसने पूछा: ‘क्या यह फिट्ज़स्टेफ़न है?’ मैंने कहा: ‘हाँ;’ और फिर आवाज़ आई: ‘मैंने उसे मार डाला है।’ उसने ये शब्द बिल्कुल ऐसे ही कहे। मुझे ठीक-ठीक शब्द याद हैं, हालाँकि वे बहुत स्पष्ट नहीं थे। लाइन पर बहुत शोर था, और आवाज़ दूर से आती हुई लग रही थी।”
मुझे नहीं पता था कि वो कौन है—वो किस बारे में बात कर रहा है। मैंने पूछा: ‘किसको मारा? ये कौन है?’ मुझे उसके जवाब का कुछ भी समझ नहीं आया सिवाय ‘पैसा’ शब्द के। उसने पैसे के बारे में कुछ कहा, कई बार दोहराया, लेकिन मुझे बस वही एक शब्द समझ आया। यहाँ कुछ लोग थे— मार्क्वार्ड्स, लौरा जॉइन्स अपने साथ लाए एक आदमी के साथ, टेड और सू वैन स्लैक—और हम सब एक साहित्यिक बहस में उलझे हुए थे। मेरे मन में एक चुटकुला था—कैबेल के बारे में कि वो उसी अर्थ में रोमांटिक है जिस अर्थ में लकड़ी का घोड़ा ट्रोजन था—और मैं नहीं चाहता था कि फोन पर बात कर रहे इस शराबी मसखरे, या जो भी वो था, की वजह से मेरा ये

मौका छिन जाए। मुझे उसकी बात बिल्कुल समझ नहीं आई, इसलिए मैंने फोन काट दिया और अपने मेहमानों के पास वापस चला गया।
“कल सुबह तक मुझे कभी यह ख्याल भी नहीं आया कि उस फोन कॉल का कोई मतलब हो सकता है, जब तक मैंने कॉलिंसन की मौत की खबर नहीं पढ़ी। मैं रॉस में कोलमैन के घर पर था। मैं शनिवार सुबह वीकेंड के लिए वहाँ गया था, आखिरकार राल्फ को मनाकर।” वह मुस्कुराया। “और मैंने उसे इतना खुश कर दिया कि वह आज सुबह मुझे जाते हुए देखकर बहुत खुश हुआ।” वह फिर गंभीर हो गया। “कॉलिंसन की मौत की खबर सुनने के बाद भी, मुझे यकीन नहीं था कि मेरी फोन कॉल का कोई महत्व था, कोई मतलब था। यह तो बस एक छोटी सी बात थी। लेकिन बेशक मैं आपको इसके बारे में बताना चाहता था। लेकिन देखिए—आज सुबह जब मैं घर पहुँचा तो यह मेरे मेल में था।”
उसने अपनी जेब से एक लिफाफा निकाला और मेरी तरफ फेंक दिया। यह एक सस्ता और चमकदार सफेद लिफाफा था, जैसा कि कहीं भी मिल जाता है। इसके कोने काले और मुड़े हुए थे, मानो इसे कुछ समय तक जेब में रखा गया हो। इस पर फिट्ज़स्टेफ़न का नाम और पता एक कठोर पेंसिल से किसी ऐसे व्यक्ति ने छापा था जो प्रिंटिंग में माहिर नहीं था, या जो ऐसा दिखना चाहता था। इस पर शनिवार सुबह नौ बजे सैन फ्रांसिस्को की मुहर लगी थी। अंदर भूरे रंग के रैपिंग पेपर का एक गंदा और टेढ़ा- मेढ़ा फटा हुआ टुकड़ा था, जिस पर एक वाक्य—पते की तरह ही पेंसिल से खराब तरीके से लिखा हुआ—था:
जो कोई भी श्रीमती कार्टर को पाना चाहता है, वह 10000 डॉलर का भुगतान करके उन्हें प्राप्त कर सकता है।

उसमें न तो तारीख थी, न ही अभिवादन, न ही हस्ताक्षर।
मैंने कहा, “उसे शनिवार सुबह सात बजे तक अकेले गाड़ी चलाते हुए देखा गया था। यह पत्र यहाँ, अस्सी मील दूर, समय पर भेजा गया था ताकि इस पर नौ बजे की मुहर लग सके—मान लीजिए, सुबह के पहले डाक संग्रह बॉक्स से निकाला गया था। यह तो झुर्रियाँ पड़ने वाली बात है। लेकिन यह उससे भी ज्यादा मजेदार है कि यह पत्र एंड्रयूज के बजाय आपके पास आया है, जो उसके मामलों का प्रभारी है, या उसके ससुर के पास, जिसके पास सबसे ज्यादा पैसा है।”
“यह मज़ेदार भी है और नहीं भी,” फिट्ज़स्टेफ़ान ने जवाब दिया। उनका दुबला-पतला चेहरा उत्सुक था। “शायद इसमें कुछ उम्मीद की किरण हो।

आपको पता है, मैंने कॉलिंसन को क्वेसाडा की सिफ़ारिश की थी, क्योंकि मैंने पिछली बसंत में वहाँ कुछ महीने बिताकर 'द वॉल ऑफ़ अशदोद' पूरी की थी। मैंने उन्हें रॉली नाम के एक रियल एस्टेट डीलर का कार्ड दिया था—जो डिप्टी शेरिफ के पिता थे—और उनका परिचय एरिक कार्टर के रूप में कराया था। क्वेसाडा के किसी निवासी को शायद यह पता न हो कि वह गैब्रिएल कॉलिंसन, नी लेगेट हैं। ऐसे में उन्हें मेरे अलावा उनके परिवार वालों से संपर्क करने का कोई और तरीका नहीं पता होगा, क्योंकि मैंने ही उन्हें और उनके पति को वहाँ भेजा था। इसलिए पत्र मुझे भेजा गया, लेकिन उसकी शुरुआत में लिखा था, 'कोई भी व्यक्ति जो इच्छुक हो, उसे आगे भेज दिया जाए।'”
मैंने धीरे से कहा, "हो सकता है कि यह काम किसी स्थानीय निवासी ने किया हो; या फिर किसी अपहरणकर्ता ने किया हो जो हमें यह यकीन दिलाना चाहता था कि वह स्थानीय निवासी है, और यह नहीं चाहता था कि हम यह सोचें कि वह कोलिंसन परिवार को जानता है।"
“बिल्कुल सही। और जहाँ तक मुझे पता है, यहाँ के किसी भी स्थानीय व्यक्ति को मेरा पता नहीं पता था।”
"रोली के बारे में क्या ख्याल है?"
"ऐसा तभी हो सकता था जब कॉलिंसन ने उसे दिया हो। मैंने तो बस कार्ड के पीछे प्रस्तावना लिख दी थी।"
मैंने पूछा, "क्या तुमने उस फोन कॉल और इस पत्र के बारे में किसी और से कुछ कहा?"
“मैंने शुक्रवार रात यहाँ मौजूद लोगों से उस कॉल का ज़िक्र किया था —जब मुझे लगा कि यह कोई मज़ाक या गलती थी। मैंने इसे किसी और को नहीं दिखाया है। दरअसल,” उन्होंने कहा, “मुझे इसे दिखाने में थोड़ी शंका थी—और अभी भी है। क्या इससे मुझे कोई परेशानी होगी?”
“हाँ, ऐसा ही होगा। लेकिन आपको इससे कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। मुझे लगा था कि आपको मुसीबतों का प्रत्यक्ष अनुभव पसंद है। बेहतर होगा कि आप मुझे अपने मेहमानों के नाम और पते बता दें। अगर वे और कोलमैन शुक्रवार रात और सप्ताहांत में आपके ठिकाने के बारे में जानकारी देते हैं, तो आपके साथ कुछ भी गंभीर नहीं होगा; हालाँकि आपको क्वेसाडा जाना होगा और काउंटी अधिकारियों को आपसे पूछताछ करने देना होगा।”

“क्या हम अब चलें?”
“मैं आज रात वापस जा रहा हूँ। सुबह सनसेट होटल में मुझसे मिलो। इससे मुझे अधिकारियों से बात करने का समय मिल जाएगा—ताकि वे तुम्हें देखते ही कालकोठरी में न डाल दें।”
मैं वापस एजेंसी गया और क्वेसाडा को फोन किया। मैं वर्नोन या शेरिफ से संपर्क नहीं कर पाया, लेकिन कॉटन से बात हो गई। मैंने उसे फिट्ज़स्टेफ़न से मिली जानकारी दी और वादा किया कि मैं उपन्यासकार को अगली सुबह पूछताछ के लिए पेश करूँगा।
मार्शल ने कहा कि लड़की की तलाश अभी भी जारी है, लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला है। खबरें आई हैं कि उसे लगभग एक ही समय में लॉस एंजिल्स, यूरेका, कार्सन सिटी, डेनवर, पोर्टलैंड, तिजुआना, ओग्डेन, सैन जोस, वैंकूवर, पोर्टरविले और हवाई में देखा गया था। सबसे बेतुकी खबरों को छोड़कर बाकी सभी खबरों को खारिज किया जा रहा था। टेलीफोन कंपनी मुझे बता सकती थी कि ओवेन फिट्ज़स्टेफ़न का शनिवार सुबह का फोन कॉल लंबी दूरी का कॉल नहीं था, और क्वेसाडा में किसी ने भी शुक्रवार रात या शनिवार सुबह सैन फ्रांसिस्को के किसी नंबर पर कॉल नहीं किया था।
एजेंसी छोड़ने से पहले मैंने उस बूढ़े आदमी से दोबारा मुलाकात की और उससे पूछा कि क्या वह जिला अटॉर्नी को अरोनिया हाल्डोर्न और टॉम फिंक को जमानत पर रिहा करने के लिए मनाने की कोशिश करेगा। मैंने समझाया, “जेल में रहकर वे हमारे किसी काम के नहीं हैं, और अगर हम उनका पीछा करते रहे तो वे हमें कहीं न कहीं से पकड़वा सकते हैं। उसे चिंता नहीं करनी चाहिए: वह जानता है कि अब हालात ऐसे हैं कि उन पर हत्या का आरोप लगाना उसके बस की बात नहीं है।”
उस बूढ़े आदमी ने वादा किया कि वह अपनी पूरी कोशिश करेगा और अगर हमारे संदिग्धों को रिहा कर दिया गया तो उनमें से प्रत्येक के पीछे एक जासूस लगा देगा।
मैं मैडिसन एंड्रयूज के कार्यालय गया। जब मैंने उन्हें फिट्ज़स्टेफ़न के संदेशों के बारे में बताया और उनकी हमारी व्याख्या दी, तो वकील ने अपने पतले, सफ़ेद बालों वाले सिर को हिलाया और कहा:

और चाहे यह सही स्पष्टीकरण हो या नहीं, काउंटी अधिकारियों को अब अपने उस बेतुके सिद्धांत को छोड़ना होगा कि गैब्रिएल ने अपने पति की हत्या की थी।
मैंने अपना सिर एक तरफ हिलाया।
“क्या?” उसने गुस्से से पूछा।
मैंने भविष्यवाणी की, "वे सोचेंगे कि ये संदेश उसे बेगुनाह साबित करने के लिए गढ़े गए थे।"
"क्या तुम्हें यही लगता है?" उसके जबड़े कानों के सामने फूल गए और उसकी उलझी हुई भौहें उसकी आंखों पर आ गिरीं।
मैंने कहा, "मुझे उम्मीद है कि ऐसा नहीं था; क्योंकि अगर यह कोई चाल है तो यह बेहद बचकानी चाल है।"
“ऐसा कैसे हो सकता है?” उसने गरजते हुए पूछा। “बकवास मत करो। तब हममें से किसी को कुछ पता नहीं था। शव तब तक नहीं मिला था जब तक कि—” “हां,” मैंने सहमति जताते हुए कहा; “और इसीलिए, अगर यह एक स्टंट साबित हुआ, तो गैब्रिएल को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।”
“मुझे आपकी बात समझ नहीं आ रही,” उसने नाराज़गी से कहा। “एक मिनट आप लड़की पर अत्याचार करने वाले की बात कर रहे हैं, और अगले ही मिनट आप ऐसे बात कर रहे हैं जैसे आपको लगता हो कि वही हत्यारी है। आखिर आप क्या सोचते हैं?”
मैंने भी उतने ही चिढ़ भरे लहजे में जवाब दिया, “दोनों बातें सच हो सकती हैं। और इससे क्या फर्क पड़ता है कि मैं क्या सोचता हूँ? जब उसे दोषी पाया जाएगा, तब फैसला जूरी करेगी। अभी सवाल यह है कि अगर दस हज़ार डॉलर की मांग जायज़ है, तो आप उसके बारे में क्या करेंगे?” "मैं जो करने जा रहा हूं वह यह है कि उसकी बरामदगी के लिए इनाम की राशि बढ़ाऊंगा, साथ ही उसके अपहरणकर्ता की गिरफ्तारी के लिए अतिरिक्त इनाम भी दूंगा।"
“यह गलत तरीका है,” मैंने कहा। “इनाम की रकम काफी तय हो चुकी है। अपहरण से निपटने का एकमात्र तरीका है कि आप पुलिस के सामने आएं। मुझे भी यह उतना ही नापसंद है जितना आपको, लेकिन यही एकमात्र तरीका है। अनिश्चितता, घबराहट, डर, निराशा, एक सामान्य अपहरणकर्ता को भी पागल बना सकती है। लड़की को छुड़ाओ, फिर अपनी लड़ाई लड़ो। जो भी मांगा जाए, उसे समय पर चुका दो।”

उसने अपनी बिखरी हुई मूंछों को खींचा, उसका जबड़ा हठपूर्वक कसा हुआ था, उसकी आँखों में चिंता थी। लेकिन अंततः उसका जबड़ा ही हावी हो गया।
उन्होंने कहा, "मैं किसी भी कीमत पर मेहनत नहीं करूंगा।"
“ये तुम्हारा काम है।” मैं उठा और अपनी टोपी उठाई। “मेरा काम कोलिंसन के हत्यारे को ढूंढना है, और उसे मरवा देना मेरे लिए ज़्यादा फ़ायदेमंद साबित होगा।”
उसने कुछ कहा नहीं।
मैं ह्यूबर्ट कॉलिंसन के दफ्तर गया। वो वहाँ नहीं थे, लेकिन मैंने लॉरेंस कॉलिंसन को अपनी कहानी सुनाई, और अंत में मैंने ये कहा: “क्या तुम अपने पिता से पैसे देने का आग्रह करोगे? और यह भी कहोगे कि अपहरणकर्ता के निर्देश आते ही पैसा तुरंत दे दिया जाए?” उन्होंने तुरंत कहा, "उन्हें मनाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जो भी आवश्यक होगा, हम वह भुगतान करेंगे।"

16

द नाइट हंट

मैंने 5:25 बजे दक्षिण की ओर जाने वाली ट्रेन पकड़ी। इसने मुझे 7:30 बजे पोस्टन पहुँचाया, जो क्वेसाडा से दोगुना बड़ा एक धूल भरा कस्बा है; और एक खटारा बस, जिसमें मैं अकेला यात्री था, मुझे आधे घंटे बाद मेरे गंतव्य तक ले गई। होटल के सामने वाली सड़क पर बस से उतरते ही बारिश शुरू हो गई थी।
सैन फ्रांसिस्को के एक पत्रकार जैक सैंटोस टेलीग्राफ कार्यालय से बाहर आए और बोले: "हैलो। कोई नई खबर है क्या?"
"शायद, लेकिन मुझे पहले इसे वर्नोन को देना होगा।"
“वह होटल में अपने कमरे में है, या दस मिनट पहले वहीं था। आपका मतलब उस फिरौती के पत्र से है जो किसी को मिला था?”
“हाँ। क्या उसने इसे पहले ही बाँट दिया है?”
"कॉटन ने ऐसा करना शुरू कर दिया था, लेकिन वर्नोन ने उसे रोक दिया और हमसे कहा कि इसे अकेला छोड़ दें।"
"क्यों?"
“इसका कोई कारण नहीं है, बस यही कि कॉटन ने हमें ये दिया था।” सैंटोस ने अपने पतले होंठों के कोने नीचे की ओर खींचे। “वर्नन, फीनी और कॉटन के बीच ये देखने की होड़ लग गई है कि कौन अपना नाम और तस्वीर सबसे ज़्यादा छपवा सकता है।”
"क्या वे इसके अलावा कुछ और कर रहे हैं?"
“वे ऐसा कैसे कर सकते हैं?” उसने घृणा से पूछा। “वे दिन में दस घंटे अखबारों के पहले पन्ने पर खबर छपवाने की कोशिश में बिताते हैं, दस

घंटे दूसरों को खबर छपने से रोकने की कोशिश में लगाते हैं, और उन्हें सोने के लिए भी तो समय निकालना पड़ता है।”
होटल में मैंने कुछ और पत्रकारों को "कुछ नया नहीं" बताया, फिर से पंजीकरण कराया, अपना बैग कमरे में छोड़ा और गलियारे से होते हुए कमरा नंबर 204 में चला गया। मेरे दस्तक देने पर वर्नन ने दरवाजा खोला। वह अकेला था और जाहिर तौर पर बिस्तर पर पड़े गुलाबी, हरे और सफेद रंग के अखबारों के ढेर को पढ़ रहा था। कमरा सिगार के धुएं से नीला-भूरा था।
यह जिला अटॉर्नी तीस साल का, काली आँखों वाला आदमी था, जो अपनी ठुड्डी को ऊपर और बाहर की ओर रखता था, जिससे वह प्रकृति द्वारा निर्धारित से कहीं अधिक उभरी हुई दिखती थी, बात करते समय अपने सारे दांत दिखाता था, और एक कर्मठ व्यक्ति होने के प्रति बहुत सचेत था। उसने फुर्ती से मेरा हाथ मिलाया और कहा:
“मुझे खुशी है कि आप वापस आ गए। अंदर आइए। बैठिए। क्या कोई नई बात हुई है?”
"कॉटन, क्या तुम वो नशा करोगे जो मैंने उसे दिया था?"
“हाँ।” वर्नोन मेरे सामने हाथों को जेब में डाले, पैरों को दूर-दूर फैलाकर खड़ा हो गया। “आप इसे कितना महत्व देते हैं?”
मैंने एंड्रयूज को पैसे तैयार रखने की सलाह दी थी। वह ऐसा नहीं करेगा। कॉलिंसन परिवार करेगा।
“वे करेंगे,” उसने कहा, मानो मेरे अनुमान की पुष्टि कर रहा हो। “और?” उसने अपने होंठ पीछे खींच लिए ताकि उसके दांत दिखाई दें।
“ये रहा पत्र।” मैंने उसे दे दिया। “फिट्ज़स्टेफ़न सुबह आएगा।” उसने ज़ोर से सिर हिलाया, पत्र को रोशनी के पास लाया और उसे तथा उसके लिफाफे को बारीकी से देखा। जब उसने देख लिया तो उसने उसे तिरस्कारपूर्वक मेज पर फेंक दिया।
“स्पष्ट रूप से धोखाधड़ी है,” उन्होंने कहा। “अब, आखिर इस फिट्ज़स्टेफ़न की कहानी क्या है—क्या यही नाम है?—?”
मैंने उसे शब्दशः वही बात बताई। यह हो जाने पर उसने अपने दांत किटकिटाए, टेलीफोन की ओर मुड़ा और किसी को फीनी को यह बताने के लिए कहा कि वह—श्री वर्नोन, जिला अटॉर्नी—उससे तुरंत मिलना चाहते

हैं। दस मिनट बाद शेरिफ अपनी बड़ी भूरी मूंछों से बारिश के पानी के धब्बे पोंछते हुए अंदर आए।
वर्नोन ने मेरी ओर अंगूठा हिलाकर इशारा किया और आदेश दिया: "उसे बताओ।"
मैंने वही दोहराया जो फिट्ज़स्टेफ़न ने मुझे बताया था। शेरिफ ने बड़ी ध्यान से सुना, जिससे उसका लाल चेहरा बैंगनी पड़ गया और वह हांफने लगा। जैसे ही मेरे मुंह से आखिरी शब्द निकला, जिला अटॉर्नी ने उंगलियां चटकाईं और कहा:
“बहुत खूब। उसका दावा है कि जब फोन आया तो उसके अपार्टमेंट में कुछ लोग मौजूद थे। उनके नाम नोट कर लीजिए। उसका दावा है कि वह सप्ताहांत में रॉस में था, उनके साथ—वे कौन थे? राल्फ कोलमैन? बहुत खूब। शेरिफ, इन बातों की जांच करवा लीजिए। हमें पता चल जाएगा कि इसमें कितनी सच्चाई है।”
मैंने शेरिफ को फिट्ज़स्टेफ़न द्वारा दिए गए नाम और पते दे दिए। फीनी ने उन्हें एक कपड़े धोने की सूची के पीछे लिख दिया और काउंटी की अपराध-जांच मशीनरी को सक्रिय करने के लिए जोर से फूंक मारी। वर्नोन के पास मुझे बताने के लिए कुछ नहीं था। मैंने उसे उसके अखबारों के साथ छोड़ दिया और नीचे चला गया। वहाँ मौजूद स्त्री जैसे दिखने वाले रात्रि क्लर्क ने मुझे डेस्क के पास बुलाया और कहा:
"श्री सैंटोस ने मुझसे कहा है कि मैं आपको बताऊं कि आज रात उनके कमरे में प्रार्थना सभा आयोजित की जा रही है।"
मैंने क्लर्क को धन्यवाद दिया और सैंटोस के कमरे में चला गया। वहाँ वह, तीन अन्य पत्रकार और एक फोटोग्राफर मौजूद थे। खेल ज़ोरों पर था। साढ़े बारह बजे मैं सोलह डॉलर आगे था, तभी मुझे फोन पर बुलाया गया और मुझे जिला अटॉर्नी की आक्रामक आवाज़ सुननी पड़ी: "क्या तुम तुरंत मेरे कमरे में आओगे?"
“हाँ।” मैंने अपनी टोपी और कोट समेटते हुए सैंटोस से कहा: “मुझे बिल दे दो। ज़रूरी कॉल है। जब भी मैं थोड़ा आगे निकल जाता हूँ, तो मुझे एक कॉल आ ही जाती है।”
"वर्नन?" उसने मेरे चिप्स गिनते हुए पूछा।
"हाँ।"

“यह कुछ खास नहीं हो सकता,” उसने व्यंग्य करते हुए कहा, “वरना वह रेड को भी बुलवा लेता,” फोटोग्राफर की ओर इशारा करते हुए उसने कहा, “ताकि कल के पाठक उसे इसे हाथ में पकड़े हुए देख सकें।”
कॉटन, फीनी और रॉली जिला अटॉर्नी के साथ थे। कॉटन—एक मध्यम कद का आदमी, जिसका गोल, भावहीन चेहरा ठुड्डी पर गड्ढा लिए हुए था—काले रबर के जूते, रेनकोट और गीले व कीचड़ से सने हुए टोपी पहने हुए था। वह कमरे के बीच में खड़ा था, उसकी गोल आँखें अपने मालिक पर गर्व से भरी हुई लग रही थीं। फीनी एक कुर्सी पर बैठा अपनी मूंछों से खेल रहा था; और उसका लाल चेहरा उदास था। रॉली, उसके बगल में खड़ा सिगरेट बना रहा था, हमेशा की तरह थोड़ा-बहुत मिलनसार लग रहा था।
वर्नोन ने मेरे पीछे दरवाजा बंद किया और चिड़चिड़ाते हुए कहा: “कॉटन को लगता है कि उसने कुछ खोज लिया है। उसे लगता है कि—”
कॉटन आगे बढ़ी, सीना पहले आगे करते हुए, और बीच में ही बात काट दी: मुझे कुछ नहीं लगता। मैं अच्छी तरह जानता हूँ—”
वर्नोन ने मार्शल और मेरे बीच उंगलियां चटकाते हुए उतनी ही तेज़ी से कहा:
"कोई बात नहीं। हम वहां जाकर देखेंगे।"
मैं अपने कमरे में रेनकोट, बंदूक और टॉर्च लेने के लिए रुका। हम नीचे गए और कीचड़ से सनी कार में बैठ गए। कॉटन गाड़ी चला रहा था। वर्नोन उसके बगल में बैठा था। हम बाकी लोग पीछे बैठे थे। बारिश की बूँदें छत और पर्दों पर पड़ रही थीं, और दरारों से पानी अंदर आ रहा था।
"हवा-हवाई सपनों का पीछा करने के लिए यह एक बहुत ही खराब रात है," शेरिफ ने रिसाव से बचने की कोशिश करते हुए बुदबुदाया।
“डिक को अपने काम से मतलब रखना चाहिए,” रॉली ने सहमति जताते हुए कहा। “क्वेसाडा में जो कुछ नहीं होता, उससे उसका क्या लेना-देना?” "अगर वह वहां होने वाली घटनाओं का अधिक ध्यान रखे, तो उसे समुद्र तट पर होने वाली घटनाओं के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं पड़ेगी," फीनी ने कहा, और वह और उसका डिप्टी एक साथ हल्के से हँस पड़े।
इस बातचीत का जो भी मतलब था, वह मेरी समझ से परे था। मैंने पूछा:
वह क्या कर रहा है?

“कुछ नहीं,” शेरिफ ने मुझसे कहा। “तुम देखोगे कि कुछ नहीं है, और कसम से! मैं उसे खूब खरी-खोटी सुनाऊंगा। मुझे समझ नहीं आता कि वर्नोन को क्या हो गया है, वो उस पर ज़रा भी ध्यान क्यों दे रहा है।”
मेरे लिए इसका कोई मतलब नहीं था। मैंने पर्दों के बीच से झाँका। बारिश और अंधेरे ने नज़ारे को ढक दिया था, लेकिन मुझे अंदाज़ा था कि हम पूर्वी सड़क पर किसी जगह की ओर जा रहे हैं। सफ़र बहुत ही खराब था —गीला, शोरगुल भरा और ऊबड़-खाबड़। अंत में, यह एक ऐसी ही अंधेरी, गीली और कीचड़ भरी जगह पर जाकर खत्म हुआ, जैसी हमने पहले कभी देखी थी।
कॉटन ने लाइट बंद की और बाहर निकल गई, हम बाकी लोग भी उसके पीछे-पीछे फिसलते हुए गीली मिट्टी में टखनों तक धंसते चले गए।
“यह तो हद से ज्यादा है,” शेरिफ ने शिकायत की।
वर्नोन कुछ कहने ही वाला था कि मार्शल सड़क पर आगे बढ़ गया। हम उसके पीछे-पीछे धीरे-धीरे चलने लगे, कीचड़ में धंसते पैरों की आवाज़ से ही हम एक-दूसरे का साथ दे पा रहे थे, न कि किसी दृश्य से। चारों ओर अंधेरा था।
कुछ देर बाद हम सड़क से हटकर एक ऊँची तार की बाड़ को पार करने के लिए संघर्ष करते हुए आगे बढ़े। हमारे पैरों के नीचे कीचड़ तो कम था, लेकिन घास फिसलन भरी थी। हम एक पहाड़ी पर चढ़े। हवा बारिश की बूँदें हमारे चेहरों पर बरसा रही थी। शेरिफ हाँफ रहा था। मुझे पसीना आ रहा था। हम पहाड़ी की चोटी पर पहुँचे और दूसरी तरफ से नीचे उतरने लगे, हमारे सामने चट्टानों पर समुद्र के पानी की सरसराहट सुनाई दे रही थी। जैसे-जैसे ढलान तेज होती गई, बड़े-बड़े पत्थर घास को हमारे रास्ते से हटाते गए। एक बार कॉटन घुटनों के बल फिसल गया, जिससे वर्नोन भी गिर गया, जिसने मुझे पकड़कर खुद को बचा लिया। शेरिफ की हाँफने की आवाज़ अब कराहने जैसी लग रही थी। हम बाईं ओर मुड़े और एक कतार में चलने लगे, लहरें हमारे बिल्कुल पास थीं। हम फिर बाईं ओर मुड़े, एक ढलान पर चढ़े और बिना दीवारों वाली एक छोटी सी झोपड़ी के नीचे रुक गए—लकड़ी की छत बारह खंभों पर टिकी हुई थी। हमारे सामने एक बड़ी इमारत लगभग काले आसमान में एक काले धब्बे की तरह दिख रही थी।

कॉटन ने फुसफुसाते हुए कहा: "जब तक मैं यह न देख लूं कि उसकी कार यहां है या नहीं, तब तक इंतजार करो।"
वह चला गया। शेरिफ ने गहरी सांस ली और बड़बड़ाया: "धिक्कार है इस अभियान पर!" रॉली ने आह भरी।
मार्शल प्रसन्नतापूर्वक लौट आया।
“वह वहाँ नहीं है, इसलिए वह यहाँ नहीं है,” उसने कहा। “चलो, इससे हम भीगने से तो बच ही जाएँगे।”
हम झाड़ियों के बीच से कीचड़ भरे रास्ते से होते हुए उसके पीछे- पीछे काले घर तक गए, जो पीछे के बरामदे में था। हम वहीं खड़े रहे जबकि उसने एक खिड़की खोली, अंदर चढ़ा और दरवाजा खोला। हमारी टॉर्च, जिसका हमने पहली बार इस्तेमाल किया, ने हमें एक छोटी, साफ-सुथरी रसोई दिखाई। हम अंदर गए और फर्श पर कीचड़ फैला दिया।
कॉटन ही उस दल का इकलौता सदस्य था जिसने उत्साह दिखाया। टोपी के किनारे से लेकर ठुड्डी पर पड़ने वाले गड्ढों तक, उसका चेहरा किसी ऐसे समारोह संचालक का लग रहा था जो किसी सुखद आश्चर्य को प्रकट करने वाला हो। वर्नोन उसे संदेह भरी निगाहों से देख रहा था, फीनी घृणा से, रॉली उदासीन भाव से, और मैं—जिसे पता ही नहीं था कि हम वहाँ किसलिए थे—निःसंदेह उत्सुकता से।
पता चला कि हम घर की तलाशी लेने गए थे। हमने तलाशी ली, या कम से कम कॉटन ने तो ली ही, जबकि हम बाकी लोग उसकी मदद करने का नाटक कर रहे थे। घर छोटा था। भूतल पर रसोई के अलावा सिर्फ एक कमरा था, और ऊपर भी सिर्फ एक ही कमरा था—एक अधूरा शयनकक्ष। मेज की दराज में मिले एक किराने के बिल और टैक्स रसीद से पता चला कि यह किसका घर था—हार्वे व्हिडन का। वही हट्टा-कट्टा, गंभीर स्वभाव का आदमी था जिसने क्रिसलर कार में गैब्रिएल कॉलिंसन के साथ अजनबी को देखा था।
हमने भूतल का काम खाली हाथ खत्म किया और ऊपर चले गए। वहाँ, दस मिनट तक इधर-उधर खोजने के बाद, हमें कुछ मिला। रॉली ने उसे पलंग और गद्दे के बीच से निकाला। यह एक छोटा सा चपटा बंडल था जो एक सफेद लिनेन तौलिये में लिपटा हुआ था।
कॉटन ने गद्दा नीचे गिरा दिया, जिसे वह डिप्टी को नीचे देखने के लिए पकड़े हुए था, और रोली के पैकेज के चारों ओर जमा हुए हम सभी के साथ शामिल हो गया। वर्नोन ने डिप्टी शेरिफ से वह पैकेज लिया और उसे

बिस्तर पर फैला दिया। तौलिए के अंदर हेयर-पिन का एक पैकेट, लेस से सजा हुआ एक सफेद रूमाल, जी.डी.एल. खुदा हुआ एक चांदी का हेयर-ब्रश और कंघी, और काले रंग के छोटे और स्त्रीत्वपूर्ण चमड़े के दस्तानों की एक जोड़ी थी।
मुझे जितना आश्चर्य हुआ, उतना किसी और को नहीं हो सकता था। मैंने कुछ कहने के इरादे से कहा, "जी. डी. एल. शायद गैब्रिएल समथिंग लेगेट हो सकती हैं—श्रीमती कॉलिंसन का शादी से पहले का नाम।" कॉटन ने विजयी भाव से कहा: "तुम बिलकुल सही कह रहे हो, ऐसा हो सकता है।"
दरवाजे से एक भारी आवाज सुनाई दी:
“क्या आपके पास तलाशी वारंट है? अगर नहीं है तो आप यहां क्या कर रहे हैं? यह चोरी है, और आप यह जानते हैं।”
हार्वे व्हिडन वहाँ मौजूद था। पीले रेनकोट में लिपटा उसका विशाल शरीर दरवाजे को भर रहा था। उसके भारी-भरकम चेहरे पर उदासी और क्रोध झलक रहा था।
वर्नोन ने शुरू किया: "व्हिडन, मैं—"
मार्शल चिल्लाया, "यह वही है!" और उसने अपने कोट के नीचे से एक बंदूक निकाल ली।
मैंने उसके हाथ को धक्का दिया जब उसने दरवाजे पर खड़े आदमी पर गोली चलाई। गोली दीवार पर जा लगी।
व्हिडन के चेहरे पर अब गुस्से से ज़्यादा हैरानी के भाव थे। वह दरवाज़े से पीछे हटकर सीढ़ियों से नीचे भागा। मेरे धक्के से परेशान कॉटन ने खुद को संभाला, मुझे कोसते हुए व्हिडन के पीछे भाग गया। वर्नोन, फीनी और रॉली उन्हें देखते रह गए।
मैंने कहा: “यह एक अच्छा और साफ-सुथरा खेल है, लेकिन यह मेरी समझ से परे है। आखिर यह सब किस बारे में है?”
मुझे किसी ने नहीं बताया। मैंने कहा: "जब हमने घर की तलाशी ली थी, तब ये कंघी और ब्रश श्रीमती कॉलिंसन की मेज पर थे, रॉली।"
डिप्टी शेरिफ ने अनिश्चितता से सिर हिलाया, अभी भी दरवाजे की ओर देख रहा था। अब उससे कोई आवाज नहीं आ रही थी। मैंने पूछा:
"क्या कॉटन द्वारा व्हिडन को फंसाने का कोई विशेष कारण होगा?"

शेरिफ ने कहा: “वे अच्छे दोस्त नहीं हैं।” (मैंने यह बात पहले ही देख ली थी।) “वर्न, तुम्हारा क्या ख्याल है?”
जिला अटॉर्नी ने दरवाजे से अपनी नज़र हटाई, सामान को तौलिये में दोबारा लपेटा और बंडल को अपनी जेब में डाल लिया। "चलो," उसने झल्लाकर कहा और सीढ़ियों से नीचे उतर गया।
सामने का दरवाज़ा खुला था। कॉटन और व्हिडन का हमें कुछ भी दिखाई या सुनाई नहीं दिया। व्हिडन की एक फोर्ड कार सामने के गेट पर बारिश में भीग रही थी। हम उसमें बैठ गए। वर्नोन ने स्टीयरिंग संभाली और हम खाड़ी में बने घर की ओर चल दिए। हमने तब तक दरवाज़ा खटखटाया जब तक कि एक बूढ़े आदमी ने, जिसने भूरे रंग का अंडरवियर पहना हुआ था और जिसे शेरिफ ने वहाँ चौकीदार के रूप में रखा था, दरवाज़ा नहीं खोल दिया।
बूढ़े आदमी ने हमें बताया कि कॉटन उस रात आठ बजे वहाँ आया था, बस, उसने कहा, एक बार फिर से चारों ओर देखने के लिए। चौकीदार होने के नाते, उसे यह नहीं पता था कि मार्शल पर नज़र क्यों रखनी है, इसलिए उसने उसे परेशान नहीं किया और उसे अपनी मर्ज़ी से काम करने दिया। जहाँ तक उसे पता था, मार्शल ने कॉलिंसन परिवार की कोई भी संपत्ति नहीं ली थी, हालाँकि ऐसा हो सकता था।
वर्नोन और फीनी ने उस बूढ़े आदमी को खूब परेशान किया, और हम वापस क्वेसाडा चले गए।
रॉली मेरे साथ पीछे की सीट पर बैठा था। मैंने उससे पूछा:
“यह व्हिडन कौन है? कॉटन को उस पर क्यों निशाना साधना चाहिए?” "खैर, एक बात तो यह है कि हार्वे की छवि कुछ खराब है, क्योंकि वह यहाँ होने वाली शराब की तस्करी में शामिल रहा है, और समय-समय पर मुसीबत में भी पड़ता रहा है।"
“हाँ? और एक और बात?”
डिप्टी शेरिफ ने भौंहें चढ़ा लीं, हिचकिचाते हुए, शब्दों की तलाश में भटकते हुए; और इससे पहले कि उन्हें शब्द मिलते, हम एक अंधेरी गली के कोने पर बेलों से ढकी एक झोपड़ी के सामने रुक गए। जिला अटॉर्नी आगे-आगे चलकर उसके बरामदे तक गए और घंटी बजाई।
कुछ देर बाद ऊपर से एक महिला की आवाज सुनाई दी:
“वहाँ कौन है?”

हमें उन्हें देखने के लिए सीढ़ियों पर वापस जाना पड़ा—श्रीमती कॉटन दूसरी मंजिल की खिड़की पर खड़ी थीं।
“क्या डिक घर आ गया?” वर्नोन ने पूछा।
“नहीं, श्रीमान वर्नन, उन्होंने ऐसा नहीं किया है। मुझे चिंता होने लगी थी। एक मिनट रुकिए; मैं नीचे आता हूँ।”
“चिंता मत करो,” उसने कहा। “हम इंतजार नहीं करेंगे। मैं सुबह उससे मिलूंगा।”
“नहीं। रुको,” उसने जल्दबाजी में कहा और खिड़की से गायब हो गई। कुछ देर बाद उसने सामने का दरवाजा खोला। उसकी नीली आँखें गहरी और उत्साहित थीं। उसने गुलाबी रंग का बाथरोब पहना हुआ था।
“आपको परेशान होने की ज़रूरत नहीं थी,” जिला अटॉर्नी ने कहा। “कुछ खास नहीं था। कुछ देर पहले हमारी उनसे बातचीत बंद हो गई थी, और हम बस यह जानना चाहते थे कि क्या वे वापस आ गए हैं। वे ठीक हैं।” “क्या—?” उसके हाथ उसके पतले स्तनों पर बाथरोब की तहों को सहला रहे थे। “क्या वह—हार्वे—हार्वे व्हिडन के पीछे पड़ा था?”
वर्नोन ने उसकी ओर देखे बिना "हाँ" कहा; और उसने बिना दांत दिखाए यह बात कही। फीनी और रॉली भी वर्नोन की तरह ही असहज दिख रहे थे। श्रीमती कॉटन का चेहरा गुलाबी पड़ गया। उनका निचला होंठ कांपने लगा, जिससे उनके शब्द अस्पष्ट हो गए।
“उस पर विश्वास मत कीजिए, मिस्टर वर्नन। उसकी एक भी बात पर यकीन मत कीजिए। हार्वे का उन कॉलिंसन परिवार से कोई लेना-देना नहीं था, उनमें से किसी से भी नहीं। डिक को भी यह मत कहने दीजिए कि उसका उनसे कोई संबंध था। उसका कोई संबंध नहीं था।”
वर्नोन अपने पैरों की ओर देखता रहा और कुछ नहीं बोला। रॉली और फीनी खुले दरवाजे से बाहर बारिश को टकटकी लगाए देख रहे थे—हम ठीक उसके अंदर खड़े थे। किसी का भी बोलने का कोई इरादा नहीं लग रहा था। मैंने पूछा, "नहीं?" मेरी आवाज़ में जितना संदेह था, उससे कहीं अधिक संदेह झलक रहा था।
“नहीं, उसने ऐसा नहीं किया,” वह रोते हुए बोली और मेरी तरफ़ मुँह करके बोली, “ऐसा हो ही नहीं सकता। उसका इससे कोई लेना-देना नहीं हो सकता।” उसके चेहरे का गुलाबी रंग गायब हो गया, और वह सफ़ेद और हताश

दिखने लगा। “वह—वह उस रात यहीं था—पूरी रात—सात बजे से पहले से लेकर सुबह होने तक।”
“तुम्हारा पति कहाँ था?”
"शहर में, अपनी मां के घर पर।"
उसका पता क्या है?
उसने मुझे नोए स्ट्रीट का नंबर दिया।
“क्या किसी ने—?”
“अरे, रहने दो,” शेरिफ ने बारिश को घूरते हुए विरोध जताया। “क्या इतना काफी नहीं है?”
श्रीमती कॉटन ने मेरी ओर से मुंह मोड़कर फिर से जिला अटॉर्नी की ओर देखा और उनकी एक बांह पकड़ ली।
“कृपया, श्रीमान वर्नन, मेरी शिकायत किसी को मत बताइए,” उसने गिड़गिड़ाते हुए कहा। “मुझे नहीं पता कि अगर यह बात सबको पता चल गई तो मैं क्या करूंगी। लेकिन मुझे आपको बताना ही था। मैं उसे हार्वे पर आरोप लगाने नहीं दे सकती थी। कृपया, आप किसी और को नहीं बताएंगे?”
जिला अटॉर्नी ने शपथ ली कि किसी भी परिस्थिति में वह या हममें से कोई भी उस महिला द्वारा बताई गई बात को किसी को नहीं बताएगा; और शेरिफ और उसके डिप्टी ने जोर-शोर से लाल चेहरे के साथ सिर हिलाकर इस बात से सहमति जताई।
लेकिन जब हम उससे दूर, फोर्ड कार में वापस आ गए, तो वे अपनी शर्मिंदगी भूल गए और फिर से अपराधी खोज में जुट गए। दस मिनट के भीतर ही उन्होंने फैसला कर लिया कि कॉटन अपनी माँ के साथ शुक्रवार की रात सैन फ्रांसिस्को जाने के बजाय, क्वेसाडा में ही रुका था, कोलिंसन की हत्या की थी, फिट्ज़स्टेफ़न को फोन करने और पत्र भेजने के लिए शहर गया था, और फिर श्रीमती कोलिंसन का अपहरण करने के लिए समय पर क्वेसाडा लौट आया था; शुरू से ही व्हिडन के खिलाफ सबूत गढ़ने की योजना बना रहा था, जिसके साथ उसके लंबे समय से संबंध खराब थे, क्योंकि उसे हमेशा से वही शक था जो बाकी सभी को पता था—कि व्हिडन श्रीमती कॉटन का प्रेमी था।
शेरिफ—जिसकी शिष्टता ने मुझे कुछ मिनट पहले उस महिला से और अधिक गहन पूछताछ करने से रोक रखा था—अब जोर-जोर से हंस रहा था।

“ये तो कमाल की बात है,” उसने हंसते हुए कहा। “उसने हार्वे को फंसाया और हार्वे ने अपने बिस्तर पर लेटकर खुद को बेगुनाह साबित करने की कोशिश की। जब हम ये बात पक को बताएंगे तो डिक का चेहरा देखने लायक होगा। चलो आज रात ही उसे ढूंढते हैं।”
मैंने सलाह दी, “बेहतर होगा कि आप इंतज़ार करें। उससे सवाल करने से पहले उसकी सैन फ्रांसिस्को यात्रा की जाँच कर लेना बुरा नहीं होगा। अभी तक हमें उसके बारे में बस इतना पता है कि उसने व्हिडन को फंसाने की कोशिश की थी। अगर वही हत्यारा और अपहरणकर्ता है, तो उसने बेवजह बहुत सारी बेवकूफियाँ की हैं।”
फीनी ने मेरी ओर गुस्से से देखा और अपने सिद्धांत का बचाव किया: "हो सकता है कि वह किसी और चीज से ज्यादा हार्वे को फंसाने में दिलचस्पी रखता हो।"
फीनी इसके खिलाफ था। वह मार्शल को तुरंत पकड़ना चाहता था; लेकिन वर्नोन अनिच्छा से मेरा साथ देने के लिए तैयार हो गया। हमने रॉली को उसके घर पर छोड़ा और होटल लौट आए।
अपने कमरे में, मैंने सैन फ्रांसिस्को स्थित एजेंसी को फोन किया। जब मैं फोन लगने का इंतजार कर रहा था, तभी किसी ने मेरे दरवाजे पर दस्तक दी। मैंने दरवाजा खोला और जैक सैंटोस को अंदर आते देखा, जो पजामा, बाथरोब और चप्पल पहने हुए था।
“आपकी यात्रा सुखद रही?” उसने जम्हाई लेते हुए पूछा।
"सूजना।"
"क्या कुछ टूटा?"
“प्रकाशित करने के लिए नहीं, लेकिन गुप्त रूप से, नया पहलू यह है कि हमारा मार्शल अपनी पत्नी के प्रेमी पर आरोप लगाने की कोशिश कर रहा है—और इसके लिए वह मनगढ़ंत सबूतों का इस्तेमाल कर रहा है। अन्य बड़े अधिकारियों का मानना है कि कॉटन ने खुद यह चाल चली है।”
“इससे तो उन सबको अखबारों के पहले पन्ने पर जगह मिल जाएगी।” सैंटोस मेरे बिस्तर के किनारे बैठ गया और सिगरेट जला ली। “क्या तुमने कभी सुना है कि श्रीमती कॉटन के टेलीग्राफ प्रतिनिधि पद के लिए फीनी, कॉटन का प्रतिद्वंदी था, जब तक कि उन्होंने मार्शल का पद नहीं चुन लिया – यानी मूंछों पर डिंपल की जीत?”
“नहीं,” मैंने स्वीकार किया। “तो फिर क्या हुआ?”

“मुझे कैसे पता चला? मैंने इसे बस यूं ही उठा लिया। गैराज में काम करने वाले एक आदमी ने मुझे बताया।”
"कितनी देर पहले?"
“क्या वे प्रतिद्वंद्वी प्रेमी थे? दो साल से भी कम समय के लिए।” मुझे सैन फ्रांसिस्को से फोन आया और मैंने एजेंसी के नाइट गार्ड फील्ड को मार्शल के नोए स्ट्रीट दौरे की जांच करने के लिए कहा। मेरी बात सुनते-सुनते सैंटोस जम्हाई लेकर बाहर चला गया। बात खत्म होने पर मैं सोने चला गया।

17

धुंधले बिंदु से नीचे

अगली सुबह दस बजे से कुछ पहले टेलीफोन की घंटी ने मेरी नींद तोड़ दी। सैन फ्रांसिस्को से बात करते हुए मिकी लाइनहान ने मुझे बताया कि कॉटन शनिवार की सुबह सात से साढ़े सात बजे के बीच अपनी मां के घर पहुंचा था। मार्शल पांच-छह घंटे सोया था—उसने अपनी मां को बताया था कि वह पूरी रात एक चोर का पीछा कर रहा था—और शाम छह बजे घर के लिए निकल गया था।
जब मैं लॉबी में पहुंचा तो कॉटन सड़क से अंदर आ रहा था। उसकी आंखें लाल थीं और वह थका हुआ था, लेकिन फिर भी दृढ़ निश्चयी था।
“कैच व्हिडन?” मैंने पूछा।
“नहीं, उसे धिक्कार है, लेकिन मैं ऐसा करूँगा। कहो, मुझे खुशी है कि तुमने मेरी बांह हिलाई, भले ही इससे उसे भागने का मौका मिल गया। खैर, कभी-कभी उत्साह में इंसान का विवेक काम नहीं करता।”
“हां। हम वापस आते समय आपके घर पर रुके थे, यह देखने के लिए कि आपका कैसा हाल है।”
“मैं अभी तक घर नहीं पहुँचा हूँ,” उसने कहा। “मैंने पूरी रात उस आदमी को ढूंढने में बिता दी। वर्न और फीनी कहाँ हैं?”
“उनके कान फाड़ दो। बेहतर होगा कि तुम खुद भी थोड़ी नींद ले लो,” मैंने सुझाव दिया। “अगर कुछ हुआ तो मैं तुम्हें फोन कर दूंगा।”
वह घर के लिए रवाना हो गया। मैं नाश्ता करने के लिए कैफे में गया। मैं आधा नाश्ता कर चुका था कि वर्नोन भी वहाँ मेरे साथ आ गया। उसके

पास सैन फ्रांसिस्को पुलिस विभाग और मारिन काउंटी शेरिफ कार्यालय से टेलीग्राम थे, जो फिट्ज़स्टेफ़न के अलबी की पुष्टि कर रहे थे। मैंने कहा, "मुझे कॉटन के बारे में रिपोर्ट मिल गई है। वह शनिवार की सुबह सात बजे या उसके कुछ देर बाद अपनी मां के पास पहुंचा और उसी शाम छह बजे वहां से चला गया।"
“सात बजे या उसके कुछ देर बाद?” वर्नोन को यह बात पसंद नहीं आई। अगर मार्शल उस समय सैन फ्रांसिस्को में होता, तो वह लड़की का अपहरण कैसे कर सकता था? “क्या आप निश्चित हैं?”
“नहीं, लेकिन अभी तक हम इससे बेहतर कुछ नहीं कर पाए हैं। अब फिट्ज़स्टेफ़न यहाँ हैं।” कैफ़े के दरवाज़े से झाँकते हुए मैंने होटल के डेस्क पर उपन्यासकार की दुबली-पतली पीठ देखी। “मुझे एक पल के लिए माफ़ कीजिए।”
मैं जाकर फिट्ज़स्टेफ़न को ले आया, उसे अपने साथ मेज़ पर वापस लाया और वर्नन से उसका परिचय कराया। ज़िला अटॉर्नी उससे हाथ मिलाने के लिए खड़ा हुआ, लेकिन कॉटन के बारे में सोचते-सोचते वह इतना मग्न था कि अब और कुछ कहने की ज़हमत नहीं उठा रहा था। फिट्ज़स्टेफ़न ने कहा कि शहर छोड़ने से पहले उसने नाश्ता कर लिया था और एक कप कॉफ़ी मंगवाई। तभी मुझे फ़ोन की सूचना मिली।
कॉटन की आवाज, लेकिन इतनी उत्साहित कि पहचानना लगभग असंभव: "भगवान के लिए, वर्नोन और फीनी को यहाँ बुलाओ।"
मैंने पूछा, “क्या बात है?”
“जल्दी करो! कुछ भयानक हो गया है। जल्दी करो!” वह चिल्लाया और फोन काट दिया।
मैं वापस मेज पर गया और वर्नोन को इसके बारे में बताया। वह उछल पड़ा, जिससे फिट्ज़स्टेफ़न की कॉफ़ी गिर गई। फिट्ज़स्टेफ़न भी उठा, लेकिन हिचकिचाते हुए मेरी तरफ देखने लगा।
“चलो,” मैंने उसे आमंत्रित किया। “हो सकता है कि यह उन चीजों में से एक हो जो तुम्हें पसंद आए।”
फिट्ज़स्टेफ़न की कार होटल के सामने खड़ी थी। मार्शल का घर सिर्फ़ सात ब्लॉक दूर था। उसका सामने का दरवाज़ा खुला था। जैसे ही हम अंदर गए, वर्नोन ने दरवाज़े के फ्रेम पर दस्तक दी, लेकिन हमने जवाब का इंतज़ार नहीं किया।

वापस आ गई… सड़क पर उससे मिली… उसे डल पॉइंट के नीचे कहीं पुराने शराब तस्करों के छिपने की जगह पर ले गई… नाव में गया… डर है कि वह मुझे मार डालेगा… अटारी में बंद कर दिया… जब वह खाना लेने नीचे गया तो मैं लिख रही थी… हत्यारा… मैं उसकी मदद नहीं करूंगी… डेज़ी” कपास।"
जब मैं इसे पढ़ रहा था, तभी शेरिफ और रॉली आ गए थे। फीनी का चेहरा कॉटन की तरह ही सफेद और कठोर था।
वर्नोन ने मार्शल पर दांत दिखाते हुए गुर्राया:
“यह तुमने लिखा था।”
फीनी ने इसे मेरे हाथों से छीन लिया, इसे देखा, अपना सिर हिलाया और कर्कश आवाज में कहा:
"नहीं, ये तो उसकी ही लिखावट है।"
कॉटन बड़बड़ा रहा था:
“नहीं, भगवान की कसम, मैंने ऐसा नहीं किया। मैंने उस पर वो सामान रखा था, मैं ये मानती हूँ, बस इतना ही। मैं घर आई और उसे इस हालत में पाया। भगवान की कसम!”
“शुक्रवार रात तुम कहाँ थे?” वर्नोन ने पूछा।
“यहाँ, घर की निगरानी कर रही थी। मैंने सोचा—मैंने सोचा कि शायद वह —लेकिन वह उस रात यहाँ नहीं था। मैंने भोर तक निगरानी की और फिर शहर चली गई। मैं नहीं—”
शेरिफ की दहाड़ में कॉटन के बाकी शब्द दब गए। शेरिफ मृत महिला का पत्र लहरा रहा था। वह दहाड़ा:
“बिल्कुल सुस्त बिंदु से नीचे! हम किस बात का इंतजार कर रहे हैं?” वह घर से बाहर निकल भागा, हम सब उसके पीछे-पीछे चले। कॉटन और रॉली डिप्टी की कार में बैठकर नदी किनारे तक गए। शेरिफ वर्नन और मैं फिट्ज़स्टेफ़न के साथ गए। छोटी सी यात्रा के दौरान शेरिफ लगातार रोता रहा, उसके आँसू उसकी गोद में रखी पिस्तौल पर गिरते रहे।
तट पर पहुँचकर हमने कारों को छोड़कर हरे और सफेद रंग की मोटरबोट में सवार हो गए, जिसे गुलाबी गालों वाले, सुनहरे बालों वाले टिम नाम का एक नौजवान चला रहा था। टिम ने कहा कि उसे डल पॉइंट के नीचे शराब तस्करों के किसी भी गुप्त ठिकाने के बारे में कुछ नहीं पता, लेकिन अगर वहाँ कोई ठिकाना है तो वह उसे ढूँढ सकता है। उसके हाथों

में नाव बहुत तेज़ गति से चल रही थी, लेकिन फीनी और कॉटन के लिए पर्याप्त नहीं थी। वे नाव के अगले हिस्से में एक साथ खड़े थे, मुट्ठियों में बंदूकें लिए, और अपना समय आगे बढ़ने की कोशिश करने और गति बढ़ाने के लिए पीछे चिल्लाने में बाँट रहे थे।
घाट से आधे घंटे की दूरी पर, हम एक सपाट चट्टानी टीले के पास पहुँचे जिसे बाकी लोग डल पॉइंट कहते थे, और टिम ने हमारी गति धीमी कर दी, नाव को पानी के किनारे ऊँची और नुकीली चट्टानों के करीब ले आया। अब हम सब बस देखते रह गए—दोपहर की तेज़ धूप में घूरते-घूरते हमारी आँखें दुखने लगीं, लेकिन हम देखते ही रहे। दो बार हमने चट्टानी किनारे में दरारें देखीं, उम्मीद से उनमें घुसने की कोशिश की, लेकिन देखा कि वे बंद थीं, कहीं नहीं जाती थीं, और न ही उनमें कोई छिपने की जगह थी।
तीसरी दरार पहली नज़र में और भी निराशाजनक लग रही थी, लेकिन अब जब डल पॉइंट हमसे कुछ दूरी पर था, तो हम कुछ भी नहीं छोड़ सकते थे। हम दरार में घुस गए, इतना करीब पहुँच गए कि हमने तय कर लिया कि यह भी एक बंद रास्ता है, हमने हार मान ली और टिम को आगे बढ़ने को कहा। इससे पहले कि सुनहरे बालों वाला लड़का नाव को घुमा पाता, हम कुछ और फीट करीब आ गए।
कॉटन, धनुष पर सवार होकर, कमर से आगे झुककर चिल्लाया:
"यह रहा।"
उसने अपनी बंदूक दरार के एक तरफ तान दी। टिम ने नाव को लगभग एक फुट और आगे बढ़ने दिया। गर्दन उठाकर देखने पर हमें पता चला कि जिसे हम उस तरफ तटरेखा समझ रहे थे, वह वास्तव में चट्टान की एक ऊँची, पतली, आरी के दाँतों जैसी नुकीली पट्टी थी, जो इस छोर पर चट्टान से बीस फुट पानी से अलग थी।
"उसे अंदर डालो," फीनी ने आदेश दिया।
टिम ने पानी की ओर देखते हुए भौंहें चढ़ाईं, हिचकिचाया और कहा: "वह नहीं बच पाएगी।"
नाव अचानक हमारे पैरों के नीचे कांप उठी और एक अप्रिय कर्कश आवाज के साथ उसका पीछा करना शुरू कर दिया।
“भाड़ में जाए वो सब!” शेरिफ चिल्लाया। “उसे अंदर डालो।”
टिम ने शेरिफ के गुस्से से भरे चेहरे को देखा और उसे अंदर डाल दिया।

नहीं बताया कि वह कहाँ जा रही थी। ऐसा लग रहा था मानो उसे खुद भी पता न हो। शायद उसका कोई निश्चित गंतव्य नहीं था—वह बस उस जगह से दूर जा रही थी जहाँ उसके पति पर श्राप लगा था।
अभी गाड़ी ज़्यादा दूर नहीं गई थी कि उसे अपनी तरफ एक मशीन आती हुई दिखाई दी, जिसे वही आदमी चला रहा था जो उसे यहाँ लाया था। उसने अपनी गाड़ी सड़क के बीचोंबीच मोड़ दी और रास्ता रोक दिया। उसकी गाड़ी से टकराने से बचने की कोशिश में वह एक पेड़ से जा टकराई और उसके बाद उसे कुछ याद नहीं रहा जब तक कि वह गुफा में नहीं जाग गई। तब से वह यहीं थी। वह आदमी उसे ज़्यादातर समय यहीं अकेला छोड़ देता था। उसमें तैरकर भागने की न तो ताकत थी और न ही हिम्मत, और बाहर निकलने का कोई दूसरा रास्ता भी नहीं था।
उस आदमी ने उससे कुछ नहीं कहा था, कुछ नहीं पूछा था, उससे एक शब्द भी नहीं बोला था, सिवाय इसके कि "ये लो कुछ खाना," या "जब तक मैं तुम्हारे लिए पानी न लाऊं, प्यास लगने पर डिब्बाबंद टमाटर खाकर काम चलाना पड़ेगा," या इसी तरह की कुछ और बातें। उसे याद नहीं था कि उसने उसे पहले कभी देखा था। वह उसका नाम भी नहीं जानती थी। अपने पति की मृत्यु के बाद से उसने सिर्फ उसी आदमी को देखा था।
मैंने पूछा, “उन्होंने आपको क्या कहकर पुकारा? श्रीमती कार्टर? या श्रीमती कॉलिंसन?”
उसने सोच-विचार करते हुए माथे पर शिकन डाली, फिर सिर हिलाते हुए कहा:
“मुझे नहीं लगता कि उन्होंने कभी मेरा नाम लेकर मुझे पुकारा। वे तभी बोलते थे जब बहुत जरूरी होता था, और वे यहाँ बहुत कम रहते थे। मैं आमतौर पर अकेली रहती थी।”
“इस बार वह यहां कितने समय से था?”
"भोर होने से पहले ही। उसकी नाव के शोर ने मुझे जगा दिया।"
“पक्का? यह महत्वपूर्ण है। क्या आपको यकीन है कि वह सुबह से यहीं है?”
"हाँ।"
मैं उसके सामने एड़ियों पर बैठी थी। कॉटन मेरे बाईं ओर, शेरिफ के बगल में खड़ी थी। मैंने मार्शल की ओर देखा और कहा:

"अब तो यह सब आप पर निर्भर करता है, कॉटन। जब हमने आपकी पत्नी को देखा, तब भी वह गर्म थी—ग्यारह बजे के बाद भी।"
वह मुझे घूरते हुए हकलाते हुए बोला, "तुम क्या कह रहे हो?"
मेरे ठीक बगल में मुझे वर्नन के दांतों के आपस में जोर से टकराने की आवाज सुनाई दी।
मैंने कहा था:
“आपकी पत्नी को डर था कि व्हिडन उसे मार डालेगा, इसलिए उसने वह बयान लिखा। लेकिन उसने उसे नहीं मारा। वह सुबह से यहीं है। आपको वह बयान मिला, जिससे आपको पता चला कि वे बहुत ज्यादा दोस्ताना थे। तो फिर आपने क्या किया?”
“यह झूठ है,” वह चिल्लाया। “इसमें एक शब्द भी सच नहीं है। जब मैंने उसे पाया तो वह वहीं मर चुकी थी। मैंने कभी नहीं—”
"तुमने उसे मार डाला," वर्नन ने मेरे सिर के ऊपर से चिल्लाते हुए कहा। "तुमने उसका गला घोंट दिया, यह सोचकर कि इस बयान से व्हिडन पर शक पैदा हो जाएगा।"
“यह झूठ है,” मार्शल ने फिर से चिल्लाते हुए कहा और अपनी बंदूक निकालने की कोशिश करके गलती कर दी।
फीनी ने उसे घूंसा मारा, जिससे वह गिर गया, और उसके दोबारा उठने से पहले ही उसकी कलाई में हथकड़ी लगा दी गई।

18

अनानास

मैंने कहा, "यह समझ में नहीं आता। यह सब उलझन भरा है। जब हम अपने आदमी—या औरत—को पकड़ेंगे, तो पता चलेगा कि यह सब एक गलती थी, और फांसी की जगह नापा को सजा मिलेगी।"
“यह,” ओवेन फिट्ज़स्टेफ़न ने कहा, “तुम्हारा स्वभाव ही ऐसा है। तुम अचंभित, स्तब्ध और हक्का-बक्का हो। क्या तुम मानते हो कि तुम्हें तुम्हारा मालिक मिल गया है, तुम्हारा सामना किसी ऐसे शातिर अपराधी से हुआ है जो तुमसे कहीं ज़्यादा चालाक है? तुम नहीं। उसने तुम्हें मात दे दी है: इसलिए वह मूर्ख या पागल है। ज़रा सोचो। बेशक, तुम्हारे इस रवैये में एक अप्रत्याशित विनम्रता झलकती है।” “लेकिन उसे थोड़ा सनकी तो होना ही चाहिए,” मैंने जोर देकर कहा। “देखो: मेयेन शादी करती है—”
उसने घृणापूर्वक पूछा, "क्या तुम उस सूची को फिर से सुनाने जा रहे हो?"
“तुम्हारा दिमाग बहुत चंचल है। इस धंधे में यह ठीक नहीं है। रोचक विचारों में खोकर हत्यारों को नहीं पकड़ा जा सकता। तुम्हें सारे तथ्यों को इकट्ठा करके उन पर बार-बार विचार करना होगा, जब तक कि वे पूरी तरह से समझ में न आ जाएं।”
“अगर यही तुम्हारा तरीका है, तो तुम्हें इसे बर्दाश्त करना पड़ेगा,” उसने कहा, “लेकिन मुझे समझ नहीं आता कि मुझे क्यों कष्ट सहना चाहिए। तुमने कल रात मेयेन-लेगेट-कॉलिंसन का इतिहास एक-एक करके कम से कम आधा दर्जन बार सुनाया। आज सुबह नाश्ते के बाद से

तुमने कुछ और नहीं किया है। मैं इससे तंग आ गया हूँ। किसी के भी रहस्य इतने उबाऊ नहीं होने चाहिए जितने तुम इसे बना रहे हो।”
“अरे बाप रे,” मैंने कहा; “तुम्हारे सोने के बाद मैं आधी रात तक जागता रहा और इसे मन ही मन दोहराता रहा। तुम्हें इन्हें बार-बार दोहराना होगा, मेरे बेटे, जब तक कि ये ठीक से समझ में न आ जाएं।” मुझे निक कार्टर का तरीका ज़्यादा पसंद है। क्या आपको इस बात का ज़रा भी डर नहीं है कि बार-बार उन्हें पलटने से क्या नतीजे निकलेंगे?
“हाँ, मेरे पास एक सबूत है। वो ये है कि वर्नोन और फीनी का ये सोचना गलत है कि कॉटन अपहरण में व्हिडन के साथ काम कर रहा था और उसने उसे धोखा दिया। उनके मुताबिक, कॉटन ने योजना बनाई और व्हिडन को हत्या के लिए राजी किया, जबकि मार्शल ने अपने पद का दुरुपयोग करके उसे बचा लिया। कॉलिंसन को योजना का पता चल गया और उसे मार दिया गया। फिर कॉटन ने उसकी पत्नी से वो बयान लिखवाया—ये बयान झूठा था, उसे बोलकर लिखवाया गया था—उसे भी मार डाला और हमें व्हिडन तक पहुँचाया। जब हम छिपने की जगह पर पहुँचे तो कॉटन सबसे पहले किनारे पर उतरा—ताकि ये सुनिश्चित हो सके कि व्हिडन के बोलने से पहले ही गिरफ्तारी का विरोध करते हुए उसे मार दिया जाए।”
फिट्ज़स्टेफ़ान ने अपनी लंबी उंगलियों से अपने भूरे बालों को सहलाया और पूछा:
"क्या आपको नहीं लगता कि ईर्ष्या ने कॉटन को पर्याप्त मकसद दे दिया होगा?"
“हाँ। लेकिन व्हिडन ने कॉटन के हाथों में खुद को सौंपने का मकसद क्या है? इसके अलावा, यह योजना टेंपल रैकेट से कैसे मेल खाती है?” "क्या आपको यकीन है," फिट्ज़स्टेफ़ान ने पूछा, "कि आपका यह सोचना सही है कि इनके बीच कोई संबंध होना चाहिए?"
“हाँ। गैब्रिएल के पिता, सौतेली माँ, चिकित्सक और पति की कुछ ही हफ़्तों के भीतर हत्या कर दी गई—ये सभी उसके सबसे करीबी लोग थे। मेरे लिए इतना ही काफ़ी है सब कुछ समझने के लिए। अगर आपको और कड़ियाँ चाहिए, तो मैं आपको बता सकता हूँ। अप्टन और रुपर्ट पहले झगड़े के मुख्य सूत्रधार थे और मारे गए। हाल्डोर्न दूसरे झगड़े का सूत्रधार था और मारा गया। व्हिडन तीसरे झगड़े का सूत्रधार था और

मारा गया। श्रीमती लेगेट ने अपने पति की हत्या की; कॉटन ने अपनी पत्नी की हत्या की; और हाल्डोर्न भी अपने पति को मार डालता अगर मैंने उसे रोका न होता। गैब्रिएल को बचपन में अपनी माँ को मारने के लिए मजबूर किया गया; गैब्रिएल की नौकरानी को रीज़ को मारने के लिए मजबूर किया गया, और लगभग मुझे भी। लेगेट अपने पीछे एक बयान छोड़ गया जिसमें उसने—पूरी तरह संतोषजनक ढंग से नहीं—सब कुछ समझाया, और उसे मार दिया गया। श्रीमती कॉटन के साथ भी ऐसा ही हुआ। इनमें से किसी भी जोड़ी को संयोग कह लीजिए। किसी भी जोड़ी को संयोग कह लीजिए। फिर भी आपके पास किसी ऐसे व्यक्ति की ओर इशारा करने के लिए पर्याप्त सबूत होंगे जिसका अपना एक सिस्टम है और वह उसी पर अड़ा रहता है।”
फिट्ज़स्टेफ़ान ने मेरी ओर ध्यानपूर्वक देखते हुए सहमति व्यक्त की:
"इसमें कुछ सच्चाई हो सकती है। जैसा कि आपने कहा, यह एक ही व्यक्ति के दिमाग की उपज प्रतीत होती है।"
और एक मजाकिया सा।
उन्होंने कहा, "इस बारे में अडिग रहो। लेकिन तुम्हारी गलती के पीछे भी कोई न कोई मकसद जरूर होगा।"
"क्यों?"
“तुम्हारी इस तरह की सोच पर लानत है,” उसने सौम्य स्वभाव से थोड़ी अधीरता दिखाते हुए कहा। “अगर गैब्रिएल से जुड़ा उसका कोई मकसद नहीं था, तो उसके अपराधों को उससे क्यों जोड़ा जाना चाहिए?” मैंने कहा, "हमें यह नहीं पता कि वे सभी ऐसे हैं या नहीं। हमें केवल उन्हीं के बारे में पता है जो ऐसे हैं।"
वह मुस्कुराया और बोला:
"आप असहमति जताने के लिए किसी भी हद तक जा सकते हैं, है ना?"
मैंने कहा था:
फिर शायद, उन बेवकूफों के अपराध गैब्रिएल से जुड़े हुए हैं क्योंकि वह खुद गैब्रिएल है।
फिट्जस्टेफन ने अपनी भूरी आँखों को नींद से भर आने दिया, अपना मुँह सिकोड़ा और मेरे कमरे और गैब्रिएल के कमरे के बीच बंद दरवाजे की ओर देखने लगा।

“ठीक है,” उसने मेरी तरफ दोबारा देखते हुए कहा। “गैब्रिएल के सबसे करीबी तुम्हारा सनकी दोस्त कौन है?”
"गैब्रिएल के सबसे करीबी और सबसे मजाकिया व्यक्ति खुद गैब्रिएल ही हैं।"
फिट्ज़स्टेफ़ान उठे और होटल के कमरे को पार करके मेरे पास आए—मैं बिस्तर के किनारे बैठा था—और उन्होंने पूरे उत्साह के साथ मुझसे हाथ मिलाया।
“तुम अद्भुत हो,” उसने कहा। “तुम मुझे आश्चर्यचकित कर देते हो। क्या तुम्हें कभी रात में पसीना आता है? अपनी जीभ बाहर निकालो और कहो, ‘आह’।”
“मान लीजिए,” मैंने कहना शुरू किया, लेकिन गलियारे के दरवाजे पर हल्की सी दस्तक से मेरी बात अधूरी रह गई।
मैं दरवाजे तक गया और उसे खोला। गलियारे में मेरी ही उम्र और कद का एक दुबला-पतला आदमी झुर्रीदार काले कपड़े पहने खड़ा था। उसकी लाल नसों वाली नाक से भारी साँसें निकल रही थीं और उसकी छोटी भूरी आँखें डरी हुई थीं।
“आप मुझे जानते हैं,” उसने माफी मांगते हुए कहा।
“जी हाँ। अंदर आइए।” मैंने उनका परिचय फिट्ज़स्टेफ़ान से कराया: “यह वही टॉम फिंक हैं जो होली ग्रेल के मंदिर में हाल्डोर्न के सहायकों में से एक थे।”
फिंक ने मुझे तिरस्कार भरी निगाहों से देखा, फिर अपने सिर से अपनी सिकुड़ी हुई टोपी उतारी और फिट्ज़स्टेफ़न से हाथ मिलाने के लिए कमरे के उस पार चला गया। हाथ मिलाने के बाद, वह मेरे पास लौटा और लगभग फुसफुसाते हुए बोला:
मैं आपको कुछ बताने आया हूँ।
"हाँ?"
वह बेचैनी से अपनी टोपी को हाथों में घुमा रहा था। मैंने फिट्ज़स्टेफ़न को आँख मारी और फिंक के साथ बाहर चला गया। गलियारे में पहुँचकर मैंने दरवाज़ा बंद किया और रुककर कहा: "चलो शुरू करते हैं।"
फिंक ने अपनी जीभ से अपने होठों को रगड़ा और फिर अपने दुबले-पतले हाथ के पिछले हिस्से से। उसने धीमी, दबी आवाज़ में कहा:

मैं आपको कुछ ऐसी बात बताने आया हूँ जो मुझे लगता है कि आपको पता होनी चाहिए।
"हाँ?"
"यह व्हिडन नाम के एक व्यक्ति के बारे में है जिसकी हत्या कर दी गई थी।"
"हाँ?"
वह था—
मेरे कमरे का दरवाज़ा ज़ोर से खुल गया। फर्श, दीवारें और छत हमारे नीचे, चारों ओर और ऊपर हिलने लगे। शोर इतना ज़्यादा था कि कुछ सुनाई नहीं दे रहा था—एक ऐसी गर्जना जिसे शरीर ने महसूस किया। टॉम फिंक मुझसे दूर, पीछे की ओर बह गया। मैं इतना समझदार था कि जैसे ही मैं विपरीत दिशा में धक्के से गिरा, मैंने खुद को नीचे गिरा दिया, और दीवार से टकराने पर कंधे पर हल्की सी चोट के अलावा मुझे कुछ नहीं हुआ। एक दरवाज़े के फ्रेम ने फिंक को बुरी तरह रोक दिया, उसका किनारा उसके सिर के पिछले हिस्से से टकराया। वह फिर आगे आया, ज़मीन पर औंधा लेट गया, उसके सिर से खून बह रहा था, बस शरीर स्थिर था।
मैं उठा और अपने कमरे की ओर भागा। फिट्ज़स्टेफ़न ज़मीन के बीचोंबीच मांस और कपड़ों का एक क्षत-विक्षत ढेर बन चुका था। मेरा बिस्तर जल रहा था। खिड़की में न तो कांच बचा था और न ही तार की जाली। ये सब चीज़ें मेरे सामने बेमन से टिकी रहीं, जैसे-जैसे मैं लड़खड़ाते हुए गैब्रिएल के कमरे की ओर बढ़ा। जोड़ने वाला दरवाज़ा खुला था—शायद धमाके से खुल गया था।
वह बिस्तर पर घुटनों के बल बैठी थी, उसका चेहरा पैरों की तरफ था और पैर तकियों पर टिके थे। उसकी नाइटड्रेस एक कंधे से फटी हुई थी। उसके हरे-भूरे रंग की आँखें—भूरे घुंघराले बालों के नीचे चमक रही थीं जो उसके माथे को छुपा रहे थे—किसी पागल जानवर की आँखों जैसी लग रही थीं। उसकी नुकीली ठुड्डी पर लार चमक रही थी। कमरे में कोई और नहीं था।
“नर्स कहाँ है?” मेरी आवाज़ रुंध गई थी।
लड़की ने कुछ नहीं कहा। उसकी आँखों में व्याप्त भयानक भय मुझ पर ही टिका हुआ था।
मैंने आदेश दिया, "कंबल ओढ़ लो। निमोनिया करवाना चाहते हो?"

वह हिली नहीं। मैं बिस्तर के किनारे की ओर गया, एक हाथ से चादर का एक सिरा उठाया और दूसरे हाथ से उसकी मदद करने के लिए आगे बढ़ते हुए कहा:
"चलो, अंदर आ जाओ।"
उसने अपने सीने से एक अजीब सी आवाज़ निकाली, अपना सिर नीचे झुकाया और अपने नुकीले दांत मेरे हाथ के पिछले हिस्से में गड़ा दिए। मुझे बहुत दर्द हुआ। मैंने उसे कंबल के नीचे रखा, अपने कमरे में वापस गया और जब मैं अपना जलता हुआ गद्दा खिड़की से बाहर धकेल रहा था, तभी लोग आने लगे।
मैंने उनमें से पहले वाले को पुकारते हुए कहा, "डॉक्टर को बुलाओ; और यहाँ से दूर रहो।"
जब मिकी लाइनहान गलियारे में उमड़ रही भीड़ को चीरते हुए अंदर आया, तब तक मैं गद्दा हटा चुका था। मिकी ने फिट्ज़स्टेफ़न के बचे हुए हिस्से और मेरी तरफ़ पलकें झपकाईं और पूछा:
"क्या बकवास है?"
उसका बड़ा, ढीला मुंह किनारों से लटक रहा था, मानो उल्टी मुस्कान हो।
मैंने जली हुई उंगलियों को चाटा और अप्रिय स्वर में पूछा:
“यह आखिर दिखता क्या है?”
“और मुसीबत, ज़रूर।” उसके लाल चेहरे पर मुस्कान फिर से खिल उठी। “हाँ, ज़रूर—तुम यहाँ हो।”
बेन रॉली अंदर आया। "छी, छी, छी," उसने चारों ओर देखते हुए कहा। "तुम्हें क्या लगता है क्या हुआ होगा?"
मैंने कहा, "अनानास।"
“छी, छी, छी।”
डॉक्टर जॉर्ज अंदर आए और फिट्ज़स्टेफ़न के मलबे के पास घुटने टेक दिए। जॉर्ज पिछले दिन गुफा से लौटने के बाद से गैब्रिएल के चिकित्सक थे। वह कद में छोटे, मोटे, अधेड़ उम्र के व्यक्ति थे, जिनके होंठों, गालों, ठोड़ी और नाक के ऊपरी हिस्से को छोड़कर पूरे शरीर पर घने काले बाल थे। उनके बालों वाले हाथ फिट्ज़स्टेफ़न पर फिरे।
मैंने मिकी से पूछा, "फिंक क्या कर रहा है?"

“बिल्कुल भी नहीं। कल दोपहर जब उसे पकड़ा गया, तो मैं उसके पीछे पड़ गया। वह जेल से निकलकर केर्नी स्ट्रीट के एक होटल में गया और एक कमरा ले लिया। उसने दोपहर का ज़्यादातर समय पब्लिक लाइब्रेरी में बिताया, जहाँ वह लड़की की परेशानियों से जुड़ी अख़बारों की फाइलें, शुरू से लेकर आज तक, पढ़ता रहा। उसके बाद उसने खाना खाया और वापस होटल चला गया। वह मुझे चुपके से बुला सकता था। अगर उसने ऐसा नहीं किया, तो वह पूरी रात अपने कमरे में ही रहा। आधी रात को अंधेरा हो गया था जब मैंने काम खत्म किया ताकि मैं सुबह छह बजे काम पर पहुँच सकूँ। वह लगभग सात बजे आया, नाश्ता किया, पोस्टन के लिए एक रैटलर (एक तरह का खिलौना) लिया, यहाँ के लिए स्टेजकोच में बदला और सीधे होटल आकर तुम्हारे बारे में पूछने लगा। यही सब हुआ।”
“हे भगवान!” घुटनों के बल बैठे डॉक्टर ने कहा। “वह आदमी मरा नहीं है।”
मुझे उसकी बात पर यकीन नहीं हुआ। फिट्ज़स्टेफ़न का दाहिना हाथ और दाहिना पैर का ज़्यादातर हिस्सा गायब था। उसका शरीर इतना मुड़ा हुआ था कि उसका बचा हुआ हिस्सा भी दिखाई नहीं दे रहा था, लेकिन उसके चेहरे का केवल एक ही हिस्सा बचा था। मैंने कहा:
"एक और आदमी हॉल में पड़ा है, जिसका सिर बुरी तरह से घायल है।" “ओह, वो तो ठीक है,” डॉक्टर ने बिना ऊपर देखे बुदबुदाया। “लेकिन ये वाला—हे भगवान! मेरा तो बुरा हाल हो गया!”
वह झट से खड़ा हुआ और इधर-उधर की चीज़ें मंगवाने लगा। वह बहुत उत्साहित था। गलियारे से कुछ आदमी अंदर आए। गैब्रिएल कॉलिंसन की देखभाल कर रही महिला - श्रीमती हरमन - भी उनके साथ आ गईं, और एक और आदमी कंबल लेकर उनके साथ शामिल हो गया। वे फिट्ज़स्टेफ़ान को अपने साथ ले गए।
“हॉल में बैठा वो आदमी, फिंक?” रॉली ने पूछा।
“हाँ।” मैंने उसे वही बताया जो फिंक ने मुझे बताया था, और आगे कहा: “उसने अपनी बात पूरी नहीं की थी कि हंगामा मच गया।”
"मान लीजिए कि बम उसी के लिए था, उसे अपना काम पूरा करने से रोकने के लिए?"
मिक्की ने कहा: "शहर से उसके पीछे कोई नहीं आया, सिवाय मेरे।"

मैंने कहा, "शायद। मिक, बेहतर होगा कि तुम देख लो कि वे उसके साथ क्या कर रहे हैं।"
मिकी बाहर चला गया।
मैंने रॉली से कहा, “यह खिड़की बंद थी। धमाके से ठीक पहले शीशे पर कुछ फेंके जाने जैसी कोई आवाज़ नहीं आई थी; और कमरे के अंदर कोई टूटा हुआ शीशा भी नहीं है। खिड़की पर जाली भी लगी हुई थी, इसलिए हम कह सकते हैं कि अनानास खिड़की से अंदर नहीं फेंका गया था।”
रोली ने अस्पष्ट रूप से सिर हिलाया और गैब्रिएल के कमरे के दरवाजे की ओर देखा।
“मैं और फिंक गलियारे में बातें कर रहे थे,” मैंने आगे कहा। “मैं सीधे यहीं से होते हुए उसके कमरे में वापस भागा। धमाके के बाद कोई भी मेरे देखे या सुने बिना उसके कमरे से बाहर नहीं निकल सकता था। बाहर से गलियारे के दरवाजे से मेरी नजरें ओझल होने और अंदर से दोबारा दिखाई देने के बीच पलक झपकने जितना समय नहीं था। उसकी खिड़की पर लगी जाली अभी भी ठीक है।”
“श्रीमती हरमन उनके साथ अंदर नहीं थीं?” रॉली ने पूछा।
“उसे वहाँ होना चाहिए था, लेकिन वह नहीं थी। हम इसका पता लगा लेंगे। यह सोचने का कोई फायदा नहीं है कि श्रीमती कॉलिंसन ने बम फेंका होगा। जब से हम उन्हें कल डल पॉइंट से वापस लाए हैं, तब से वह बिस्तर पर हैं। वह वहाँ बम नहीं रख सकती थीं क्योंकि उन्हें पता ही नहीं था कि वह उस कमरे में रहने वाली हैं। तब से आपके, फीनी, वर्नोन, डॉक्टर, नर्स और मेरे अलावा कोई भी उस कमरे में नहीं गया है।”
“मैं यह नहीं कहने वाला था कि उसका इससे कोई लेना-देना है,” डिप्टी शेरिफ ने बुदबुदाते हुए कहा। “उसने क्या कहा?”
“अभी तक कुछ नहीं। हम अब उससे कोशिश करेंगे, हालांकि मुझे संदेह है कि इससे हमें कुछ खास फायदा होगा।”
ऐसा नहीं हुआ। गैब्रिएल बिस्तर के बीचोंबीच लेटी हुई थी, चादरें उसकी ठुड्डी तक सिमटी हुई थीं मानो वह किसी भी खतरे की घंटी बजते ही चादर के नीचे छिपने के लिए तैयार हो, और हमने उससे जो भी पूछा, चाहे जवाब सही हो या गलत, उसने हर बात पर सिर हिलाकर 'नहीं' कहा।
नर्स अंदर आई, चालीस के आसपास की एक महिला जिसके स्तन बड़े थे और बाल लाल थे। उसका चेहरा सादा, झाइयों वाला और नीली आँखों वाला था,

जो देखने में भोला-भाला लगता था। उसने गिदोन बाइबल पर हाथ रखकर कसम खाई कि वह पाँच मिनट से भी कम समय के लिए कमरे से बाहर गई थी, बस कुछ स्टेशनरी लेने नीचे गई थी, ताकि मरीज़ के सोते समय वैलेजो में रहने वाले अपने भतीजे को एक पत्र लिख सके; और पूरे दिन में वह बस एक ही बार कमरे से बाहर निकली थी। उसने कहा कि गलियारे में उसकी किसी से मुलाकात नहीं हुई।
मैंने पूछा, "आपने दरवाजा खुला छोड़ दिया था?"
"हां, ताकि वापस आने पर मैं उसे जगा न दूं।"
“तुम्हारे पास जो स्टेशनरी है वो कहाँ है?”
“मुझे समझ नहीं आया। मैंने धमाके की आवाज़ सुनी और भागकर ऊपर चली गई।” उसके चेहरे पर डर छा गया, जिससे उसके चेहरे की झुर्रियाँ भयानक धब्बों में बदल गईं। “तुम्हें नहीं लगता—!”
मैंने रूखेपन से कहा, "श्रीमती कॉलिंसन का बेहतर ख्याल रखना।"

19

पतित

रोली और मैं वापस अपने कमरे में चले गए और जोड़ने वाला दरवाजा बंद कर दिया। उसने कहा:
“छी, छी, छी। मुझे लगा था कि श्रीमती हरमन दुनिया की आखिरी इंसान होंगी जो ऐसा करेंगी—”
मैंने बड़बड़ाते हुए कहा, "तुम्हें ऐसा करना चाहिए था। तुमने ही तो उसकी सिफारिश की थी। वो कौन है?"
“वह टॉड हरमन की पत्नी है। गैरेज उसी का है। टॉड से शादी करने से पहले वह एक प्रशिक्षित नर्स थी। मुझे वह ठीक-ठाक लगी।”
"क्या वैलेजो में उसका कोई भतीजा है?"
“हम्म; वो तो वही शुल्त्स की बेटी है जो मारे आइलैंड में काम करती है। आपको क्या लगता है वो इसमें कैसे उलझ गई—?”
"शायद उसने ऐसा नहीं किया होगा, वरना उसके पास वो कागज होता जिसके पीछे वो पड़ी थी। यहाँ किसी को तैनात करो ताकि लोगों को अंदर आने से रोका जा सके, जब तक कि हम सैन फ्रांसिस्को के किसी बम विशेषज्ञ को बुलाकर इसकी जाँच न करवा लें।"
डिप्टी ने गलियारे से एक आदमी को बुलाया और हमने उसे कमरे में महत्वपूर्ण मुद्रा में छोड़ दिया। जब हम वहाँ पहुँचे तो मिकी लाइनहान लॉबी में मौजूद थे।
"फिंक की खोपड़ी में दरार आ गई है। वह दूसरे घायल व्यक्ति के साथ काउंटी अस्पताल जा रहा है।"
“क्या फिट्ज़स्टेफ़न मर गया?” मैंने पूछा।

नहीं, और डॉक्टर को लगता है कि अगर वे उसे ऐसी जगह ले जाएं जहां सही तरह के औजार हों तो वे उसे मरने से बचा सकते हैं। पता नहीं किसलिए— उसकी हालत देखकर! लेकिन एक मरणासन्न व्यक्ति को इस तरह की बातें करना बहुत मजेदार लगता है।
मैंने पूछा, "क्या आरोनिया हाल्डोर्न फिंक के साथ संबंध में थी?" “हां। अल मेसन उसका पीछा कर रहा है।”
“बूढ़े आदमी को फोन करो और पता करो कि अल ने उसके बारे में कुछ बताया है या नहीं। बूढ़े आदमी को बताओ कि यहाँ क्या हुआ है, और पता करो कि क्या उन्हें एंड्रयूज मिली है।”
“एंड्रयूज?” रॉली ने पूछा, जब मिकी फोन की ओर बढ़ा। “उसे क्या हुआ है?”
“मुझे तो कुछ पता नहीं; बस हम उसे ढूंढ नहीं पाए हैं ताकि उसे बता सकें कि श्रीमती कॉलिंसन को बचा लिया गया है। उसके दफ्तर में कल सुबह से उसे नहीं देखा गया है, और कोई भी यह बताने को तैयार नहीं है कि वह कहाँ है।”
“छी, छी, छी। क्या उसे चाहने का कोई खास कारण है?”
मैंने कहा, "मैं उसे जीवन भर अपने कंधों पर नहीं रखना चाहता। उसके मामलों की जिम्मेदारी उसी की है, वही उसका ख्याल रखता है, और मैं उसे उसी के हवाले करना चाहता हूँ।"
रोली ने अस्पष्ट रूप से सिर हिलाया।
हम बाहर गए और जितने लोगों को हम ढूंढ सके, उनसे हर वो सवाल पूछा जो हमारे दिमाग में आया। किसी भी जवाब से कोई नतीजा नहीं निकला, सिवाय इस बात के कि बम खिड़की से नहीं फेंका गया था। हमें छह ऐसे लोग मिले जो विस्फोट से ठीक पहले और विस्फोट के समय होटल के उस तरफ मौजूद थे; और उनमें से किसी ने भी ऐसा कुछ नहीं देखा जिसे बम फेंकने से जोड़ा जा सके।
मिकी ने फोन पर यह जानकारी लेकर बात खत्म की कि शहर की जेल से रिहा होने के बाद, आरोनिया हाल्डोर्न सैन माटेओ में जेफ्रीज़ नामक एक परिवार के घर गई थी और तब से वहीं रह रही थी; और एंड्रयूज की तलाश कर रहे डिक फोली को सॉसैलिटो में उसे ढूंढने की उम्मीद थी।
जिला अटॉर्नी वर्नोन और शेरिफ फीनी, अपने पीछे पत्रकारों और फोटोग्राफरों की भीड़ के साथ, काउंटी मुख्यालय से पहुंचे।

उन्होंने जासूसी के कई प्रयास किए, लेकिन उनसे कुछ हासिल नहीं हुआ सिवाय सैन फ्रांसिस्को और लॉस एंजिल्स के सभी अखबारों के पहले पन्नों पर छपने के—वही जगह जो उन्हें सबसे ज्यादा पसंद थी। मैंने गैब्रिएल कॉलिंसन को होटल के दूसरे कमरे में शिफ्ट करवा दिया और मिकी लाइनहान को बगल वाले कमरे में तैनात कर दिया, जिसका दरवाजा खुला छोड़ दिया। गैब्रिएल ने अब वर्नोन, फीनी, रॉली और मुझसे बात की। उसकी बातों से हमें कोई खास मदद नहीं मिली। उसने बताया कि वह सो रही थी; एक भयानक शोर और बिस्तर के ज़ोर से हिलने से उसकी नींद खुली; और फिर मैं अंदर आ गया। उसे बस इतना ही पता था। दोपहर बाद सैन फ्रांसिस्को पुलिस विभाग के बम विशेषज्ञ मैकक्रैकन पहुंचे। उन्होंने वहां से जो भी टुकड़े बरामद किए, उन सभी की जांच करने के बाद प्रारंभिक निष्कर्ष दिया कि बम छोटा था, एल्यूमीनियम का बना था, उसमें निम्न श्रेणी का नाइट्रोग्लिसरीन भरा हुआ था और वह एक साधारण घर्षण उपकरण द्वारा विस्फोटित हुआ था।
मैंने पूछा, "शौकिया काम है या पेशेवर?"
मैकक्रैकन ने तंबाकू के कुछ टुकड़े थूक दिए—वह सिगरेट चबाने वाले लोगों में से एक था—और कहा:
“मेरा मानना है कि इसे किसी ऐसे व्यक्ति ने बनाया है जिसे अपने काम की अच्छी जानकारी थी, लेकिन उसे जो भी संसाधन उपलब्ध थे, उन्हीं से काम चलाना पड़ा। प्रयोगशाला में इस बेकार चीज़ पर काम करने के बाद मैं आपको और अधिक जानकारी दूंगा।”
मैंने पूछा, "इसमें टाइमर नहीं है?"
"इसका कोई संकेत नहीं है।"
डॉक्टर जॉर्ज काउंटी मुख्यालय से यह खबर लेकर लौटे कि फिट्ज़स्टेफ़न का जो भी हिस्सा बचा था, वह अभी भी जीवित था। डॉक्टर बहुत खुश थे। मुझे फिंक और गैब्रिएल के बारे में अपने सवाल सुनाने के लिए उन पर चिल्लाना पड़ा। फिर उन्होंने बताया कि फिंक की जान खतरे में नहीं है, और लड़की की सर्दी इतनी ठीक हो गई है कि अगर वह चाहे तो बिस्तर से उठ सकती है। मैंने उसकी घबराहट के बारे में पूछा, लेकिन उन्हें फिट्ज़स्टेफ़न वापस जाने की इतनी जल्दी थी कि वे बाकी बातों पर ज्यादा ध्यान नहीं दे पाए।

“हम्म-हम्म, हाँ, बिल्कुल,” वह बुदबुदाते हुए मेरे पास से गुज़रते हुए अपनी कार की ओर बढ़ गया। “शांति, आराम, चिंता से मुक्ति,” और वह चला गया।
उस शाम मैंने वर्नोन और फीनी के साथ होटल के कैफे में खाना खाया। उन्हें नहीं लगा कि मैंने उन्हें बम धमाके के बारे में सब कुछ बता दिया है, और उन्होंने मुझे पूरे भोजन के दौरान गवाह के तौर पर पेश किया, हालाँकि उनमें से किसी ने भी मुझ पर सीधे तौर पर कुछ छिपाने का आरोप नहीं लगाया।
रात के खाने के बाद मैं अपने नए कमरे में गया। मिकी बिस्तर पर लेटा हुआ अखबार पढ़ रहा था।
मैंने कहा, "जाओ खाना खा लो। हमारा बच्चा कैसा है?"
“वो तैयार है। तुम उसका क्या हाल करोगे—उसके पास तो सिर्फ पचास कार्ड हैं?”
मैंने पूछा, "क्यों? वो क्या कर रही थी?"
कुछ नहीं। मैं बस सोच रहा था।
“ये तो खाली पेट होने की वजह से है। जाकर कुछ खा लो।”
“जी हां, श्रीमान कॉन्टिनेंटल,” उसने कहा और बाहर चला गया।
बगल वाला कमरा शांत था। मैंने दरवाजे पर कान लगाकर सुना और फिर उसे थपथपाया। श्रीमती हरमन की आवाज आई: "अंदर आ जाओ।"
वह बिस्तर के बगल में बैठी, छल्लों पर टंगे पीले कपड़े पर रंगीन तितलियाँ बना रही थी। गैब्रिएल कॉलिंसन कमरे के दूसरे कोने में एक झूला कुर्सी पर बैठी, अपनी गोद में आपस में गड़ी हुई हथेलियों को घूर रही थी—हाथ इतनी कसकर गड़े हुए थे कि उंगलियों के जोड़ सफेद पड़ गए थे और उंगलियों के सिरे फैल गए थे। उसने वही ट्वीड के कपड़े पहने हुए थे जिनमें उसका अपहरण हुआ था। कपड़े अभी भी थोड़े सिकुड़े हुए थे, लेकिन उन पर लगी मिट्टी को अच्छी तरह साफ कर दिया गया था। जब मैं अंदर आया तो उसने ऊपर नहीं देखा। नर्स ने देखा और अपनी झाइयों को एक असहज मुस्कान में दबा लिया।
मैंने मुस्कुराते हुए प्रवेश करने की कोशिश करते हुए कहा, "शुभ संध्या। लगता है हमारे पास बीमार लोगों की कमी हो रही है।"
इससे लड़की की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली, बल्कि नर्स की ओर से बहुत अधिक प्रतिक्रिया मिली।

“जी हाँ, बिल्कुल,” श्रीमती हरमन ने अतिशयोक्तिपूर्ण उत्साह से कहा। “अब हम श्रीमती कॉलिंसन को बीमार नहीं कह सकते—अब जब वह उठ-बैठ रही हैं—और मुझे लगभग अफ़सोस है कि वह बीमार हैं—ही-ही-ही— क्योंकि मैंने कभी भी इतनी अच्छी मरीज़ नहीं देखी; लेकिन अस्पताल में प्रशिक्षण के दौरान हम लड़कियाँ यही कहा करती थीं: मरीज़ जितनी अच्छी होती थी, हम उसे उतने ही कम समय के लिए रखते थे, जबकि अगर कोई अप्रिय मरीज़ होता तो वह—मेरा मतलब है, मानो हमेशा के लिए वहीं पड़ी रहती थी। मुझे याद है एक बार—”
मैंने उसे देखकर मुंह बनाया और दरवाजे की ओर सिर हिलाया। उसके मुंह से निकले बाकी शब्द उसके मुंह में ही अटक गए। उसका चेहरा पहले लाल हुआ, फिर सफेद पड़ गया। उसने अपनी कढ़ाई गिरा दी और उठ खड़ी हुई, मूर्खतापूर्ण ढंग से बोली: “हां, हां, ऐसा ही तो हमेशा होता है। खैर, मुझे जाकर उन्हें देखना है—तुम्हें पता है—उन्हें क्या कहते हैं? कृपया मुझे कुछ मिनटों के लिए माफ़ कर दीजिए।” वह जल्दी से, एक तरफ हटकर बाहर चली गई, मानो उसे डर हो कि मैं चुपके से उसके पीछे आकर उसे लात मार दूँगी।
जब दरवाजा बंद हो गया, तो गैब्रिएल ने अपने हाथों से नज़रें उठाकर कहा:
“ओवेन मर गया है।”
उसने पूछा नहीं, उसने कहा; लेकिन इसे प्रश्न के अलावा किसी और तरह से नहीं माना जा सकता था।
“नहीं।” मैं नर्स की कुर्सी पर बैठ गया और सिगरेट निकाली। “वह जीवित है।”
“क्या वह जीवित रहेगा?” सर्दी के कारण उसकी आवाज अभी भी भारी थी। मैंने अतिशयोक्ति करते हुए कहा, "डॉक्टरों का तो यही मानना है।" “अगर वह जीवित रहा, तो क्या वह—?” उसने सवाल अधूरा छोड़ दिया, लेकिन उसकी कर्कश आवाज काफी भावहीन लग रही थी।
वह बुरी तरह से घायल हो जाएगा।
वह मुझसे ज्यादा खुद से बात कर रही थी:
"यह और भी अधिक संतोषजनक होना चाहिए।"

मैं मुस्कुराया। अगर मैं उतना ही अच्छा अभिनेता था जितना मैं सोचता था, तो मेरी उस मुस्कान में खुशमिजाज आनंद के अलावा और कुछ नहीं था।
“हंसो,” उसने गंभीरता से कहा। “काश तुम इसे हंसकर भुला सकते। लेकिन तुम ऐसा नहीं कर सकते। यह यहीं है। यह हमेशा यहीं रहेगा।” उसने अपने हाथों की ओर देखा और फुसफुसाते हुए कहा: “शापित।”
किसी और लहजे में बोले गए उस आखिरी शब्द में नाटकीयता और बनावटीपन झलकता। लेकिन उसने उसे सहजता से, बिना किसी भावना के कहा, मानो यह कहना उसकी आदत बन गई हो। मैं उसे अंधेरे में बिस्तर पर लेटे हुए, घंटों तक खुद से फुसफुसाते हुए, कपड़े पहनते समय अपने शरीर से फुसफुसाते हुए, दिन-ब-दिन दर्पण में अपने चेहरे को निहारते हुए देख सकता था।
मैं अपनी कुर्सी पर बेचैन होकर बैठ गया और गुर्राया:
“बस करो। सिर्फ इसलिए कि एक गुस्सैल महिला अपनी नफरत और गुस्से को दस-बीस-तीस मिनट के भाषण में निकालती है—”
“नहीं, नहीं; मेरी सौतेली माँ ने तो बस वही कहा जो मैं हमेशा से जानती थी। मुझे नहीं पता था कि यह डैन वंश में है, पर मुझे पता था कि यह मुझमें है। भला मैं कैसे न जान पाती? क्या मुझमें पतन के शारीरिक लक्षण नहीं थे?” वह कमरे के उस पार आकर मेरे सामने खड़ी हो गई, अपना सिर एक तरफ घुमाते हुए, दोनों हाथों से अपने घुंघराले बालों को पीछे पकड़े हुए। “मेरे कान देखो—बिना लोब के, नुकीले सिरे। इंसानों के कान ऐसे नहीं होते। जानवरों के होते हैं।” उसने अपना चेहरा फिर मेरी तरफ घुमाया, अभी भी अपने बालों को पकड़े हुए। “मेरा माथा देखो—यह छोटा है, इसका आकार—जानवर जैसा। मेरे दांत।” उसने उन्हें दिखाया—सफेद, छोटे, नुकीले। “मेरे चेहरे का आकार।” उसके हाथ बालों से हटकर गालों पर फिसल गए, और उसकी अजीब तरह से नुकीली छोटी ठुड्डी के नीचे आकर मिल गए।
“बस इतना ही?” मैंने पूछा। “क्या तुम्हारे खुर फटे हुए नहीं हैं? ठीक है। मान लो कि ये बातें उतनी ही अजीब हैं जितनी तुम्हें लगती हैं। तो फिर क्या हुआ? तुम्हारी सौतेली माँ डैन थी, और वो ज़हरीली थी, लेकिन उसके शरीर पर पतन के कोई निशान कहाँ थे? क्या वो उतनी ही

सामान्य, उतनी ही स्वस्थ नहीं दिखती थी जितनी कोई भी औरत दिखती है?”
“लेकिन ये कोई जवाब नहीं है।” उसने अधीरता से सिर हिलाया। “शायद उसके शरीर पर वो निशान नहीं थे। मुझ पर हैं, और मानसिक भी। मैं—” वो मेरे पास बिस्तर के किनारे बैठ गई, कोहनियाँ घुटनों पर टिकाए, दर्द से पीला पड़ा चेहरा हाथों के बीच दबाए। “मैं कभी भी दूसरों की तरह साफ़-साफ़ सोच नहीं पाई, यहाँ तक कि सबसे सरल विचार भी नहीं। मेरे दिमाग में सब कुछ हमेशा उलझा रहता है। मैं चाहे जो भी सोचने की कोशिश करूँ, एक धुंध छा जाती है और दूसरे विचार हमारे बीच आ जाते हैं, इसलिए मैं जिस विचार को चाहूँ उसकी एक झलक भी मुश्किल से देख पाती हूँ, इससे पहले कि वो फिर से गायब हो जाए, और मुझे उस धुंध में उसे ढूँढ़ना पड़ता है, और आखिरकार जब वो मिलता है, तो वही चीज़ बार-बार दोहराई जाती है। क्या आप समझ सकते हैं कि ये कितना भयानक हो सकता है: इस तरह ज़िंदगी गुज़ारना—साल दर साल—यह जानते हुए कि आप हमेशा ऐसे ही रहेंगे—या इससे भी बदतर?”
“मैं नहीं कर सकता,” मैंने कहा। “यह मुझे बिल्कुल सामान्य लगता है। कोई भी स्पष्ट रूप से नहीं सोचता, चाहे वे कितना भी दिखावा करें। सोचना एक उलझन भरा काम है, धुंधली सी झलकियों को जितना हो सके पकड़ना और उन्हें यथासंभव एक साथ जोड़ना। इसीलिए लोग अपने विश्वासों और विचारों से इतने मजबूती से जुड़े रहते हैं; क्योंकि जिस बेतरतीब तरीके से वे उन तक पहुंचते हैं, उसकी तुलना में सबसे बेतुका विचार भी आश्चर्यजनक रूप से स्पष्ट, तर्कसंगत और स्वतः सिद्ध लगता है। और अगर आप इसे अपने से दूर जाने देते हैं, तो आपको उस धुंधली उलझन में फिर से गोता लगाना पड़ता है ताकि उसकी जगह लेने के लिए कोई दूसरा विचार निकाल सकें।”
उसने अपने हाथों से अपना चेहरा हटाया और शरमाते हुए मेरी तरफ मुस्कुराते हुए कहा:
“यह अजीब बात है कि मुझे पहले तुम पसंद नहीं थे।” उसका चेहरा फिर से गंभीर हो गया। “लेकिन—”
“पर कुछ नहीं,” मैंने कहा। “तुम इतने बड़े हो गए हो कि जानते हो कि बहुत पागल और बहुत बेवकूफ लोगों को छोड़कर बाकी सभी को कभी-कभी—या जब भी उन्हें ख्याल आता है—लगता है कि वे पूरी तरह से समझदार नहीं

हैं। बेवकूफी के सबूत आसानी से मिल जाते हैं: जितना तुम अपने अंदर झाँकोगे, उतना ही तुम्हें मिलेगा। किसी का दिमाग उस तरह की जाँच नहीं झेल सकता जो तुम अपने दिमाग की कर रहे हो। खुद को पागल साबित करने की कोशिश में लगे हो! हैरानी की बात है कि तुम पागल नहीं हो गए।”
"शायद मैंने किया है।"
“नहीं। मेरी बात मानो, तुम समझदार हो। या मेरी बात मत मानो। देखो। तुम्हारी ज़िंदगी की शुरुआत बहुत बुरी हुई। शुरुआत में ही तुम बुरे लोगों के चंगुल में फंस गई। तुम्हारी सौतेली माँ ज़हर के समान थी, और उसने तुम्हें बर्बाद करने की पूरी कोशिश की, और अंत में वह तुम्हें यह यकीन दिलाने में कामयाब हो गई कि तुम पर एक खास पारिवारिक अभिशाप लगा हुआ है। पिछले कुछ महीनों में—जब से मैं तुम्हें जानता हूँ—तुम पर सारी मुसीबतें आ पड़ी हैं, और अपने अभिशाप पर तुम्हारे विश्वास ने तुम्हें हर मुसीबत के लिए खुद को ज़िम्मेदार ठहराने पर मजबूर कर दिया है। ठीक है। इसका तुम पर क्या असर हुआ है? तुम अक्सर सदमे में रहती हो, कभी-कभी हिस्टीरिया में रहती हो, और जब तुम्हारे पति की हत्या हुई तो तुमने खुदकुशी करने की कोशिश की, लेकिन गोली के तुम्हारे शरीर को चीरने के सदमे को सहने की हिम्मत तुममें नहीं थी।”
“हे भगवान, बहन! मैं तो बस एक किराए का आदमी हूँ और तुम्हारी परेशानियों में मेरी दिलचस्पी भी सिर्फ एक किराए के आदमी जैसी है, और उनमें से कुछ ने तो मुझे स्तब्ध कर दिया है। क्या मैंने उस मंदिर में किसी भूत को काटने की कोशिश नहीं की थी? और मैं तो बूढ़ा और अपराध से बेखबर माना जाता हूँ। आज सुबह—तुम्हारे साथ जो कुछ भी हुआ उसके बाद—किसी ने तुम्हारे बिस्तर के ठीक बगल में नाइट्रोग्लिसरीन का पैकेट फोड़ दिया। और आज शाम तुम यहाँ हो, उठकर तैयार हो गई हो, और मुझसे अपनी मानसिक स्थिति पर बहस कर रही हो।” “अगर तुम सामान्य नहीं हो, तो इसकी वजह यह है कि तुम सामान्य से ज़्यादा मज़बूत, समझदार और जोशीले हो। अपने डैन वंश के बारे में सोचना बंद करो और अपने अंदर के मेयेन वंश के बारे में सोचो। तुम्हें अपनी मज़बूती कहाँ से मिली, सिवाय उससे? यही मज़बूती थी जिसने उसे डेविल्स आइलैंड, मध्य अमेरिका और मेक्सिको से गुज़ारा

और अंत तक डटा रखा। तुम उससे ज़्यादा मिलते-जुलते हो, उस डैन से नहीं जिसे मैंने देखा था। शारीरिक रूप से तुम अपने पिता जैसे हो, और अगर तुममें पतन के कोई भी शारीरिक लक्षण हैं—इसका जो भी मतलब हो— तो वो तुम्हें उससे ही मिले हैं।”
उसे यह अच्छा लगा। उसकी आँखों में मानो खुशी झलक रही थी। लेकिन फिलहाल मेरे पास कहने के लिए शब्द नहीं थे, और सिगरेट के पीछे और शब्द ढूंढने की कोशिश करते-करते उसकी आँखों की चमक फीकी पड़ गई। “मुझे खुशी है—आपने जो कहा उसके लिए मैं आपकी आभारी हूँ, अगर आपने सच में ऐसा कहा है।” उसके लहजे में फिर से निराशा झलक रही थी, और उसका चेहरा फिर से उसके हाथों के बीच था। “लेकिन, मैं जो भी हूँ, वह सही थी। आप यह नहीं कह सकते कि वह गलत थी। आप इस बात से इनकार नहीं कर सकते कि मेरा जीवन अभिशाप से भरा हुआ है, कलंकित है, और उन सभी लोगों का जीवन भी जिन्होंने मुझे छुआ है।”
मैंने कहा, "मैं इसका एक जवाब हूं। मैं हाल ही में आपके आसपास काफी रहा हूं, और आपके मामलों में काफी दखल दिया है, और मेरे साथ ऐसा कुछ नहीं हुआ है जिसे एक रात की नींद ठीक न कर सके।"
“लेकिन एक अलग तरीके से,” उसने माथे पर शिकन डालते हुए धीरे से विरोध किया। “आपसे मेरा कोई व्यक्तिगत संबंध नहीं है। यह सिर्फ पेशेवर संबंध है—आपके काम से। इसी से फर्क पड़ता है।”
मैंने हंसते हुए कहा:
“यह ठीक नहीं है। वहाँ फिट्ज़स्टेफ़न है। वह आपके परिवार को जानता था, बेशक, लेकिन वह मेरे ज़रिए, मेरी तरफ से यहाँ आया था, और वास्तव में, वह आपसे मुझसे भी ज़्यादा दूर था। मुझे पहले क्यों नहीं जाना चाहिए था? शायद बम मेरे लिए था? हो सकता है। लेकिन इससे हम इस बात पर आते हैं कि इसके पीछे एक इंसान का दिमाग है—एक ऐसा दिमाग जो गड़बड़ कर सकता है—न कि आपका अचूक श्राप।”
“आप गलतफहमी में हैं,” उसने अपने घुटनों की ओर देखते हुए कहा। “ओवेन मुझसे प्यार करता था।”
मैंने आश्चर्य न दिखाने का फैसला किया। मैंने पूछा:
"क्या तुम-?"
“नहीं, प्लीज़! प्लीज़ मुझसे इसके बारे में बात मत कीजिए। अभी नहीं —आज सुबह जो हुआ उसके बाद।” उसने अपने कंधे एकदम सीधे कर लिए और

तीखे स्वर में कहा: “आपने अचूक श्राप के बारे में कुछ कहा था। मुझे नहीं पता कि आप मुझे गलत समझ रहे हैं या मुझे मूर्ख साबित करने के लिए ऐसा दिखावा कर रहे हैं। लेकिन मैं अचूक श्राप में विश्वास नहीं करती, चाहे वह शैतान से आए या ईश्वर से, जैसे कि अय्यूब के श्राप में।” अब वह गंभीर थी, बातचीत का रुख बदलने के लिए नहीं बोल रही थी। “लेकिन क्या ऐसे लोग नहीं हो सकते—क्या ऐसे लोग नहीं हो सकते जो इतने गहरे—बुनियादी तौर पर—दुष्ट हों कि वे हर उस व्यक्ति को ज़हर दे दें—उसमें सबसे बुराई बाहर निकाल दें जिसे वे छूते हैं? और क्या ऐसा नहीं हो सकता—?”
मैंने आधे मन से सहमति जताते हुए कहा, "ऐसे लोग हैं जो ऐसा कर सकते हैं, जब वे चाहें।"
“नहीं, नहीं! चाहे वे चाहें या न चाहें। जब वे बिल्कुल भी न चाहें। यही सच है। यही सच है। मैंने एरिक से प्यार किया क्योंकि वह साफ-सुथरा और अच्छा इंसान था। आप जानती हैं कि वह ऐसा ही था। आप उसे अच्छी तरह जानती थीं, और आप पुरुषों को अच्छी तरह जानती हैं, इसलिए आपको पता था कि वह ऐसा ही था। मैंने उससे इसी तरह प्यार किया, उसे इसी तरह चाहा। और फिर, जब हमारी शादी हुई—”
वह सिहर उठी और उसने अपने दोनों हाथ मेरी ओर बढ़ा दिए। हथेलियाँ सूखी और गर्म थीं, उंगलियों के सिरे ठंडे थे। मुझे नाखूनों को अपनी त्वचा में चुभने से बचाने के लिए उन्हें कसकर पकड़ना पड़ा। मैंने पूछा:
"क्या शादी के समय आप कुंवारी थीं?"
“हां, मैं था। मैं हूं। मैं—”
मैंने कहा, "इसमें उत्साहित होने जैसी कोई बात नहीं है। तुम हो, और तुम्हारे विचार हमेशा की तरह बेतुके हैं। और तुम नशा भी करते हो, है ना?"
उसने सिर हिलाया। मैंने आगे कहा:
“इससे यौन संबंध में आपकी रुचि सामान्य से कम हो जाएगी, और किसी और की स्वाभाविक रुचि भी आपको असामान्य लगेगी। एरिक बहुत छोटा था, आपसे बहुत प्यार करता था, और शायद अनुभवहीन भी था, इसलिए उससे कुछ गलतियाँ होना स्वाभाविक था। आप इसे कोई भयानक बात नहीं बना सकते।”

“लेकिन सिर्फ़ एरिक ही नहीं,” उसने समझाया। “मेरी जान-पहचान के हर आदमी के साथ ऐसा ही हुआ है। मुझे घमंडी मत समझो। मुझे पता है मैं सुंदर नहीं हूँ। लेकिन मैं बुरी नहीं बनना चाहती। बिलकुल नहीं। आखिर पुरुष ऐसा क्यों करते हैं? मेरी जान-पहचान के सभी पुरुषों के साथ ऐसा क्यों हुआ है?”
मैंने पूछा, "क्या आप मेरे बारे में बात कर रहे हैं?"
“नहीं—आप जानते हैं कि मैं ऐसा नहीं हूँ। कृपया मेरा मजाक मत उड़ाइए।”
“तो क्या अपवाद भी हैं? कोई और? उदाहरण के लिए, मैडिसन एंड्रयूज?” "अगर आप उन्हें अच्छी तरह से जानते हैं, या उनके बारे में बहुत कुछ सुना है, तो आपको यह पूछने की जरूरत नहीं है।"
“नहीं,” मैंने सहमति जताई। “लेकिन आप उसे शाप के लिए दोष नहीं दे सकते—यह आदत है। क्या वह बहुत बुरा था?”
“वह बहुत मजाकिया था,” उसने कड़वाहट से कहा।
“यह कितने समय पहले की बात है?”
“ओह, शायद डेढ़ साल। मैंने अपने पिता और सौतेली माँ को कुछ नहीं बताया। मुझे शर्म आती थी कि पुरुष मेरे साथ ऐसा व्यवहार करते हैं, और यह कि—”
मैंने बड़बड़ाते हुए कहा, "तुम्हें कैसे पता कि ज़्यादातर मर्द ज़्यादातर औरतों के साथ ऐसा बर्ताव नहीं करते? तुम्हें क्या लगता है कि तुम्हारा मामला इतना अनोखा क्यों है? अगर तुम्हारे कान तेज़ होते, तो तुम अभी सुन सकते थे और सैन फ्रांसिस्को में हज़ार औरतें यही शिकायत कर रही होतीं, और भगवान जाने—शायद उनमें से आधी खुद को ईमानदार समझ रही होतीं।"
उसने अपने हाथ मुझसे छुड़ा लिए और बिस्तर पर सीधी बैठ गई। उसके चेहरे पर हल्की गुलाबी रंगत आ गई।
"अब तुमने मुझे मूर्ख महसूस करा दिया है," उसने कहा।
“मुझसे ज़्यादा बेवकूफ़ कोई नहीं। मुझे जासूस होना चाहिए। जब से यह काम शुरू हुआ है, मैं एक गोल चक्कर पर घूम रहा हूँ, तुम्हारे श्राप से उतनी ही दूरी बनाए हुए हूँ, यह सोचता रहता हूँ कि अगर मैं उससे आमने-सामने हो जाऊँ तो क्या होगा, लेकिन कभी हो नहीं पाया। अब हो जाऊँगा। क्या तुम एक-दो हफ़्ते और इंतज़ार कर सकते हो?”

"तुम्हारा मतलब है-?"
मैं तुम्हें यह साबित कर दूंगा कि तुम्हारा श्राप पूरी तरह से बकवास है, लेकिन इसमें कुछ दिन, शायद कुछ सप्ताह लग जाएंगे। उसकी आंखें फटी हुई थीं और वह कांप रही थी, वह मेरी बात पर विश्वास करना चाहती थी, लेकिन डरी हुई भी थी। मैंने कहा:
“बात तो तय हो गई। अब तुम क्या करोगे?”
“मैं—मुझे नहीं पता। क्या आपका मतलब वही है जो आपने कहा? कि इसे खत्म किया जा सकता है? कि मेरे पास अब और कुछ नहीं होगा—? कि आप—?” “हाँ। क्या आप कुछ समय के लिए खाड़ी वाले घर वापस जा सकते हैं? इससे शायद काम बन जाए, और आप वहाँ सुरक्षित भी रहेंगे। हम श्रीमती हरमन को अपने साथ ले जा सकते हैं, और शायद एक-दो ऑपरेशन भी करवा सकते हैं।”
“मैं जाऊंगी,” उसने कहा।
मैंने अपनी घड़ी देखी और उठते हुए कहा: “बेहतर होगा कि मैं वापस बिस्तर पर चला जाऊं। हम कल नीचे जाएंगे। शुभ रात्रि।”
वह अपने निचले होंठ को चबा रही थी, कुछ कहना चाहती थी, कुछ कहना नहीं चाहती थी, अंततः उसने कह ही दिया:
मुझे वहां मॉर्फिन की जरूरत पड़ेगी।
“ज़रूर। आज के लिए आपका राशन कितना है?”
“पांच-दस दाने।”
मैंने कहा, "यह काफी हल्का है," और फिर लापरवाही से पूछा, "क्या आपको इसका इस्तेमाल करना पसंद है?"
मुझे डर है कि अब बहुत देर हो चुकी है, इसलिए मेरे पसंद या नापसंद होने से कोई फर्क नहीं पड़ता।
मैंने कहा, “तुम हर्स्ट के अखबार पढ़ रहे हो। अगर तुम बीच में पढ़ना छोड़ना चाहो, और हमारे पास वहाँ कुछ दिन का समय हो, तो हम तुम्हें धीरे-धीरे पढ़ने की आदत डलवा देंगे। यह इतना मुश्किल नहीं है।”
वह लड़खड़ाती हुई हंसी हंसी, उसके होंठ अजीब तरह से फड़क रहे थे। “चले जाओ,” वह रोते हुए बोली। “मुझे और कोई दिलासा मत दो, और कोई वादे मत करो, प्लीज़। मैं आज रात और बर्दाश्त नहीं कर सकती। मैं इन सब बातों से मदहोश हो चुकी हूँ। प्लीज़ चले जाओ।”
ठीक है। शुभ रात्रि।

शुभ रात्रि—और धन्यवाद।
मैं अपने कमरे में गया और दरवाजा बंद कर लिया। मिकी एक बोतल का ढक्कन खोल रहा था। उसके घुटनों पर धूल जमी हुई थी। उसने अपनी अक्ल की मुस्कान मेरी तरफ घुमाई और कहा:
“तुम तो बड़ी ही खूबसूरत हो। आखिर करना क्या चाह रही हो? क्या अपने लिए घर जीतना चाहती हो?”
“चुप रहो। कुछ नया पता है?”
“मुख्य साजिशकर्ता वापस काउंटी सीट पर चले गए हैं। जब मैं दूध पिलाकर लौटा तो लाल बालों वाली नर्स दरवाजे के छेद से कुछ ले रही थी। मैंने उसका पीछा किया।”
“और उसकी जगह ले ली?” मैंने उसके धूल से सने घुटनों की ओर इशारा करते हुए पूछा।
आप मिकी को शर्मिंदा नहीं कर सकते थे। उन्होंने कहा:
"बिल्कुल नहीं। वह दूसरे दरवाजे पर, हॉल में थी।"

20

द हाउस इन द कोव

अगली सुबह देर से मैंने गैराज से फिट्ज़स्टेफ़न की कार ली और गैब्रिएल और श्रीमती हरमन को खाड़ी में स्थित घर तक ले गया। लड़की उदास थी। बोलने पर वह मुश्किल से मुस्कुराती थी और अपनी तरफ से कुछ भी नहीं बोलती थी। मुझे लगा कि शायद वह कोलिंसन के साथ साझा किए गए घर में वापस जाने के विचार से दुखी है, लेकिन जब हम वहाँ पहुँचे तो वह बिना किसी झिझक के अंदर चली गई और वहाँ होने से उसकी उदासी और नहीं बढ़ी।
दोपहर के भोजन के बाद—श्रीमती हरमन एक अच्छी रसोइया निकलीं— गैब्रिएल ने बाहर जाने का फैसला किया, इसलिए हम दोनों मैरी नुनेज़ से मिलने मैक्सिकन बस्ती की ओर चल पड़े। मैक्सिकन महिला ने अगले दिन काम पर वापस आने का वादा किया। वह गैब्रिएल को पसंद करती दिखीं, लेकिन मुझे नहीं।
हम किनारे-किनारे घर लौटे, बिखरे हुए पत्थरों के बीच से रास्ता बनाते हुए। हम धीरे-धीरे चल रहे थे। लड़की ने अपनी भौंहों के बीच माथे को सिकोड़ रखा था। घर से एक चौथाई मील की दूरी तक पहुँचने तक हम दोनों में से किसी ने कुछ नहीं कहा। फिर गैब्रिएल धूप में गर्म एक गोल चट्टान के ऊपरी हिस्से पर बैठ गई।
“क्या तुम्हें याद है तुमने कल रात मुझसे क्या कहा था?” उसने जल्दी- जल्दी बोलते हुए, शब्दों को आपस में मिलाकर पूछा। वह डरी हुई लग रही थी।
"हाँ।"

“मुझे फिर से बताओ,” वह गिड़गिड़ाते हुए अपने पत्थर के एक किनारे पर चली गई। “बैठ जाओ और मुझे फिर से बताओ—सब कुछ।”
मैंने किया। मेरे अनुसार, कानों की बनावट से चरित्र का अनुमान लगाना उतना ही मूर्खतापूर्ण था जितना तारों की स्थिति, चाय की पत्तियों या रेत में थूक की स्थिति से; जो कोई भी अपने भीतर पागलपन के सबूत खोजने लगे, उसे निश्चित रूप से बहुत कुछ मिल जाएगा, क्योंकि मूर्ख दिमागों को छोड़कर सभी दिमाग उलझे हुए होते हैं; जहाँ तक मैं देख सकता था, वह अपने पिता से इतनी मिलती-जुलती थी कि उसमें डैन वंश का खून बहुत कम था, या जो कुछ भी उसके पास था उससे वह बहुत नरम नहीं हुई थी, भले ही आप यह मानना चाहें कि ऐसी चीजें पीढ़ी दर पीढ़ी मिल सकती हैं; ऐसा कुछ भी नहीं था जिससे पता चले कि लोगों पर उसका प्रभाव किसी और से बुरा था, क्योंकि यह संदिग्ध था कि बहुत से लोग विपरीत लिंग पर अच्छा प्रभाव डालते थे, और वैसे भी, वह इतनी छोटी, अनुभवहीन और स्वार्थी थी कि इस मामले में वह सामान्य से कितनी अलग थी, इसका अंदाजा नहीं लगा सकती थी; मैं उसे कुछ दिनों में दिखा दूंगा कि उसकी कठिनाइयों का किसी भी श्राप से कहीं अधिक ठोस, तार्किक और दंडनीय समाधान है; और उसे मॉर्फिन से छुटकारा पाने में ज्यादा परेशानी नहीं होगी, क्योंकि वह इसका अपेक्षाकृत कम उपयोग करती थी और उसका स्वभाव इलाज के लिए अनुकूल था।
मैंने पौने घंटे तक उसके लिए इन विचारों पर काम किया, और मैंने इसे इतना बुरा नहीं बनाया। जैसे-जैसे मैं बोलता गया, उसकी आँखों से डर गायब होता गया। अंत में वह मन ही मन मुस्कुराई। जब मैंने बोलना समाप्त किया, तो वह हंसते हुए उछल पड़ी और अपनी उंगलियों को आपस में जोड़ने लगी।
“धन्यवाद। धन्यवाद,” वह बड़बड़ाने लगी। “कृपया मुझे कभी भी आप पर विश्वास करना न छोड़ने देना। मुझे आप पर विश्वास दिलाते रहना, चाहे कुछ भी हो जाए—नहीं। यह सच है। मुझे हमेशा आप पर विश्वास दिलाते रहना। चलो। थोड़ा और चलते हैं।”
वह लगभग मुझे घर तक बाकी रास्ते दौड़ाती रही, पूरे रास्ते बड़बड़ाती रही। मिकी लाइनहान बरामदे में थे। मैं उनके साथ वहीं रुक गया जबकि लड़की अंदर चली गई।

“छी, छी, छी, जैसा कि मिस्टर रॉली कहते हैं।” उन्होंने मुस्कुराते हुए चेहरे से मेरी तरफ देखा। “मुझे उसे बताना चाहिए कि पॉइज़नविले में उस बेचारी लड़की के साथ क्या हुआ था, जिसने तुम पर भरोसा करना सीख लिया था।”
मैंने पूछा, "क्या आप गांव से कोई खबर लेकर आ रहे हैं?"
“एंड्रयूज आ गया है। वह सैन माटेओ में जेफ्रीज़ के घर पर था, जहाँ आरोनिया हाल्डोर्न ठहरी हुई है। वह अभी भी वहीं है। एंड्रयूज मंगलवार दोपहर से लेकर कल रात तक वहीं था। अल उस जगह पर नज़र रख रहा था और उसने उसे अंदर जाते देखा, लेकिन जब तक वह बाहर नहीं आया, तब तक उसे पहचान नहीं पाया। जेफ्रीज़ बाहर गए हुए हैं—सैन डिएगो। डिक अब एंड्रयूज का पीछा कर रहा है। अल का कहना है कि हाल्डोर्न वहीं घर से बाहर नहीं निकली है। रॉली ने मुझे बताया कि फिंक जाग गया है, लेकिन उसे बम के बारे में कुछ नहीं पता। फिट्ज़स्टेफ़न की हालत अभी भी गंभीर है।”
मैंने कहा, “मुझे लगता है कि मैं आज दोपहर फिंक से बात करने जाऊँगा। तुम यहीं रुकना। और हाँ, जब श्रीमती कॉलिंसन आस-पास हों तो मेरे साथ सम्मानपूर्वक व्यवहार करना। यह ज़रूरी है कि वह मुझे हमेशा एक अजूबा समझती रहें।”
“कुछ शराब ले आओ,” मिकी ने कहा। “मैं होश में रहकर यह नहीं कर सकता।” जब मैं फिंक के पास पहुँचा, तो वह पट्टियों के नीचे से बाहर देखते हुए बिस्तर पर लेटा हुआ था। उसने ज़ोर देकर कहा कि उसे बम के बारे में कुछ नहीं पता, वह बस मुझे यह बताने आया था कि हार्वे व्हिडन उसका सौतेला बेटा है, जो लापता गाँव के लोहार का उसके पिछले विवाह से हुआ बेटा है।
“तो फिर इसमें क्या है?” मैंने पूछा।
मुझे इसके बारे में ज्यादा कुछ नहीं पता, सिवाय इसके कि वह था, और मुझे लगा कि आप इसके बारे में जानना चाहेंगे।
"मैं क्यों?"
अखबारों में छपा था कि आपने कहा था कि यहाँ और ऊपर जो कुछ हुआ, उसके बीच किसी तरह का संबंध है, और उस हट्टे-कट्टे जासूस ने कहा था कि आपने कहा था कि मुझे इस बारे में जितना पता है, उससे कहीं ज़्यादा पता है। और मैं और कोई मुसीबत नहीं चाहता, इसलिए मैंने सोचा कि मैं

नीचे आकर आपको सब कुछ बता दूं, ताकि आप यह न कह सकें कि मैंने सब कुछ नहीं बताया जो मुझे पता था।
“हाँ? तो मुझे बताओ कि तुम मैडिसन एंड्रयूज के बारे में क्या जानते हो।”
“मैं उसके बारे में कुछ नहीं जानती। मैं उसे जानती भी नहीं। वो उसका अभिभावक है या कुछ और, है ना? मैंने अखबारों में पढ़ा था। लेकिन मैं उसे जानती नहीं।”
“एरोनिया हाल्डोर्न ऐसा करती हैं।”
"हो सकता है वो ऐसा करती हो, महोदय, लेकिन मैं नहीं करती। मैंने तो बस हाल्डोर्न परिवार के लिए काम किया। मेरे लिए वो सिर्फ एक नौकरी थी।"
"इससे आपकी पत्नी को क्या फर्क पड़ता है?"
"वही बात, एक नौकरी।"
"वह कहाँ है?"
"मुझें नहीं पता।"
वह मंदिर से क्यों भाग गई?
मैंने तुम्हें पहले भी बताया था, मुझे नहीं पता। मैं मुसीबत में नहीं पड़ना चाहता था— अगर मौका मिले तो कौन नहीं भागेगा?
इधर-उधर मंडराती हुई नर्स तब तक परेशानी का सबब बन चुकी थी, इसलिए मैं अस्पताल छोड़कर कोर्ट हाउस में जिला अटॉर्नी के कार्यालय चला गया। वर्नोन ने कागजों का ढेर एक तरफ धकेलते हुए, मानो कह रहा हो कि दुनिया इंतजार कर सकती है, कहा, "आपको देखकर खुशी हुई; बैठ जाइए," और फिर जोर से सिर हिलाते हुए अपने सारे दांत दिखाए।
मैं बैठ गया और बोला:
मैंने फिंक से बात की। मुझे उससे कुछ भी पता नहीं चला, लेकिन वह हमारा सबसे महत्वपूर्ण व्यक्ति है। बम उसके अलावा किसी और के जरिए वहां नहीं पहुंच सकता था।
वर्नोन ने एक पल के लिए भौंहें चढ़ाईं, फिर मेरी ओर देखकर अपनी ठोड़ी हिलाई और गुस्से से बोला:
“उसका मकसद क्या था? और आप वहां मौजूद थीं। आप कहती हैं कि जब तक वह कमरे में था, आप उसे लगातार देख रही थीं। आप कहती हैं कि आपने कुछ नहीं देखा।”

“उसका क्या हुआ?” मैंने पूछा। “वह मुझे वहाँ मात दे सकता था। वह जादूगर का मैकेनिक था। उसे बम बनाना आता था और बिना मेरी नज़र में आए उसे गिराना भी। यही उसका खेल है। हमें नहीं पता कि फिट्ज़स्टेफ़न ने क्या देखा। मुझे बताया गया है कि वह ठीक हो जाएगा। जब तक वह ठीक नहीं हो जाता, तब तक फिंक को अपने पास ही रखें।” वर्नोन ने अपने दांत आपस में किटकिटाते हुए कहा: "ठीक है, हम उसे रोक लेंगे।"
मैं गलियारे से होते हुए शेरिफ के कार्यालय गया। फीनी वहां नहीं थे, लेकिन उनके मुख्य डिप्टी - स्वीट नाम के एक दुबले-पतले, चेचक के निशान वाले व्यक्ति - ने कहा कि फीनी ने मेरे बारे में जिस तरह से बात की थी, उससे उन्हें पता चल गया था कि फीनी चाहेंगे कि मुझे वह सारी मदद दी जाए जो मैं मांगूं।
“कोई बात नहीं,” मैंने कहा। “अभी मेरी दिलचस्पी कुछ बोतलें खरीदने में है—जैसे जिन, स्कॉच—जो भी इस इलाके में सबसे बढ़िया हो।” स्वीट ने अपने कंठ को खुजाया और कहा:
मुझे इसके बारे में पता नहीं। शायद लिफ्ट वाला लड़का बता दे। मुझे लगता है उसकी जिन सबसे सुरक्षित रहेगी। मान लो, डिक कॉटन तुमसे मिलने के लिए बहुत रो रहा है। क्या तुम उससे बात करना चाहोगी? "हां, हालांकि मुझे नहीं पता कि किसलिए।"
"ठीक है, दो मिनट में वापस आना।"
मैं बाहर गया और लिफ्ट की घंटी बजाई। वह लड़का—जिसकी कमर उम्र के कारण झुकी हुई थी और जिसकी लंबी पीली-भूरी मूंछें थीं—लिफ्ट में अकेला था।
मैंने कहा, "स्वीट ने कहा था कि शायद आपको पता हो कि मुझे एक गैलन सफेद रंग की शराब कहां मिल सकती है।"
“वह पागल है,” लड़के ने बुदबुदाते हुए कहा, और फिर, जब मैं चुप रहा, तो उसने पूछा: “आप इस रास्ते से बाहर जाएँगे?”
"हां, थोड़ी देर में।"
उसने दरवाजा बंद कर दिया। मैं स्वीट के पास वापस गया। वह मुझे एक बंद रास्ते से ले गया जो अदालत भवन को पीछे स्थित जेल से जोड़ता था, और मुझे कॉटन के साथ एक छोटी सी साधारण कोठरी में अकेला छोड़ दिया। दो दिन जेल में बिताने से क्वेसाडा के मार्शल को कोई फायदा नहीं

हुआ था। उसका चेहरा पीला पड़ गया था और वह घबराया हुआ था, और बात करते समय उसकी ठुड्डी का डिंपल बार-बार हिल रहा था। उसके पास मुझे बताने के लिए कुछ नहीं था सिवाय इसके कि वह निर्दोष था।
मैं उससे बस इतना ही कह सका: "शायद, लेकिन तुमने खुद ही यह मुसीबत मोल ली है। जो भी सबूत हैं, वे तुम्हारे खिलाफ हैं। मुझे नहीं पता कि वे तुम्हें दोषी ठहराने के लिए काफी हैं या नहीं—यह तुम्हारे वकील पर निर्भर करता है।"
जब मैं स्वीट के पास वापस गया तो उसने पूछा, "वह क्या चाहता था?" "मुझे यह बताने के लिए कि वह निर्दोष है।"
डिप्टी ने फिर से अपनी गर्दन खुजलाई और पूछा:
"क्या इससे आपको कोई फर्क पड़ना चाहिए?"
“हाँ, इसी वजह से मुझे रात को नींद नहीं आ रही है। फिर मिलते हैं।” मैं लिफ्ट की ओर गया। लड़के ने अखबार में लिपटा एक गैलन का जग मेरी ओर बढ़ाया और कहा: "दस डॉलर।" मैंने उसे पैसे दिए, जग को फिट्ज़स्टेफ़न की कार में रखा, स्थानीय टेलीफोन कार्यालय ढूंढा और सैन फ्रांसिस्को के मिशन जिले में स्थित विक डलास की दवा की दुकान पर फोन किया।
मैंने विक से कहा, “मुझे एम. के पचास ग्रेन और कैलोमेल-इपेकाक-एट्रोपिन-स्ट्राइकिन-कैस्केरा के आठ इंजेक्शन चाहिए। मैं एजेंसी से किसी को आज रात या सुबह पैकेज लेने के लिए भेज दूँगा। ठीक है?” "अगर आप ऐसा कहते हैं, लेकिन अगर आप इससे किसी को मार डालते हैं तो उन्हें यह मत बताना कि आपको यह सामान कहां से मिला।"
“हाँ,” मैंने कहा; “वे सिर्फ इसलिए मर जाएँगे क्योंकि मेरे पास घटिया दवा बनाने वाले का डिप्लोमा नहीं है।”
मैंने एजेंसी के लिए सैन फ्रांसिस्को में एक और कॉल किया, बूढ़े आदमी से बात करने के लिए।
मैंने पूछा, "क्या आप मुझे एक और ऑपरेशन दे सकते हैं?"
"मैकमैन उपलब्ध है, या वह ड्रेक की जगह ले सकता है। आपको जो भी पसंद हो।"
“मैकमैन ठीक रहेगा। उसे रास्ते में डलास के दवाखाने पर रुककर एक पैकेट ले आने के लिए कह देना। उसे पता है कि पैकेट कहाँ है।”

बूढ़े व्यक्ति ने कहा कि उनके पास आरोनिया हाल्डोर्न और एंड्रयूज के बारे में कोई नई जानकारी नहीं है।
मैं खाड़ी में स्थित घर वापस चला गया। वहाँ कुछ लोग आए हुए थे। ड्राइववे में तीन अनजान कारें खाली खड़ी थीं, और लगभग आधा दर्जन पत्रकार बरामदे में मिकी के आसपास बैठे और खड़े थे। उन्होंने मुझसे सवाल पूछना शुरू कर दिया।
मैंने कहा, “श्रीमती कॉलिंसन यहाँ आराम करने आई हैं। कोई इंटरव्यू नहीं, कोई फोटो खिंचवाना नहीं। उन्हें अकेला छोड़ दो। अगर यहाँ कुछ भी गड़बड़ हुई तो मैं देख लूँगा कि तुममें से जो लोग उन्हें परेशान नहीं कर रहे हो, उन्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। अभी मैं बस इतना ही बता सकता हूँ कि फिंक को बम धमाके के आरोप में हिरासत में लिया गया है।”
“एंड्रयूज किसलिए नीचे आए थे?” जैक सैंटोस ने पूछा।
यह मेरे लिए कोई आश्चर्य की बात नहीं थी: मुझे उम्मीद थी कि अब जब वह एकांतवास से बाहर आ गया है तो वह जरूर आएगा।
मैंने सुझाव दिया, "उनसे पूछिए। वे श्रीमती कॉलिंसन की संपत्ति का प्रबंधन कर रहे हैं। उनके उनसे मिलने आने को रहस्य मत बनाइए।" क्या यह सच है कि उनके बीच संबंध खराब हैं?
"नहीं।"
"तो फिर वह इससे पहले - कल या परसों - क्यों नहीं आया?"
"उससे पूछो।"
"क्या यह सच है कि वह कर्ज में पूरी तरह डूबा हुआ है, या लेगेट की संपत्ति उसके हाथ में आने से पहले ही वह कर्ज में डूबा हुआ था?" "उससे पूछो।"
सैंटोस ने पतले होंठों से मुस्कुराते हुए कहा:
“हमें ऐसा करने की ज़रूरत नहीं है: हमने उनके कुछ लेनदारों से पूछा। क्या उस रिपोर्ट में कोई सच्चाई है कि श्रीमती कॉलिंसन और उनके पति के बीच उनके पति की हत्या से कुछ दिन पहले व्हिडन के साथ उनकी अत्यधिक मित्रता को लेकर झगड़ा हुआ था?”
मैंने कहा, "सच के सिवा कुछ भी हो सकता है। मुश्किल है। ऐसी कहानी से बहुत कुछ किया जा सकता है।"

"शायद हम ऐसा करेंगे," सैंटोस ने कहा। "क्या यह सच है कि वह और उसके पति का परिवार आपस में झगड़ रहे हैं, क्या बूढ़े ह्यूबर्ट ने कहा है कि वह अपने बेटे की मौत में उसकी किसी भी भूमिका के लिए उसे सजा दिलवाने के लिए अपनी सारी संपत्ति खर्च करने को तैयार है?"
मुझे नहीं पता था। मैंने कहा:
“बेवकूफ मत बनो। हम अभी ह्यूबर्ट के लिए काम कर रहे हैं, उसकी देखभाल कर रहे हैं।”
"क्या यह सच है कि श्रीमती हाल्डोर्न और टॉम फिंक को इसलिए रिहा कर दिया गया क्योंकि उन्होंने धमकी दी थी कि अगर उन्हें मुकदमे के लिए हिरासत में लिया गया तो वे सब कुछ बता देंगे जो वे जानते हैं?" “अब तुम मुझसे मजाक कर रहे हो, जैक,” मैंने कहा। “क्या एंड्रयूज अभी भी यहीं है?”
"हाँ।"
मैं अंदर गया और मिकी को बुलाकर पूछा: "क्या तुमने डिक को देखा है?" "एंड्रयूज के आने के कुछ मिनट बाद वह वहां से गाड़ी चलाकर गुजरा।" "चुपके से निकलकर उसे ढूंढो। उससे कहो कि वह अखबारों के गिरोह के बहकावे में न आए, भले ही इसके लिए उसे कुछ समय के लिए एंड्रयूज को खोना पड़े। अगर उन्हें पता चला कि हम उसका पीछा कर रहे हैं, तो वे अपने अखबारों के पहले पन्नों पर हंगामा मचा देंगे, और मैं नहीं चाहता कि वे इतना हंगामा करें।"
श्रीमती हरमन सीढ़ियों से नीचे आ रही थीं। मैंने उनसे पूछा कि एंड्रयूज कहाँ है।
"सामने वाले कमरे में।"
मैं ऊपर गया। गैब्रिएल, गहरे रंग के रेशमी गाउन में, चमड़े की कुर्सी के किनारे पर अकड़ी हुई सीधी बैठी थी। उसका चेहरा पीला और उदास था। वह अपने हाथों के बीच फैले रूमाल को देख रही थी। उसने मेरी तरफ ऐसे देखा मानो मुझे देखकर खुश हो। एंड्रयूज चिमनी की तरफ पीठ करके खड़ा था। उसके सफेद बाल, भौहें और मूंछें उसके पतले गुलाबी चेहरे पर उभरी हुई थीं। उसने अपना गुस्सा लड़की से हटाकर मेरी तरफ किया, और ऐसा नहीं लग रहा था कि वह मुझे देखकर खुश है।
मैंने "हैलो" कहा और सहारा लेने के लिए मेज का एक कोना ढूंढ लिया।

उन्होंने कहा: "मैं श्रीमती कॉलिंसन को वापस सैन फ्रांसिस्को ले जाने आया हूँ।"
उसने कुछ नहीं कहा। मैंने कहा:
"सैन माटेओ नहीं?"
“इसका क्या मतलब है?” उसकी भौंहों के सफेद गुच्छे नीचे की ओर झुक गए और उसकी नीली आंखों के निचले आधे हिस्से को छोड़कर बाकी सब कुछ ढक लिया।
"भगवान ही जाने। शायद अखबारों में मुझसे पूछे जा रहे सवालों ने मेरे दिमाग को भ्रष्ट कर दिया है।"
उसने कोई खास प्रतिक्रिया नहीं दी। उसने धीरे-धीरे, सोच-समझकर कहा: "श्रीमती हाल्डोर्न ने मुझे पेशेवर तौर पर बुलाया। मैं उनसे मिलने गया ताकि उन्हें समझा सकूं कि इन परिस्थितियों में मेरे लिए उन्हें सलाह देना या उनका प्रतिनिधित्व करना असंभव होगा।"
मैंने कहा, "मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं है। और अगर आपको उसे यह समझाने में तीस घंटे लग गए, तो इससे किसी को कोई लेना-देना नहीं है।"
"एकदम सही।"
लेकिन—मुझे नीचे इंतजार कर रहे पत्रकारों को यह बात बताने में सावधानी बरतनी होगी। आप जानते हैं कि वे बिना किसी कारण के कितने शंकालु हो जाते हैं।
उसने फिर से गैब्रिएल की ओर मुड़कर धीरे से, लेकिन कुछ अधीरता के साथ कहा:
"अच्छा, गैब्रिएल, क्या तुम मेरे साथ चल रही हो?"
“क्या मुझे ऐसा करना चाहिए?” उसने मुझसे पूछा।
"जब तक आप विशेष रूप से ऐसा न चाहें, तब तक नहीं।"
“मैं-मैं नहीं।”
“तो फिर बात पक्की हो गई,” मैंने कहा।
एंड्रूज़ ने सिर हिलाया और उसका हाथ पकड़ने के लिए आगे बढ़े और कहा: मुझे माफ करना, लेकिन मुझे अब शहर वापस जाना होगा, मेरी प्यारी। तुम्हें एक फोन लगवा लेना चाहिए, ताकि जरूरत पड़ने पर तुम मुझसे संपर्क कर सको।

खाना खाने के बाद, मैं और वह बाहर टहलने लगे, जबकि वसंत की रात में पूरा इलाका अंधेरा हो गया था।
मैंने उससे कहा, “मैकमैन सुबह आएगा। तुम और उसे निगरानी करनी होगी। तुम दोनों इसे जैसे चाहो वैसे बाँट लो, लेकिन किसी एक को हर समय ड्यूटी पर रहना होगा।”
“खुद को इसके सबसे बुरे परिणाम भुगतने मत दो,” उसने शिकायत की। “यह सब यहाँ किस लिए है—कोई जाल है क्या?”
"शायद।"
"शायद। हम्म। तुम्हें पता नहीं है कि तुम क्या कर रहे हो। तुम बस समय बर्बाद कर रहे हो, अपनी जेब में रखे घोड़े की नाल के काम करने का इंतज़ार कर रहे हो।"
“सफल योजना का परिणाम मूर्खों को हमेशा भाग्य जैसा ही लगता है। क्या डिक के पास कोई खबर है?”
नहीं। वह एंड्रयूज का पीछा करते हुए सीधे उसके घर से यहाँ तक आया था।
सामने का दरवाजा खुला और बरामदे में पीली रोशनी फैल गई। कंधों पर गहरे रंग का लबादा ओढ़े गैब्रिएल उस पीली रोशनी में आई, दरवाजा बंद किया और बजरी वाले रास्ते पर आगे बढ़ गई।
मैंने मिकी से कहा, "अगर तुम चाहो तो अभी झपकी ले लो। मैं सोने के बाद तुम्हें फोन करूँगा। तुम्हें सुबह तक पहरा देना होगा।"
“तुम तो बिल्कुल बेवकूफ हो।” वह अंधेरे में हँसा। “भगवान कसम, तुम तो बिल्कुल बेवकूफ हो।”
"गाड़ी में एक गैलन जिन है।"
“हं? तुमने पहले क्यों नहीं बताया, बस बातें करके मेरा समय बर्बाद कर रहे हो?” उसके जाने पर लॉन की घास उसके जूतों से टकराई।
मैं बजरी वाले रास्ते की ओर बढ़ा और वहां मेरी मुलाकात उस लड़की से हुई।
“क्या यह एक प्यारी रात नहीं है?” उसने कहा।
“हाँ। लेकिन आपको अंधेरे में अकेले इधर-उधर नहीं घूमना चाहिए, भले ही आपकी परेशानियाँ लगभग खत्म हो गई हों।”
“मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं था,” उसने मेरा हाथ पकड़ते हुए कहा। “और 'व्यावहारिक रूप से अधिक' का क्या मतलब है?”

"कुछ छोटी-मोटी बातों का ध्यान रखना बाकी है—जैसे कि मॉर्फिन।" वह कांप उठी और बोली:
“मेरे पास आज रात के लिए ही पर्याप्त पैसे बचे हैं। आपने वादा किया था कि—”
“सुबह पचास दाने आएंगे।”
वह चुप रही, मानो मेरे कुछ और कहने का इंतज़ार कर रही हो। मैंने कुछ नहीं कहा। उसकी उंगलियाँ मेरी आस्तीन पर फड़फड़ाने लगीं।
"आपने कहा था कि मुझे ठीक करना मुश्किल नहीं होगा।" उसने आधे संदेह भरे लहजे में कहा, मानो वह मुझसे यह उम्मीद कर रही हो कि मैं ऐसा कुछ भी कहने से इनकार कर दूं।
“ऐसा नहीं होगा।”
“आपने कहा था, शायद…” शब्द धीरे-धीरे गायब हो गए।
"क्या हम इसे यहीं रहते हुए कर लेंगे?"
"हाँ।"
मैंने पूछा, "क्या तुम चाहते हो?" "अगर नहीं चाहते तो बात नहीं बनेगी।"
“क्या मैं चाहती हूँ?” वह सड़क पर स्थिर खड़ी रही, मेरी ओर मुँह करके। “मैं दे दूँगी—” एक सिसकी ने उसका वाक्य समाप्त कर दिया। उसकी आवाज़ फिर से आई, तीखी, पतली: “क्या तुम मुझसे सच बोल रहे हो? क्या तुम? जो तुमने मुझे बताया—कल रात और आज दोपहर जो कुछ भी बताया —क्या वह उतना ही सच है जितना तुमने बताया? क्या मैं तुम पर इसलिए विश्वास कर रही हूँ क्योंकि तुम सच्चे हो? या इसलिए कि तुमने लोगों को अपने ऊपर विश्वास दिलाने का तरीका—अपने धंधे की एक चाल के रूप में—सीख लिया है?”
वह शायद पागल थी, लेकिन इतनी बेवकूफ नहीं थी। मैंने उसे वही जवाब दिया जो उस समय सबसे अच्छा लगा:
“आपका मुझ पर विश्वास, आप पर मेरे विश्वास पर आधारित है। यदि मेरा विश्वास अनुचित है, तो आपका भी। इसलिए पहले मैं आपसे एक सवाल पूछना चाहता हूँ: क्या आपने झूठ बोला था जब आपने कहा था, ‘मैं बुरा नहीं बनना चाहता’?”
“ओह, मुझे नहीं पता। मुझे नहीं पता।”

“ठीक है, तो,” मैंने निर्णायक स्वर में कहा, मानो बात यहीं खत्म हो गई हो। “अब अगर तुम इस नशे से छुटकारा पाना चाहते हो, तो हम तुम्हें उतार देंगे।”
“इसमें कितना समय लगेगा?”
"सुरक्षा के लिए, मान लीजिए एक सप्ताह। शायद इससे भी कम।"
“क्या आपका मतलब यही है? इससे ज्यादा नहीं?”
“बस, अब ज़रूरी हिस्सा पूरा हो गया है। इसके बाद कुछ समय तक आपको अपना ख्याल रखना होगा, जब तक कि आपका शरीर फिर से पूरी तरह से ठीक न हो जाए, लेकिन आप नशे की लत से पूरी तरह मुक्त हो जाएंगे।”
क्या मुझे बहुत कष्ट सहना पड़ेगा?
"कुछ दिन खराब जाएंगे; लेकिन वे उतने बुरे नहीं होंगे जितना आप सोच रहे हैं, और आपके पिता की दृढ़ता आपको उनसे उबरने में मदद करेगी।" “अगर,” उसने धीरे से कहा, “मुझे बीच में ही पता चले कि मैं इसे पूरा नहीं कर सकती, तो क्या मैं—?”
मैंने खुशी-खुशी वादा किया, "तुम कुछ नहीं कर पाओगे। जब तक तुम दूसरी तरफ से बाहर नहीं आ जाते, तब तक तुम्हें अंदर ही रहना होगा।" वह फिर से कांप उठी और उसने पूछा।
“हम कब शुरू करेंगे?”
“परसों। कल अपनी रोज़ की खुराक ले लेना, लेकिन जमाखोरी करने की कोशिश मत करना। और इसकी चिंता मत करो। यह तुम्हारे मुकाबले मेरे लिए ज़्यादा मुश्किल होगा: मुझे तुम्हें झेलना पड़ेगा।”
और आप मेरी बात मानेंगे—आप समझेंगे—अगर मैं इस दौर से गुजरते समय हमेशा अच्छी तरह से पेश न आऊं? भले ही मैं कभी-कभी बदतमीज भी हो जाऊं?
“मुझे नहीं पता।” मैं उसे मुझ पर गुस्सा निकालने के लिए उकसाना नहीं चाहती थी। “मुझे नहीं लगता कि थोड़ी सी उदासी से अच्छाई इतनी बुरी बन सकती है।”
“ओह, लेकिन—” वह रुक गई, माथे पर शिकन आ गई और बोली:
“क्या हम श्रीमती हरमन को यहाँ से नहीं भेज सकते? मैं नहीं चाहती— मैं नहीं चाहती कि वह मुझे देखें।”
मैं सुबह उसे भगा दूंगा।

और अगर मैं—आप मुझे किसी और को देखने नहीं देंगे—अगर मैं नहीं— अगर मैं बहुत बुरा हूँ?
“नहीं,” मैंने वादा किया। “लेकिन सुनो: तुम मेरे लिए एक नाटक करने की तैयारी कर रहे हो। उस बारे में सोचना बंद करो। तुम्हें अच्छा व्यवहार करना होगा। मैं तुमसे कोई शरारत नहीं चाहता।”
वह अचानक हंस पड़ी और पूछने लगी:
"अगर मैं बुरा बर्ताव करूं तो क्या तुम मुझे मारोगे?"
मैंने कहा कि वह अभी भी इतनी छोटी हो सकती है कि उसे थप्पड़ मारना उसके लिए अच्छा साबित हो।

21

AARONIA HALDORN

मैरी नुनेज़ अगली सुबह साढ़े सात बजे पहुँचीं। मिकी लाइनहान श्रीमती हरमन को क्वेसाडा तक छोड़कर मैकमान और किराने का सामान लेकर वापस लौटे।
मैकमैन एक मजबूत कद-काठी और अकड़ी हुई पीठ वाला पूर्व सैनिक था। द्वीप पर दस साल बिताने से उसका मुंह बंद, जबड़े मजबूत और गंभीर चेहरा गहरे रंग के ओक के पेड़ जैसा हो गया था। वह एक आदर्श सैनिक था: आप उसे जहाँ भेजते, वह वहीं जाता, और आपके कहे अनुसार काम करने से रोकने के लिए उसके मन में कोई स्वार्थ नहीं था।
उसने मुझे दवा की थैली दी। मैंने दस ग्रेन मॉर्फिन लेकर गैब्रिएल को दिया। वह बिस्तर पर नाश्ता कर रही थी। उसकी आँखें नम थीं, चेहरा गीला और पीला पड़ गया था। जब उसने मेरे हाथ में पुड़िया देखी, तो उसने अपनी थाली एक तरफ हटा दी और उत्सुकता से अपने हाथ फैला दिए, कंधे मटकाते हुए।
“पांच मिनट में वापस आना?” उसने पूछा।
"तुम मेरे सामने अपना झटका सह सकते हो। मुझे शर्म नहीं आएगी।" "लेकिन मैं ऐसा करूंगी," उसने कहा, और उसने किया भी।
मैं बाहर गया, दरवाजा बंद किया और उस पर झुक गया, कागज की सरसराहट और पानी के गिलास पर चम्मच की खनक सुनाई दे रही थी। तभी उसने पुकारा: "ठीक है।"
मैं फिर अंदर गया। ट्रे में सफेद कागजों का एक मुड़ा हुआ गोला पड़ा था, जो उस गठरी का बचा हुआ हिस्सा था। बाकी गठरियाँ कहीं नज़र नहीं

आ रही थीं। वह तकियों के सहारे पीछे झुकी हुई थी, आँखें आधी बंद थीं, बिल्कुल वैसे ही आराम से जैसे मछलियों से भरी बिल्ली। उसने आलस भरी मुस्कान के साथ मेरी तरफ देखा और कहा:
“तुम बहुत प्यारी हो। जानती हो आज मैं क्या करना चाहूँगी? दोपहर का खाना लेकर पानी में जाऊँगी—पूरा दिन धूप में तैरती रहूँगी।”
“यह आपके लिए अच्छा रहेगा। लाइनहान या मैकमान में से किसी एक को अपने साथ ले जाएं। आपको अकेले बाहर नहीं जाना है।”
"आप क्या करने जा रहे हैं?"
"क्वेसाडा तक जाओ, फिर काउंटी सीट तक, शायद शहर तक भी जा सकते हो।" “क्या मैं आपके साथ नहीं चल सकता?”
मैंने सिर हिलाते हुए कहा, "मुझे काम करना है, और आपको आराम करना चाहिए।"
उसने "ओह" कहा और अपनी कॉफ़ी की तरफ हाथ बढ़ाया। मैं दरवाज़े की तरफ मुड़ गया। "बची हुई मॉर्फिन?" उसने कप के किनारे से कहा। "तुमने उसे किसी सुरक्षित जगह पर रख दिया है, जहाँ कोई उसे नहीं ढूंढ पाएगा?" “हाँ,” मैंने मुस्कुराते हुए और अपने कोट की जेब थपथपाते हुए कहा। क्वेसाडा में मैंने रॉली से बात करने और सैन फ्रांसिस्को के अखबार पढ़ने में आधा घंटा बिताया। अखबार एंड्रयूज पर ऐसे इशारे और सवाल कर रहे थे जो मानहानि की हद तक पहुँच रहे थे। यह बहुत अच्छी बात थी। डिप्टी शेरिफ के पास मुझे बताने के लिए कुछ नहीं था।
मैं काउंटी मुख्यालय गया। वर्नोन अदालत में था। शेरिफ की बीस मिनट की बातचीत से मेरी जानकारी में कोई इजाफा नहीं हुआ। मैंने एजेंसी को फोन किया और उस बूढ़े आदमी से बात की। उसने बताया कि हमारे मुवक्किल ह्यूबर्ट कॉलिंसन ने हमारे ऑपरेशन जारी रखने पर हैरानी जताई है, क्योंकि उन्हें लगा था कि व्हिडन की मौत से उनके बेटे की हत्या का रहस्य सुलझ गया है।
“उसे बता दो कि ऐसा नहीं हुआ,” मैंने कहा। “एरिक की हत्या गैब्रिएल की परेशानियों से जुड़ी हुई थी, और हम एक के बिना दूसरे की तह तक नहीं पहुँच सकते। इसमें शायद एक और हफ्ता लग जाएगा। कॉलिंसन ठीक है,” मैंने बूढ़े आदमी को भरोसा दिलाया। “जब उसे सब कुछ समझाया जाएगा तो वह मान जाएगा।”

बूढ़े आदमी ने काफी ठंडे लहजे में कहा, "मुझे पूरी उम्मीद है," वह इस बात को लेकर उत्साहित नहीं था कि पांच कर्मचारी ऐसे काम पर लगे हों जिसके लिए कथित ग्राहक भुगतान नहीं करना चाहेगा।
मैं सैन फ्रांसिस्को तक गाड़ी चलाकर गया, सेंट जर्मेन में रात का खाना खाया, अपने कमरे में जाकर एक और सूट और साफ शर्ट वगैरह से भरा एक थैला लिया, और आधी रात के कुछ देर बाद खाड़ी में स्थित अपने घर वापस आ गया। जब मैं कार को शेड के नीचे पार्क कर रहा था—हम तब भी फिट्ज़स्टेफ़न की कार इस्तेमाल कर रहे थे—मैकमैन अंधेरे से बाहर आया। उसने कहा कि मेरी गैरमौजूदगी में कुछ नहीं हुआ। हम दोनों साथ में घर के अंदर गए। मिकी रसोई में जम्हाई ले रहा था और मैकमैन को पहरेदारी की ड्यूटी से मुक्त करने से पहले अपने लिए एक ड्रिंक बना रहा था।
“श्रीमती कॉलिंसन सोने चली गई हैं?” मैंने पूछा।
“उसके कमरे की बत्ती अभी भी जल रही है। वह पूरे दिन अपने कमरे में ही रही है।”
मैकमैन और मैंने मिकी के साथ एक ड्रिंक ली और फिर ऊपर चले गए। मैंने लड़की के दरवाजे पर दस्तक दी।
“कौन है?” उसने पूछा। मैंने उसे बताया। उसने कहा: “हाँ?”
"सुबह नाश्ता नहीं मिलेगा।"
“सच में?” फिर, मानो वो लगभग भूल ही गई हो: “ओह, मैंने तुम्हें मेरा इलाज करने की सारी परेशानी में न डालने का फैसला किया है।” उसने दरवाज़ा खोला और खुले में खड़ी हो गई, मेरी तरफ देखकर बहुत ही प्यारी मुस्कान बिखेरी, एक उंगली से किताब में अपना पृष्ठ पकड़े हुए। “क्या तुम्हारी यात्रा अच्छी रही?”
“ठीक है,” मैंने अपनी जेब से बची हुई मॉर्फिन निकालकर उसे देते हुए कहा। “इसे अपने साथ रखने का कोई फायदा नहीं है।”
उसने इसे नहीं लिया। वह मेरे सामने ही हंस पड़ी और बोली:
"तुम तो एक जाहिल हो, है ना?"
“खैर, ये तुम्हारा इलाज है, मेरा नहीं।” मैंने सामान वापस अपनी जेब में रख लिया। “अगर तुम—” मैं सुनने के लिए रुक गया। हॉल में एक तख्ता चरमराया। अब एक हल्की सी आवाज़ आई, जैसे कोई नंगे पैर ज़मीन पर घिसट रहा हो।

“मेरी मेरी रक्षा कर रही है,” गैब्रिएल ने खुशी से फुसफुसाते हुए कहा। “उसने अटारी में बिस्तर लगाया और घर जाने से इनकार कर दिया। उसे लगता है कि मैं तुम्हारे और तुम्हारे दोस्तों के साथ सुरक्षित नहीं हूँ। उसने मुझे तुमसे सावधान किया था, कहा था कि तुम—क्या कहा था?—ओह, हाँ—भेड़िये हो। क्या तुम हो?”
“व्यवहारिक रूप से। यह मत भूलना—सुबह नाश्ता नहीं मिलेगा।”
अगले दिन दोपहर को मैंने उसे विक डलास के मिश्रण की पहली खुराक दी, और फिर दो-दो घंटे के अंतराल पर तीन और खुराकें दीं। उसने वह दिन अपने कमरे में ही बिताया। वह शनिवार का दिन था।
रविवार को उसने मॉर्फिन की दस ग्रेन खुराक ली और पूरे दिन बहुत खुश रही, खुद को लगभग ठीक मान रही थी।
सोमवार को उसने विक के मिश्रण का बचा हुआ भाग पिया, और दिन लगभग शनिवार जैसा ही रहा। मिकी लाइनहान काउंटी मुख्यालय से यह खबर लेकर लौटा कि फिट्ज़स्टेफ़न होश में था, लेकिन इतना कमज़ोर और पट्टियों से लिपटा हुआ था कि अगर डॉक्टर उसे बोलने देते तो भी वह बात नहीं कर पाता; कि एंड्रयूज सैन माटेओ में आरोनिया हाल्डोर्न से दोबारा मिलने गई थी; और वह फिंक से मिलने अस्पताल गई थी, लेकिन शेरिफ कार्यालय ने उसे अनुमति देने से इनकार कर दिया था।
मंगलवार का दिन अधिक रोमांचक था।
जब मैं गैब्रिएल के लिए संतरे के रस का नाश्ता लेकर अंदर आई, तब तक वह उठ चुकी थी और तैयार हो चुकी थी। उसकी आँखें चमक रही थीं, वह बेचैन थी, बातूनी थी और आसानी से और अक्सर हँस रही थी, जब तक कि मैंने यूँ ही casually यह नहीं कह दिया कि उसे अब और मॉर्फिन नहीं लेनी है।
“कभी भी, तुम्हारा मतलब है?” उसके चेहरे और आवाज में घबराहट थी। “नहीं, तुम्हारा मतलब वो नहीं है?”
"हाँ।"
“लेकिन मैं मर जाऊंगी।” उसकी आँखों में आँसू भर आए, उसके छोटे से गोरे चेहरे पर बहने लगे और उसने अपने हाथ मलने शुरू कर दिए। यह बचकाना और दयनीय था। मुझे खुद को याद दिलाना पड़ा कि आँसू मॉर्फिन छोड़ने के लक्षणों में से एक हैं। “आप जानते हैं कि यह सही तरीका नहीं है। मुझे पहले जितनी उम्मीद नहीं है। मुझे पता है कि हर दिन

मेरी उम्मीद कम होती जाएगी। लेकिन आप इसे ऐसे नहीं रोक सकते। आप मज़ाक कर रहे हैं। इससे तो मेरी जान ही चली जाएगी।” मरने के ख्याल से वह और रोने लगी।
मैंने खुद को इस तरह हंसाया जैसे मैं सहानुभूति जता रहा था लेकिन साथ ही साथ मुझे मजा भी आ रहा था।
मैंने खुशी से कहा, "बकवास! आपको जो सबसे बड़ी परेशानी होगी, वह है बहुत ज्यादा जोश में रहना। बस कुछ दिन ऐसे ही गुजारिए, फिर सब ठीक हो जाएगा।"
उसने अपने होंठ दबाए, आखिरकार मुस्कुराने की कोशिश की और दोनों हाथ मेरी ओर बढ़ा दिए।
“मैं तुम्हारी बात पर विश्वास करूंगी,” उसने कहा। “मैं सच में तुम पर विश्वास करती हूं। तुम चाहे कुछ भी कहो, मैं तुम्हारी बात पर विश्वास करूंगी।”
उसके हाथ पसीने से तर थे। मैंने उन्हें दबाया और कहा:
“बहुत बढ़िया रहेगा। अब वापस बिस्तर पर जाओ। मैं बीच-बीच में आता रहूंगा, और अगर तुम्हें बीच में कुछ भी चाहिए हो तो बता देना।” “क्या तुम आज नहीं जा रहे हो?”
“नहीं,” मैंने वादा किया।
दोपहर भर उसने इस स्थिति को काफी अच्छे से संभाला। बेशक, छींक और जम्हाई आने पर खुद पर हंसने के उसके तरीके में कोई खास उत्साह नहीं था, लेकिन बात यह थी कि उसने हंसने की कोशिश की।
मैडिसन एंड्रयूज शाम साढ़े पांच बजे के बीच आए। उन्हें गाड़ी चलाते हुए देखकर मैं बरामदे में उनसे मिला। उनके चेहरे की लाली फीकी पड़कर हल्के नारंगी रंग में बदल गई थी।
“शुभ संध्या,” उन्होंने विनम्रतापूर्वक कहा। “मैं श्रीमती कॉलिंसन से मिलना चाहता हूँ।”
मैंने कहा, "मैं उसे कोई भी संदेश पहुंचा दूंगा।"
उसने अपनी सफेद भौहें नीचे खींच लीं और उसके चेहरे की सामान्य लालिमा कुछ हद तक वापस आ गई।
“मैं उससे मिलना चाहता हूँ।” यह एक आदेश था।
“वह आपसे मिलना नहीं चाहती। क्या कोई संदेश है?”

उसका चेहरा फिर से लाल हो गया था। उसकी आँखें चमक रही थीं। मैं उसके और दरवाजे के बीच खड़ी थी। जब तक मैं वहाँ खड़ी थी, वह अंदर नहीं जा सकता था। एक पल के लिए ऐसा लगा जैसे वह मुझे रास्ते से हटा देगा। लेकिन मुझे इससे कोई चिंता नहीं थी: वह बीस पाउंड और बीस साल की उम्र का बोझ ढो रहा था।
उसने अपने जबड़े को गर्दन से सटा लिया और अधिकारपूर्ण स्वर में बोला:
"श्रीमती कॉलिंसन को मेरे साथ सैन फ्रांसिस्को वापस जाना होगा। वह यहाँ नहीं रह सकतीं। यह एक बेतुका समझौता है।"
मैंने कहा, “वह सैन फ्रांसिस्को नहीं जा रही है। ज़रूरत पड़ने पर ज़िला अटॉर्नी उसे यहाँ एक अहम गवाह के तौर पर रख सकता है। अगर तुमने अपने किसी भी अदालती आदेश से इसे पलटने की कोशिश की, तो हम तुम्हें चिंता करने के लिए कुछ और दे देंगे। मैं तुम्हें यह इसलिए बता रहा हूँ ताकि तुम्हें हमारी स्थिति का पता चल जाए। हम साबित कर देंगे कि उसे तुमसे खतरा हो सकता है। हमें कैसे पता चलेगा कि तुमने संपत्ति के साथ खिलवाड़ नहीं किया है? हमें कैसे पता चलेगा कि तुम उसकी मौजूदा परेशान हालत का फ़ायदा उठाकर संपत्ति को लेकर होने वाली परेशानियों से खुद को बचाना नहीं चाहते? अरे यार, हो सकता है तुम उसे पागलखाने भेजने की योजना बना रहे हो ताकि संपत्ति तुम्हारे नियंत्रण में रहे।”
उसकी आँखों में उदासी छाई हुई थी, हालाँकि उसका बाकी शरीर इस हमले को झेलने में कामयाब रहा। जब उसने साँस ली और निगल लिया, तो उसने पूछा:
“क्या गैब्रिएल को इस पर विश्वास है?” उसका चेहरा बैंगनी रंग का हो गया था।
“किसने कहा कि किसी ने इस पर विश्वास किया?” मैं बेपरवाही से कह रहा था। “मैं तो बस आपको वही बता रहा हूँ जो हम अदालत में पेश करेंगे। आप वकील हैं। आप जानते हैं कि सच और अदालत में या अखबारों में छपने वाली खबरों के बीच कोई सीधा संबंध नहीं होता।”
उसकी आंखों के पीछे से बीमारी फैल गई, जिससे उसके चेहरे का रंग उड़ गया, उसकी हड्डियों की अकड़न दूर हो गई; लेकिन उसने खुद को सीधा रखा और एक संतुलित आवाज पाई।

उन्होंने कहा, "आप श्रीमती कॉलिंसन को बता दें कि मैं इस सप्ताह अपनी वसीयत संबंधी चिट्ठियाँ, संपत्ति का हिसाब-किताब और मुझे पद से मुक्त करने का अनुरोध लेकर अदालत में लौटा दूँगा।"
मैंने कहा, "यह बहुत बढ़िया होगा," लेकिन मुझे उस बूढ़े व्यक्ति पर दया आ रही थी जो धीरे-धीरे अपनी कार की ओर जा रहा था और उसमें धीरे- धीरे बैठ रहा था।
मैंने गैब्रिएल को यह नहीं बताया कि वह वहां था।
जम्हाई लेने और छींकने के बीच अब वह थोड़ी-थोड़ी कराह रही थी, और उसकी आँखों से पानी बह रहा था। चेहरा, शरीर और हाथ पसीने से तर थे।
वह कुछ खा नहीं पा रही थी। मैं उसे लगातार संतरे का रस पिलाती रही।
चाहे आवाज़ें और गंध कितनी भी धीमी या सुखद क्यों न हों, उसे असहनीय लगने लगी थीं, और वह बिस्तर पर लगातार छटपटा रही थी।
“क्या हालात इससे भी बदतर हो जाएंगे?” उसने पूछा।
“ज्यादा कुछ नहीं। ऐसा कुछ भी नहीं होगा जो आपको बर्दाश्त न हो।” जब मैं नीचे पहुंचा तो मिकी लाइनहान मेरा इंतजार कर रहा था।
"उस लड़की को एक प्याज मिल गया है," उसने खुशी से कहा।
"हाँ?"
“हाँ। ये वही चाकू है जिसका इस्तेमाल मैं नींबू छीलने के लिए करती हूँ ताकि उस सस्ते जिन की बदबू दूर कर सकूँ जो तुमने खरीदी थी—या तुमने बस उधार ली थी, मालिक को पता था कि तुम उसे लौटा दोगी क्योंकि कोई उसे पी नहीं सकता था? ये छीलने वाला चाकू है—चार-पाँच इंच का स्टेनलेस स्टील का ब्लेड—ताकि जब वो इसे तुम्हारी पीठ में घुसाए तो तुम्हारी अंडरशर्ट पर जंग के निशान न पड़ें। मुझे ये मिल नहीं रहा था, तो मैंने उससे इसके बारे में पूछा, और जब उसने कहा कि उसे इसके बारे में कुछ नहीं पता, तो उसने मुझे ऐसे नहीं देखा जैसे मैं कोई कुएँ में ज़हर घोलने वाली हूँ, और ये पहली बार था जब उसने मुझे उस तरह से नहीं देखा, इसलिए मुझे पता चल गया कि ये उसके पास है।” मैंने कहा, "वाह, तुमने अच्छा काम किया। अच्छा, उस पर नज़र रखना। वो हमें ज़्यादा पसंद नहीं करती।"
“क्या मुझे ऐसा करना है?” मिकी मुस्कुराया। “मेरा सुझाव यह है कि हर कोई अपना-अपना ख्याल रखे, क्योंकि तुम ही वो लड़के हो जिस पर वो सबसे ज्यादा नजर रखती है, और शायद तुम ही उसके निशाने पर आओगे।

तुमने उसका क्या बिगाड़ा है? कहीं तुम इतने बेवकूफ तो नहीं हो कि किसी मैक्सिकन महिला के दिल से खिलवाड़ करो?”
मुझे नहीं लगता कि वह मजाकिया था, हालांकि हो सकता है कि वह मजाकिया रहा हो।
अरोनिआ हाल्डोर्न अंधेरा होने से ठीक पहले एक लिंकन लिमोसिन में पहुंचीं, जिसे एक अश्वेत व्यक्ति चला रहा था। गाड़ी को ड्राइववे में लाते ही उसने सायरन बजा दिया। जब सायरन की आवाज़ गूंजी, तब मैं गैब्रिएल के कमरे में थी। वह लगभग बिस्तर से उछल पड़ी, क्योंकि उसके संवेदनशील कानों को वह आवाज़ बहुत भयानक लगी होगी।
“यह क्या था? यह क्या था?” वह दांत किटकिटाते हुए रोती रही, उसका शरीर बिस्तर को हिला रहा था।
“चुप रहो,” मैंने उसे शांत किया। मैं मरीज़ों से बात करने का तरीका काफी हद तक सीख रहा था। “बस गाड़ी का हॉर्न है। मेहमान हैं। मैं नीचे जाकर उन्हें भगा देता हूँ।”
“क्या आप किसी को भी मुझे देखने नहीं देंगे?” उसने विनती की। नहीं। मेरे वापस आने तक अच्छी बच्ची बनकर रहना।
जब मैं बाहर आया तो एरोनिया हाल्डोर्न लिमोसिन के बगल में खड़ी मैकमान से बात कर रही थी। धुंधली रोशनी में, काले रंग की टोपी और काले फर कोट के बीच उसका चेहरा एक काले अंडाकार मुखौटे जैसा लग रहा था—लेकिन उसकी चमकती आँखें बिल्कुल असली लग रही थीं।
“आप कैसी हैं?” उसने हाथ बढ़ाते हुए कहा। उसकी आवाज़ इतनी मधुर थी कि रोंगटे खड़े हो गए। “श्रीमती कॉलिंसन के लिए मुझे खुशी है कि आप यहाँ हैं। हम दोनों ने आपकी रक्षा करने की क्षमता का उत्कृष्ट प्रमाण देखा है, और हम दोनों आपकी बदौलत ही जीवित हैं।”
यह ठीक था, लेकिन यह बात पहले भी कही जा चुकी थी। मैंने एक इशारा किया जिससे विषय के प्रति मेरी मामूली अरुचि झलकती थी, और उससे पहले ही मैंने यह बात कह दी:
मुझे खेद है कि वह आपसे मिल नहीं सकती। उसकी तबीयत ठीक नहीं है। "ओह, लेकिन मैं उसे देखना तो बहुत चाहूंगी, भले ही कुछ पल के लिए ही सही। क्या आपको नहीं लगता कि यह उसके लिए अच्छा होगा?"

मैंने माफी मांगी। ऐसा लगा जैसे उसने इसे अंतिम रूप से स्वीकार कर लिया हो, हालांकि उसने कहा: "मैं उससे मिलने के लिए शहर से इतनी दूर आई थी।"
मैंने उस ओपनिंग को इस तरह आजमाया:
“क्या श्री एंड्रयूज ने आपको नहीं बताया था…?” यह कहते हुए उन्होंने अपनी बात पूरी तरह से खोल दी।
उसने यह नहीं बताया कि क्या उसने ऐसा किया था। वह मुड़ी और धीरे- धीरे घास पर चलने लगी। मेरे पास उसके बगल में चलने के अलावा कोई चारा नहीं था। कुछ ही मिनटों में पूरा अंधेरा छाने वाला था। थोड़ी देर बाद, जब हम कार से तीस-चालीस फीट दूर चले गए, तो उसने कहा:
"श्री एंड्रयूज को लगता है कि आपको उन पर शक है।"
वह सही कह रहा है।
आपको उस पर किस बात का शक है?
"संपत्ति का हेरफेर कर रहा है। वैसे तो मुझे ठीक से पता नहीं, लेकिन मुझे उस पर शक जरूर है।"
"वास्तव में?"
मैंने कहा, "सचमुच; और किसी चीज़ का नहीं।"
"ओह, मुझे लगता है कि यह काफी था।"
“मेरे लिए इतना ही काफी है। मुझे नहीं लगता कि आपके लिए इतना काफी होगा।”
"मैं क्षमा चाहता हूँ?"
मुझे इस महिला के साथ अपने संबंधों में सहजता महसूस नहीं हो रही थी। मैं उससे डरता था। मैंने अपने पास मौजूद तथ्यों को इकट्ठा किया, उन पर कुछ अनुमान लगाए और ढेर के शीर्ष से अंतरिक्ष में छलांग लगा दी:
“जब आप जेल से बाहर आईं, तो आपने एंड्रयूज को बुलवाया, उससे हर बात उगलवाई, और फिर जब आपको पता चला कि वह लड़की के पैसों से खेल रहा था, तो आपको लगा कि उस पर शक डालकर मामले को उलझाने का एक मौका है। वह बूढ़ा आदमी औरतों का दीवाना है: आप जैसी औरत के लिए वह बिल्कुल सही है। मुझे नहीं पता कि आप उसके साथ क्या करने की योजना बना रही हैं, लेकिन आपने उसे उकसा दिया है, और अखबारों को उसके पीछे लगा दिया है। मेरा मानना है कि आपने ही उन्हें उसके भारी वित्तीय मामलों की

जानकारी दी थी? यह सब बेकार है, श्रीमती हाल्डोर्न। इसे छोड़ दीजिए। यह काम नहीं करेगा। आप उसे भड़का सकती हैं, ठीक है, और उससे कोई आपराधिक काम करवा सकती हैं, उसे बड़ी मुसीबत में डाल सकती हैं: अब जब उसे उकसाया जा रहा है तो वह काफी हताश है। लेकिन अब वह जो भी करेगा, उससे अतीत में किसी और ने जो किया था वह नहीं मिटेगा। उसने संपत्ति को व्यवस्थित करने और सौंपने का वादा किया है। उसे अकेला छोड़ दीजिए। यह काम नहीं करेगा।”
जब हम कुछ और कदम चले तो उसने कुछ नहीं कहा। हमारे पैरों के नीचे एक रास्ता आ गया। मैंने कहा:
“यही वह रास्ता है जो चट्टान के ऊपर जाता है, वही रास्ता जिससे एरिक कोलिंसन को धक्का दिया गया था। क्या आप उन्हें जानते थे?”
उसने गहरी सांस ली, उसके गले में लगभग एक सिसकी सी अटक गई थी, लेकिन जब उसने जवाब दिया तो उसकी आवाज स्थिर, शांत और मधुर थी:
“तुम्हें पता है मैंने किया था। तुम क्यों पूछ रहे हो?”
"जासूसों को ऐसे सवाल पसंद आते हैं जिनके जवाब उन्हें पहले से पता हों। आप यहां क्यों आईं, श्रीमती हाल्डोर्न?"
"क्या यह कोई और है जिसका जवाब आपको पता है?"
मुझे पता है कि आप दो में से एक या दोनों कारणों से आए हैं।
"हाँ?"
सबसे पहले, यह जानना कि हम अपनी पहेली के उत्तर के कितने करीब थे। है ना?
"स्वाभाविक रूप से, मुझमें भी जिज्ञासा की कमी नहीं है," उसने स्वीकार किया।
मुझे आपकी यात्रा को इतना सफल बनाने में कोई आपत्ति नहीं है। मुझे इसका जवाब पता है।
वह रास्ते में रुक गई, मेरी ओर मुँह करके खड़ी हो गई, गोधूलि बेला में उसकी आँखें चमक रही थीं। उसने अपना एक हाथ मेरे कंधे पर रखा: वह मुझसे लंबी थी। दूसरा हाथ उसकी कोट की जेब में था। उसने अपना चेहरा मेरे करीब किया। वह बहुत धीरे-धीरे बोली, मानो उसे समझने में बहुत कठिनाई हो रही हो।
“मुझे सच-सच बताओ। झूठ मत बोलो। मैं बेवजह कोई गलती नहीं करना चाहता। रुको, रुको—बोलने से पहले सोचो—और मेरी बात मानो, यह झूठ

बोलने, दिखावा करने या छल करने का समय नहीं है। अब मुझे सच बताओ: क्या तुम्हें जवाब पता है?”
"हाँ।"
उसने मेरे कंधे से हाथ हटाते हुए हल्की सी मुस्कान के साथ कहा:
"तो फिर हमारी बाड़ लगाने का कोई फायदा नहीं है।"
मैं उस पर झपटा। अगर उसने अपनी जेब से गोली चलाई होती तो शायद मुझे गोली लग जाती। लेकिन उसने बंदूक निकालने की कोशिश की। तब तक मैंने उसका हाथ उसकी कलाई पर रख दिया था। गोली हमारे पैरों के बीच ज़मीन में जा लगी। उसके दूसरे हाथ के नाखूनों ने मेरे चेहरे के किनारे पर तीन लाल निशान बना दिए। मैंने अपना सिर उसकी ठोड़ी के नीचे दबा लिया, उसके घुटने ऊपर आने से पहले ही अपनी कमर उसकी तरफ घुमा ली, एक हाथ से उसे कसकर अपने शरीर से सटा लिया और उसके बंदूक वाले हाथ को पीछे की ओर मोड़ दिया। गिरते ही उसने बंदूक गिरा दी। मैं उसके ऊपर था। मैं तब तक वहीं पड़ा रहा जब तक मुझे बंदूक नहीं मिल गई। मैं उठ ही रहा था कि मैकमान आ गया।
मैंने लड़खड़ाती आवाज में उससे कहा, "कॉफी में सब कुछ अंडे जैसा होता है।"
"क्या उसे प्लग करना पड़ेगा?" उसने जमीन पर बेजान पड़ी महिला की ओर देखते हुए पूछा।
“नहीं, वह ठीक है। ध्यान रखना कि ड्राइवर ठीक से व्यवहार कर रहा है।”
मैकमैन चला गया। महिला उठ बैठी, अपने पैरों को अपने नीचे समेट लिया और अपनी कलाई को रगड़ने लगी। मैंने कहा:
"आपके आने का दूसरा कारण यही है, हालांकि मुझे लगा था कि आप श्रीमती कॉलिंसन के लिए आए हैं।"
वह बिना कुछ कहे उठ खड़ी हुई। मैंने उसे उठने में मदद नहीं की, क्योंकि मैं नहीं चाहती थी कि उसे पता चले कि मैं कितनी कांप रही थी। मैंने कहा:
"चूंकि हम यहां तक आ चुके हैं, इसलिए बात करने से कोई नुकसान नहीं होगा और शायद कुछ फायदा भी हो सकता है।"

“मुझे नहीं लगता कि अब कुछ भी काम आएगा।” उसने अपनी टोपी सीधी की। “तुम कहती हो कि तुम्हें पता है। तो झूठ का कोई फायदा नहीं, और सिर्फ झूठ ही काम आ सकता है।” उसने कंधे उचकाए। “अच्छा, अब क्या?” “अब कुछ नहीं, बस वादा करो कि तुम्हें याद रहेगा कि हताश होने का समय बीत चुका है। इस तरह की चीज़ें तीन भागों में बँटी होती हैं— पकड़े जाना, दोषी ठहराया जाना और सज़ा मिलना। अगर तुम मान लो कि पहले चरण के बारे में कुछ करने में बहुत देर हो चुकी है, तो—खैर, तुम जानते ही हो कि कैलिफ़ोर्निया की अदालतें और जेल बोर्ड क्या होते हैं।”
उसने उत्सुकता से मेरी ओर देखा और पूछा: "आप मुझे यह क्यों बता रहे हैं?"
क्योंकि मुझ पर गोली चलना कोई अच्छी बात नहीं है, और क्योंकि काम खत्म होने के बाद मैं उसे जल्द से जल्द निपटाना चाहता हूँ। मुझे इस रैकेट में आपकी भूमिका के लिए आपको दोषी ठहराने में कोई दिलचस्पी नहीं है, और आपका बीच में दखल देना और मामले को उलझाने की कोशिश करना मुझे परेशान कर रहा है। घर जाओ और तमीज़ से पेश आओ।
जब तक हम वापस लिमोसिन तक नहीं पहुँच गए, तब तक हम दोनों में से किसी ने कुछ नहीं कहा। फिर वह मुड़ी, मेरी ओर हाथ बढ़ाया और बोली:
मुझे लगता है—मुझे अभी पता नहीं है—लेकिन मुझे लगता है कि अब मैं आपका पहले से भी अधिक ऋणी हूँ।
मैंने कुछ नहीं कहा और न ही उसका हाथ पकड़ा। शायद उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया था, इसलिए उसने पूछा:
"क्या अब मुझे मेरी पिस्तौल मिल सकती है?"
"नहीं।"
"क्या आप श्रीमती कॉलिंसन को मेरी शुभकामनाएं दे देंगे और उन्हें बता देंगे कि मुझे बहुत खेद है कि मैं उनसे मिल नहीं सका?"
"हाँ।"
उसने "अलविदा" कहा और कार में बैठ गई; मैंने अपनी टोपी उतार दी और वह चली गई।

22

स्वीकारोक्ति

मिक्की लाइनहान ने मेरे लिए सामने का दरवाजा खोला। उसने मेरे खरोंच लगे चेहरे को देखा और हँस पड़ा:
“तुम्हारी औरतों के साथ तो खूब मशक्कत होती है। उनसे छीनने की कोशिश करने के बजाय उनसे पूछ क्यों नहीं लेते? इससे तुम्हारी बहुत सारी परेशानियां टल जाएंगी।” उसने छत की ओर अंगूठा दिखाते हुए कहा, “बेहतर होगा कि ऊपर जाकर उससे बात कर लो। वो तो हद ही कर रही है।” मैं गैब्रिएल के कमरे में गया। वह बिस्तर के बीचोंबीच बैठी थी। उसके हाथ उसके बालों में थे, जिन्हें वह खींच रही थी। उसका उदास चेहरा पैंतीस साल की उम्र को दर्शा रहा था। वह गले से दर्द भरी आवाज़ें निकाल रही थी।
“क्या ये लड़ाई है?” मैंने दरवाजे से कहा।
उसने अपने हाथ अपने बालों से हटा लिए।
“मैं नहीं मरूंगा?” यह सवाल दांतों से भीगे हुए एक सिसकी भरी आवाज में निकला।
"कोई मौका नहीं।"
वह सिसकते हुए लेट गई। मैंने उसके ऊपर चादर ठीक से ओढ़ा दी। उसने शिकायत की कि उसके गले में कुछ अटक गया है, उसके जबड़े और घुटनों के पीछे की जगह में दर्द हो रहा है।
मैंने उसे आश्वस्त करते हुए कहा, "ये सामान्य लक्षण हैं। इनसे आपको ज्यादा परेशानी नहीं होगी, और आपको पेट में होने वाले दर्द की कमी महसूस होगी।"

नाखूनों से दरवाजे पर खरोंच की आवाज आई। गैब्रिएल रोते हुए बिस्तर से उछल पड़ी:
"फिर कभी दूर मत जाना।"
मैंने वादा किया, "दरवाजे से ज्यादा दूर नहीं," और मैं दरवाजे की ओर चल पड़ा।
मैकमैन वहां मौजूद था।
“वो मैक्सिकन लड़की,” उसने फुसफुसाते हुए कहा, “झाड़ियों में छिपकर तुम्हें और उस औरत को देख रही थी। जब वो बाहर आई तो मैंने उसे देख लिया और उसका पीछा करते हुए नीचे सड़क तक गया। उसने लिमोसिन रोकी और उस औरत से पाँच-दस मिनट तक बात की। मैं उसके पास इतना नहीं पहुँच पाया कि उसकी कोई बात सुन सकूँ।”
"वह अब कहाँ है?"
“रसोईघर में। वो वापस आ गई। ढेर में दबी औरत बोलती रही। मिकी कहता है कि मेक्सिकन के पास चाकू है और वो हमें मुसीबत में डालने वाला है। क्या लगता है वो सही कह रहा है?”
“वह आम तौर पर ऐसा ही है,” मैंने कहा। “वह श्रीमती कॉलिंसन के लिए बहुत सख्त है, और सोचती है कि हम उसका भला नहीं चाहते। आखिर वह अपने काम से काम क्यों नहीं रख सकती? लगता है उसने छुपकर देखा होगा कि श्रीमती हाल्डोर्न हमारे पक्ष में नहीं हैं, फिर उसने सोचा होगा कि वह श्रीमती कॉलिंसन के पक्ष में हैं, और उसने उन्हें उकसा दिया होगा। मुझे उम्मीद है कि श्रीमती हाल्डोर्न में इतनी समझ होगी कि उन्होंने उसे तमीज़ से पेश आने को कहा होगा। खैर, अब हम कुछ नहीं कर सकते सिवाय उस पर नज़र रखने के। उसे बाहर का रास्ता दिखाने का कोई फायदा नहीं: हमें एक रसोइया तो चाहिए ही।”
जब मैकमान चला गया तो गैब्रिएल को याद आया कि हमारे यहाँ एक मेहमान आया था, और उसने मुझसे इसके बारे में, और उस गोली की आवाज के बारे में और मेरे खरोंच वाले चेहरे के बारे में पूछा।
मैंने उससे कहा, “वो आरोनिया हाल्डोर्न थी; और उसका सिर काट दिया गया। कोई नुकसान नहीं हुआ। अब वो इस दुनिया में नहीं है।”
"वह मुझे मारने आई थी," लड़की ने उत्तेजित होकर नहीं, बल्कि मानो निश्चित रूप से जानते हुए कहा।
“शायद। वो कुछ भी स्वीकार नहीं करेगी। वो तुम्हें क्यों मारेगी?”

मुझे इसका जवाब नहीं मिला।
वह एक लंबी और बुरी रात थी। मैंने उसका ज़्यादातर समय लड़की के कमरे में, सामने वाले कमरे से खींची गई चमड़े की कुर्सी पर बिताया। उसे शायद डेढ़ घंटे की नींद मिली, वो भी तीन बार में। बुरे सपनों ने उसे तीनों बार चीखते हुए जगा दिया। जब उसने मुझे सोने दिया, तो मैं भी झपकी ले ली। रात भर बीच-बीच में मुझे हॉल में दबी आवाज़ें सुनाई देती रहीं—शायद मैरी नुनेज़ अपनी मालकिन पर नज़र रख रही थी। बुधवार का दिन लंबा और बदतर था। दोपहर तक मेरे जबड़े भी गैब्रिएल की तरह दुखने लगे थे, क्योंकि मैं अपने पीछे के दांतों को कसकर पकड़े घूम रही थी। अब तो उसकी हालत और भी खराब हो गई थी। रोशनी उसकी आंखों में चुभ रही थी, आवाज़ उसके कानों में, हर तरह की गंध उसकी नाक में चुभ रही थी। उसके रेशमी नाइटगाउन का वज़न, चादरों का स्पर्श, उसकी त्वचा को तड़पा रहा था। उसकी हर नस, हर मांसपेशी लगातार खिंच रही थी। उसे यह कहना कि वह मरने वाली नहीं है, अब किसी काम का नहीं था: ज़िंदगी इतनी अच्छी नहीं थी।
मैंने कहा, "अगर तुम चाहो तो इससे लड़ना बंद कर दो। खुद को जाने दो। मैं तुम्हारा ख्याल रखूंगा।"
उसने मेरी बात पर विश्वास कर लिया, और मेरे हाथ में एक पागल औरत आ गई। एक बार उसकी चीखों ने मैरी नुनेज़ को दरवाजे पर ला दिया, जो मैक्सिकन-स्पेनिश में मुझ पर गुर्रा रही थी और थूक रही थी। मैं गैब्रिएल को कंधों से पकड़कर बिस्तर पर दबाए हुए था, और मुझे भी उतना ही पसीना आ रहा था जितना उसे।
मैंने मैक्सिकन महिला को गुस्से से जवाब दिया, "यहां से चली जाओ।" उसने अपना भूरा हाथ अपनी पोशाक के सीने में डाला और कमरे में एक कदम आगे बढ़ी। मिकी लाइनहान उसके पीछे आया, उसे वापस हॉल में खींच लिया और दरवाजा बंद कर दिया।
तेज़ झटकों के बीच, गैब्रिएल पीठ के बल लेटी हुई हांफ रही थी, छटपटा रही थी और हताश, पीड़ा भरी आँखों से छत को घूर रही थी। कभी-कभी उसकी आँखें बंद हो जाती थीं, लेकिन उसके शरीर का हिलना-डुलना बंद नहीं होता था।
उस दोपहर रॉली क्वेसाडा से यह खबर लेकर आया कि फिट्ज़स्टेफ़न की हालत इतनी सुधर गई है कि वर्नोन उससे पूछताछ कर सकता है।

फिट्ज़स्टेफ़न ने जिला अटॉर्नी को बताया कि उसने बम नहीं देखा था, न ही उसे कुछ ऐसा दिखाई दिया जिससे पता चले कि वह कब, कहाँ और कैसे कमरे में आया; लेकिन उसे धुंधली सी याद है कि फिंक और मेरे कमरे से निकलने के तुरंत बाद उसके पास ही टूटे हुए कांच के गिरने जैसी झनझनाहट और ज़मीन पर एक ज़ोरदार आवाज़ सुनाई दी थी।
मैंने रॉली से कहा कि वह वर्नोन को बता दे कि मैं कल उससे मिलने की कोशिश करूँगा, और फिंक को संभाल कर रखे। डिप्टी शेरिफ ने संदेश पहुँचाने का वादा किया और चला गया। मिकी और मैं बरामदे में खड़े थे। हमारे पास एक-दूसरे से कहने के लिए कुछ नहीं था, पूरे दिन से कुछ नहीं। मैं सिगरेट जला रहा था कि तभी अंदर से लड़की की आवाज़ आई। मिकी मुँह फेरकर कुछ बुदबुदाया जिसमें भगवान का नाम था।
मैंने उसे घूरकर देखा और गुस्से से पूछा:
"तो, मैं सही हूं या गलत?"
उसने मेरी तरफ घूरकर देखा, कहा, "मैं गलत होना ज्यादा पसंद करूंगा," और चला गया।
मैंने उसे कोसते हुए अंदर चली गई। मैरी नुनेज़, जो सामने की सीढ़ियों से ऊपर चढ़ रही थी, मुझे पीछे हटते हुए देखकर रसोई की ओर भागी, उसकी आँखें मुझे पागलों की तरह घूर रही थीं। मैंने उसे भी कोसते हुए ऊपर उस जगह गई जहाँ मैंने मैकमान को लड़की के दरवाजे पर छोड़ा था। उसने मेरी तरफ देखा तक नहीं, इसलिए मैंने उसे भी कोसते हुए सबको चुप करा दिया।
गैब्रिएल ने दोपहर का शेष समय चीखते-चिल्लाते, गिड़गिड़ाते और मॉर्फिन के लिए रोते हुए बिताया। उस शाम उसने अपना पूरा कबूलनामा कर दिया:
“मैंने तुमसे कहा था कि मैं बुरी नहीं बनना चाहती,” उसने कांपते हाथों से चादरें समेटते हुए कहा। “यह झूठ था। मैं बनना चाहती थी। मैं हमेशा से बनना चाहती थी, हमेशा से रही हूँ। मैं तुम्हारे साथ भी वही करना चाहती थी जो मैंने दूसरों के साथ किया; लेकिन अब मुझे तुम्हारी ज़रूरत नहीं: मुझे मॉर्फिन चाहिए। वे मुझे फांसी नहीं देंगे: मुझे पता है। और मुझे परवाह नहीं कि वे मेरे साथ और क्या करें, अगर मुझे मॉर्फिन मिल जाए।”
वह बेरहमी से हंसी और आगे बोली:

“तुम सही कह रही थी कि मैंने पुरुषों में बुराई इसलिए जगाई क्योंकि मैं चाहती थी। मैं चाहती भी थी; और मैंने किया भी—लेकिन डॉक्टर रीज़ और एरिक के साथ मैं नाकाम रही। मुझे नहीं पता उनमें क्या बात थी। लेकिन मैं दोनों के साथ नाकाम रही, और नाकामी में मैंने उन्हें मेरे बारे में बहुत कुछ जानने दिया। और इसीलिए उनकी हत्या हुई। जोसेफ ने डॉक्टर रीज़ को नशीली दवा दी, और मैंने खुद उसे मार डाला, और फिर हमने मिन्नी को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि उसने ही उसे मारा है। और मैंने जोसेफ को आरोनिया को मारने के लिए राजी किया, और वह ऐसा कर देता—वह कुछ भी कर देता जो मैं कहती—अगर तुमने दखल न दिया होता। मैंने हार्वे से एरिक को मरवाया। मैं एरिक से कानूनी तौर पर बंधी हुई थी—एक अच्छा आदमी जो मुझे एक अच्छी औरत बनाना चाहता था।”
उसने अपने होंठ चाटते हुए फिर से हंस दिया।
“हार्वे और मुझे पैसों की ज़रूरत थी, और मैं एंड्रयूज से पर्याप्त पैसे नहीं ले पा रही थी—मुझे शक होने का बहुत डर था; इसलिए हमने बहाना बनाया कि मेरा अपहरण हो गया है, ताकि पैसे मिल सकें। यह बहुत दुख की बात है कि तुमने हार्वे को मार डाला: वह एक शानदार इंसान था। मेरे पास वह बम था, कई महीनों से था। मैंने उसे पिताजी की प्रयोगशाला से लिया था, जब वह एक फिल्म कंपनी के लिए कुछ प्रयोग कर रहे थे। वह बहुत बड़ा नहीं था, और मैं उसे हमेशा अपने साथ रखती थी— बस एहतियात के तौर पर। मैंने उसे होटल के कमरे में तुम्हारे लिए रखा था। ओवेन और मेरे बीच कुछ नहीं था—यह भी एक झूठ था—वह मुझसे प्यार नहीं करता था। मैंने उसे तुम्हारे लिए रखा था, क्योंकि तुम— क्योंकि मुझे डर था कि तुम सच जान रही हो। मुझे बुखार था, और जब मैंने दो आदमियों को बाहर जाते सुना, जिनमें से एक तुम्हारे कमरे में था, तो मुझे यकीन था कि वह तुम ही हो। मुझे तब तक पता नहीं चला कि वह ओवेन है जब तक बहुत देर नहीं हो गई—जब तक मैंने दरवाजा थोड़ा सा खोलकर बम अंदर नहीं फेंक दिया। अब तुम्हें जो चाहिए था वह मिल गया है। मुझे मॉर्फिन दो। तुम्हारे नाटक करने का कोई कारण नहीं है। अब और मेरे साथ मत रहो। मुझे मॉर्फिन दो। तुम सफल हो गए। मैंने जो कुछ कहा है, उसे लिख लो: मैं उस पर हस्ताक्षर कर दूंगा। अब तुम यह दिखावा नहीं कर सकते कि मैं ठीक होने या बचने लायक हूं। मुझे मॉर्फिन दो।

अब हंसने की बारी मेरी थी, मैंने पूछा:
"और क्या तुम चार्ली रॉस के अपहरण और मेन को उड़ाने की बात कबूल नहीं करोगे?"
हमें एक और घंटे तक काफी परेशानी झेलनी पड़ी, फिर वो थककर चूर हो गई। रात बहुत धीमी गति से गुज़री। उसे दो घंटे से थोड़ा ज़्यादा नींद मिली, जो पिछली रात से आधा घंटा ज़्यादा थी। मुझे जब भी मौका मिला, मैं कुर्सी पर ही झपकी ले ली।
भोर होने से कुछ देर पहले, मुझे अपने कोट पर किसी के हाथ का आभास हुआ। अपनी साँसों को नियमित रखते हुए, मैंने पलकों को इतना खोला कि पलकों के बीच से देख सकूँ। कमरे में बहुत कम रोशनी थी, लेकिन मुझे लगा कि गैब्रिएल बिस्तर पर है, हालाँकि मैं देख नहीं पा रही थी कि वह सो रही है या जाग रही है। मेरा सिर कुर्सी के पीछे टिका हुआ था। मैं उस हाथ को नहीं देख पा रही थी जो मेरे कोट की अंदरूनी जेब में टटोल रहा था, न ही उस बांह को जो मेरे कंधे पर आई थी; लेकिन उनमें रसोई की गंध थी, इसलिए मैं जानती थी कि वे भूरे रंग के थे। मेक्सिकन महिला मेरे पीछे खड़ी थी। मिकी ने मुझे बताया था कि उसके पास चाकू है। मेरी कल्पना ने कहा कि वह उसे दूसरे हाथ में पकड़े हुए है। लेकिन मेरी समझदारी ने मुझे उसे अकेला छोड़ने की सलाह दी। मैंने ऐसा ही किया और अपनी आँखें फिर से बंद कर लीं। उसकी उंगलियों के बीच कागज़ की सरसराहट हुई और उसका हाथ मेरी जेब से निकल गया। मैंने नींद में ही अपना सिर हिलाया और एक पैर की स्थिति बदली। जब मैंने अपने पीछे दरवाजे के धीरे से बंद होने की आवाज़ सुनी, तो मैं उठ बैठा और चारों ओर देखा। गैब्रिएल सो रही थी। मैंने अपनी जेब में रखे गठ्ठों को गिना और पाया कि उनमें से आठ गायब थे।
कुछ देर बाद गैब्रिएल ने अपनी आँखें खोलीं। इलाज शुरू होने के बाद यह पहली बार था जब वह शांति से जागी थी। उसका चेहरा थका हुआ था, लेकिन आँखों में कोई घबराहट नहीं थी। उसने खिड़की की ओर देखा और पूछा:
“क्या वो दिन अभी तक नहीं आया?”
“उल्लास होने लगा है।” मैंने उसे थोड़ा संतरे का रस दिया। “आज हम तुम्हें कुछ ठोस खाना खिला देंगे।”
मुझे खाना नहीं चाहिए। मुझे मॉर्फिन चाहिए।

“मूर्खता मत करो। तुम्हें खाना मिलेगा। तुम्हें मॉर्फिन नहीं मिलेगी। आज कल जैसा नहीं होगा। तुमने मुश्किल दौर पार कर लिया है, अब आगे का रास्ता आसान है, हालांकि कुछ कठिन परिस्थितियाँ आ सकती हैं। अब मॉर्फिन माँगना बेवकूफी है। तुम क्या करना चाहते हो? जो नरक तुमने झेला है, उसका कोई नतीजा न निकले? अब तुम इस मुश्किल से पार पा चुके हो: हिम्मत रखो।”
"क्या मैंने—क्या मैंने सचमुच इस पर काबू पा लिया है?"
“हाँ। अब आपको बस घबराहट और उस एहसास की याद से ही लड़ना है जब आपने खूब शराब पी रखी थी।”
“मैं कर सकती हूँ,” उसने कहा। “मैं कर सकती हूँ क्योंकि आप कहते हैं कि मैं कर सकती हूँ।”
वह सुबह देर तक ठीक-ठाक रही, फिर एक-दो घंटे के लिए भड़क उठी। लेकिन बात इतनी भी बुरी नहीं थी, और मैंने उसे फिर से शांत कर दिया। जब मैरी ने अपने दोपहर के भोजन की बात की तो मैंने उन दोनों को वहीं छोड़ दिया और अपना भोजन लेने नीचे चली गई।
मिकी और मैकमान पहले से ही भोजन कक्ष की मेज पर बैठे थे। भोजन के दौरान दोनों में से किसी ने भी एक शब्द नहीं बोला—न एक-दूसरे से और न ही मुझसे। चूंकि वे चुप रहे, इसलिए मैं भी चुप रहा।
जब मैं ऊपर वापस गई, तो गैब्रिएल हरे रंग के बाथरोब में, चमड़े की उस कुर्सी पर बैठी थी जो दो रातों से मेरा बिस्तर थी। उसने अपने बाल संवारे थे और चेहरे पर पाउडर लगाया था। उसकी आँखें लगभग हरी थीं, और पलकें थोड़ी उठी हुई थीं, मानो वह कोई मज़ाक छुपा रही हो। उसने बनावटी गंभीरता से कहा:
"बैठ जाओ। मैं तुमसे गंभीरता से बात करना चाहता हूँ।"
मैं बैठ गया।
“तुमने मेरे लिए ये सब क्यों सहा?” अब वो सचमुच गंभीर थी। “तुम्हें ऐसा करने की ज़रूरत नहीं थी, और ये सुखद भी नहीं रहा होगा। मैं— मुझे नहीं पता मैं कितनी बुरी थी।” उसका चेहरा माथे से लेकर छाती तक लाल हो गया। “मुझे पता है मैं घिनौनी, नीच थी। मुझे पता है मैं अब तुम्हें कैसी लग रही हूँ। तुमने—तुमने ऐसा क्यों किया?”
मैंने कहा था:

“मैं तुम्हारी उम्र से दुगना हूँ, बहन; एक बूढ़ा आदमी। मैं तुम्हें यह बताकर खुद को मूर्ख नहीं बनाना चाहता कि मैंने ऐसा क्यों किया, यह न तो घृणित था और न ही निंदनीय, और मैं इसे दोबारा करूँगा और मौका मिलने पर खुश रहूँगा।”
वह अपनी कुर्सी से उछल पड़ी, उसकी आंखें गोल और काली थीं, उसका मुंह कांप रहा था।
"तुम्हारा मतलब है-?"
मैंने कहा, "मेरा मतलब ऐसी किसी बात से नहीं है जिसे मैं स्वीकार करूँ; और अगर तुम उस खुले हुए चोगे को पहनकर इधर-उधर घूमोगे तो तुम्हें ब्रोंकाइटिस हो जाएगा। तुम जैसे शराब के शौकीनों को सर्दी-जुकाम से सावधान रहना चाहिए।"
वह फिर से बैठ गई, अपने चेहरे पर हाथ रख लिए और रोने लगी। मैंने उसे रोने दिया। थोड़ी देर बाद वह उंगलियों के बीच से हंसते हुए बोली: "क्या तुम बाहर जाओगे और मुझे पूरी दोपहर अकेले रहने दोगे?"
"हाँ, अगर तुम गर्म रहोगे तो।"
मैं काउंटी मुख्यालय गया, काउंटी अस्पताल गया और लोगों से तब तक बहस करता रहा जब तक उन्होंने मुझे फिट्जस्टेफन के कमरे में जाने की अनुमति नहीं दे दी।
उसका 90 प्रतिशत शरीर पट्टियों से ढका हुआ था, केवल एक आँख, एक कान और मुँह का एक हिस्सा ही बाहर झाँक रहा था। आँख और आधा मुँह लिनेन के कपड़े के बीच से मेरी ओर मुस्कुरा रहे थे, और एक आवाज़ सुनाई दी: “अब मुझे तुम्हारे होटल के कमरे नहीं चाहिए।” उसकी आवाज़ साफ़ नहीं थी क्योंकि उसे टेढ़े मुंह से बोलना पड़ा था और वह अपने जबड़े हिला नहीं सकता था; लेकिन उसमें भरपूर जोश था। यह एक ऐसे आदमी की आवाज़ थी जो जीना चाहता था।
मैंने मुस्कुराते हुए उससे कहा:
“इस बार होटल के कमरे नहीं मिलेंगे, जब तक कि आप सैन क्वेंटिन को होटल न समझ लें। क्या आप तीसरी डिग्री की सजा झेलने के लिए काफी मजबूत हैं, या हमें एक-दो दिन इंतजार करना चाहिए?”
उन्होंने कहा, "मुझे अभी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहिए। चेहरे के हाव-भाव से मेरी पोल नहीं खुलेगी।"

“अच्छा। अब ये रहा पहला मुद्दा: फिंक ने तुमसे हाथ मिलाते समय तुम्हें वो बम थमा दिया था। यही एकमात्र तरीका था जिससे वो मेरी नज़र से बचकर अंदर आ सकता था। उस समय उसकी पीठ मेरी तरफ थी। तुम्हें पता नहीं था कि वो तुम्हें क्या दे रहा है, लेकिन तुम्हें उसे लेना पड़ा, ठीक वैसे ही जैसे अब तुम्हें इससे इनकार करना होगा, या हमें ये बताना होगा कि तुम होली ग्रेल गिरोह से जुड़े हुए थे, और फिंक के पास तुम्हें मारने के कारण थे।”
फिट्ज़स्टेफ़न ने कहा: "आप बहुत ही उल्लेखनीय बातें कहते हैं। मुझे खुशी है कि उसके पास इसके पीछे कारण थे।"
“तुमने रीज़ की हत्या की साज़िश रची। बाकी लोग तुम्हारे साथी थे। जब जोसेफ की मौत हुई तो सारा दोष उसी पर डाल दिया गया, उस कथित पागल पर। इतना काफी है बाकी लोगों को रिहा करने के लिए, या होना चाहिए। लेकिन तुम यहाँ कॉलिंसन की हत्या कर रहे हो और न जाने क्या-क्या योजना बना रहे हो। फिंक जानता है कि अगर तुम ऐसा करते रहे तो मंदिर हत्याकांड का सच सबके सामने आ जाएगा, और उसे भी तुम्हारे साथ फांसी पर चढ़ना पड़ेगा। इसलिए, डरा हुआ और घबराया हुआ, वह तुम्हें रोकने की कोशिश करता है।”
फिट्ज़स्टेफ़ान ने कहा: “बेहतर से बेहतर। तो क्या मैंने कॉलिंसन को मार डाला?”
“तुमने उसकी हत्या करवाई—व्हिडन को काम पर रखा और फिर उसे पैसे नहीं दिए। उसने फिर लड़की का अपहरण कर लिया और उसे अपने पैसों के लिए बंधक बनाकर रखा, क्योंकि वह जानता था कि तुम वही चाहते थे। जब हमने उसे घेर लिया, तो उसकी गोली तुम्हारे सबसे करीब से गुजरी।” फिट्ज़स्टेफ़ान ने कहा: "मेरे पास विस्मयादिबोधक शब्द कम पड़ते जा रहे हैं। तो क्या मैं उसके पीछे पड़ा था? मैं अपने मकसद के बारे में सोच रहा था।"
“तुमने उसके साथ बहुत बुरा बर्ताव किया होगा। एंड्रयूज और एरिक के साथ उसका समय अच्छा नहीं बीता था, लेकिन उन्हें उनके बारे में बात करने में कोई आपत्ति नहीं थी। लेकिन जब मैंने तुम्हारे प्रेम प्रसंग के बारे में जानने की कोशिश की, तो वह कांप उठी और चुप हो गई। मुझे लगता है कि उसने तुम्हें इतनी बुरी तरह से झटका दिया कि तुम

उछल पड़े, और तुम उस तरह के अहंकारी हो जो इससे कुछ भी करने को मजबूर हो जाते हो।”
फिट्ज़स्टेफ़न ने कहा: "मुझे लगता है। आप जानते हैं, मुझे कई बार यह आभास हुआ है कि आप गुप्त रूप से कोई बेहद मूर्खतापूर्ण सिद्धांत पाल रहे थे।"
“अच्छा, मैं क्यों न करूँ? जब श्रीमती लेगेट ने अचानक बंदूक उठाई, तब तुम उनके बगल में खड़े थे। उन्हें वह बंदूक कहाँ से मिली? प्रयोगशाला से उनका पीछा करते हुए सीढ़ियों से नीचे जाना तुम्हारे स्वभाव के विपरीत था। जब गोली उनकी गर्दन में लगी, तब तुम्हारा हाथ उनकी बंदूक पर था। क्या मुझे बहरा, गूंगा और अंधा होना चाहिए था? जैसा कि तुमने माना, गैब्रिएल की सारी परेशानियों के पीछे एक ही दिमाग था। तुम ही वह अकेले व्यक्ति हो जिसके पास ऐसा दिमाग है, जिसका हर घटना से संबंध स्पष्ट है, और जिसके पास ज़रूरी मकसद है। मकसद ने मुझे रोके रखा: विस्फोट के बाद गैब्रिएल से पूछताछ करने का पहला उचित मौका मिलने तक मैं इसके बारे में निश्चित नहीं हो सका। और एक और बात जिसने मुझे रोके रखा, वह यह थी कि फिंक और आरोनिया हाल्डोर्न के मेरे लिए यह साबित करने तक मैं तुम्हें टेंपल गिरोह से नहीं जोड़ पाया।”
फिट्ज़स्टेफ़न ने कहा: "अरे, आरोनिया ने मुझे बांधने में मदद की? वह क्या कर रही थी?" उसने यह बात अनमने ढंग से कही, और उसकी एक दिखाई देने वाली भूरी आँख छोटी थी, मानो वह उसके पीछे कुछ और विचारों में व्यस्त हो।
“उसने तुम्हें बचाने के लिए हर संभव कोशिश की है, सारी गड़बड़ियाँ फैलाई हैं, भ्रम पैदा किया है, हमें एंड्रयूज के पीछे लगाया है, यहाँ तक कि मुझे गोली मारने की भी कोशिश की है। मैंने कॉलिंसन का ज़िक्र तब किया जब उसे पता चला कि एंड्रयूज का झूठा सुराग काम नहीं करेगा। उसने दबी हुई आह भरी और सिसकी ली, बस इस उम्मीद में कि शायद मैं उसे गुमराह कर दूँ, उसने कोई कसर नहीं छोड़ी। मुझे वो पसंद है: वो चालाक है।”
“वह बहुत ज़िद्दी है,” फिट्ज़स्टेफ़ान ने हल्के स्वर में कहा, मानो मेरी आधी बात भी न सुनी हो, अपने ही विचारों में डूबा हुआ था। उसने

तकिए पर अपना सिर इस तरह घुमाया कि उसकी आंखें संकीर्ण और चिंतनशील होकर छत की ओर देखने लगीं।
मैंने कहा: "और इस तरह महान डैन अभिशाप का अंत होता है।"
फिर वह हँसा, जितना वह एक आँख और थोड़े से मुँह से हँस सकता था, और बोला:
“मान लो, मेरे बेटे, अगर मैं तुमसे कहूँ कि मैं डैन हूँ?”
मैंने कहा: "हूँ?"
उन्होंने कहा: "मेरी मां और गैब्रिएल के नाना भाई-बहन थे।"
मैंने कहा: "मैं तो हैरान रह गया।"
“तुम्हें यहाँ से चले जाना होगा और मुझे सोचने देना होगा,” उसने कहा। “मुझे अभी पता नहीं है कि मैं क्या करूँगा। समझ लो, अभी मैं कुछ भी स्वीकार नहीं करता। लेकिन संभावना यही है कि मैं श्राप पर अड़ा रहूँगा, उसी का इस्तेमाल अपनी जान बचाने के लिए करूँगा। उस स्थिति में, मेरे बेटे, तुम एक असाधारण बचाव देखोगे, एक ऐसा तमाशा जो देश के अखबारों को खुशी से झूमने पर मजबूर कर देगा। मैं एक डैन बनूँगा, मुझमें शापित डैन का खून होगा, और चचेरी बहन ऐलिस, चचेरी बहन लिली, चचेरी बहन गैब्रिएल और न जाने कितने अन्य अपराधी डैनों के अपराध मेरे पक्ष में सबूत होंगे। मेरे अपने अपराधों की संख्या मेरे पक्ष में होगी, इस सिद्धांत पर कि इतने सारे अपराध केवल एक पागल ही कर सकता है। और क्या वे बहुत सारे नहीं होंगे? मैं बचपन से लेकर अब तक के अनगिनत अपराध पेश करूँगा।”
“साहित्य भी मेरी मदद करेगा। क्या अधिकांश समीक्षक इस बात से सहमत नहीं थे कि 'द पेल इजिप्शियन' एक उप-मंगोलियाई लेखक की रचना थी? और, जैसा कि मुझे याद है, आम सहमति यह थी कि मेरी 'अठारह इंच' में लेखक के पतन के सभी ज्ञात संकेत मौजूद थे। सबूत, बेटे, मेरी जान बचाने के लिए। और मैं अपना क्षत-विक्षत शरीर उनके सामने लहराऊंगा—एक हाथ गायब, एक पैर गायब, मेरे धड़ और चेहरे के कुछ हिस्से—एक खंडहर जिसके अपराधों और स्वर्ग ने उसे पर्याप्त दंड दिया है। और शायद बम ने मुझे फिर से होश में ला दिया हो, या कम से कम आपराधिक पागलपन से बाहर निकाल दिया हो। शायद मैं धार्मिक भी हो जाऊं। यह एक शानदार तमाशा होगा। यह मुझे लुभाता है। लेकिन मुझे खुद को प्रतिबद्ध करने से पहले सोचना होगा।”

वह अपने खुले हुए आधे मुंह से हांफ रहा था, अपने भाषण से थक चुका था, और विजयी आनंद से भरी एक धूसर आंख से मेरी ओर देख रहा था।
मैंने जाते हुए कहा, "शायद तुम कामयाब हो जाओगे। और अगर तुम कामयाब हो गए तो मुझे तसल्ली होगी। तुम्हें काफी मार पड़ चुकी है। और कानूनी तौर पर, अगर किसी को भागने का हक है, तो वो तुम ही हो।" “कानूनी तौर पर हकदार?” उसने दोहराया, उसकी आँखों से हंसी गायब हो गई थी। उसने नज़रें फेर लीं, और फिर बेचैनी से मेरी तरफ देखा। “सच बताओ। क्या मैं हकदार हूँ?”
मेंने सिर हिलाया।
“लेकिन, धिक्कार है, इससे तो मज़ा किरकिरा हो जाता है,” उसने शिकायत करते हुए कहा, अपनी आँखों में बेचैनी छिपाने की पूरी कोशिश करते हुए, अपने हमेशा के सहज और हंसमुख अंदाज़ को बनाए रखने की कोशिश करते हुए, और इसमें बुरी तरह नाकाम न होते हुए। “अगर मैं सच में पागल हो जाऊं तो मज़ा ही नहीं आएगा।”
जब मैं खाड़ी में स्थित घर लौटा, तो मिकी और मैकमान सामने की सीढ़ियों पर बैठे थे। मैकमान ने कहा, "नमस्ते," और मिकी ने कहा: "क्या तुम्हारे जाने के दौरान तुम्हें किसी महिला से कोई नई चोट लगी? तुम्हारा छोटा साथी तुम्हें बहुत याद कर रहा था।" मैंने इससे —यानी श्वेत समुदाय में मेरी वापसी से—यह अनुमान लगाया कि गैब्रिएल ने अच्छा समय बिताया होगा।
वह तकियों को अपनी पीठ के पीछे रखकर बिस्तर पर बैठी थी, उसका चेहरा अभी भी—या शायद फिर से—पाउडर से सना हुआ था, और उसकी आँखें खुशी से चमक रही थीं।
“मेरा इरादा तुम्हें हमेशा के लिए दूर भेजने का नहीं था,” उसने डांटते हुए कहा। “तुमने बहुत बुरा किया। तुम्हारे लिए मेरे पास एक सरप्राइज है और मैं उसका बेसब्री से इंतजार कर रही हूँ।”
“अच्छा, मैं यहाँ हूँ। क्या बात है?”
अपनी आंखें बंद कर लो।
मैंने उन्हें बंद कर दिया।
"अपनी आँखें खोलें।"
मैंने उन्हें खोला। वह मुझे वे आठ गठ्ठे दिखा रही थी जो मैरी नुनेज़ ने मेरी जेब से चुरा लिए थे।

“ये मेरे पास दोपहर से हैं,” उसने गर्व से कहा; “इन पर उंगलियों के निशान और आंसू के निशान हैं, लेकिन इनमें से एक भी नहीं खोला गया है। सच कहूं तो, इन्हें न खोलना इतना मुश्किल नहीं था।”
मैंने कहा, "मुझे पता था कि तुम्हारे लिए ऐसा नहीं होगा। इसीलिए मैंने उन्हें मैरी से नहीं छीना।"
“तुम्हें पता था? तुमने मुझ पर इतना भरोसा किया कि मुझे उनके साथ छोड़कर चले गए?”
केवल एक मूर्ख ही यह स्वीकार करता कि दो दिनों तक मुड़े हुए कागजों में मूल मॉर्फिन के स्थान पर पिसी हुई चीनी रखी हुई थी।
“तुम दुनिया के सबसे अच्छे इंसान हो।” उसने मेरा एक हाथ पकड़ा और उस पर अपना गाल रगड़ा, फिर जल्दी से हाथ छोड़ दिया, अपना चेहरा बिगाड़ते हुए बोली: “सिवाय इसके! कि आज दोपहर तुम वहाँ बैठे रहे और जानबूझकर मुझे यह यकीन दिलाने की कोशिश की कि तुम मुझसे प्यार करते हो।”
“तो?” मैंने अपना चेहरा गंभीर बनाए रखने की कोशिश करते हुए पूछा। “तुम पाखंडी हो। तुम जवान लड़कियों को धोखा देते हो। अगर मैं तुमसे शादी कर लूँ या वादा तोड़ने के लिए तुम पर मुकदमा कर दूँ, तो यही तुम्हारे लिए सही होगा। मैंने पूरी दोपहर तुम पर भरोसा किया—और इससे मुझे मदद भी मिली। मैंने तुम पर तब तक भरोसा किया जब तक तुम अभी नहीं आए, और फिर मैंने देखा—” वह रुक गई।
"क्या देखा?"
“एक राक्षस। एक अच्छा राक्षस, खासकर मुसीबत के समय साथ रहने के लिए बहुत अच्छा, लेकिन फिर भी एक राक्षस ही, उसमें प्यार जैसी कोई मानवीय मूर्खता नहीं है, और—क्या बात है? क्या मैंने कुछ ऐसा कह दिया जो मुझे नहीं कहना चाहिए था?”
मैंने कहा, "मुझे नहीं लगता कि आपको ऐसा करना चाहिए था। मुझे यकीन नहीं है कि अगर वो बड़ी-बड़ी आंखों वाली और दमदार आवाज वाली महिला सौदे का हिस्सा होती, तो मैं अब फिट्ज़स्टेफ़न के साथ अपनी जगह बदलना चाहूँगा।"
“ओह, हे भगवान!” उसने कहा।

23

सर्कस

ओवेन फिट्ज़स्टेफ़न ने मुझसे फिर कभी बात नहीं की। उसने मुझसे मिलने से इनकार कर दिया, और जब एक कैदी के रूप में उससे मिलना असंभव हो गया, तो उसने अपना मुंह बंद कर लिया और चुप ही रहा। मेरे प्रति उसकी यह अचानक नफरत—जो कि एक तरह से नफरत ही थी—शायद इसलिए पनपी क्योंकि उसे पता था कि मैं उसे पागल समझता हूँ। वह चाहता था कि बाकी दुनिया, या कम से कम वे दर्जन भर लोग जो उसकी जूरी में दुनिया का प्रतिनिधित्व करेंगे, उसे पागल समझें—और उसने उन्हें ऐसा सोचने पर मजबूर भी कर दिया—लेकिन वह नहीं चाहता था कि मैं उनसे सहमत होऊं। एक समझदार आदमी के रूप में, जिसने पागल होने का नाटक करके अपनी मनमर्जी की और सजा से बच गया, उसने दुनिया पर एक तरह का मज़ाक किया—अगर आप इसे मज़ाक कहना चाहें तो। लेकिन अगर वह एक पागल था, जो अपने पागलपन से अनजान था और सोचता था कि वह पागल होने का नाटक कर रहा है, तो मज़ाक—अगर आप इसे मज़ाक कहना चाहें तो—उस पर ही भारी पड़ गया। और मेरे द्वारा उस पर किया गया ऐसा मज़ाक उसके अहंकार को बर्दाश्त नहीं हुआ, हालाँकि यह संभव नहीं है कि उसने कभी स्वयं यह स्वीकार किया हो कि वह वास्तव में पागल था, या हो सकता है। उसने जो भी सोचा हो, अस्पताल में हुए उस साक्षात्कार के बाद उसने मुझसे कभी बात नहीं की, जिसमें मैंने कहा था कि उसे कानूनी तौर पर फांसी से बचने का अधिकार है।
कुछ महीनों बाद जब उनकी तबीयत इतनी सुधरी कि वे अदालत में पेश हो सके, तो उनका मुकदमा बिलकुल वैसा ही तमाशा था जैसा उन्होंने वादा

पहाड़ों में बिताए दो महीनों ने उसके इलाज को पूरा कर दिया, और जब वह शहर लौटी तो वह पहले जैसी बिल्कुल नहीं लग रही थी। फर्क सिर्फ दिखावे में ही नहीं था।
“मुझे यकीन ही नहीं हो रहा कि ये सब सच में मेरे साथ हुआ था,” उसने एक दोपहर मुझसे कहा, जब मैं, लॉरेंस कॉलिंसन और वह सुबह और दोपहर की अदालती सुनवाई के बीच लंच कर रहे थे। “क्या आपको लगता है कि इतनी सारी घटनाओं के कारण ही मैं इतनी कठोर हो गई?”
“नहीं। याद है, तुम ज़्यादातर समय कोकीन के नशे में रहते थे। उसी ने तुम्हें खतरे से बचाया। तुम्हारी किस्मत अच्छी थी। अब मॉर्फिन से दूर रहो, वरना वो सपना धुंधला सा ही रहेगा। जब भी तुम्हें वो सपना साफ़ और स्पष्ट याद आए, तो एक बार कोकीन ले लो।”
“मैं ऐसा कभी नहीं करूंगी,” उसने कहा; “यहाँ तक कि तुम्हें इलाज के दौरान मुझे फिर से परेशान करने का मौका भी नहीं दूंगी। उसे तो बहुत मज़ा आता था,” उसने लॉरेंस कॉलिंसन से कहा। “वह मुझे गालियाँ देता था, मेरा मज़ाक उड़ाता था, मुझे भयानक-भरी धमकियाँ देता था, और फिर, आखिर में, मुझे लगता है उसने मुझे बहकाने की कोशिश की। और अगर मैं कभी-कभी असभ्य हो जाती हूँ, लॉरेंस, तो इसके लिए तुम्हें उसे ही दोष देना होगा: उसका मुझ पर कोई अच्छा प्रभाव नहीं था।”
ऐसा प्रतीत होता है कि वह काफी दूर तक वापस आ चुकी है।
लॉरेंस कॉलिंसन हमारे साथ हँसे, लेकिन उनकी ठुड्डी से ज़्यादा नीचे तक नहीं। मुझे लगा कि उन्हें लगा कि मेरा उन पर कोई सकारात्मक प्रभाव नहीं है।

डैशिएल हैमेट का जन्म 1894 में मैरीलैंड के सेंट मैरीज़ काउंटी में हुआ था। उनका पालन-पोषण फिलाडेल्फिया और बाल्टीमोर में हुआ। उन्होंने चौदह वर्ष की आयु में स्कूल छोड़ दिया और उसके बाद कई तरह की नौकरियाँ कीं—संदेशवाहक, समाचार पत्र विक्रेता, क्लर्क, समयपाल, चौकीदार, मशीन ऑपरेटर और मज़दूर। अंततः वे पिंकर्टन की जासूस एजेंसी के लिए एक एजेंट बन गए।
प्रथम विश्व युद्ध, जिसमें उन्होंने सार्जेंट के रूप में सेवा की, ने उनके जासूसी कार्य में बाधा डाली और उनके स्वास्थ्य को भी प्रभावित किया। कई अस्पतालों में भर्ती होने के बाद जब उन्हें अंततः छुट्टी मिली, तो उन्होंने जासूसी का काम फिर से शुरू कर दिया। बाद में, उन्होंने लेखन की ओर रुख किया और 1920 के दशक के अंत तक वे अमेरिका में जासूसी कहानियों के निर्विवाद उस्ताद बन गए। द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, श्री हैमेट ने फिर से सेना में सार्जेंट के रूप में सेवा की, इस बार दो वर्षों से अधिक समय तक, जिसका अधिकांश समय उन्होंने एल्यूशियन द्वीप समूह में बिताया।
उनका निधन 1961 में हुआ।

डैशियल हैमेट की अन्य रचनाएँ

डैन का अभिशाप

कॉन्टिनेंटल ऑप एक छोटी, गठीली और भावहीन जासूस है। मिस गैब्रिएल डैन लेगेट युवा, धनी और मॉर्फिन व धार्मिक संप्रदायों की अनुयायी हैं। उनका अपने आसपास के लोगों पर एक बुरा असर पड़ता है: उनकी मौत हिंसक तरीके से होने लगती है। क्या गैब्रिएल किसी पारिवारिक अभिशाप की शिकार हैं? या उनके बारे में सच्चाई कहीं ज़्यादा विचित्र और खतरनाक है? डैन अभिशाप कॉन्टिनेंटल ऑप के सबसे विचित्र मामलों में से एक है और एक कसी हुई कहानी है जो रहस्य से भरपूर है। फिक्शन/अपराध/978-0-679-72260-1

कांच की चाबी

पॉल मैडविग एक हंसमुख, भ्रष्ट और स्वार्थी व्यक्ति था, जिसकी आकांक्षा कुछ बेहतर पाने की थी: सीनेटर राल्फ बैनक्रॉफ्ट हेनरी की बेटी, जो राजनीतिक रूप से प्रतिष्ठित खानदान की वारिस थी। क्या वह उसे पाने के लिए हत्या करने को भी तैयार था? और अगर मैडविग निर्दोष था, तो उसके दर्जनों दुश्मनों में से कौन उसे फंसाने में इतनी कुशलता से काम कर रहा था? डैशियल हैमेट की जासूसी उपन्यास की यह उत्कृष्ट कृति एक मजबूत कथानक, वास्तविक रूप से भ्रष्ट पात्रों और संक्षिप्त, सटीक लेखन का संगम है।
कथा/अपराध/978-0-679-72262-5

माल्टीज़ बाज़

एक ऐसा खजाना जिसके लिए कोई भी जान ले सकता है। सैम स्पेड, एक थोड़ा घिसा-पिटा जासूस, जिसकी अपनी ही एकांत नैतिकता है। जोएल कायरो नाम का एक इत्र लगाने वाला रिश्वतखोर, गुटमैन नाम का एक मोटा आदमी, और ब्रिगिड ओ'शॉघनेसी, एक खूबसूरत और धोखेबाज औरत जिसकी वफादारी पल भर में बदल जाती है। ये हैं डैशियल हैमेट के इस शानदार जासूसी उपन्यास के तत्व, एक ऐसा उपन्यास जिसने पाठकों की तीन पीढ़ियों को मंत्रमुग्ध कर दिया है।
कथा/अपराध/978-0-679-72264-9

दुःस्वप्न शहर

कम बोलने वाले पुलिसवाले, बदमाश और रहस्यमयी औरतें बड़ी बेपरवाही से अपने साथियों को धोखा देती हैं। नशे में धुत एक आदमी एक छोटे से कस्बे में जागता है, जिसके केंद्र में एक गहरा रहस्य छिपा है। एक

[illegible]

[illegible]/[illegible]/*978-0-375-70102-3*

[illegible]

[illegible]

[illegible]/[illegible]/*978-0-679-72261-8*

[illegible]

[illegible]

[illegible]/[illegible]/*978-0-679-72263-2*

[illegible]

[illegible]

[illegible]/[illegible]/*978-0-679-72265-6*

[illegible]:
[illegible], *978-0-679-72259-5*

द कॉन्टिनेंटल ओपी, 978-0-679-72258-5

विंटेज क्राइम/ब्लैक लिज़ार्ड आपकी स्थानीय किताबों की दुकान पर उपलब्ध है, या www.randomhouse.com पर जाएँ।